THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 273 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष शु.9 2082 सोमवार, 29 दिसंबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

हुमायूं कबीर का बेटा हिरासत में

कोलकता, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद की नींव रखने वाले और जनता उन्नयन पार्टी (जेयूपी) के अध्यक्ष हुमायूं कबीर के बेटे गुलाम नबी आजाद को हिरासत में लिया गया है। गुलाम पर आरोप है कि उसने ड्यूटी पर तैनात एक पुलिसकर्मी से मारपीट की थी। कांस्टेबल आरोपी के पिता कबीर की सुरक्षा में तैनात था। कांस्टेबल ने दर्ज शिकायत में कहा है कि जब उसने कबीर से छुट्टी की मांग की तो इस बात पर गुलाम ने उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट की। कांस्टेबल की इसी शिकायत पर पुलिस ने उसे रविवार को हिरासत में लिया और फिर शक्तिपुर पुलिस थाने ले जाया गया। घटना के समय भारतपुर से विधायक और तृणमूल कांग्रेस से निलंबित हुमायूं कबीर घर पर मौजूद नहीं थे।

चुनाव आयोग ने अनमैप्ड वोटर्स की सुनवाई रोकी : मतदाता सूची में तकनीकी दिक्कत को बताया वजह

कोलकाता, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में अनमैप्ड मतदाताओं की सुनवाई पर फिलहाल रोक लगा दी है। बंगाल में यह सुनवाई शनिवार से ही शुरू हुई थी, जिसमें 32 लोगों की सुनवाई की जानी है। हालांकि अब चुनाव आयोग ने 2002 की मतदाता सूची में तकनीकी गड़बड़ी का हवाला देते हुए सुनवाई रोकने का फैसला किया है।

चुनाव आयोग के अनुसार, अनमैप्ड मतदाता वे हैं, जिनका विवरण वर्ष 2002 की मतदाता सूची के रिकॉर्ड से मेल नहीं खा रहा। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय से जारी निर्देश में कहा गया है कि यह समस्या राज्य में किए गए पिछले विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान 2002 की चुनावी सूचियों के पीडीएफ वर्जन को सीएसवी फॉर्मेट में पूरी तरह से रूपांतरित न करने के कारण हुई है, जिससे कई वोटर्स के लिए बूथ-लेवल ऑफिसर (बीएलओ) ऐप में लिंकिंग फेल हो गई है। निर्देशों के अनुसार, 2002 की चुनावी सूचियों के अंश, चुनाव आयोग के निर्देशानुसार संबंधित डीईओ को सत्यापन के लिए भेजे जा सकते हैं। सत्यापन के बाद, ईआरओ या एईआरओ उचित निर्णय ले सकते हैं और मामलों के निपटान के लिए जरूरी दस्तावेज अपलोड कर सकते हैं। बीएलओ को फील्ड सत्यापन के लिए भी तैनात किया जाएगा, जिससे वे सिस्टम में अपलोड करने के लिए संबंधि वोटर्स की तस्वीरें ले सकते हैं।

आतंकी साजिश नाकाम : सोपोर में हाईवे किनारे बैग में मिला विस्फोटक, बम निरोधक दस्ते ने किया नष्ट

श्रीनगर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। सुरक्षाबलों ने उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले के सोपोर में नए साल से पूर्व आतंकियों की साजिश को नाकाम करते हुए विस्फोटक बरामद किया है। यह विस्फोटक एक बैग में श्रीनगर-बारामुला राष्ट्रीय राजमार्ग पर रखा गया था। बारामुला पुलिस और सेना की समय रहते संयुक्त कार्रवाई से बड़ी घटना होने से बच गई है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पुलिस और सेना की 52 राष्ट्रीय राइफल के जवानों ने शनिवार सुबह नौ बजे हयहामा इलाके में छूरा गांव में वाटर कनाल के पास संयुक्त सर्च ऑपरेशन चलाया था। इस दौरान श्रीनगर-बारामुला हाईवे के करीब एक संदिग्ध बैग देखा गया। तलाशी लेने पर बैग में 6 ग्रेनेड, करीब 200 कारतूस और दो कंटेनर (करीब 20-20 किलो) बरामद किए गए। कंटेनरों में टीएनटी विस्फोटक जैसा पदार्थ पाया गया।

इसके बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस और बम निरोधक दस्ते को जानकारी दी गई। तुरंत सभी टीमें मौके पर पहुंचीं और कुछ देर के लिए ट्रैफिक रोक दिया गया। बम निरोधक दस्ते ने बैग को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर विस्फोट कर नष्ट कर दिया। इसके बाद ट्रैफिक को बहाल कर दिया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि विस्फोटक के सैंपल लिए गए हैं और यह पता लगाया जाएगा कि विस्फोट किस प्रकार का था। वहीं एसपी के अनुसार विस्फोटक को नष्ट किया गया है।

उधर सुरक्षाबलों का कहना है कि इस हाईवे से रोजाना सुरक्षाबलों की गाड़ियां गुजरती हैं।

राहुल थकिए मत, आपको तमिलनाडु-बंगाल में भी हारना है : शाह

राहुल गांधी डेवलपमेंट की पॉलिटिक्स नहीं समझते, इसलिए बार-बार चुनाव हारते हैं

अहमदाबाद, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की चुनावों में बार-बार हार डेवलपमेंट की पॉलिटिक्स न समझ पाने का नतीजा है। उन्होंने कहा- राहुल आप अभी से थकिए मत, आगे भी हारना है। आप पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में भी चुनाव हारेंगे। 2029 में पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा एक बार फिर सत्ता में लौटेगी।

अहमदाबाद में एक कार्यक्रम में शाह ने कहा कि कांग्रेस की राजनीति देश की सोच से मेल नहीं खाती। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी विकास और सुशासन जैसे मुद्दों पर ध्यान देने के बजाय कानूनी और टेक्निकल मुद्दों में उलझे रहते हैं।

शाह ने कहा कि भाजपा ने भरोसे और जनता की जरूरतों को समझकर शासन किया, इसलिए उसे बार-बार चुनावों में जनादेश मिला। वहीं कांग्रेस लगातार इसलिए हार रही है, क्योंकि वह उन मुद्दों से दूर है जिनका जनता समर्थन करती है।

राहुल गांधी की संसद में की गई उस टिप्पणी का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कांग्रेस की लगातार चुनावी हार को लेकर सवाल उठाया था। शाह ने कहा कि दो पब्लिक प्रोग्राम के नतीजे ही इस सवाल का जवाब दे देते हैं।

कांग्रेस ने उन सभी नीतिगत फैसलों का विरोध किया, जिन्हें जनता का समर्थन मिला। इनमें राम मंदिर, पाकिस्तान के खिलाफ एयर स्ट्राइक, बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ एक्शन, अनुच्छेद 370 हटाना और काशी में मंदिर निर्माण जैसे फैसले शामिल हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने पनडुब्बी वाघषीर में यात्रा की

ऐसा करने वाली दूसरी प्रेसिडेंट, इससे पहले डॉ. कलाम सबमरीन में बैठे थे

कारवाड़, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कर्नाटक के कारवाड़ नेवल बेस पर पनडुब्बी (सबमरीन) में यात्रा की। कलवरी क्लास की सबमरीन आईएनएस वाघषीर में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी भी राष्ट्रपति के साथ थे।

राष्ट्रपति मुर्मू की कलवरी क्लास सबमरीन में यह पहली और किसी राष्ट्रपति की दूसरी यात्रा है। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम पहले राष्ट्रपति थे, जिन्होंने सबमरीन में यात्रा की थी। कलाम ने फरवरी 2006 में पनडुब्बी यात्रा की थी।

राष्ट्रपति नौसेना की वर्दी पहनकर पनडुब्बी में पहुंची। पी75 स्कॉर्पीन प्रोजेक्ट की छठी और अंतिम पनडुब्बी आईएनएस वाघषीर को जनवरी में नौसेना में शामिल किया गया था।

लड़ाकू विमानों में भी उड़ान भर चुकीं राष्ट्रपति

द्रौपदी मुर्मू भारतीय वायुसेना के दो लड़ाकू विमानों में उड़ान भरने वाली भारत की पहली राष्ट्रपति भी हैं। उन्होंने इस साल 29 अक्टूबर को राफेल और 2023 में सुखोई 30एमकेआई में उड़ान भरी।

आईएनएस सिंधुदर्शक में बैठे थे डॉ. कलाम

भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम सबमरीन में यात्रा करने वाले पहले भारतीय राष्ट्राध्यक्ष बने। डॉ. कलाम 13 फरवरी 2006 को ईस्टर्न नेवल कमांड के तहत विशाखापट्टनम में सबमरीन में कुछ घंटों के लिए बंगाल की खाड़ी में रहे। उनके साथ तत्कालीन नौसेना प्रमुख अरुण प्रकाश भी थे। सबमरीन की कमान कमांडर पीएस बिष्ट संभाल रहे थे।

सबमरीन यात्रा के बाद डॉ. कलाम ने पत्रकारों से कहा था, पानी के अंदर सबमरीन में यात्रा करने का यह मेरा पहला अनुभव है। मैंने सीखा कि जब भारतीय नौसेना की यह साइलेंट फोर्स पानी के अंदर होती है तो वह कैसे काम करती है।

पाकिस्तान को झटका

चिनाब पर दुलहस्ती-2 को मंजूरी : 3200 करोड़ की परियोजना से भारत का कड़ा संदेश

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान निलंबित की गई सिंधु जल संधि के बाद भारत ने पाकिस्तान को एक और झटका दिया है। पर्यावरण मंत्रालय की विशेषज्ञ समिति ने जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में चिनाब नदी पर दुलहस्ती-2 जलविद्युत परियोजना को मंजूरी दे दी। बिजली उत्पादन की दृष्टि से अहम इस फैसले को रणनीतिक रूप से पड़ोसी के लिए कड़े संदेश के तौर पर देखा जा रहा है।

जलविद्युत परियोजनाओं के लिए बनी विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (ईएसी) ने इस महीने की शुरूआत में इस परियोजना को स्वीकृति दी। इससे 3,200 करोड़ रुपये की लागत वाली रन-ऑफ-द-रिवर परियोजना के लिए निर्माण निविदाएं जारी करने का रास्ता साफ हो गया है। रन ऑफ द रिवर से तात्पर्य ऐसी परियोजना से है, जिसमें नदियों के जल प्रवाह में बिना बाधा डाले जल-विद्युत का उत्पादन किया जाता है। इसमें नदी के मार्ग में बिना बड़े बांध बनाए प्रवाहित जल का उपयोग किया जाता है। दुलहस्ती चरण-दो मौजूदा 390 मेगावाट की दुलहस्ती चरण-एक परियोजना का विस्तार है। इस नए प्लांट से लगभग 258 मेगावाट बिजली पैदा करने का लक्ष्य है।

ऑपरेशन सिंदूर, सिंधु जल संधि के निलंबन और अब दुलहस्ती-2 परियोजना का स्पष्ट संदेश है कि आतंकवाद और जल संसाधनों के मुद्दों पर भारत अपने हितों से कोई समझौता नहीं करेगा।

4 प्रमुख धर्मस्थल पर 10 लाख लोगों के पहुंचने की संभावना

तिरुपति में टोकन से ही दर्शन, शिर्डी में रातभर खुलेगा मंदिर

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। देश के 4 प्रमुख धर्मस्थलों में 31 दिसंबर और 1 जनवरी पर करीब 10 लाख श्रद्धालु पहुंचने का अनुमान है। ऐसे में इन मंदिरों में इसके लिए विशेष तैयारी की गई है।

तिरुपति: भीड़ ज्यादा, इसलिए इस बार बिना टोकन एंट्री नहीं मिलेगी :

आंध्र प्रदेश स्थित तिरुपति मंदिर में 30 दिसंबर से 10 दिनी वैकुंठ एकादशी उत्सव शुरू होने जा रहा है। इसी दौरान एक जनवरी भी है, इसलिए तिरुमला तिरुपति देवस्थानम बोर्ड ने भीड़ प्रबंधन की व्यापक योजना तैयार की है। बोर्ड के एसीईओ सीएच वेंकैया चौधरी ने बताया कि 24 से 26 दिसंबर तक लगभग 2 लाख भक्त यहां आए।

इस अचानक उछाल ने कतार परिसरों, आवास सुविधाओं और पैदल मार्गों पर बहुत दबाव डाला। इसलिए 29 से 31 दिसंबर के लिए 1.89 लाख दर्शन टोकन देने के बाद काउंटर बंद कर दिए हैं। 30 दिसंबर से 1 जनवरी को सिर्फ उन्हीं तीर्थ यात्रियों को दर्शन की अनुमति मिलेगी, जिनके पास एडवांस बुकिंग वाला वैध टोकन होगा। यह कदम पिछले साल हुई भगदड़ की घटना को देखते हुए उठाए गए हैं।

शिर्डी : 6 लाख भक्तों की व्यवस्था, सोने की खिड़की से मुख दर्शन :

महाराष्ट्र के शिर्डी स्थित साईंबाबा के दरबार में इस बार 6 लाख भक्तों के पहुंचने का अनुमान है। इसलिए साईं बाबा संस्थान ने तय किया है कि 31 दिसंबर को साईं मंदिर रातभर खुला रहेगा। इसलिए इस दिन रात 10 बजे होने वाली शेजारती और 1 जनवरी 2026 को सुबह 5:15 बजे होने वाली काकड़ आरती नहीं होगी। >14

उस्मान हादी की हत्या के संदिग्धों के मेघालय में घुसने के दावे को पुलिस-बीएसएफ ने किया खारिज

शिलांग, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। मेघालय पुलिस और बीएसएफ ने बांग्लादेशी हत्या के संदिग्धों के राज्य में घुसने की 'झूठी कहानी' को खारिज कर दिया है। बांग्लादेश के कुछ मीडिया में फैलाई जा रही झूठी और मनगढ़ंत खबरें वहां के लोगों में भ्रम पैदा कर रही हैं। इससे संवेदनशील सीमावर्ती राज्य मेघालय की शांति और अमन-चैन को खतरा हो सकता है। यह राज्य अक्सर झड़पों और सीमा पार अपराधों से निपटता है। यह बात वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों ने रविवार को कही।

मेघालय पुलिस मुख्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पड़ोसी देश के उन दावों को पूरी तरह से गलत बताया है जिनमें कहा गया था कि उस्मान हादी की हत्या के दो आरोपी फैसल करीम मसूद और आलमगीर शेख बांग्लादेश के हलूआघाट सीमा से भारत में घुस गए थे और वे भारतीय राज्य में मौजूद हैं।

'कांग्रेस भारत की आत्मा की आवाज' : राहुल गांधी

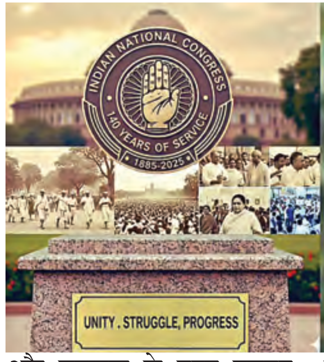

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। आज कांग्रेस का 140वां स्थापना दिवस है। इस अवसर पर राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस सिर्फ एक राजनीतिक पार्टी नहीं है, बल्कि भारत की आत्मा की आवाज है, जो हमेशा कमजोर, वंचित और मेहनतकश लोगों के साथ खड़ी रही है। राहुल गांधी ने यह बात पार्टी मुख्यालय इंदिरा भवन में आयोजित स्थापना दिवस समारोह में कही। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि हमारा संकल्प है कि हम सत्य, साहस की लड़ाई और संविधान की रक्षा में और भी मजबूत होकर खड़े हों, और घृणा, अन्याय और तानाशाही के खिलाफ लड़ें।

राहुल गांधी ने सभी कांग्रेस नेताओं को बधाई देते हुए कहा कि हम उन महान बलिदानों और ऐतिहासिक विरासत को नमन करते हैं, जिन्होंने भारत को आजादी दिलाई, संविधान की नींव रखी और लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय और समानता के मूल्य मजबूत किए।

इससे पहले कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इंदिरा भवन में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और कांग्रेस के 140 साल के इतिहास और योगदान को याद किया। वहां उपस्थित लोगों को संबोधित करने हुए खड़गे ने देशवासियों को शुभकामनाएं दी और पार्टी के इतिहास और आदर्शों पर प्रकाश डाला। बता दें कि इंदिरा भवन में आयोजित ध्वजारोहण समारोह में संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

पार्टी अध्यक्ष खड़गे ने लोगों को संबोधित करते हुए कांग्रेस ये योगदान पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस हमेशा भारतवासियों के कल्याण, सशक्तिकरण और समावेशी विकास के लिए काम करती रही है। खड़गे ने बताया कि 28 दिसंबर 1885 को मुंबई में कांग्रेस की स्थापना हुई थी। उन्होंने कहा कि पिछले 62 वर्षों में करोड़ों कांग्रेसी देश के लिए संघर्ष करते रहे, जेल गए और स्वतंत्रता के लिए लड़ते रहे, जिससे भारत को आजादी मिली।

इस दौरान मल्लिकार्जुन खड़गे ने कांग्रेस पार्टी के संस्थापकों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही यह भी भरोसा दिलाया कि कांग्रेस हमेशा उस भारत के लिए काम करती रहेगी जिसकी कल्पना उसके संस्थापकों ने की थी। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के नेतृत्व में गरीब और किसान लगातार लड़ते करते और आज संविधान और लोकतंत्र पर खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि महात्मा गांधी, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने देश की एकता, अखंडता और धर्मनिरपेक्षता के लिए अपने जीवन की आहुति दी।

दिल्ली में कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सोनिया गांधी की अध्यक्षता में कांग्रेस और यूपीए सरकार ने जनता के अधिकारों की सुरक्षा बढ़ाई।

उन्नाव रेप पीड़ित और कुलदीप सेंगर समर्थकों में झड़प

दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे थे पीड़ित बोली- गवाहों की सुरक्षा हटाई गई

उन्नाव, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। उन्नाव रेप केस में पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सेंगर की सजा सस्पेंड होने के विरोध में चल रहे जंतर-मंतर पर प्रदर्शन में हंगामा हो गया। कुलदीप सेंगर के समर्थन में पुरुष आयोग नाम के संगठन के लोग रविवार को जंतर-मंतर पहुंचे और नारेबाजी करने लगे।

उनके हाथ में आई सपोर्ट कुलदीप सेंगर का बैनर था। पीड़ित के पक्ष में प्रदर्शन कर रहीं योगिता भयाना ने विरोध किया तो दोनों पक्षों में जमकर नारेबाजी और झड़प हो गई। प्रदर्शन में शामिल रेप पीड़ित ने कहा कि हमारे पारिवारिक सदस्यों और गवाहों की सुरक्षा हटा दी गई है।

उधर, धरने पर बैठी उन्नाव रेप पीड़ित की अचानक तबीयत खराब हो गई। यह बात सोशल मीडिया एक्स पर योगिता भयाना ने वीडियो शेयर करते हुई कही। इसमें योगिता ने लिखा- लगातार मानसिक दबाव और न्याय में देरी अब उसके स्वास्थ्य पर भी असर डाल रही है।

साथ ही योगिता भयाना ने कहा- हम चाहते हैं कि कुलदीप सिंह सेंगर के मामले में जो सुनवाई हुई है, उसे खारिज किया जाए। ये बच्ची यहां आना चाहती थी, इसलिए हम उसके समर्थन में यहां आए हैं। इस बच्ची की कानूनी लड़ाई अच्छे से लड़ी नहीं गई है।

इस पर पीड़ित ने कहा- मुझे सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा है कि वह इंसाफ देगा। मैं हर महिला की आवाज उठा रही हूं। अगर सीबीआई ने यह पहले किया होता, तो मुझे इंसाफ मिल गया होता। उसकी (कुलदीप सेंगर की) जमानत खारिज हो जाती, क्योंकि उसने मेरा रेप किया था। मेरे पिता को मार दिया गया। मेरे परिवार के सदस्यों को मार दिया गया। मेरे परिवार के सदस्यों और गवाहों की सुरक्षा हटा दी गई।

झुग्गी वाले करोड़पति पर ईडी की चार्जशीट

रेहड़ी से 150 करोड़ की प्रॉपर्टी बनाई, रेवाड़ी-गुरुग्राम में भी ठगी, बीएमडब्ल्यू-मर्सिडीज भी मिली

चंडीगढ़, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। चंडीगढ़ में झुग्गी से करोड़पति बने फाइनेंसर और प्रॉपर्टी डीलर रामलाल चौधरी पर ईडी ने शिकंजा कस दिया है। ईडी ने रामलाल और उसके बेटे अमित कुमार के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में चंडीगढ़ जिला अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी है।

अदालत ने दोनों आरोपियों को पेश होने के लिए नोटिस जारी कर दिए हैं। चंडीगढ़ में ईडी की स्पेशल कोर्ट में इस मामले की सुनवाई 6 फरवरी से शुरू होगी। बता दें कि रामलाल चौधरी चार साल पहले उस समय सुर्खियों में आया था, जब चंडीगढ़ पुलिस ने उसे करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी के 2 बड़े मामलों में गिरफ्तार किया था।

इन मामलों के सामने आने के बाद ईडी ने उसके खिलाफ जांच शुरू की थी। करीब तीन साल तक चली जांच के बाद अब ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में चार्जशीट दाखिल की है। सूत्रों के मुताबिक, रामलाल चौधरी ने पिछले कुछ वर्षों में अवैध तरीकों से 150 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति बनाई।

इस दौरान उसने गुरुग्राम के कारोबारी और रेवाड़ी के रिटायर्ड अफसर से भी करोड़ों की ठगी मारी। पुलिस कार्रवाई के दौरान उसके पास से बीएमडब्ल्यू और मर्सिडीज जैसी लग्जरी गाड़ियां भी बरामद हुई थीं। ईडी अब उसकी सभी चल-अचल संपत्तियों की जांच कर रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि इतनी बड़ी संपत्ति किस तरह अर्जित की गई।

मजदूरी करता था, 1976 में चंडीगढ़ आया :

पुलिस के मुताबिक, करीब पांच दशक पहले रामलाल चौधरी मजदूरी किया करता था। वह वर्ष 1976 में चंडीगढ़ आया और रामदरबार कॉलोनी की झुग्गी में रहने लगा। शुरूआत में वह छोटे-मोटे काम और रेहड़ी लगाकर गुजर-बसर करता था। धीरे-धीरे उसने पुलिस और नेताओं से संबंध बनाए और फाइनेंस के काम में उतर गया।

पुलिस और नेताओं से नजदीकी का उठाया फायदा :

ईडी की जांच में सामने आया है कि रामलाल लोगों को पुलिस और प्रशासनिक मामलों में राहत दिलाने का लालच देकर मोटी रकम वसूलता था। सूत्रों के मुताबिक, पुलिसकर्मियों की ट्रांसफर-पोस्टिंग तक में उसकी भूमिका बताई जाती रही। इसी नेटवर्क के जरिए उसने करोड़ों रुपये की अवैध कमाई की।

गुरुग्राम के कारोबारी से 5 करोड़ की ठगी में नाम आया :

4 साल पहले गुरुग्राम के कारोबारी अतुल्य शर्मा ने रामलाल के खिलाफ 5 करोड़ रुपये की ठगी की शिकायत दी थी। शिकायत के मुताबिक, निवेश के नाम पर रामलाल ने उससे 5 करोड़ रुपये लिए और बाद में रकम लौटाने से इनकार कर दिया।

कारोबारी ने आरोप लगाया था कि उसने मुंबई स्थित घर, गहने बेचकर और लोन लेकर यह रकम दी थी। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। >14

कश्मीर में पारा जीरो

राजस्थान के सीकर में 2.1ओ : अमृतसर-जालंधर में विजिबिलिटी जीरो, जेट स्ट्रीम की रफ्तार 262केएमपीएच, इससे ठिठुरन बढ़ी

नई दिल्ली/लखनऊ, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। रविवार को राजस्थान के सीकर जिले के फतेहपुर में तापमान 2.1 डिग्री, करौली में 2.4 डिग्री, सीकर में 3.5 डिग्री, पाली में 3.6 डिग्री और दौसा में 3.9 डिग्री दर्ज किया गया।

पंजाब और हरियाणा में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। हिसार में तापमान 2.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। पंजाब के फरीदकोट में तापमान 3.4 डिग्री, पटियाला में 4.6 डिग्री और अमृतसर-लुधियाना में 4.4 डिग्री पारा रिकॉर्ड किया गया।

दरअसल, उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में जेट स्ट्रीम का असर है। ये जमीन से 12.6 किलोमीटर की ऊंचाई पर चलने वाली हवाएं हैं। इस बार इनकी रफ्तार 262केएमपीएच तक पहुंच गई है। मौसम विभाग के मुताबिक जम्मू-कश्मीर, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, राजस्थान, मध्य प्रदेश में अगले 5 दिन तक तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी।

23 राज्यों में घने कोहरे का अलर्ट है, इसका असर ट्रेनों और फ्लाइट्स पर नजर आ रहा है। रविवार को 13 फ्लाइट रद्द की गई हैं। डीजीसीए ने 10 दिसंबर से 10 फरवरी तक को फॉग विंडो घोषित किया है। इस दौरान कम दृश्यता के कारण उड़ान संचालन प्रभावित हो सकता है।

आसमान में ठंडी और गर्म हवा की नदी जैसी बहने वाली हवाएं ही जेट स्ट्रीम हैं। जेट स्ट्रीम आमतौर पर उत्तर (ध्रुवीय इलाकों) की ठंडी हवा और दक्षिण (गरम इलाकों) की गर्म हवा के बीच चलती हैं। जब जेट स्ट्रीम झुक जाती है या फिर नीचे की ओर आ जाती है, तो यह उत्तर की बहुत ठंडी हवा को भारत तक खींच लाती है। नतीजा, अचानक ठंड बढ़ जाती है।

मराठी नहीं बोलने पर मां ने बेटी का गला घोंटा

मुंबई, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नवी मुंबई के कलांबोली की एक महिला ने अपनी 6 साल की बच्ची की हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक महिला एक बेटा चाहती थी और बच्ची के मराठी जगह हिंदी बोलने पर नाराज थी। आरोपी ने हत्या को छिपाने के लिए बच्ची की मौत को हार्ट अटैक बताया। पुलिस ने बताया कि महिला का साइकेट्रिस्ट के पास भी इलाज चल रहा था। अधिकारियों ने मुताबिक महिला ने 23 दिसंबर को अपनी बेटी को मार डाला।

लड़की की दादी भी उसी दिन घर आई थीं, लेकिन बच्ची से मिल न पाने के कारण चली गईं। कलांबोली पुलिस को मौत संदिग्ध लगी इसलिए स्पेशल पोस्टमॉर्टम जांच का अनुरोध किया गया। शुरुआती रिपोर्ट में सांस की नली में रुकावट के संकेत मिले, जिसके बाद माता-पिता से पूछताछ की गई। छह घंटे की पूछताछ के बाद, महिला ने आखिरकार अपनी बेटी का गला घोंटने की बात कबूल कर ली। जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

देश नई उम्मीदों के साथ आगे बढ़ने तैयार : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)।

मन की बात

पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात के 129वें एपिसोड में देश को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने इस साल सेना का शौर्य बना ऑपरेशन सिंदूर, स्वतंत्रता सेनानी पार्वती गिरि, एंटीबायोटिक दवाओं, कश्मीर के बारामूला में मिले बौद्ध स्तूपों के अवशेष और देश में युवा की भागेदारी समेत कई अहम मुद्दों पर बातचीत की। पीएम मोदी ने कहा कि कुछ ही दिनों में साल 2026 दस्तक देने वाला है और इस दौरान पूरे एक साल की यादें मन में घूम रही हैं। 2025 ने ऐसे कई पल दिए, जिस पर हर भारतीय को गर्व हुआ। भारत ने हर जगह अपनी मजबूत छाप छोड़ी। पीएम मोदी ने आगे कहा कि हमारे देश की सबसे खूबसूरत बात ये है कि सालभर हर समय देश के किसी-ना-किसी हिस्से में उत्सव का माहौल रहता है । अलग-अलग पर्व-त्योहार तो हैं ही, साथ ही विभिन्न राज्यों के स्थानीय उत्सव भी आयोजित होते रहते हैं। यानि, अगर आप घूमने का मन बनाएं, तो हर समय, देश का कोई-ना-कोई कोना अपने उत्सव के साथ तैयार मिलेगा।

स्वतंत्रता सेनानी पार्वती गिरि को किया याद

पीएम मोदी ने इस दौरान स्वतंत्रता सेनानी पार्वती गिरी को याद किया। उन्होंने कहा कि अगले महीने हम देश का 77वां गणतंत्र दिवस मनाएंगे। जब भी ऐसे अवसर आते हैं, तो हमारा मन स्वतंत्रता सेनानियों और संविधान निर्माताओं के प्रति कृतज्ञता के भाव से भर जाता है। हमारे देश ने आजादी पाने के लिए लंबा संघर्ष किया है। उन्होंने कहा कि आजादी के आंदोलन में देश के हर हिस्से के लोगों ने अपना योगदान दिया है । लेकिन, दुर्भाग्य से आजादी के अनेकों नायक-नायिकाओं को वो सम्मान नहीं मिला, जो उन्हें मिलना चाहिए था। पीएम मोदी ने पार्वती गिरि को याद करते हुए कहा कि ऐसी ही एक स्वतंत्रता सेनानी हैं ओडिशा की पार्वती गिरि जी। जनवरी 2026 में उनकी जन्म-शताब्दी मनाई जाएगी । उन्होंने 16 वर्ष की आयु में 'भारत छोड़ो आंदोलन' में हिस्सा लिया था। साथियो, आजादी के आंदोलन के बाद पार्वती गिरि जी ने अपना जीवन समाज सेवा और जनजातीय कल्याण को समर्पित कर दिया था। उन्होंने कई अनाथालयों की स्थापना की। उनका प्रेरक जीवन हर पीढ़ी का मार्गदर्शन करता रहेगा।

> ओडिशा की पार्वती गिरि जी। जनवरी 2026 में उनकी जन्म-शताब्दी मनाई जाएगी | उन्होंने 16 वर्ष की आयु में 'भारत छोड़ो आंदोलन' में हिस्सा लिया था। साथियो, आजादी के आंदोलन के बाद पार्वती गिरि जी ने अपना जीवन समाज सेवा और जनजातीय कल्याण को समर्पित कर दिया था।
>
> मन की बात में बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

एंटीबायोटिक दवाओं के सेवन को लेकर क्या बोले पीएम मोदी ?

मन की बात के इस साल के आखिरी कार्यक्रम में पीएम मोदी ने एंटीबायोटिक दवाओं के सेवन को लेकर अहम बातें की। उन्होंने कहा कि आईसीएमआर (इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च) ने हाल ही में एक जारी रिपोर्ट जारी की है । इसमें बताया गया है कि निमोनिया और यूटीआई जैसी कई बीमारियों के खिलाफ एंटीबायोटिक दवाएं कमजोर साबित हो रही हैं। हम सभी के लिए यह बहुत ही चिंताजनक है। इस दौरान रिपोर्ट का हवाला देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि रिपोर्ट के मुताबिक इसका एक बड़ा कारण लोगों द्वारा बिना सोचे-समझे एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन है । एंटीबायोटिक ऐसी दवाएं नहीं हैं, जिन्हें यूं ही ले लिया जाए। इनका इस्तेमाल डॉक्टर की सलाह से ही करना चाहिए । आजकल लोग ये मानने लगे हैं कि बस एक गोली ले लो, हर तकलीफ दूर हो जाएगी । यही वजह है कि बीमारियाँ और संक्रमण इन एंटीबायोटिक दवाओं पर भारी पड़ रहे।

ऑपरेशन सिंदूर को बताया गर्व का प्रतीक

पीएम मोदी ने कहा कि इस साल ऑपरेशन सिंदूर हर भारतीय के लिए गर्व का प्रतीक बन गया। दुनिया ने देखा आज का भारत अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करता। लोगों ने अपने-अपने तरीके से अपने भाव व्यक्त किए। वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर भी यही जज्बा देखने को मिला।

भारत की उम्मीदों की वजह युवा शक्ति- पीएम मोदी

पीएम मोदी ने देश में युवाओं की भागेदारी पर बातचीत करते हुए कहा कि आज दुनिया भारत को नई आशा के साथ देख रही है और भारत की उम्मीदों की वजह इसकी युवा शक्ति, विज्ञान और तकनीक में हमारी उपलब्धि। भारत के युवाओं में कुछ नया करने का जुनून है और वे उतने ही जागरूक भी है। उन्होंने कहा कि युवा मुझसे पूछते हैं कि वे कैसे देश के विकास में कैसे योगदान दे सकते हैं। हमारे युवा साथियों की जिज्ञासा का समाधान यंग लीडर डायलॉग है। पिछले दिनों उसका पहला संस्करण हुआ था और अब जल्द ही उसका दूसरा संस्करण आएगा। मैं भी इसमें जरूर शामिल होऊंगा। पीएम मोदी ने कहा कि इसमें हमारे युवा इनोवेशन, फिटनेस, कृषि जैसे अहम विषयों पर अपने विचार साझा करेंगे। मुझे ये देखकर अच्छा लगा, इसमें युवाओं की भागीदारी बढ़ रही है। कुछ दिन पहले एक क्विज प्रतियोगिता में लाखों युवा शामिल हुए।

'काशी तमिल संगमम' को लेकर भी बोले पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल वाराणसी में हुए 'काशी तमिल संगमम' में तमिल भाषा सीखने को लेकर बात कही। उन्होंने कहा कि 'तमिल सीखें-तमिल करकलम' थीम के तहत वाराणसी की 50 से ज्यादा स्कूलों में विशेष अभियान चलाए गए। पीएम मोदी ने कहा कि तमिल दुनिया की सबसे पुरानी भाषाओं में से एक है। वे यह देखकर खुश हैं कि आज देश के अन्य हिस्सों में भी युवाओं और बच्चों में तमिल भाषा को लेकर नया आकर्षण दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि यही भाषा की शक्ति है। यही भारत की एकता है।

छात्र आरक्षण आंदोलन से पहले बड़ी कार्रवाई

महबूबा मुफ्ती समेत कई नेता हाउस अरेस्ट

जम्मू, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। कश्मीर में छात्र आरक्षण नीति के खिलाफ प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए कई प्रमुख नेताओं को नजरबंद कर दिया है। इसमें पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती और नेशनल कॉन्फ्रेंस के सांसद आगा सैयद रूहुल्लाह मेहदी शामिल हैं। यह कार्रवाई रविवार 28 दिसंबर को श्रीनगर में हुई, जिसका उद्देश्य छात्रों के शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन को रोकना बताया गया।

कौन-कौन नेता नजरबंद?

प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक जिन नेताओं को हाउस अरेस्ट किया गया है, उनमें महबूबा मुफ्ती के साथ उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती भी शामिल हैं। इसके अलावा श्रीनगर से सांसद आगा सैयद रूहुल्लाह मेहदी, पीडीपी नेता वहीद पारा और पूर्व श्रीनगर मेयर जुनैद मट्टू को भी नजरबंद किया गया है। पीटीआई के अनुसार, इन सभी नेताओं के आवासों पर पुलिस तैनात की गई और बाहर निकलने पर रोक लगा दी गई।

क्या है छात्र आंदोलन का मुद्दा?

दरअसल छात्र मौजूदा आरक्षण नीति के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले थे और उनका आरोप है कि कोटा प्रणाली को तर्कसंगत बनाने में लगातार देरी हो रही है। एक साल पहले मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस मुद्दे पर एक समिति का गठन किया था, लेकिन अब तक कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आया। छात्रों ने इसी देरी के विरोध में गुपकर रोड पर शांतिपूर्ण धरने का ऐलान किया था। नेताओं ने इस आंदोलन के समर्थन में शामिल होने की बात कही थी।

राजनीतिक प्रतिक्रिया और महत्व

नेताओं की नजरबंदी को लेकर राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। महबूबा मुफ्ती और अन्य नेताओं ने पहले ही छात्रों के समर्थन में अपनी एकजुटता जताई थी और इसे लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़ा मुद्दा बताया था। ऐसे में प्रशासन की कार्रवाई को अभिव्यक्ति की आजादी पर रोक के रूप में देखा जा रहा है। छात्र आरक्षण नीति का यह विवाद न केवल शिक्षा व्यवस्था बल्कि जम्मू-कश्मीर की समग्र राजनीति को भी प्रभावित कर सकता है।

पिता की राइफल से निकली गोली किराएदार के बच्चे के सिर में धंसी

मुरैना, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। मुरैना में खेल-खेल में 14 साल के बालक ने राइफल से फायर कर दिया। गोली साथ खेल रहे 7 साल के बच्चे के सिर में लगी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। फायरिंग की आवाज सुन आसपास के लोग इकट्ठे हो गए। पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने बच्चे के शव को मर्चुरी पोरसा पहुंचाया। पुलिस राइफल जब्त कर नाबालिग के पिता को पूछताछ के लिए थाने ले गई। टना शनिवार रात को पोरसा के संजय नगर में हुई। एक घर में किराएदार और मकान मालिक के तीन बच्चे खेल रहे थे। मकान मालिक के बेटे ने अपने पिता की 315 बोर की लाइसेंसी राइफल से फायर कर दिया, जो किरायेदार के बेटे को लगी थी।

शिरपुर जैन तीर्थ में फिर मारपीट, एक युवक को मंदिर से ले जाकर लाठियों से पीटा

मुंबई, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के वाशिम में एक बार फिर शिरपुर जैन तीर्थ में मारपीट की घटना सामने आई है। यहां 5-6 लोगों ने एक युवक को मंदिर से बाहर ले जाकर मारपीट की। पूर घटना सीसीटीवी में कैद हो गई, जिसमें आरोपी बेरहमी से पीड़ित को लात-घूंसे और डंडे से पीटते नजर आ रहे हैं। इस घटना के विरोध में पुलिस थाने पर विरोध मोर्चा किया जाएगा। वाशिम जिले का शिरपूर जैन क्षेत्र जैन धर्म की काशी के रूप में प्रसिद्ध है। यहां एक बार फिर दिगंबर और श्वेतांबर जैन समुदायों के बीच तनाव की स्थिति बन गई है। 26 दिसंबर को दिगंबर और श्वेतांबर पंथों के श्रद्धालुओं के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद दिगंबर जैन समाज के विजय जैन ने शिरपूर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी।

इसी शिकायत को लेकर नाराज श्वेतांबर पंथ से जुड़े कुछ लोगों ने शनिवार दोपहर विजय जैन को मंदिर परिसर से जबरन उठाकर ले जाते हुए लाठियों से बेरहमी से पीटा। बताया जा रहा है कि इस हमले में 5 से 6 लोग शामिल थे, जिसमें विजय जैन के पैर में गंभीर चोट आई है मारपीट की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई है और एक श्रद्धालु ने इसे मोबाइल में भी रिकॉर्ड किया है। इस मामले की जानकारी दिगंबर जैन समाज के श्रद्धालुओं ने जिला पुलिस अधीक्षक को दी है। घटना के विरोध में दिगंबर जैन समाज की ओर से रविवार दोपहर दो बजे शिरपूर पुलिस थाने के खिलाफ विरोध मार्च निकालने की घोषणा की गई है।

ड्रग तस्करों पर ढिलाई बरतने के आरोप में थाना इंचार्ज सस्पेंड, एसपी हीना गुप्ता को सौंपी गई जांच

बठिंडा, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। बठिंडा जिले के संगत थाने के इंचार्ज इंस्पेक्टर दलजीत सिंह को ड्रग तस्करों के खिलाफ ढीली कार्रवाई और कामकाज में कमजोर प्रदर्शन के कारण सस्पेंड कर दिया गया है। जिला पुलिस सुपरिटेंडेंट अमनीत कोंडल ने डीएसपी रूरल की रिपोर्ट के आधार पर यह कार्रवाई की। जिला पुलिस सुपरिटेंडेंट अमनीत कोंडल ने थाने के चीफ के सस्पेंशन की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि इस थाने के चीफ के कामकाज को लेकर कुछ शिकायतें मिल रही थीं। वह जरूरी मामलों को संभालने में भी कमजोर साबित हो रहे थे। उन्होंने कहा कि सस्पेंड एसएचओ के खिलाफ डिपार्टमेंटल जांच के भी आदेश दिए गए हैं और यह जांच एसपी हीना गुप्ता को सौंपी गई है।

अरावली विवाद; सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लिया, आज सुनवाई

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)।

अरावली पर्वतमाला को लेकर उठा विवाद एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। दरअसल, जमीन से 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली पहाड़ियों को ही अरावली मानने की नई परिभाषा का विरोध हो रहा है। अब इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की वैकेशन बेंच सोमवार को सुनवाई करेगी। बेंच में जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह भी होंगे। सीजेआई के वैकेशन कोर्ट में यह मामला पांचवें नंबर पर लिस्टेड है। अब सभी की नजरें सुप्रीम कोर्ट की इस सुनवाई पर टिकी हैं, जहां केंद्र और राज्य सरकारों को नए निर्देश जारी किए जा सकते हैं।

विवाद के बाद केंद्र ने अरावली रेंज में नए खनन पट्टों पर लगाई रोक

विवाद बढ़ने पर केंद्र सरकार ने अरावली में नए खनन पट्टों पर रोक लगाने के निर्देश जारी किए। 24 दिसंबर (बुधवार) को केंद्रीय वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने बयान में कहा कि पूरी अरावली श्रृंखला में कोई नया खनन लीज नहीं जारी होगा। केंद्र ने राज्य सरकारों को अरावली में किसी भी प्रकार के नए खनन पट्टे देने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए हैं। ये प्रतिबंध पूरे अरावली पर समान रूप से लागू होंगे। केंद्रीय पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से जारी लिखित बयान के मुताबिक इस आदेश का मकसद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तक फैली सतत भूवैज्ञानिक श्रृंखला के रूप में अरावली की रक्षा करना और सभी अनियमित खनन गतिविधियों को रोकना है। केंद्र के बयान के बाद पूर्व सीएम अशोक गहलोत, जयराम रमेश सहित विपक्षी नेताओं ने कहा कि इसमें कुछ भी नया नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश में यह सब है, उसी का पालन करना है।

क्या है अरावली विवाद

सुप्रीम कोर्ट ने 20 नवंबर 2025 को केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की समिति की सिफारिश स्वीकार की, जिसमें 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली पहाड़ियों को अरावली के रूप में मान्यता देने की बात कही गई। इससे पहले 1985 से चले आ रहे गोदावर्मन और एमसी मेहता मामले में अरावली को व्यापक संरक्षण मिला हुआ था। नए फैसले के बाद राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली-एनसीआर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। पर्यावरण कार्यकर्ता इसे इकोलॉजिकल आपदा बता रहे हैं। पर्यावरणविदों और विपक्षी दलों के नेताओं ने केंद्र सरकार पर सवाल उठाए। पर्यावरणविदों का तर्क है कि अरावली रेंज में 100 मीटर से छोटी पहाड़ियों में खनन की मंजूरी मिलने से इन पर्वतमालाओं के अस्तित्व खत्म होने का खतरा पैदा हो गया है।

आरपी बलवान की याचिका पर केंद्र, राज्यों को नोटिस

हरियाणा के वन विभाग के रिटायर अधिकारी आरपी बलवान ने भी पिछले सप्ताह केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की समिति की सिफारिशों को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में पहले से चल रहे गोदावर्मन मामले में याचिका दाखिल की, जिस पर कोर्ट ने केंद्र, राजस्थान, हरियाणा सरकार और पर्यावरण मंत्रालय को नोटिस जारी किया। सुप्रीम कोर्ट शीतकालीन अवकाश के बाद इस मामले में सुनवाई करेगा।

पैराग्लाइडिंग करते वक्त नीचे गिरा पर्यटक हालत गंभीर, पायलट पर लापरवाही का केस दर्ज

कुल्लू, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। कुल्लू जिले के भुंतर क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध पैराग्लाइडिंग साइट गड़सा में एक बड़ा हादसा हुआ है। यहां पैराग्लाइडिंग के दौरान एक पर्यटक दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसके कारण उसे गंभीर चोटें आईं। युवक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना 27 दिसंबर की शाम की बताई जा रही है, जिसका खुलासा अब हुआ है।

जानकारी के अनुसार, हादसे के शिकार युवक की पहचान दिव्य प्रजापति पुत्र दिवेश (निवासी- मुंबई, महाराष्ट्र) का रहने वाला है। पैराग्लाइडिंग के दौरान तकनीकी चूक और लापरवाही के चलते वह करीब 70 से 80 फीट ऊंचाई से नीचे गिर गया। इस हादसे में उसे गंभीर चोटें आईं।

कारागार विभाग के डीजी ने जेल का किया निरीक्षण

जांची व्यवस्थाएं, कैदियों की काउंसलिंग को लेकर कही ये बात

करनाल, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा कारागार विभाग के महानिदेशक (डीजी प्रिजन्स) अलोक कुमार रॉय ने करनाल में जेल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कैदियों के मानसिक स्वास्थ्य और सुधार पर विशेष ध्यान दिया। डीजी रॉय ने कहा कि जेलों में कैदियों की काउंसलिंग के लिए काउंसलर उपलब्ध हैं, क्योंकि अपराध करने के बाद जेल आने वाला व्यक्ति अक्सर डिप्रेशन में रहता है। अलोक कुमार रॉय ने निरीक्षण के दौरान मीडिया से बातचीत में बताया, हमारे जेलों में काउंसलर हैं जो कैदियों को काउंसलिंग प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा जेल में बंद करीब 60 से 70 प्रतिशत लोग आदतन अपराधी नहीं होते। उन्होंने जोर देकर कहा कि जेल सुधार गृह हैं,

जहां कैदियों को मुख्यधारा में लौटने के लिए मानसिक और व्यावसायिक सहायता दी जाती है। हरियाणा की जेलों में सुधारात्मक कार्यक्रमों को मजबूत करने पर बल देते हुए डीजी रॉय ने बताया कि कई जेलों में आईटीआई और पॉलिटेक्निक कोर्स चलाए जा रहे हैं, ताकि कैदी रिहाई के बाद आत्मनिर्भर बन सकें।

देश की सुरक्षा पहले: तीन से चार फीट बर्फ के बीच एलओसी पर जवानों का हौसला बुलंद

श्रीनगर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। हाड़ कंपा देने वाली सर्दी।।।। दूर-दूर तक तीन से चार फीट तक जमी बर्फ।।।। ये नजारे हैं इन दिनों कुपवाड़ा और बांदीपोरा जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के। हालात ऐसे कि हिम्मत जवाब दे दे। मौसम की चुनौतियों के बीच आतंकी घुसपैठ न कर सकें इसके लिए सेना और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने गश्त बढ़ा दी है। जवानों का जोश भी हाई है। नियमित गश्त करने के साथ ही वे दुश्मन की हर हरकत पर नजर रख रहे हैं। चिल्लेकलां के बीच कश्मीर में भीषण सर्दी की शुरुआत हो गई है। पहाड़ी क्षेत्रों विशेषकर नियंत्रण रेखा (एलओसी) से सटे पहाड़ों पर 3-4 बार बर्फबारी हो चुकी है। खूफिया सूचनाओं के अनुसार कश्मीर घाटी से सटी एलओसी के उस पार पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में विभिन्न लॉन्चिंग पैड पर करीब 150 आतंकवादी घुसपैठ करने के लिए तैयार बैठे हैं। सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इसके कुपवाड़ा, बारामुला और बांदीपोरा जिलों में जवान हाई अलर्ट पर हैं।

दुश्मनों के हर हरकत पर कड़ी नजर

आतंकी आकाओं की बदली रणनीति

अब बर्फबारी में भी घुसपैठ की कोशिश पहले पाकिस्तान में बैठे आतंकी आका बर्फबारी से पहले घुसपैठ कराने की कोशिश करते थे। सेना के एक अधिकारी ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में इस ट्रेंड में बदलाव आया है। अब बर्फबारी के बीच घुसपैठ की कोशिशें होने लगी हैं। कुपवाड़ा, बांदीपोरा और उड़ी सेक्टर के उस पार पीओके में स्थित आतंकी शिविरों में अभी भी आतंकवादियों की मौजूदगी की खबर मिल रही है। ऐसे में सतर्कता बढ़ा दी गई है।

दुधिया चादर के बीच विशेष यूनिफॉर्म

अधिकारी ने बताया कि बर्फबारी में हमारे जवानों की मूवमेंट ट्रैक न हो सके इसके लिए वे विशेष सफेद यूनिफॉर्म पहन रहे हैं। इससे वे दुश्मन को नजर नहीं आते । किसी भी गतिविधि का पता चलते ही तुरंत टीमें सक्रिय हो जाती हैं और क्रॉस चेक करने के साथ ही कार्रवाई करती हैं।

एक कतार में रस्सी पकड़कर गश्त

जवानों ने बताया कि दुश्मन के खतरे के अलावा बर्फीले तूफानों व हिमस्खलन का खतरा रहता है। कई फीट तक जमी बर्फ में रस्सी पकड़कर एक कतार में गश्त करते हैं ताकि एक-दूसरे की सुरक्षा को सुनिश्चित हो सके।

360 डिग्री हाईटेक पीटीजेड कैमरे कर रहे 24 घंटे निगरानी

एलओसी पर तैनात जवानों ने बताया कि आधुनिक हथियारों और सर्विलांस सिस्टम ने उनकी ताकत को बढ़ाया है। एक अफसर ने बताया कि दुश्मन की हर गतिविधि पर नजर रखने के लिए हाईटेक पीटीजेड (पैन, टिल्ट, जूम) कैमरे लगाए गए हैं। इनसे चौबीसों घंटे 360 डिग्री निगरानी की जा सकती है। थर्मल इमेजिंग डिवाइस, नाइट विजन कैमरे, ग्राउंड सर्विलांस रडार और मोशन सेंसर से लंबी दूरी तक कम दृश्यता में भी दुश्मन की हर गतिविधि को ट्रैक किया जा रहा है। थर्मल सेंसर और हाई रिजोल्यूशन कैमरों से लैस ड्रोन और मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी) से मुश्किल इलाकों में हवाई निगरानी की जा रही है। नाइट विजन गॉगल्स (एनवीजी) जवानों को कम रोशनी में भी संदिग्ध गतिविधि का पता लगाने में मददगार साबित हो रहे हैं। स्नो मोबाइल और पैट्रोल वाहन तेजी से कार्रवाई करने में जवानों को सक्षम बना रहे हैं।

होमवर्क नहीं करने पर बच्चों के कपड़े उतरवाने वाले स्कूल पर एक लाख का जुर्माना मान्यता रद्द करने की मांग

सीहोर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सीहोर में होमवर्क नहीं करने पर बच्चों के कपड़े उतरवा दिए गए थे। इस घटना का विरोध होने पर स्कूल के खिलाफ कार्रवाई की गई है। जिला शिक्षा अधिकारी ने संबंधित स्कूल पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। घटना का फोटो वायरल हुआ था। इसके बाद विरोध प्रदर्शन शुरू हुए और जिला शिक्षा अधिकारी ने मामले पर संज्ञान लिया। उन्होंने स्कूल पर जुर्माना लगाया। इसके साथ ही पुलिस को मामला दर्ज करने और पूरी घटना की जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। सीहोर के एक निजी स्कूलों में छोटे बच्चों को अर्धनग्न करके प्रताड़ित किया गया था।

घटना का फोटो वायरल होने पर बवाल मचा। बच्चों के पालकों और हिंदूवादी संगठनों ने स्कूल जाकर हंगामा किया। इस दौरान स्कूल की प्रिंसिपल समरीन खान पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया गया। स्कूल परिसर में करीब 2 घंटे तक हंगामा चला। हंगामा कर रहे लोगों ने इस स्कूल की मान्यता रद्द करने की मांग भी की। हंगाा शुरू होने पर डीईओ ने खुद घटनास्थल पर जांच की। इस दौरान बच्चों के कपड़े उतरवाने की घटना सही पाई गई।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
सोमवार, 29 दिसंबर, 2025

सुविचार
माना दुनिया बुरी है सब जगह धोखा है,
लेकिन हम तो अच्छे बने हमें किसने रोका है!

गांवों को 'डिजिटल विलेज' के रूप में विकसित करें : मंत्री श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के आईटी एवं उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने ग्राम सरपंचों से आह्वान किया है कि वे गांवों को 'डिजिटल विलेज' के रूप में विकसित करने की दिशा में ठोस प्रयास करें, ताकि नागरिक सेवाएं सीधे जनता के द्वार तक पहुंच सकें। उन्होंने कहा कि तकनीक को अपनाने की प्रक्रिया में राज्य सरकार ग्राम पंचायतों को हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। रविवार को शमशाबाद स्थित एक फंक्शन हॉल में संयुक्त रंगारेड्डी जिले के नवनिर्वाचित सरपंचों के सम्मान समारोह में मंत्री श्रीधर बाबू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में गांव नींव की तरह होते हैं और जब गांव मजबूत होंगे, तभी राज्य और देश विकास के पथ पर आगे बढ़ेंगे। मंत्री ने सरपंचों को सलाह दी कि वे अपने कार्यकाल के अंत तक ऐसा काम करें कि लोग गर्व से कहें हमारे सरपंच ने हमारे गांव को पूरी तरह बदल दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि सरकार की कल्याणकारी और विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पारदर्शी तरीके से पहुंचे। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी सरकार ग्राम स्वराज के प्रति प्रतिबद्ध है और आने वाले दिनों में ग्राम पंचायतों को पर्याप्त धनराशि आवंटित की जाएगी। सरपंचों पर बड़ी जिम्मेदारी है और उन्हें सरकार तथा जनता के बीच सेतु की तरह कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीत के अहंकार के बजाय गांव के समग्र विकास के लिए ईमानदारी से काम करें। मंत्री ने गांवों में सीमेंट सड़कों, ड्रेनेज व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट्स जैसी बुनियादी सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया।

साथ ही, स्कूलों, आंगनवाड़ी केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के संचालन की नियमित निगरानी करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सामूहिक भागीदारी से अगले पांच वर्षों में गांवों को सभी क्षेत्रों में विकसित करने के लिए विशेष योजनाएं तैयार की जानी चाहिए। श्रीधर बाबू ने आरोप लगाया कि यूपीए शासनकाल में शुरू की गई मनरेगा योजना को कमजोर करने के लिए केंद्र सरकार साजिश कर रही है, जबकि यह योजना ग्रामीण गरीबों के लिए वरदान रही है। उन्होंने बताया कि पिछली सरकार के दौरान लंबित बिलों के कारण कई सरपंचों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था और वर्तमान सरकार उन्हें चरणबद्ध तरीके से निपटाने के लिए कदम उठा रही है।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि चुनाव से पहले किए गए सभी वादों को पूरा किया जाएगा तथा सरपंचों के लिए चरणबद्ध विशेष प्रशिक्षण की व्यवस्था भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि विधानसभा सत्रों का संचालन गरिमापूर्ण ढंग से किया जाएगा और विपक्ष के झूठे प्रचार का मजबूती से जवाब दिया जाएगा। कार्यक्रम में विधायक मल रेड्डी रंगा रेड्डी, कसिरेड्डी नारायण रेड्डी, वीरलपल्ली शंकर, राममोहन रेड्डी, मनोहर रेड्डी, रंगा रेड्डी जिला डीसीसी अध्यक्ष चल्ला नरसिंहा रेड्डी, विकाराबाद जिला डीसीसी अध्यक्ष धारा सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सार्वजनिक भूमि की बिक्री का आरोप

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने रविवार को तेलंगाना की कांग्रेस सरकार पर प्रमुख सार्वजनिक भूमि की बड़े पैमाने पर बिक्री का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि संपत्ति मुद्रीकरण के नाम पर लगभग 9,300 एकड़ जमीन, जिसकी कीमत करीब 5 लाख करोड़ रुपये है, बेची जा रही है। केटी रामाराव की यह प्रतिक्रिया कांग्रेस सांसद कार्ति पी चिदंबरम के सोशल मीडिया पोस्ट के बाद आई है, जिसमें उन्होंने इंफोसिस द्वारा बेंगलुरु के अत्तिबेले में 53.46 एकड़ जमीन 250 करोड़ रुपये में बेचे जाने की आलोचना की थी। कार्ति ने कहा था कि रियायती दरों पर किसी विशेष उद्देश्य के लिए दी गई जमीन को बाद में व्यावसायिक कीमतों पर नहीं बेचा जा सकता।

रामाराव ने कहा कि यही सिद्धांत तेलंगाना में भी लागू होना चाहिए, जहां औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन के लिए रियायती दरों पर दी गई जमीनों को बेचने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार का ऐसा कदम अनुचित है। उन्होंने मांग की कि ऐसी सभी जमीनें सरकार को वापस लेकर जनहित में इस्तेमाल की जाएं। उन्होंने कहा कि स्कूलों, अस्पतालों, गरीबों के आवास, पार्क, बस स्टैंड और पार्किंग जैसी सामाजिक बुनियादी सुविधाओं के लिए जमीन की जरूरत है। उन्होंने सवाल उठाया कि कांग्रेस सरकार अन्य राज्यों में भूमि बिक्री का विरोध करते हुए तेलंगाना में इसे कैसे सही ठहरा सकती है।

तेलंगाना विधानसभा-परिषद सत्र को लेकर तैयारियों की समीक्षा बैठक

अध्यक्षों ने अधिकारियों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के निर्देश दिए

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य विधानसभा और विधान परिषद के सत्र सोमवार से प्रारंभ होने के मद्देनजर, व्यवस्थाओं, सुविधाओं और सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा के लिए रविवार को विधानसभा भवन के समिति हॉल में एक उच्चस्तरीय पूर्व तैयारी बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक की अध्यक्षता विधान परिषद अध्यक्ष गुत्ता सुखेंदर रेड्डी और विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार ने की। बैठक में उपाध्यक्ष बंडा प्रकाश मुदिराज, विधान परिषद के मुख्य सचेतक (चीफ व्हिप) पटनम महेंदर रेड्डी, विधान परिषद सचिव वी. नरसिंहा चार्युलु और विधानसभा सचिव आर. तिरुपति उपस्थित रहे। राज्य के मुख्य सचिव रामकृष्णाराव दिल्ली दौरे पर होने के कारण बैठक में शामिल नहीं हो सके। उनकी ओर से वित्त विभाग के प्रमुख सचिव संदीप सुल्तानिया बैठक में उपस्थित रहे। बैठक में राज्य पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) शिवधर रेड्डी, एडीजीपी विजय कुमार, हैदराबाद, साइबराबाद और राचकोंडा के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार, अविनाश मोहंती और सुधीर बाबू, इंटेलिजेंस आईजी कार्तिकेय, असेंबली चीफ मार्शल कर्णाकर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार ने कहा कि सोमवार से राज्य विधानसभा और विधान परिषद के सत्र प्रारंभ हो रहे हैं। उन्होंने पिछली बैठकों को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में सहयोग देने वाले राज्य सरकार के अधिकारियों, पुलिस विभाग, विधानसभा अधिकारियों और कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा जताई कि पूर्व की तरह इस बार भी सरकार और प्रशासन का पूर्ण सहयोग मिलेगा। अध्यक्ष ने निर्देश दिया कि माननीय सदस्यों द्वारा मांगी गई जानकारी यथाशीघ्र उपलब्ध कराई जाए। साथ ही, संबंधित विभागों के अधिकारी चर्चा के दौरान उपलब्ध रहकर मंत्रियों और सदस्यों को आवश्यक जानकारी प्रदान करें। उन्होंने पुलिस विभाग को निर्देश दिया कि विधानसभा और विधान परिषद की कार्यवाही बिना किसी बाधा के सुचारु रूप से चले, इसके लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। सत्र के दौरान धरना-प्रदर्शन और आंदोलनों की संभावना को देखते हुए पहले से ही सतर्कता बरती जाए और ऐसे प्रयासों को रोका जाए। विधान परिषद अध्यक्ष गुत्ता सुखेंदर रेड्डी ने कहा कि परिषद सत्रों की सफलता के लिए सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने आवश्यक नोडल अधिकारियों और लायज़निंग अधिकारियों की नियुक्ति करने तथा लंबित प्रश्नों के उत्तर तुरंत भेजने के निर्देश दिए।

विधानसभा सत्र से पहले बीआरएस की आक्रामक रणनीति

कांग्रेस सरकार को घेरने की तैयारी

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने सोमवार से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र से पहले कांग्रेस सरकार के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाने का संकेत दिया है।

पार्टी ने नीतिगत विफलताओं और शासन में खामियों को लेकर दो साल पुरानी कांग्रेस सरकार को सदन में घेरने का फैसला किया है। रविवार को मीडिया से बातचीत में बीआरएस विधानसभा के सचेतक केपी विवेकानंद ने कहा कि विपक्ष विधानसभा में मजबूती से अपनी बात रखेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान पालमुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजना की अनदेखी को प्रमुख मुद्दा बनाया जाएगा। साथ ही चुनाव से पहले किए गए छह वादों और 420 आश्वासनों को पूरा न करने पर सरकार से जवाब मांगा जाएगा।

बीआरएस गुरुकुल विद्यालयों के प्रबंधन, छात्रों की कथित मौतों, बिना जनता से राय लिए 22 नगरपालिकाओं को जीएचएमसी में मिलाने, ऑटो चालकों की आत्महत्याओं, किसानों को फसल बोनस न मिलने, यूरिया की कमी और किसानों की आत्महत्याओं जैसे मुद्दों को भी सदन में उठाएगी।

विवेकानंद ने कहा कि लियोनेल मेस्सी से जुड़े एक फुटबॉल कार्यक्रम के लिए सिंगारेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड के फंड के कथित दुरुपयोग और दलबदल करने वाले विधायकों के आचरण पर भी सरकार से सवाल किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि बीआरएस जनता से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए लंबे विधानसभा सत्र की मांग करेगी। साथ ही पार्टी अपने दस साल के शासनकाल पर चर्चा के लिए भी पूरी तरह तैयार है।

बाढ़ग्रस्त सड़क पार कर गर्भवती महिला को 108 एम्बुलेंस कर्मचारियों ने बचाया

संगारेड्डी, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को पुलकल मंडल के बोम्मारेड्डीगुडेम और कोडुर गांवों के बीच स्थित एक गांव में झील के बैकवाटर में डूबी सड़क को पार करते हुए 108 एम्बुलेंस कर्मचारियों ने एक गर्भवती महिला की जान बचाई।

बोम्मारेड्डीगुडेम की निवासी अनुषा को प्रसव पीड़ा शुरू होने पर उनके परिवार ने 108 एम्बुलेंस को बुलाया। एम्बुलेंस चालक मोहन ने जैसे ही वाहन को गांव के पास पहुँचाया, उन्होंने देखा कि सड़क घुटनों तक पानी में डूबी हुई थी।

एम्बुलेंस के आपातकालीन चिकित्सा तकनीशियन पी अनुदीप ने स्ट्रेचर लेकर पैदल सड़क पार की और परिवार के सहयोग से महिला को सुरक्षित एमसीएच सेंटर तक पहुँचाया। महिला को वहां भर्ती किया गया और डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया। ग्रामीणों ने सरकार से गांव तक पक्की सड़क बनाने की मांग की, ताकि भविष्य में इस तरह की आपात स्थितियों का सामना न करना पड़े।

साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस ने 377 नशे में वाहन चलाने वालों को पकड़ा

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस ने शनिवार को सप्ताहांत शराब पीकर गाड़ी चलाने की जांच के दौरान नशे की हालत में वाहन चलाने के आरोप में 377 लोगों को पकड़ा। पकड़े गए लोगों में 300 दोपहिया वाहन चालक, 17 तिपहिया वाहन चालक, 58 चारपहिया वाहन चालक और 2 भारी वाहन चालक शामिल हैं। यातायात पुलिस ने बताया कि 21 अपराधियों के खून में अल्कोहल की मात्रा 301 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर से 550 मिलीग्राम/100 मिलीलीटर के बीच पाई गई। सभी पकड़े गए व्यक्तियों को कानूनी कार्रवाई के लिए अदालत में पेश किया गया। पिछले सप्ताह अदालतों में कुल 55 डीडी मामलों का निपटारा किया गया, जिसमें एक व्यक्ति को कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई गई, पांच व्यक्तियों को जुर्माना और सामाजिक सेवा का आदेश दिया गया, जबकि 49 लोगों को जुर्माना लगाकर छोड़ दिया गया।

जीएसटी सुधार परिवर्तनकारी बदलाव की आधारशिला : एम. वेंकैया नायुडू

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. वकुलाभरणम कृष्णमोहन राव ने जीएसटी सुधारों पर अपनी पुस्तक हैदराबाद स्थित पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायुडू के निवास पर भेंट की। इस अवसर पर एम. वेंकैया नायुडू ने डॉ. वकुलाभरणम कृष्णमोहन राव की सराहना की। वेंकैया नायुडू ने कहा कि जीएसटी सुधार भारत की आर्थिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हैं, जिन्होंने देश में परिवर्तनकारी बदलाव की नींव रखी है। उन्होंने उल्लेख किया कि यह पुस्तक सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और विकास के दृष्टिकोण से जीएसटी का प्रभावी विश्लेषण प्रस्तुत करती है। उन्होंने कहा कि पुस्तक में कर प्रणाली के एकीकरण से बने एकल राष्ट्रीय बाजार, बढ़ी हुई पारदर्शिता और करदाताओं के लिए अनुपालन में आई सुविधा को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया गया है। साथ ही, केंद्र और राज्यों के बीच वित्तीय समन्वय को सुदृढ़ करने में जीएसटी की भूमिका को भी समग्र रूप से प्रस्तुत किया गया है। वेंकैया नायुडू ने इस बात की सराहना की कि लेखक ने आर्थिक सुधारों का विश्लेषण केवल आंकड़ों तक सीमित न रखते हुए, उनके सामाजिक प्रभाव को भी सामने रखा है। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक छात्रों, शोधकर्ताओं और नीति निर्माताओं के साथ-साथ आम पाठकों के लिए भी उपयोगी सिद्ध होगी। यह सर्वविदित है कि इस पुस्तक का हाल ही में नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा विमोचन किया गया। डॉ. वकुलाभरणम कृष्णमोहन राव ने कहा कि इस पुस्तक का उद्देश्य जीएसटी सुधारों के उद्देश्य, क्रियान्वयन और जनता पर पड़े प्रभाव को समग्र रूप से प्रस्तुत करना है।

मुख्यमंत्री से वादे पूरे करने की मांग

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उद्यमकरुला फोरम (तेलंगाना आंदोलन कार्यकर्ता मंच) की राज्य समिति ने रविवार को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से आंदोलन कार्यकर्ताओं से किए गए वादों को पूरा करने की अपील की। साथ ही मंच ने मुख्यमंत्री से आगामी विधानसभा सत्र में इन वादों को लेकर एक स्पष्ट बयान देने का भी अनुरोध किया। यह मांगें शहर स्थित एनएसएस मीडिया सेंटर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान रखी गईं। इस अवसर पर मंच के प्रतिनिधियों ने बीआरएस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) से भी अपील की कि वे विधानसभा में राज्य सरकार से तेलंगाना आंदोलन कार्यकर्ताओं से किए गए वादों के क्रियान्वयन पर सवाल उठाएं। उन्होंने भाजपा, एमआईएम और सीपीआई दलों के नेताओं से भी आग्रह किया कि वे इन वादों के अमल को लेकर सरकार से प्रश्न करें। प्रतिनिधियों ने बताया कि यदि वादों के क्रियान्वयन की प्रक्रिया शुरू नहीं होती है तो वे 4 जनवरी से अलवाल में रिले भूख हड़ताल शुरू करेंगे। उन्होंने मांग की कि तेलंगाना आंदोलन कार्यकर्ताओं की पहचान के लिए तुरंत एक समिति गठित की जाए और उन्हें पहचान पत्र जारी किए जाएं। साथ ही उन्होंने कहा कि किए गए वादों के क्रियान्वयन की प्रक्रिया तुरंत शुरू की जानी चाहिए। मंच ने यह भी मांग की कि तेलंगाना आंदोलन कार्यकर्ता कल्याण बोर्ड का गठन किया जाए और इसके लिए 10,000 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया जाए। इसके अलावा कलाकार कल्याण बोर्ड की स्थापना की मांग भी की गई। इस प्रेस वार्ता में डॉ. चीमा श्रीनिवास (अध्यक्ष), पटूलोला सुरेंद्र रेड्डी (प्रदेश महासचिव), कोंडा स्वामी, जी. दयानंद, बी.जगन यादव, कोंथम वीरस्वामी, के. रामबाबू, गाला भास्कर, वेंगला भास्कर सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

नौ साल के बच्चे ने पतंग न दिलाने पर फांसी लगाकर की आत्महत्या

महबूबनगर, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मिडजिल मंडल के चिलवर गांव में रविवार को नौ वर्षीय लड़के ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि उसने अपने माता-पिता से पतंग खरीदने की गुजारिश की थी, लेकिन जब उन्हें यह मना किया गया, तो वह नाराज हो गया। लड़का घर के ऊपरी कमरे में गया और साड़ी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घर में मौजूद माता-पिता ने उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित किया।

गच्चीबावली नाइट क्लब में ड्रग्स सेवन के आरोप में आठ लोग पकड़े गए

ईगल फोर्स और साइबराबाद पुलिस ने संयुक्त रूप से नाइट क्लब में छापेमारी की

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस ने शनिवार रात गच्चीबावली स्थित क्वेक एरिना नाइट क्लब में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान नशीली दवाओं के सेवन के आरोप में आठ लोगों को पकड़ा। इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध यूक्रेनी डीजे आर्टबैट प्रस्तुति दे रहे थे। पुलिस के अनुसार, विशिष्ट सूचना के आधार पर ईगल फोर्स और साइबराबाद पुलिस ने संयुक्त रूप से नाइट क्लब में छापेमारी की। जांच के दौरान कुल 14 लोगों की ड्रग टेस्टिंग की गई, जिसमें आठ लोगों द्वारा गांजा, कोकीन, अफीम और टेट्राहाइड्रोकैनाबिनोल (टीएचसी) के सेवन की पुष्टि हुई। अधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ड्रग उपभोक्ताओं की मौजूदगी की सूचना थी, हालांकि कार्रवाई को सीमित और लक्षित रखा गया ताकि निवारक कदम उठाए जा सकें। पकड़े गए सभी लोगों को परामर्श के लिए साइबराबाद नारकोटिक्स पुलिस स्टेशन में पेश होने के निर्देश दिए गए हैं और उन्हें नशामुक्ति एवं पुनर्वास केंद्रों में भर्ती कराया जाएगा। पुलिस ने बताया कि पिछले दस दिनों में ईगल फोर्स ने 17 मामलों में 27 ड्रग तस्करों, 17 उपभोक्ताओं और पांच विदेशी महिलाओं को गिरफ्तार किया है। इस दौरान 68 ग्राम कोकीन, 50.5 ग्राम एमडीएमए, 2 ग्राम एलएसडी ब्लॉट और 381.93 ग्राम गांजा जब्त किया गया है।

नेशनल स्पेलिंग बी चैंपियनशिप जीतकर फैजान ने रचा इतिहास

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 13 वर्षीय फैजान जाकी ने 2025 स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी चैंपियनशिप जीतकर तेलंगाना का नाम रोशन किया है। भारतीय-अमेरिकी मूल के फैजान ने अमेरिका के मैरीलैंड स्थित गेलॉर्ड नेशनल रिज़ॉर्ट एंड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 97वीं स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी प्रतियोगिता में यह ऐतिहासिक जीत दर्ज की। विश्वभर से आए 243 प्रतिभागियों के बीच कड़े मुकाबले में फैजान ने अंतिम चरण में विजेता शब्द की सही वर्तनी बताकर खिताब अपने नाम किया। फ्रांसीसी मूल के इस शब्द का अर्थ किसी अस्पष्ट या भ्रमित करने वाली बात का स्पष्टीकरण देना होता है। इस जीत के साथ फैजान को 50,000 अमेरिकी डॉलर का नकद पुरस्कार भी मिला।

फैजान वर्तमान में टेक्सास के प्लानो स्थित राइस मिडिल स्कूल में आठवीं कक्षा के छात्र हैं। वे सात वर्ष की उम्र से ही वर्तनी प्रतियोगिताओं में भाग ले रहे हैं। कक्षा, विद्यालय, जिला, काउंटी और क्षेत्रीय स्तर पर लगातार जीत दर्ज करने के बाद उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर यह उपलब्धि हासिल की। वर्ष 2024 में वे दूसरे स्थान पर रहे थे। गौरतलब है कि फैजान ने वर्ष 2019 में महज सात साल की उम्र में 92वीं स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी में भाग लेकर सबसे कम उम्र के प्रतिभागी बनने का रिकॉर्ड भी बनाया था। हाल ही में हैदराबाद में मीडिया प्लस फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में फैजान को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उनके माता-पिता अनवर ज़की और डॉ. अर्शिया कादरी तथा उनकी बहन ज़ारा जबीन उपस्थित रहीं। पूर्व कानून मंत्री आसिफ पाशा ने फैजान को शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट किया। फैजान ने कहा कि लगातार अभ्यास और शब्दों की व्युत्पत्ति व अर्थ को समझना उनकी सफलता का मुख्य आधार रहा। उनके माता-पिता ने इस उपलब्धि को परिवार के लिए गर्व का क्षण बताया। फैजान की यह जीत अनुशासन, परिश्रम और आत्मविश्वास का प्रतीक मानी जा रही है।

राजा भैया ने की बृजभूषण की बराबरी: डेढ़ करोड़ का घोड़ा गिफ्ट लेकर दिखाया रुतबा

कुंडा, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रतापगढ़ के कुंडा से विधायक राजा भैया को भी डेढ़ करोड़ का घोड़ा गिफ्ट में मिल गया। घोड़ा महाराष्ट्र से आया। अपने किले में राजा भैया ने घोड़े का तिलक लगाया और हाथ से गुड़ खिलाया। मारवाड़ी नस्ल का घोड़ा विजयराज अपनी मजबूत कद-काठी, चमकदार शरीर और राजसी चाल के लिए जाना जाता है। इसका पासपोर्ट भी बना है। इससे पहले 15 दिसंबर को पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को भी डेढ़ करोड़ का घोड़ा गिफ्ट में मिला था। आखिर, यूपी के बाहुबलियों को इतने महंगे तोहफे क्यों मिल रहे? क्या इनका डर है या फिर जलवा है?

सीएम की कुर्सी से नीतीश को हटाने का बीजेपी का प्लान तैयार

आरजेडी ने कुशवाहा की पार्टी में घमासान की क्यों की चर्चा

पटना, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। सत्ता पक्ष और विपक्ष लगातार एक-दूसरे पर हमलावर है। पार्टी में टूट के दावे किए जा रहे हैं। बीजेपी और जदयू जहां राजद के 25 विधायकों के टूटने का दम भर रहे हैं तो राष्ट्रीय जनता दल ने सत्ता पक्ष के 65 विधायकों के अपने पक्ष में आने की हुंकार भर दी है। अब राजद ने एक और बड़ा दावा किया है। दल ने उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) में मचे घमासान को सीएम नीतीश कुमार की कुर्सी जोड़ दिया है।

राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने बयान जारी कर कहा है कि आरएलएम का

सारा खेल सीएम की कुर्सी हथियाने का है। नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री की कुर्सी से हटाने का प्लान है। इसी लिए अपने सहयोगी दलों को तोड़ रही है। उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी के तीन विधायकों को तोड़ा जा रहा है, यह दिख रहा है। जिस तरह से भाजपा खेल कर रही है, बहुत जल्द यह दिखेगा कि नीतीश कुमार को कुर्सी से बेदखल कर अपना मुख्यमंत्री बीजेपी बिहार में बनाएगी। इसका प्लान तैयार हो चुका है। अपने सभी सहयोगी दलों को तोड़ेगी।

तीनों विधायकों के इंटैक्ट होने का दावा

राजद के इस आरोप पर भाजपा ने पलटवार किया है। भाजपा प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा ने कहा कि आरएलएम में जो भी हो रहा है, वह आंतरिक मामला है। इधर आरएलएम के प्रवक्ता रामपकुमार सिन्हा ने तीनों विधायकों के पार्टी के प्रति समर्पित होने का दावा किया है। उपेंद्र कुशवाहा के आवास पर लिट्टी भोज में तीनों विधायकों के नहीं आने का कारण व्यक्तिगत रहा। दरअसल राष्ट्रीय लोक मोर्चा के तीन विधायकों की नाराजगी की बात सामने आ रही है। कुशवाहा के बेटे दीपक प्रकाश को मंत्री बनाए जाने से विधायकों ने मोर्चा खोल दिया है। इसी क्रम में उनकी मुलाकात बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन से होने की तस्वीरें वायरल होने की घटना ने आग में घी का काम किया।

जलते चूल्हे में गिरी पांच साल की मासूम...मौत

कन्नौज, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। कन्नौज जिले के गुरसहायगंज थाना क्षेत्र में आग में गिरी पांच साल की बच्ची की मामा के सामने ही जलकर मौत हो गई। मामा की दिव्यांगता आज अभिशाप बन गई। वह मूक-बधिर होने के साथ दिव्यांग भी है, भांजी को आंखों से जलता देखता रहा, लेकिन उसे बचा नहीं सका। इस घटना ने सभी को हिलाकर रख दिया। नगर के मोहल्ला गोपाल नगर में आग तापते समय मासूम चूल्हे में गिरकर जिंदा जल गई और पास में बैठा उसका मामा असहाय बना रहा, जबकि मामा की गोद और मौत में एक कदम का फासला था।

मालगाड़ी हुई बेपटरी, रेल परिचालन 24 घंटे तक ठप

जमुई, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। बीती रात झाझा–जसीडीह रेलखंड के टेलवा बाजार हाल्ट के समीप पुल संख्या 676 पर एक मालगाड़ी के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से ट्रेनों के परिचालन पर भारी असर पड़ा है। इस रेलखंड से गुजरने वाली दर्जनों एक्सप्रेस, पैसेंजर और मालगाड़ियों के रूट बदल दिए गए हैं। लगभग 34 जोड़ी एक्सप्रेस ट्रेनो के परिचालन पर असर पड़ा है। देर रात अप लाइन की 22214 पटना–शालीमार दुरंतो एक्सप्रेस घंटों तक झाझा स्टेशन पर खड़ी रही, जिसे बाद में झाझा से गया–किऊल रेलखंड के रास्ते वापस भेजा गया। इसी प्रकार कई एक्सप्रेस ट्रेनें जमुई एवं मननपुर रेलवे स्टेशन पर खड़ी रहीं, जिन्हें वहीं से दूसरे रेलखंड के रास्ते रवाना किया गया। बताया जाता है कि रात करीब 11:30 बजे मालगाड़ी के गार्ड ने झाझा स्टेशन प्रबंधक को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही आधे घंटे के भीतर झाझा से दुर्घटना राहत वाहन घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। वहीं देर रात दानापुर से क्रेन भी घटनास्थल के लिए भेजी गई है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, मालगाड़ी के आधे से अधिक डिब्बे रेलवे ट्रैक से उतरकर नदी में गिर गए हैं। पुल के गार्डर को भी नुकसान पहुंचा है। इसे ठीक करने में लगभग 24 घंटे से अधिक समय लग सकता है, जिससे इस रेलखंड पर सोमवार से पहले परिचालन शुरू होना संभव नहीं है।

लापरवाही! डॉक्टरों ने जिंदा मरीज को मृत घोषित किया

कानपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी के कानपुर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां के सबसे बड़े और प्रतिष्ठित सरकारी अस्पतालों में शुमार हैलेट अस्पताल (लाला लाजपतराय अस्पताल) में जूनियर डॉक्टरों ने लापरवाही की सारी हदें पार कर दी हैं। यहां जूनियर डॉक्टर द्वारा एक जीवित मरीज को मृत घोषित करके उसकी पुलिस इन्फॉर्मेशन (पीआई) संबंधित स्वरूप नगर थाने भेज दी गई। पोस्टमार्टम के लिए शव लेने जब थाने की पुलिस अस्पताल की इमरजेंसी वार्ड में पहुंची, तो अस्पताल में मौजूद स्टाफ और पुलिसकर्मियों के होश उड़ गए क्योंकि मरीज जिंदा था और सांस ले रहा था। ये घटना वार्ड नंबर 12 में उस मरीज के साथ हुई, जो कथित तौर पर सीनियर डॉक्टर ब्रजेश कुमार की देखरेख में भर्ती था।

'ममता बांग्लादेश चली जाएं और वहीं पीएम बन जाएं'

सौगत राय के बयान पर गिरिराज सिंह का पलटवार

बेगूसराय, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। बेगूसराय में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने टीएमसी सांसद सौगत राय के द्वारा ममता बनर्जी को बंगाल से ज्यादा बांग्लादेश में पसंद किए जाने की बात कहने पर कहा कि ममता बनर्जी बांग्लादेशियों घुसपैठियों को लेकर बांग्लादेश चले जाएं और वहां प्रधानमंत्री बन जाएं, हम बंगाल को बांग्लादेश बनने नहीं देंगे। इसके साथ ही दिग्विजय सिंह के द्वारा भाजपा आरएसएस की सराहनाओं पर कहा कि उनकी सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है। कांग्रेस में नेहरू और इंदिरा खानदान को तलवे चाटना होता है लेकिन बीजेपी राष्ट्र भक्तों की पार्टी है।

हम बंगाल को बांग्लादेश नहीं बनने देंगे

गिरिराज ने आगे कहा, मैं आग्रह करूंगा बंगाल को बख्श दीजिए यानी छोड़ दीजिए और अपने साथ सारे बांग्लादेशी, घुसपैठियों को बांग्लादेश ले जाइए और वहीं की प्रधानमंत्री बन जाइए। लेकिन हम बंगाल को बांग्लादेश नहीं बनने देंगे। गिरिरजा सिंह ने कहा कि जब तक भारतीय जनता पार्टी है यह कभी नहीं होगा।

बंगाल से ज्यादा बांग्लादेश में लोकप्रिय हैं ममता?

बेगूसराय में एक कार्यक्रम के बाद जब केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह से सौगत राय के बयान के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि सौगत राय जी ने जो ममता बनर्जी की तारीफ की है कि बंगाल से ज्यादा बांग्लादेश के लोग उनको पसंद करते हैं तो हम लोग शुरू से कह रहे हैं ममता बनर्जी रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए रेड कॉर्पोरेट बिछाकर रखती हैं। हिंदुओं की हत्या करवाती हैं। आज उस बात को सौगत राय जी ने कहा कि बंगाल से ज्यादा बांग्लादेश में ममता बनर्जी पॉपुलर हैं।'

दिग्विजय के बयान पर क्या बोले गिरिराज?

कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के द्वारा बीजेपी और आरएसएस की सराहना पर गिरिराज सिंह ने कहा कि कि दिग्विजय सिंह ने क्यों सराहना किया, नहीं किया मुझे उनकी सराहना और सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है लेकिन बीजेपी आज कार्यकर्ताओं कि पार्टी है बीजेपी राष्ट्र भक्तों की पार्टी है और कांग्रेस पार्टी परिवार की पार्टी है। कांग्रेस नेहरू और इंदिरा गांधी के परिवार की पार्टी है वहां लोगों को नेहरू और इंदिरा खानदान के लोगों के तलवे चाटने होंगे। घरों में शस्त्र रखने के आह्वान के सवाल पर गिरिराज सिंह ने कहा कि हम हिंदू हैं, हिंदू सब दिन से पौराणिक सनातन धर्म में शास्त्र और शस्त्र दोनों को पूजते आए हैं।

नहीं झुकेंगे मंत्री विजय सिन्हा, राजस्व कर्मियों से बोले- 'जो गलत करेंगे, वो बचेंगे नहीं'

पटना, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। भूमि सुधार जन कल्याण संवाद को लेकर उपमुख्यमंत्री और राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री विजय कुमार सिन्हा और बिहार राजस्व सेवा संघ (बिरसा) के बीच टकराव बढ़ गया है। ऐसे में मंत्री विजय सिन्हा ने राजस्व कर्मियों को दो टूक जवाब दे दिया है। उन्होंने कहा कि वे किसी भी प्रकार के दबाव में झुकने वाले नहीं हैं। जो गलत करेंगे, उन पर कार्रवाई होगी।

विजय सिन्हा ने यह भी कहा कि ये सरकार डबल इंजन की सरकार, जनता के सेवक के रूप में ईमानदारी से सेवा के लिए कदम बढ़ायी है, इसमें जो बाधक बनेंगे, वे बचेंगे नहीं, उन पर कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि उन्हें किसी प्रकार का कोई पत्र नहीं मिला है और न ही उन्हें यह जानकारी है कि कौन नाराज है। उन्होंने कहा कि अराजकता का माहौल हम स्वीकार नहीं करेंगे, सेवा का अवसर मिला हुआ है और जितने दिन मैं विभाग में हूं, जनता के लिए काम करूंगा।

'अब चेतावनी नहीं, एक्शन का समय'

राजस्व कर्मियों ने यह भी जवाब दिया कि जो सही ढंग से काम करता है, उसे लाभ मिलता है। दबाव में मैं कोई काम नहीं करता हूं। उन्होंने कहा कि न्यायालयों पर जमीन के विवादों का अत्यधिक बोझ है और इसे कम करना हम सभी की जिम्मेदारी है। अब चेतावनी का समय नहीं है, अब एक्शन का समय है। हमने सभी अंचलाधिकारियों और पदाधिकारियों को कह दिया है कि जो फर्जी दस्तावेज लगाकर 420 का खेल खेलते हैं। सही जमीन का विवादित बना देते है। न्यायालय में केस करके लटका देते हैं, उनका पूरा संज्ञान लें। यदि फर्जी होने का साक्ष्य मिल जाये तो उस पर एफआईआर करें।

अंचलाधिकारियों और पदाधिकारियों को आदेश

साथ ही उन्होंने यह भी कहा, सभी अंचलाधिकारी, भू-माफिया, दलाल जमीन से जुड़े मामले में शराफत और इंसानियत के आंसू बहाने वालों पर कानूनी कार्रवाई करें, यदि कार्रवाई नहीं करेंगे तो विभाग आप पर कार्रवाई करेगा। किसी को न तो गाली दी जाती है और न ही किसी का अपमान किया जाता है। हम समस्याओं को दूर करने का प्रयास करते हैं।

राजस्व सेवा संघ ने लिखा था लेटर

मालूम हो, बिहार राजस्व सेवा संघ ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर मंत्री की भाषा और कार्यशैली पर सवाल उठाया था। अपने पत्र में संघ ने लिखा था कि राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अधिकारियों के खिलाफ अमर्यादित बयानबाजी की जा रही है। ऐसी भाषा कतई बर्दाश्त नहीं की जायेगी। इन परिस्थितियों में जल्द सुधार नहीं किया गया, तो संघ विवश होकर इस प्रकार के आयोजनों का सामूहिक बहिष्कार करने पर विचार करेगा। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र देकर हस्तक्षेप करने की मांग की थी।

यमुना एक्सप्रेसवे पर देर रात भीषण सड़क हादसा, आपस में टकरा गईं तीन कारें, दो में लगी भीषण आग

ग्रेटर नोएडा, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। यमुना एक्सप्रेसवे पर शनिवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। जेवर से नोएडा की ओर जा रही तीन कारें आपस में टकरा गईं, जिसके बाद दो गाड़ियों में अचानक आग लग गई। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। लेकिन गाड़ियों में सवार लोगों ने सूझबूझ दिखाते हुए समय रहते बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली। गनीमत ये रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। घटना के बाद यमुना एक्सप्रेसवे पर जाम लग गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं। फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझाए जाने तक दोनों गाड़ियां पूरी तरह जलकर राख हो चुकी थीं। इस हादसे में दो लोगों को मामूली चोटें आई हैं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

अब प्रार्थना के बाद न्यूज पेपर पढ़ना होगा अनिवार्य, यूपी में स्कूलों के लिए नया नियम

लखनऊ, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के सभी स्कूलों के लिए नया नियम लागू किया है, जिसके मुताबिक सभी बच्चों के लिए प्रार्थना के बाद 10 मिनट न्यूज पेपर पढ़ना अनिवार्य होगा। इस नियम का सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के लिए पालन करना जरूरी है। सरकार का उद्देश्य बच्चों की शिक्षा को बेहतर बनाना, पढ़ने की आदत और सामान्य ज्ञान को बढ़ाना है। आजकल बच्चे मोबाइल स्क्रीन या टीवी स्क्रीन पर ज्यादा बिजी रहते हैं। योगी सरकार ने इसलिए ये फैसला लिया है ताकि बच्चों का स्क्रीन टाइम थोड़ा कम हो और अखबार पढ़ने में उनकी रुचि बढ़े।

स्कूलों में बच्चों को हिंदी और अंग्रेजी दोनों न्यूज पेपर दिए जाएंगे। इससे बच्चे सिर्फ किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रहेंगे, उन्हें हर क्षेत्र और भाषा से जुड़ी जानकारी मिल सकेगी। रोजाना अखबार पढ़ने से बच्चों की हिंदी और अंग्रेजी वोकैबलरी बेहतर होगी और उन्हें नए-नए शब्द सीखने को मिलेंगे।

बच्चों के मानसिक विकास के लिए जरूरी

सरकार की ओर से जारी आदेश के मुताबिक पेपर पढ़ने के बाद बच्चों से सवाल किए जाएंगे। उनसे बड़ी खबरों के बारे में पूछा जाएगा और साथ ही उन्हें 5 ऐसे नए शब्दों के बारे में भी बताना होगा जो बच्चों ने पेपर पढ़कर सीखे। इसके अलावा अखबार में मौजूद गेम्स जैसे कि सुडोकू, क्रॉस वर्ड्स भी बच्चों के मानसिक विकास में अहम भूमिका निभाएंगे। न्यूज पेपर पढ़ने से बच्चे सामाजिक रूप से सजग भी होंगे। उनमें तर्क-वितर्क करने की क्षमता पैदा होगी।

पुलिस के हत्थे चढ़ा फर्जी डीएसपी, दारोगा बहाली के नाम पर 19 लाख ठगे

बेगूसराय, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के बेगूसराय से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां पुलिस के हत्थे एक फर्जी डीएसपी पकड़ा गया है। ये डीएसपी दारोगा बहाली के नाम पर 19 लाख रुपए ठग चुका था। बेगूसराय में तेघरा थाने की पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए एक मुन्ना भाई को गिरफ्तार किया है। हालांकि उक्त आरोपी करण कुमार की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लंबे समय से प्रयास कर रही थी और आज तेघरा थाने की पुलिस को इस मामले में सफलता मिली है।

ठंड ने तोड़ा 11 सालों का रिकॉर्ड 48 घंटे में 7 डिग्री गिरा पारा

मुजफ्फरपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में कड़ाके की ठंड ने 11 वर्षों का रिकार्ड तोड़ दिया। सुबह से ही चलने वाली बर्फीली पछिया हवा के कारण अधिकतम तापमान 13.9 डिग्री सेल्सियस तक आ गया। इससे पहले वर्ष 2014 में इसके आसपास पहुंचा था। पिछले 48 घंटे में अधिकतम तापमान में करीब सात डिग्री से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर पिछले दो दिनों में पछिया हवा की रफ्तार बढ़ गई है। शुक्रवार को नौ किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली। इस कारण ज्यादा ठिठुरन रही। लगातार दूसरे दिन धूप नहीं निकली। वहीं, न्यूनतम तापमान 10.7 रहा। मौसम विभाग का कहना है कि अभी चार दिनों तक ठंड से राहत मिलने की उम्मीद नहीं। उत्तर बिहार में कोल्ड डे की स्थिति बनी रहेगी। मौसम विभाग की ओर से जारी अलर्ट में बताया गया कि तापमान में और गिरावट आ सकता है। हवा में नमी की मात्रा अधिक रहने के कारण लगातार पछिया हवा चलेगी। इस कारण उत्तर बिहार में ठंड में वृद्धि होगी।

45 किलो गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

मोतिहारी, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 45 किलो गांजा के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई नगर थाना क्षेत्र के अवधेश चौक के पास विशेष वाहन जांच अभियान के दौरान की गई। दोनों आरोपी उत्तर प्रदेश के रहने वाले बताए जा रहे हैं और गांजा की खेप को यूपी तक पहुंचाने की तैयारी में थे। इस सफलता को पुलिस की सतर्कता और सटीक सूचना तंत्र का नतीजा माना जा रहा है।

पाकिस्तानी लड़की के प्यार में लांघी सरहद, अब इस दिन भारत लौटेगा अलीगढ़ का बादल बाबू

अलीगढ़, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के बरला क्षेत्र के गांव खिटकारी निवासी बादल बाबू की घर वापसी अब जल्द हो सकती है। दरअसल, एक युवती के प्यार में अवैध रूप से सीमा पार कर पाकिस्तान पहुंचे बादल बाबू ने वहां जेल में सुनाई गई सजा पूरी कर ली है। सजा पूरी होने के बाद उसे रिहा कर दिया गया है और फिलहाल पाकिस्तान के एक डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। साथ ही भारत डिपोर्ट करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। अधिवक्ता का दावा है कि एक सप्ताह के भीतर बादल बाबू को भारत वापस भेज दिया जाएगा। इस खबर के बाद परिजनों और गांव में खुशी का माहौल है।

पुलिस ने 4000 लीटर कच्ची शराब नष्ट की:पांच अवैध भट्टियां ध्वस्त

वैशाली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। वैशाली में शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के लिए पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी कड़ी में लालगंज थाना क्षेत्र के सलेमपुर दियारा इलाके में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध शराब निर्माण के खिलाफ करारा प्रहार किया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने चार हजार लीटर से अधिक कच्ची शराब (जावा) नष्ट कर दी, जबकि शराब बनाने में इस्तेमाल हो रही पांच अवैध भट्टियों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया।

नाबालिग से दुष्कर्म का प्रयास:70 साल का आरोपी गिरफ्तार

किशनगंज, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। किशनगंज के धरमगंज इलाके में नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म का प्रयास करने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर पुलिस ने 70 वर्षीय आरोपी रामबृक्ष दास को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ पहले ही कोर्ट से वारंट जारी किया जा चुका था और उसके घर पर इश्तेहार भी चस्पा किया गया था। सदर अस्पताल में मेडिकल जांच के बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

सेना की फायरिंग रेंज में अभ्यास के दौरान ब्लास्ट, 4 जवान घायल

सहारनपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में सेना की फायरिंग रेंज में अभ्यास के दौरान बड़ा हादसा हो गया। अभ्यास के दौरान हुए ब्लास्ट में सेना के चार जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

सैन्य अधिकारी और पुलिस की टीम मौके पर

जानकारी के मुताबिक, मिर्जापुर थाना क्षेत्र में फायरिंग रेंज में सेना का नियमित प्रशिक्षण अभ्यास चल रहा था। इसी दौरान अचानक हुए ब्लास्ट से चार जवान उसकी चपेट में आ गए और घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही सैन्य अधिकारी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची तथा राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया गया।

दो घायल जवान पीजीआई रेफर किए गए

घायल जवानों को तत्काल एंबुलेंस से बेहट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया, जहां सभी को प्राथमिक उपचार दिया गया। डॉक्टरों ने दो जवानों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें पीजीआई रेफर कर दिया, जबकि अन्य दो जवानों का इलाज बेहट सीएचसी में जारी है। डॉक्टरों के मुताबिक, दोनों की हालत फिलहाल स्थिर बनी हुई है।

स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड में आया

घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड में आ गया। अस्पताल में अतिरिक्त चिकित्सा स्टाफ की तैनाती की गई ताकि घायलों को बेहतर उपचार मिल सके।

हादसे का कारण का लगाया जा रहा पता

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हादसा प्रशिक्षण के दौरान हुआ है। इसके कारणों की जांच की जा रही है। वहीं, सेना के अधिकारियों ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि सभी घायल जवानों का समुचित इलाज कराया जा रहा है। स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही हादसे के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

सीएम योगी बोले- बेहतर पुलिसिंग के लिए जनता से संवाद करें, जनप्रतिनिधियों के फोन उठाएं अफसर

लखनऊ, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बीते आठ वर्षों में कानून का राज स्थापित होने से जनता का विश्वास बढ़ा है। कानून व्यवस्था में सुधार होने से प्रदेश का माहौल बदला है। इसलिए जरूरी है कि सिपाही से लेकर जोन अफसर तक सीधे जनता से संवाद करें। जनप्रतिनिधियों के साथ चर्चा करें।

उनका कॉल रिसीव करें और उन्हें स्थितियों से अवगत करवायें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को 'पुलिस मंथन' वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सम्मेलन-2025 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विकसित भारत में राज्य सरकारों की बड़ी भूमिका है। यूपी को लेकर आठ साल में धारणा बदली है। अगर पहले की तरह दंगे होते, कर्फ्यू लगता तो क्या लोगों की धारणा बदलती। हमने कानून के दायरे में रहकर धारणा बदली है। यही कारण है कि प्रदेश में लोगों का विश्वास बढ़ा है। आज यूपी में इंफ्रास्ट्रक्चर में बड़े निवेश हो रहे हैं। देश के 55 फीसदी एक्सप्रेसवे यूपी में हैं जो बीते आठ साल में बने हैं। सबसे बड़ा रेल नेटवर्क और एयर कनेक्टिविटी यूपी में है। आज निवेशक यूपी में निवेश करने के लिए तैयार है क्योंकि यहां पर कानून का राज है। उन्होंने कहा कि आठ साल में हमने किसी का चेहरा देखकर, जाति और मजहब देखकर सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं दिया है। सभी को रोजगार दिया गया है लेकिन जिसने भी कानून से छेड़छाड़ की उसको सबक सिखाया।

व्यापारी-धर्माचार्यों से संवाद करें

मुख्यमंत्री योगी ने अफसरों को निर्देश दिया कि बेहतर पुलिसिंग सिर्फ मुख्यालय में बैठकर नहीं की जा सकती है। इसके लिए जनता से सीधे संवाद करें। व्यापारी और धर्माचार्यों से संवाद करें। थाना, सर्किल और पुलिस लाइन में बेहतर समन्वय बनाएं। इससे सुरक्षा व्यवस्था बेहतर होगी।

समुद्री सीमा पार करने के आरोप में श्रीलंकाई नौसेना ने तमिलनाडु के तीन मछुआरों को गिरफ्तार किया

चेन्नई, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। श्रीलंकाई नौसेना ने रविवार तड़के इंटरनेशनल मैरीटाइम बाउंड्री लाइन (आईएमबीएल) पार करने के आरोप में तमिलनाडु के तीन मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया। ये मछुआरे रामनाथपुरम जिले के मंडपम के रहने वाले थे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, मछुआरे रोजाना की तरह मछली पकड़ने निकले थे, तभी श्रीलंकाई नौसेना के जवानों ने उनकी नाव (मशीनी नाव) को रोक लिया और आरोप लगाया कि वह श्रीलंकाई समुद्री सीमा में घुस गई थी।

इसके बाद मछुआरों को हिरासत में ले लिया गया और उनकी जब्त नाव के साथ आगे की पूछताछ के लिए उत्तरी श्रीलंका के कांकेसंतुरई नौसैनिक कैंप में ले जाया गया। इस ताजा गिरफ्तारी से रामनाथपुरम और आस-पास के तटीय जिलों में मछली पकड़ने वाले समुदायों में चिंता फैल गई है, जहां परिवार अपनी रोजी-रोटी के लिए लगभग पूरी तरह से गहरे समुद्र में मछली पकड़ने पर निर्भर हैं। मछुआरों के संगठनों ने कहा कि इस घटना के लिए लंबे समय तक चलने वाले राजनयिक समाधान के लिए बार-बार अपील करने के बावजूद, हाल के महीनों में ऐसी गिरफ्तारियां चिंताजनक रूप से बढ़ गई हैं। याद दिला दें कि हाल ही में, रामनाथपुरम के तमिलनाडु के दस मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना ने गिरफ्तार किया था। मुख्यमंत्री एमके। स्टालिन ने विदेश मंत्री एस जयशंकर को एक पत्र लिखकर गिरफ्तार मछुआरों और उनकी नाव को छुड़ाने के लिए तत्काल राजनयिक हस्तक्षेप का आग्रह किया था।

अपने पत्र में, मुख्यमंत्री ने श्रीलंकाई नौसेना द्वारा भारतीय मछुआरों की लगातार गिरफ्तारी और कथित उत्पीड़न पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी। सीएम स्टालिन ने पत्र में बताया था कि पाक खाड़ी क्षेत्र में पारंपरिक मछली पकड़ने के अधिकार पीढ़ियों से चले आ रहे हैं

दिग्विजय सिंह के बयान पर बंटी कांग्रेस

पवन खेड़ा ने किया 'गोडसे' का जिक्र, थरूर का मिला समर्थन

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह की ओर से आरएसएस और भाजपा की तारीफ किए जाने के मामले ने पार्टी के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं। दिग्विजय सिंह ने अपने बयान पर सफाई देते हुए कहा है कि वह संघ की विचारधारा के घोर विरोधी हैं। हालांकि, उनके इस बयान पर कांग्रेस में ही कई नेताओं की राय बंटी हुई नजर आ रही है। दिग्विजय सिंह ने शनिवार को एक पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के वरिष्ठ नेता एलके आडवाणी की तस्वीर साझा की थी। इसके साथ उन्होंने कहा था कि भाजपा-आरएसएस जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को संगठन के भीतर मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री जैसे शीर्ष पदों तक पहुंचने का मौका देते हैं। गौरतलब है कि इस तस्वीर में पीएम मोदी जमीन पर बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं।

'गोडसे का संगठन कांग्रेस को क्या सिखाएगा?' :पवन खेड़ा

आरएसएस पर तीखा प्रहार करते हुए कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने संघ को 1948 में महात्मा गांधी की हत्या करने वाले नाथूराम गोडसे से जोड़ा। पवन खेड़ा ने कहा, 'आरएसएस से सीखने को कुछ नहीं है। गोडसे के लिए कुख्यात संगठन गांधी के बनाए संगठन को क्या सिखा सकता है?' कांग्रेस नेता मनिकम टैगौर ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'गोडसे के संगठन से नफरत के अलावा और कुछ सीखा नहीं जा सकता है। कांग्रेस 140 वर्ष की हो गई है, जो अभी भी युवा है और नफरत के खिलाफ लड़ती है।' इसी के साथ टैगौर ने एक अन्य पोस्ट में एक फुटबॉल मैच का वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में खिलाड़ी अपने गोल पोस्ट में गोल करता दिख रहा है। उन्होंने इस पर लिखा कि मशहूर सेल्फ गोल। हमारे पास एक है।

शशि थरूर ने किया दिग्विजय सिंह का समर्थन

कांग्रेस नेता शशि थरूर ने दिग्विजय सिंह के बयान पर कहा, 'मैं भी चाहता हूं कि हमारा संगठन मजबूत हो। हमारे संगठन में अनुशासन होना चाहिए। दिग्विजय सिंह खुद इसका उदाहरण हैं।' इसके साथ ही शशि थरूर ने कहा, 'हमारी पार्टी का 140 साल का इतिहास है। हम इससे बहुत कुछ सीख सकते हैं। हम खुद से भी बहुत सी चीजें सीख सकते हैं। अनुशासन बहुत जरूरी चीज है।'

'हमें आरएसएस से कुछ सीखने की जरूरत नहीं' :सुप्रिया श्रीनेत

वहीं, पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, 'भाजपा उनके बयानों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रही है। हमें आरएसएस से कुछ सीखने की जरूरत नहीं है। हमने ब्रिटिश राज और उसके अन्याय के खिलाफ स्वतंत्रता संग्राम लड़ा। हमने इसे जन आंदोलन में बदल दिया, इसलिए हमें किसी से कुछ सीखने की जरूरत नहीं है; बल्कि लोगों को कांग्रेस से सीखना चाहिए।'

यौन शोषण मामले में बड़ा फैसला! बॉम्बे हाईकोर्ट ने बी-समरी रिपोर्ट को चुनौती देने वाली याचिका की खारिज

मुंबई, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक चर्चित यौन शोषण मामले में अहम फैसला सुनाते हुए महिला शिकायतकर्ता की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने पुलिस द्वारा दाखिल की गई बी-समरी रिपोर्ट को रद्द करने और मामले की दोबारा जांच कराने की मांग की थी। हाईकोर्ट ने कहा कि इस मामले में हस्तक्षेप करने का कोई ठोस आधार नहीं बनता। मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम ए अंखाड की खंडपीठ ने यह फैसला सुनाया। अदालत ने साफ कहा कि जब शिकायतकर्ता स्वयं मामले को आगे नहीं बढ़ाना चाहती और पुलिस जांच में आरोपों की पुष्टि नहीं हुई है, तो मजिस्ट्रेट द्वारा बी-समरी रिपोर्ट स्वीकार किया जाना गलत नहीं कहा जा सकता। मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट में सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता ने एक हलफनामा दायर कर कहा कि आंध्र प्रदेश में दर्ज एक अन्य आपराधिक मामले में अपनी और अपने माता-पिता की गिरफ्तारी के कारण वह गंभीर मानसिक आघात से गुजर रही है।

दिग्विजय सिंह पर बोलते बोलते हद पार कर गए कांग्रेस सांसद, अल कायदा से कर दी आरएसएस की तुलना

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में इस समय कांग्रेस नेताओं के अलग-अलग तरह के बयान सामने आ रहे हैं। दिग्विजय सिंह ने शनिवार को इसकी शुरुआत की थी, जिसमें उन्होंने संघ को लेकर बात कही थी। हालांकि बाद में वे अपने बयान से पूरी तरह पलटते नजर आए हैं। उनके बयान पर कांग्रेस के कई नेताओं ने अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की है। इसी कड़ी में लोकसभा सांसद मणिक्कम टैगोर आरएसएस की तुलना अल कायदा से की है। मणिक्कम टैगोर ने संघ यानी आरएसएस की तुलना करते हुए कहा कि अल कायदा और संघ का काम एक ही है। दोनों नफरत फैलाते रहते हैं। आतंक फैलाने वाले उनसे हमलों को सीखने की जरूरत नहीं है। हम गांधी की पार्टी वाले हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नफरत के खिलाफ है, कांग्रेस मोहब्बत वाले है। आरएसएस से सीखने के लिए कुछ नहीं। आरएसएस और अलकायदा का संगठन ज्यादा संगठित हो सकता है, लेकिन इनसे नहीं सीखूंगा। दरअसल मणिक्कम टैगोर दिग्विजय सिंह के संघ से सीख लेने वाले वाले बयान पर ही बोल रहे थे।

इसी दौरान उन्होंने संघ की तुलना अल कायदा से कर दी। टैगोर के बयान पर बीजेपी ने आपत्ति दर्ज कराई है। नलिन कोहली ने कहा कि क्या आरएसएस की तुलना जिहादी संगठन से कर सकते है? राहुल सोनिया को अपना पक्ष स्पष्ट करना चाहिए। ये बयान निंदनीय है। दिग्विजय सिंह ने वो कहा जो उन्होने महसूस किया।

दिग्विजय सिंह ने क्या कहा था?

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने एक फोटो जिसमें मोदी जमीन पर बैठे दिखाई दे रहे हैं। उसको पोस्ट करते हुए लिखा था कि कोरा साइट पर मुझे यह चित्र मिला। बहुत ही प्रभावशाली है।

किस प्रकार आरएसएस का जमीनी स्वयंसेवक व जनसंघ बीजेपी का कार्यकर्ता नेताओं की चरणों में फर्श पर बैठकर प्रदेश का मुख्यमंत्री व देश का प्रधानमंत्री बना। यह संगठन की शक्ति है। जय सिया राम।

दिग्विजय सिंह के इस बयान के बाद से ही कांग्रेस के कई नेताओं के बयान सामने आ चुके हैं। हालांकि इस पूरे मामले पर खुद दिग्विजय ने सफाई पेश की है। उन्होंने कहा कि मैंने संगठन की तारीफ की है।

मैं आरएसएस मोदी जी और उनकी नीतियों का घोर विरोधी हूं। जो मुझे कहना था वो मैंने सीडब्ल्यूसी की मीटिंग में कह दिया।

सिद्धारमैया के बेटे ने की थी तालिबान से आरएसएस की तुलना

कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया के बेटे यतींद्र सिद्धारमैया ने राज्य में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर बैन लगाने की मांग की थी। उन्होंने अक्टूबर में कहा था कि आरएसएस की मानसिकता तालिबान जैसी है। आरएसएस हिंदू धर्म को उसी तरह लागू करना चाहता है, जिस तरह तालिबान इस्लाम के सिद्धांतों को थोपने के लिए आदेश जारी करता है। इसके बाद सरकार ने कई तरह के प्रतिबंध संघ पर लगाए थे। हालांकि बाद में कोर्ट के फैसले के बाद सरकार को अपने प्रतिबंध वापस लेने पड़े थे।

शिंदे गुट पार्षद के पति की निर्मम हत्या का सीसीटीवी वायरल, घटना की जांच में जुटी पुलिस

रायगढ़, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के औद्योगिक शहर खोपोली में हुई एक सनसनीखेज हत्या ने पूरे इलाके को दहला दिया है। शिंदे गुट की शिवसेना नगरसेविका मानसी कालोखे के पति मंगेश कालोखे की दिनदहाड़े निर्मम हत्या का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। इस फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि पांच हमलावर मंगेश कालोखे पर ताबड़तोड़ हमला करते हैं। जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो जाती है। घटना गुरुवार को खोपोली शहर में हुई है। जब मंगेश कालोखे सार्वजनिक स्थान पर मौजूद थे। हमलावर अचानक वहां पहुंचे और बेरहमी से उन पर हमला कर फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही खोपोली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

रायगढ़ पुलिस अधीक्षक आंचल दलाल ने बताया कि इस मामले में अब तक 10 लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए 10 विशेष पुलिस टीमें बनाई गई हैं। जो महाराष्ट्र के साथ-साथ अन्य राज्यों और विदेशों में भी जांच कर रही हैं।

पुलिस जांच में हत्या के पीछे राजनीतिक रंजिश की आशंका जताई जा रही है। मानसी कालोखे हाल ही में शिवसेना (शिंदे गुट) से नगरसेविका चुनी गई थीं। बताया जा रहा है कि उन्होंने एनसीपी अजित पवार गुट के उम्मीदवार को हराया था। इसी को लेकर दुश्मनी की बात सामने आ रही है।

इस मामले में एनसीपी अजित पवार गुट के रायगढ़ जिला अध्यक्ष सुधाकर घारे और मुख्य आरोपी रविंद्र देवकर समेत 10 लोगों को नामजद किया गया है। अब तक 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जिनमें मुख्य आरोपी रविंद्र देवकर का बेटा धनेश देवकर भी शामिल है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है और बाकी आरोपियों की तलाश जारी है।

'छुट्टी पर गए सैनिक की मौत भी ऑन ड्यूटी के समान', जवानों के लिए पंजाब-हरियाणा एचसी की अहम टिप्पणी

चंडीगढ़, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी सैनिक की मृत्यु छुट्टी के दौरान 'सेरेब्रल हेमरेज' (दिमागी रक्तस्राव) जैसी स्थिति से होती है, तो उसे सैन्य सेवा के कारण हुई मृत्यु माना जाएगा। हाई कोर्ट ने यह फैसला सुमन नामक महिला की याचिका पर सुनाया जिसके पति भारतीय सेना में कार्यरत थे। आकस्मिक अवकाश के दौरान उनके पति की मृत्यु हाई ब्लड प्रेशर के कारण हुए सेरेब्रल हेमरेज से हो गई थी। दिसंबर, 2022 में सशस्त्र बल न्यायाधिकरण की चंडीगढ़ पीठ ने सुमन के पक्ष में फैसला सुनाते हुए उन्हें स्पेशल फैमिली पेंशन देने का आदेश दिया था। केंद्र सरकार ने इस आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती देते हुए तर्क दिया था कि चूंकि जवान अपनी मर्जी से छुट्टी पर था, इसलिए उसकी मौत का सेवा से कोई सीधा संबंध नहीं है।

कौन हैं बंगाल के सीईओ मनोज अग्रवाल? जिन्हें केंद्रीय गृह मंत्रालय ने दी वाई प्लस कैटेगरी की सिक्योरिटी

कोलकाता, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने पश्चिम बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) मनोज अग्रवाल को वाई प्लस कैटेगरी की सुरक्षा दी है। एक महीने पहले पश्चिम बंगाल के चीफ इलेक्शन ऑफिसर के ऑफिस की सिक्योरिटी को लेकर चिंता जताई गई थी। इसी वजह से इस बार केंद्र सरकार ने मुख्य चुनाव अधिकारी की सिक्योरिटी बढ़ा दी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी को वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा दी गई है, जिसके अंतर्गत लगभग 20 सीआईएसएफ जवान मौके पर तैनात रहेंगे।

पिछले हफ्ते चुनाव आयोग ने कोलकाता में सीईओ ऑफिस को सेंट्रल फोर्स के सिक्योरिटी कवर में लाने का ऑर्डर दिया था। कमीशन की तरफ से सेंट्रल होम मिनिस्ट्री के जॉइंट सेक्रेटरी अनिल सुब्रह्मण्यम को एक पत्र भी भेजा गया था। पत्र में इलेक्शन कमीशन के सचिव सुरजीत कुमार मिश्रा ने कहा था कि सीआईओ ऑफिस के दूसरे और तीसरे फ्लोर पर सेंट्रल सिक्योरिटी दी जाएगी। सीआईओ ऑफिस को अगले महीने 21, एनएस रोड से शिफ्ट किया जा रहा है। शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया बिल्डिंग में एक नया ऑफिस बनाया जा रहा है। कमीशन ने कहा कि ऑफिस शिफ्ट होने के बाद वहां भी सेंट्रल सिक्योरिटी दी जाएगी।

चुनाव अधिकारी के कार्यालय के सामने हुए थे प्रोटेस्ट

इससे पहले पहले राज्य चुनाव अधिकारी के ऑफिस की सिक्योरिटी की जिम्मेदारी राज्य पुलिस की थी, लेकिन ऑफिस की सिक्योरिटी पर सवाल तब उठने लगे थे, जब पिछले महीने बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) के एक ग्रुप ने सीआईओ ऑफिस जाकर प्रोटेस्ट किया था। पिछले नवंबर में, बीएलओ के एक ग्रुप ने 'ज्यादा काम के बोझ' के विरोध में सीआईओ ऑफिस पर प्रोटेस्ट किया था। वे राज्य के सीईओ मनोज अग्रवाल से भी मिलना चाहते थे, लेकिन सीआईओ अपॉइंटमेंट न होने की वजह से मिलने को तैयार नहीं हुए।

इसके बाद, बीएलओ राइट्स प्रोटेक्शन कमिटी ने चुनाव अधिकारी के ऑफिस के सामने प्रोटेस्ट का सिलसिला जारी रखा, जिसकी वजह से कमीशन को कोलकाता पुलिस कमिश्नर मनोज वर्मा को पत्र भेजकर सीईओ ऑफिस के ऑफिसर्स और स्टाफ की सिक्योरिटी पक्का करने के लिए कदम उठाने को कहना पड़ा था।

कौन हैं सीईओ मनोज अग्रवाल?

मनोज अग्रवाल 1990 बैच के आईएएस ऑफिसर हैं। मार्च में चुनाव आयोग ने मनोज अग्रवाल को बंगाल का नया मुख्य चुनाव अधिकारी नियुक्त किया है। मनोज अग्रवार के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल में 2026 के चुनाव होंगे और चुनाव के बाद वह जुलाई 2026 नें रिटायर हो जाएंगे। इससे पहले वह बंगाल के फूड और सप्लाई विभाग के सेक्रेटरी थे।

खाद्य विभाग के सचिव के कार्यकाल के दौरान मनोज अग्रवाल को 2018 में पीडीएस में गड़बड़ियों पर अधिकारियों से एफआईआर दर्ज करने के लिए कहने के बाद "हटा दिया गया" था। अक्टूबर 2023 में तत्कालीन फूड और सप्लाई मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक को सीबीआई ने राशन में गड़बड़ियों के आरोप में गिरफ्तार किया था।

नवजोत कौर से कांग्रेस के बाद बीजेपी में सियासी खलबली

भाजपा नेता बोले- ये रोज-रोज पीएम मोदी का अपमान करते हैं, इन्हें झूठा क्रेडिट न दें

अमृतसर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिद्धू की पत्नी डॉ. नवजोत कौर सिद्धू ने कांग्रेस के बाद अब बीजेपी में सियासी खलबली मचा दी है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की तारीफ के बाद नवजोत कौर के बीजेपी जॉइन करने की अटकलें हैं। इसका पता चलते ही भाजपा नेता डॉ जगमोहन सिंह राजू भड़क गए हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग रोज-रोज पीएम नरेंद्र मोदी का अपमान करते हैं, उन्हें झूठा क्रेडिट न लेने दिया जाएगा। डॉ राजू ने केंद्रीय मंत्री गडकरी को लेटर लिखकर कहा कि अमृतसर ईस्ट में होने वाले विकास कार्यों का श्रेय पीएम मोदी और बीजेपी को दिया जाए।

यह विवाद तब शुरू हुआ, जब 2 दिन पहले नवजोत कौर ने गडकरी से मुलाकात की थी। उसकी फोटो के साथ उन्होंने अमृतसर की सड़कों की समस्याओं को तुरंत निपटाने के लिए गडकरी की तारीफ की थी। नवजोत कौर फिलहाल कांग्रेस से सस्पेंड हैं। उनके सीएम बनने के लिए 500 करोड़ रुपए वाले बयान के बाद कांग्रेस नाराज थी। इसके बाद भी उन्होंने कांग्रेस के पंजाब के सीनियर नेताओं के खिलाफ भी जमकर बयानबाजी की।

बीजेपी नेता पर रेप का आरोप, बोला- मेरा कुछ नहीं होगा, अब हुआ अरेस्ट

सतना, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सतना जिले के रामपुरबघेलान में चाकू की नोक पर दुष्कर्म का वीडियो बनाने और आपत्तिजनक वीडियो को वायरल करने की धमकी दी गई। पीड़िता के पास जाकर बीजेपी नेता ने फिर से शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर किया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। अब इस मामले में आरोपी भाजपा नेता अशोक सिंह के खिलाफ छेड़छाड़, जान से मारने की धमकी समेत अन्य धराओं में केस दर्ज किया गया है और आरोपी भाजपा नेता को गिरफ्तार कर लिया गया है।

इस गंभीर मामले पर पिछले 5 दिन से पुलिस की जांच की जा रही है। पीड़िता ने आरोपी अशोक सिंह के खिलाफ 22 दिसंबर को लिखित शिकायत यहां पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह से की थी। एसपी ने केस की गंभीरता के मद्देनजर उसी दिन जांच की जिम्मेदारी डीएसपी (हेडक्वार्टर) मनोज त्रिवेदी को सौंपी थी। बीजेपी नेता के धमकी वाले वीडियो मध्य प्रदेश कांग्रेस प्रमुख जितेंद्र (जीतू) पटवारी ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। जीतू पटवारी ने लिखा कि सतना में भाजपा नेता अशोक सिंह ने एक महिला के साथ चाकू की नोक पर दुष्कर्म किया, वीडियो बनाया और फिर दोबारा दुष्कर्म करने के लिए पीड़िता के घर पहुंचा।

बीजेपी नेता कैमरे पर खुलेआम कहता है कि भाजपा की सरकार है, मेरा कुछ नहीं होगा। उन्होंने सीएम मोहन यादव से सवाल पूछते हुए कहा कि आप सरकार चला रहे हैं या सर्कस? यह कैसा तमाशा है, जहां आपकी पार्टी के नेता प्रदेश की बेटियों के साथ घिनौने कृत्य करते हैं और छह महीने तक आपकी पुलिस कोई कार्रवाई नहीं करती। इसी लापरवाही के चलते दुष्कर्मी भाजपा नेता दोबारा कुकृत्य करने पहुंच गया। चाहे देश में कुलदीप सेंगर हो या मध्य प्रदेश में अशोक सिंह, भारतीय जनता पार्टी में कई बलात्कारी गर्व से भाजपा का चोला ओढ़े बैठे हैं और भाजपा गर्व से उनके समर्थन में खड़ी रहती है।

182 सीटों पर चुनाव लड़ेगी हुमायूं कबीर की पार्टी

किससे करेंगे गठबंधन, बीजेपी-ममता को लेकर ये है रणनीति

कोलकाता, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले तृणमूल कांग्रेस से निकाले गए विधायक हुमायूं कबीर अब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के लिए बड़ी मुश्किल पैदा कर रहे हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि उन्होंने अलग चुनाव लड़ने का ऐलान पहले ही कर दिया था। अब उन्होंने साफ कर दिया है कि बंगाल चुनाव में 182 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेंगे। उन्होंने ये भी दावा किया उनकी पार्टी और एआईएमआईएम के बीच गठबंधन हो सकता है। हुमायूं कबीर ने दावा किया कि असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी के साथ उनकी बातचीत चल रही है।

आने वाले दिनों में ओवैसी की एआईएमआईएम और इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) से गठबंधन हो सकता है। कबीर ने ममता बनर्जी पर मुस्लिमों को धोखा देने का आरोप लगाया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आने वाले चुनाव परिणाम बेहद चौंकाने वाले होंगे।

इससे पहले, कबीर ने कहा था कि उनकी पार्टी उन्नयन पार्टी (जेयूपी) राज्य की कुल 294 विधानसभा सीटों में से 135 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उनका लक्ष्य कम से कम 90 सीटें जीतना था।

ममता बनर्जी ने दिया मुस्लिमों को धोखा

हुमायूं कबीर ने कहा "हमारा सिर्फ एक लक्ष्य हैः बीजेपी को रोकना है। जो लोग मुझे गद्दार कह रहे हैं, जैसे ममता बनर्जी, वे ही हैं जिन्होंने हर कदम पर मुस्लिम समुदाय को धोखा दिया है। उन्होंने वक्फ (एक्ट) के मामले में समुदाय को धोखा दिया। उन्होंने कहा कि वे इसे अकेले संभालेंगे, लेकिन असल में उन्होंने लोगों को धोखा दिया।"

31 दिसंबर को होगा गठबंधन का ऐलान

हुमायूं ने कहा, "182 सीटों पर चुनाव लड़कर हम किस तरह के नतीजे हासिल करेंगे? मैं आपको बताता हूं, एक चमत्कारी नतीजा होगा। कुछ ऐसा जो पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ और अनुभवी राजनेता हासिल करने में नाकाम रहे हैं।"

उन्होंने आगे कहा, "बंगाल की राजनीति के भविष्य में, मैं और आईएसएफ एक साथ आ रहे हैं। अगर एआईएमआईएम भी शामिल होती है, तो उनका स्वागत है।" उन्होंने अभी तक सीट बंटवारे के बारे में कुछ भी खुलासा नहीं किया है। हुमायूं ने कहा कि वह उन लोगों का 31 दिसंबर तक इंतजार करेंगे जिनके साथ वह गठबंधन पर चर्चा कर रहे हैं, फिर वह गठबंधन के विवरण की घोषणा करेंगे।

मनाली में देह व्यापार के एक और गिरोह का पर्दाफाश, दो युवक पकड़े; चार लड़कियों रेस्क्यू

मनाली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। पुलिस ने मनाली में एक और देह व्यापार के गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में दो युवक गिरफ्तार किए गए हैं और चार लड़कियों को जबरन धंधे में फंसा पाए जाने के बाद रेस्क्यू किया गया। थाना प्रभारी मनीष शर्मा मामले की जांच कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार मालरोड और बाहणु पुल के आसपास गिरोह की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। बाहणु पुल के पास जाल बिछाकर दोनों युवकों को दबोचा गया, जो 22 वर्षीय निक्की परमार उर्फ योगी और धर्मेंद्र सोल्की बताए गए हैं।

दोनों मध्य प्रदेश के ग्वालियर के रहने वाले हैं। पुलिस ने लड़कियों को सुरक्षित बचा लिया है और आरोपियों से कड़ी पूछताछ की जा रही है। उधर, डीएसपी केडी शर्मा ने कहा कि अभियान के तहत अब तक कई गिरोह के सदस्य पकड़े जा चुके हैं और कार्रवाई लगातार जारी है। पुलिस ने पर्यटन नगरी मनाली में देह व्यापार से जुड़ा दूसरा गिरोह पकड़ा है। बाहरी राज्यों से लाकर लड़कियों को इस धंधे में धकेला जा रहा है। पर्यटन सीजन के दौरान ऐसे गिरोह के सक्रिय होने की संभावना अधिक जताई जा रही है। पुलिस ने बीते रविवार को भी मालरोड में सुनियोजित तरीके से जाल बिछाकर चार लोगों को गिरफ्तार किया था।

ये आरोपी न्यायिक हिरासत में हैं। मालरोड में इस तरह की सौदेबाजी से पर्यटन कारोबारियों में चिंता थी। यह गिरोह पुलिस के रडार पर है। सूत्रों के अनुसार नववर्ष पर सक्रिय हुए देह व्यापार से जुड़े लोगों को पकड़ने के लिए ही पुलिस ने यह अभियान चलाया है। इसमें और गिरफ्तारियां भी हो सकती हैं।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 29 दिसंबर - 2025

सेहत के लिए जरूरी कदम

मोबाइल और टीवी की स्क्रीन बच्चों की न सिर्फ मासूमियत छीन रही है बल्कि बेचैनी, ध्यान की कमी, नींद से जुड़ी समस्याएं, चिड़चिड़ापन भी दे रही है। स्क्रॉल से फोकस भी घट रहा है। यही वजह है कि हाल ही में ऑस्ट्रेलिया ने 16 साल से कम उम्र के किशोर-बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन कर बडा ही नेक काम किया है। मद्रास हाईकोर्ट ने भी एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र को ऑस्ट्रेलिया के कानून ने सबक लेकर वैसा ही कानून बनाने का सुझाव दिया है। आस्ट्रेलिया के कानून से सबक लेते हुए उत्तर प्रदेश के सरकारी स्कूलों में भी बच्चों को अब मोबाइल देखने की बजाय अखबार पढ़ने की आदत डाली जाएगी। हर दिन सुबह 10 मिनट न्यूज रीडिंग होगी। यह कदम बच्चों में स्क्रीन देखने की लत को कम करने के लिए उठाया गया है। अखबारों से बच्चों को जहां सही जानकारी मिलेगी और उनकी भाषा में भी सुधार होने की उम्मीद है। यूपी के सरकारी स्कूलों में बच्चों में पढ़ने की आदत विकसित करने और स्क्रीन टाइम घटाने के लिए यह आदेश दिया गया है। यूपी सरकार मानती है कि अखबार केवल सूचनाएं ही नहीं पहुंचाते बल्कि समझ, संवेदनशीलता और सामाजिकता भी पैदा करते हैं। इस तरह के आदेश की नौबत आना ही बताता है कि बच्चों में स्क्रीन की लत किस कदर गंभीर हो चुकी है। सरकारी आदेश के मुताबिक, मॉर्निंग असेंबली के दौरान हर दिन 10 मिनट न्यूज रीडिंग होगी। इंग्लिश और हिंदी के अखबार बच्चों को दिए जाएंगे। सभी सरकारी सेकेंडरी और बेसिक स्कूलों पर आदेश लागू होगा। यदि प्राइवेट और दूसरे स्कूल भी चाहें तो इसका आदेश का पालन कर सकते हैं। आदेश से यह संदेश भी जाता है कि पढ़ने का मतलब केवल कोर्स की किताबें नहीं होतीं। डिजिटल का जमाना है, जहां से सूचनाएं हर तरफ से आ रही हैं, लेकिन उसमें कौन-सी सही हैं और कौन गलत यह पता लगाना भी एक चुनौती बन गई है। ऐसे में आज भी अखबार सबसे भरोसेमंद माध्यम माना गया है। अखबार पढ़ने से जहां बच्चों को विश्वसनीय जानकारी मिलेगी, वहीं उनकी भाषा शैली में भी सुधार होगा। इसके अलावा विभिन्न घटनाओं को लेकर उनका अपना नजरिया भी बदलेगा। यह सरकारी आदेश सबसे बड़ी समस्या की ओर भी ध्यान खींचता है। आजकल बच्चे हमेशा टीवी और मोबाइल से ही चिपके रहते हैं, जो उनकी सेहत और दिमागी हालत के लिए खतरनाक भी हो सकता है। इस साल जुलाई के एक सर्वे के मुताबिक, भारत में 5 साल की उम्र तक के बच्चे हर दिन औसतन 2.2 घंटे स्क्रीन पर समय गुजारते हैं। यहां तक कि दो साल से कम उम्र के बच्चे भी हर दिन औसतन 1.2 घंटे स्क्रीन देखते हैं, जबकि उन्हें इससे बिल्कुल ही दूर रहना चाहिए। एक चौथाई से ज्यादा की पहुंच इंटरनेट तक भी है और 10 से कम उम्र वालों के भी सोशल मीडिया अकाउंट खुले हुए हैं। ऐसे में यूपी सरकार का आदेश टेक्नॉलजी से दूर नहीं करता, बल्कि संतुलन बनाने की कोशिश है। पढ़ने की आदत धीरे-धीरे विकसित होती है। आदेश से ज्यादा प्रभाव तब पड़ेगा, जब घर-परिवार में भी बच्चों को अखबार पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा। अब यूपी के संदेश को समझ कर दूसरे राज्य के हुक्मरान भी यदि ऐसा ही कुछ नियम बना दें तो आने वाली पीढ़ी पर बडा ही उपकार होगा।

मां की अनकही ममता: नववर्ष का सच

कृति आरके जैन

नववर्ष की रातें अपनी रौशनी से जगमगाती हैं, आतिशबाजियों की रंग-बिरंगी झिलमिलाहट में डूबी हुई। हवा में हंसी और संगीत की गूँज घुल-मिल जाती है, लोग एक-दूसरे को गले लगाते हैं, नए सपनों और उमंगों की शुभकामनाएँ देते हैं। पर इसी चमक-दमक के बीच, एक कोने में बैठी वो अकेली मां, चुपचाप अपने आंसुओं को पोंछती है। उसकी आंखों की नमी किसी क्षणिक दुःख की नहीं, बल्कि जीवन भर के अनकहे त्याग की गहरी गवाही है। वह मां, जिसने कभी अपने बच्चों के लिए नींद का बलिदान किया था, अब जब उसके बच्चे अपनी दुनिया में खोए हैं, उसके घर में केवल एक सन्नाटा है। ये नववर्ष की रौशनी उसके लिए एक कड़वी हकीकत बन जाती है – हकीकत यह कि समय कितनी बेरहम चाल से सब कुछ बदल देता है।

वो मां खिड़की से बाहर झांकती है, रंग-बिरंगी रौशनियों की झिलमिलाहट में खोई हुई। उसके हाथ में पुरानी तस्वीरें होती हैं-बच्चे छोटे थे, गोद में खेलते थे, नववर्ष के उत्साह में नए कपड़े पहनकर मुस्कुराते थे।

बाहर की दुनिया जश्न में डूबी होती है, लेकिन उसके दिल में एक गहरा खालीपन उठता है। बच्चे कभी-कभी फोन करते हैं, जल्दी-जल्दी कहते हैं, मां, खुश रहो, हम ठीक हैं। मगर ये जुबान का सुखद अहसास भी झटपट खत्म हो जाता है। मां समझती है-जिम्मेदारियां हैं, करियर है, उनका परिवार है। फिर भी, उसकी आंखों की नमी थमती नहीं। ये नमी उस अनकहे बलिदान की कहानी कहती है, जो उसने कभी किसी से साझा नहीं की। पति साथ छोड़ गए, रिश्तेदार दूर हो गए, लेकिन मां अडिग रही। नववर्ष की यह रौनक उसके लिए एक आईना है, जो उसकी अकेलीपन की गहराई को और उजागर करता है। सुबह होती है नववर्ष की, लोग नए संकल्पों की बातें करते हैं-स्वास्थ्य, सफलता, यात्राएं। लेकिन उस मां का संकल्प हर साल एक ही रहता है-बच्चे सुरक्षित और खुश रहें। वह मंदिर जाती है, प्रार्थना करती है, और लौटकर घर में वही मौन उसका इंतजार करता है। बाहर की दुनिया नई शुरुआतों से भरी होती है, सोशल मीडिया पर खुशियों की झलकियाँ बिखरी रहती हैं। लेकिन उसके फोन में सिर्फ पुरानी यादें और पुराने संदेश ही बचे रहते हैं। उसकी नमी आंसुओं में बदल जाती है, जब वह सोचती है-कब बच्चे घर लौटेंगे। समाज मां को मजबूत कहता है, लेकिन मजबूती के पीछे का दर्द कोई नहीं समझता। नववर्ष की ये चमक उसके लिए एक व्यंग्य बन जाती है-सारी दुनिया बदल रही है, लेकिन उसका इंतजार जस का तस है। वह इंतजार जो साल दर साल और गहरा होता जाता है।

उस मां की यादें उसे हर पल घेर लेती हैं, जब वह अकेले चाय की प्याली थामे बैठी रहती है। बचपन की वो दौड़-भाग, त्योहारों की तैयारियां, रात भर जागकर बीमार बच्चे की सेवा-सब कुछ फिल्म की तरह आंखों के सामने घूम जाता है। अब घर के कोने-कोने में केवल खामोशी का राज है, दीवारें गवाह हैं उसके अनगिनत त्यागों की। बच्चे दूर शहरों में बस गए, अपनी नई जिंदगियां संवार रहे हैं, लेकिन मां का मन अभी भी पुराने पते पर अटका है।

वह सोचती है कि काश एक बार फिर वो हंसी-ठिठोली घर में गूंजे, वो छोटे हाथ उसका आंचल पकड़ें। स्वास्थ्य उसका साथ छोड़ने लगा है, दवाइयां रोज की साथी बन गई हैं, मगर शिकायत किसी से नहीं। नववर्ष की ये रात उसे याद दिलाती है कि जीवन की असली संपत्ति रिश्ते हैं, जो समय की धारा में कहीं बह न जाएं। उसकी नमी में छिपा है वो ममता का सागर, जो कभी सूखता नहीं। उस मां की रातें अब लंबी हो गई हैं, जहां नींद आती है तो सपनों में बच्चे फिर छोटे होकर लौट आते हैं।

वह पुरानी अलमारी खोलती है, बच्चों के छोटे-छोटे कपड़े सहलाती है, जो सालों से वैसे ही पड़े हैं। हर कपड़े में बसी है वो खुशबू-दूध की, मिट्टी की, त्योहारों की। बाहर आतिशबाजी की आवाजें गूंजती हैं, लेकिन उसके कानों में केवल बच्चों की पुरानी हंसी कौंधती है।

मनरेगा का नाम परिवर्तन सुनियोजित

रघु ठाकुर

भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम मनरेगा का नाम बदलकर श्वीबी - जी राम जी्य कर दिया है। संसद में प्रतिपक्ष दलों ने इस नाम बदलने का तीखा विरोध किया और जो होना स्वाभाविक भी था। भाजपा और उसकी मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ न केवल 11 वर्षों से बल्कि अगर इतिहास में जाया जाए तो 1930 के बाद से ही महात्मा गांधी को बदनाम करने, उनका अपमान करने व उनके विरुद्ध अन्य प्रकार के झूठ फैला रही है और अब इन पिछले 11 वर्षों में इसमें ज्यादा गति आई है, क्योंकि सरकार का संरक्षण है। स्व. बाल ठाकरे की मृत्यु के बाद राजकीय शोक घोषित किए जाने पर एक छात्रा ने सोशल मीडिया पर टिप्पणी की थी और जिस प्रकार उसे गिरफ्तार किया गया था, जिसे बाद में न्यायपालिका ने रिहा करने का आदेश दिया और कार्यवाही पर रोक लगाई, परंतु आज तक देश में महात्मा गांधी के खिलाफ गंदी-गंदी टिप्पणी करने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। व्यक्तिगत तौर पर मैं ऐसे मामलों में कानूनी कार्रवाई का पक्षधर नहीं हूं, क्योंकि मैं मानता हूं कि कार्रवाई या दंड से विचार नहीं मरते। मैं चाहता हूं कि समाज के लोग आगे आकर ऐसे झूठे आरोपों का प्रतिकार कर सुनियोजित झूठ फैलाने वालों को तार्किक उत्तर देकर निरुत्तर करें। बाल ठाकरे की घटना का उल्लेख तो मैंने यह बताने के लिए किया है कि देश में दो प्रकार के कानून चलते हैं। यह भी आश्चर्यजनक है कि संघ-भाजपा के लोग अभी तक ऊपरी तौर पर महात्मा गांधी के प्रति श्रद्धा का भाव प्रकट करते हैं, परंतु उनके ही नीचे के अनुयायी महात्मा गांधी के खिलाफ गंदे शब्दों के प्रयोग करते हैं। ऊपर से नमन और नीचे से कटन की यह संघ की शिक्षा है, इसके बहुत सारे प्रमाण मैं दे सकता हूं, परंतु अभी वह मेरा विषय नहीं है।

भाजपा के नेताओं और सत्ताधीशों के लिए शब्द कितने अर्थहीन हैं और केवल शब्दों तक सीमित हैं इसका प्रमाण उस दिन मिला जब संसद में उत्तर देते हुए ढ्रषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि महात्मा गांधी हमारे दिलों में हैं। यह कितना विचित्र था कि जिनके दिलों में महात्मा गांधी हैं उनके कागजों से महात्मा गांधी हटाए जा रहे हैं। यह दिल, दिमाग और शब्दों की कागजों से दूरी शोध का विषय है। मुझे ऐसा लगता है कि महात्मा गांधी के नाम को हटाने के पीछे संघ के तीन उद्देश्य हैं-

1. एक वे देखना और तोलना चाहते हैं कि महात्मा गांधी का नाम हटाने पर देश में क्या प्रतिक्रिया होती है? अगर कोई भी प्रतिक्रिया नहीं हुई तो उनका अगला चरण नोटों पर से भी गांधी का चित्र हटाने का हो सकता है। उन्हें अंतरमन से गांधी से इतनी घृणा है कि वह गांधी की हर याद को मिटाना चाहते हैं। यह प्रयोग उन्होंने सरकार बनने के बाद तब भी किया था जब केंद्र सरकार ने सफाई का अभियान चलाया था और जिन महात्मा गांधी ने 19वीं सदी के आरंभ से ही जब न संघ का जन्म भी नहीं हुआ था, न श्री मोदी का, तब सफाई का अभियान और संदेश दुनिया को दिया था। तब भी उसमें बापू का चित्र कहीं नजर नहीं आया केवल चश्मा रखा गया, ताकि कोई आरोप लगे तो कहा जाए कि हमने बापू का चश्मा लिया है।

2. दरअसल सरकार को मनरेगा के जो मूल प्रावधान थे उनमें ही परिवर्तन करना था क्योंकि मनरेगा जैसी योजना उनकी नीति के अनुकूल नहीं है। 2014 से 19 के बीच उन्होंने मनरेगा का बजट कम किया था, यहां तक कि काफी समय तक काम करने वाले मजदूरों की मजदूरी तक नहीं चुकी थी, फिर कई महीनों के बाद लाचार होकर लंबित राशि का एक हिस्सा जारी किया गया। हालांकि वह भी आवश्यकता के अनुसार और लंबित भुगतान के अनुसार पर्याप्त नहीं था। दरअसल मोदी सरकार इस योजना से मुक्ति चाहती है। इस योजना में जो संशोधित प्रावधान किए गए हैं वह बहुत ही चलाकी भरे और अप्रत्यक्ष रूप से कानून को अप्रभावी बनाने वाले हैं। जैसे यह कहा गया है कि सरकार ने कार्य दिवस बढ़कर वर्ष में 100 दिन से 125 दिन कर दिए हैं, परंतु इसके साथ यह भी प्रावधान कर दिया गया है कि यह रोजगार उपलब्ध बजट के अनुसार ही दिए जाएंगे, यानी पहले मनरेगा में न्यूनतम 100 दिन काम देने की सरकार को बाध्यता थी अब सीमा तो 125 दिन की गई है, परंतु बाध्यता नहीं है। जितना पैसा होगा उतने ही दिन काम दिया जाएगा और इसका अर्थ हुआ कि जब बजट नहीं मिलेगा तो काम नहीं मिलेगा। तथा अपने आप बाध्यता की बजाय योजना सरकार के मन पर निर्भर करेगी।

3. सरकार ने नाम बदलने और महात्मा गांधी के नाम की बजाय वीबी राम जी नाम करने के पीछे यह भी रणनीति दिखती है कि प्रतिपक्ष महात्मा गांधी के नाम को लेकर हल्ला गुल्ला करेगा, बहस करेगा, विरोध करेगा और हुआ भी तो भी उन प्रावधानों पर कोई चर्चा नहीं हो सकेगी, जो मनरेगा की मूल आत्मा और विचार को समाप्त करने वाले हैं तथा मौका पाकर भाजपा यह भी प्रचारित करेगी कि हमने तो राम का नाम जोड़ा है, प्रतिपक्ष राम को नहीं मानता इसलिए विरोध कर रहा है और मुझे लगता है कि प्रतिपक्ष जाने अनजाने में भाजपा नेतृत्व के षड्यंत्र का शिकार हो गया।

अच्छा होता कि पहले उन प्रावधानों पर संसद में बहस होती जिनके माध्यम से मनरेगा कानून को निष्प्रभावी बनाने का प्रयास भाजपा सरकार द्वारा किया गया है, देश की जनता इन तथ्यों को जान सकती। ढ्रषि मंत्री श्री शिवराज जी ने संसद में उत्तर देते हुए कहा कि हमने श्रमिकों को मजदूरी के लिये देने की राशि डेढ़ लाख करोड़ रुपये कर दी है, परंतु किसी ने उनसे यह नहीं पूछा कि बजट तो मार्च में आना है उसके पहले आपने वृद्धि कैसे कर दी? तथ्य तो यह है कि लगभग 30000 करोड़ रुपए औजार आदि की खरीद और श्रमिकों की मजदूरी का पिछला बकाया है, जो अभी तक नहीं दिया गया। मैं मान लेता हूं कि मनरेगा के जो उद्देश्य थे उनमें कई कमियां सामने आई हैं, जैसे श्रमिकों को रोजगार के नाम पर पंचायत के निर्वाचित प्रतिनिधियों गांव के ताकतवर लोगों और कर्मचारियों ने मिलकर भारी भ्रष्टाचार किया है। बगैर काम के ही जनप्रतिनिधियों, कर्मचारियों और दबंगों के गठजोड़ ने पैसा निकाल लिया है, परंतु यह दोष तो व्यवस्था का या तंत्र का है न कि कानून का। दूसरे चूँकि ग्रामीण इलाकों में योजनाओं के लिए काम करने को मजदूर नही मिलते इसलिए अधिकारियों को मशीनों से कराना पड़ता है जो कि कानून के भावना और उद्देश्य के खिलाफ है।

अच्छा होता कि सरकार इन समस्याओं को तथ्यों सहित संसद में प्रस्तुत करती। हालांकि इन प्रक्रियाओं की त्रुटि का संबंध कानून के नाम से नहीं है। क्या वीबी रामजी के नाम हो जाने से ग्रामीण स्तर पर हो जाने वाला उपरोक्त भ्रष्टाचार रुक जाएगा? इसलिए नाम बदलने की अनुपयोगिता सरकार की मंशा और प्रतिपक्ष को बहिष्कार के लिए बाध्य कर उल्टे जाल में फांसने का षड्यंत्र स्पष्ट होता है। हालांकि प्रतिपक्ष की भी अनेकों कमियां हैं, जो न केवल राजनीतिक हैं, बल्कि महात्मा गांधी के प्रति उनकी निष्ठा के अभाव और दिखावे की प्रतीत होती हैं। राष्ट्रपिता के नाम को हटाना यह एक प्रकार से देश की सरकार पितृ हत्या की अपराधी है। क्या यह उचित नहीं होता कि प्रतिपक्ष इस मुद्दे को लेकर लेकर समूचे भारत बंद का आह्वान करता और मैं दावे के साथ कहता हूं कि समूचे देश में इसका बहुत प्रभाव पड़ता और शहर कस्बे तो दूर गांव-गांव तक बंद रहते। परंतु प्रतिपक्ष ने भी इतनी बड़ी घटना को बहुत हल्के में लेने का अपराध किया है। कांग्रेस पार्टी की एक नेता के संसद समाप्ति के बाद स्पीकर के कक्ष में प्रधानमंत्री के साथ हंसते मुस्कुराते चाय पीते फोटो सारे देश ने देखे हैं। क्या इस फोटो में कहीं महात्मा गांधी के नाम हटाए जाने की पीड़ा नजर आती है? क्या प्रतिपक्ष को उस दिन चाय पार्टी का बहिष्कार नहीं करना चाहिए था?

2026 में भारत के सामने आर्थिक, राजनीतिक एवं वैश्विक चुनौतियां

अजय कुमार पाण्डेय

2026 वह वर्ष है जब भारत न केवल अपनी आंतरिक समृद्धि की दिशा निर्धारित करने का प्रयास कर रहा है, बल्कि वैश्विक परिदृश्य में अपनी भूमिका भी पुनर्परिभाषित कर रहा है। व्यापक जनसंख्या, तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और रणनीतिक भौगोलिक स्थिति के बावजूद, अनेक आर्थिक, राजनीतिक, भू-राजनीतिक एवं वैश्विक चुनौतियाँ भारत के विकास पथ पर प्रश्नचिह्न लगा रही हैं। भारत की अर्थव्यवस्था 2025-26 में मजबूती से बढ़ने का सम्भावित संकेत देती है।

दुनिया के प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के अनुमानों के अनुसार— विश्व बैंक के भारत विकास अपडेट के अनुसार भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 2025-26 में लगभग 6.7 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। विश्व बैंक व अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की अनुच्छेद IV रिपोर्ट में भी 2024-25 और 2025-26 में लगभग 6.5 प्रतिशत वृद्धि प्रोजेक्ट की गई है।

हालांकि ये दर तेज़ है, परन्तु यह उन 8% लक्ष्यों से कम है जिन्हें विकसित देश बनने के मार्ग पर आवश्यक माना जाता है। स्थिरता और मुद्रास्फीति विश्व बैंक डाटा के अनुसार-मुद्रास्फीति 2025-26 में 4.1-4.0 प्रतिशत के बीच रहने की संभावना है। एक रिपोर्ट के अनुसार चालू खाता घाटा घरेलू व वैश्विक प्रभावित कारकों से -1.4% के आसपास रहने की संभावना है।

लॉयड्स बैंक ट्रेड ये संकेत बताते हैं कि भारत महँगयी कम रखने और संतुलन बनाने में अपेक्षाकृत सफल हो रहा है, पर निर्यात, निवेश तथा विदेशी हितों में उतार-चढ़ाव जोखिम बने हुए हैं। भारत विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी का घर है, लेकिन ओईसीडी के आंकड़ों के मुताबिक 30% से अधिक युवा नीट्स (नौकरी, शिक्षा या प्रशिक्षण में नहीं) के रूप में वर्गीकृत हैं।

लॉयड्स बैंक ट्रेड यह दर्शाता है कि रोजगार सृजन और कौशल विकसित करना एक आर्थिक प्राथमिकता है। टेक्नोलॉजी, एआई, डेटा साइंस जैसे नए क्षेत्र अवसर तो प्रदान करते हैं, पर कौशल गैप का सामना अभी भी करना पड़ेगा। आज तक के अनुसार भारत में आर्थिक असमानता और सामाजिक चुनौतियाँ एक गंभीर समस्या बनी हुई है। विश्व असमानता रिपोर्ट जैसे अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन बताते हैं कि अमीर-गरीब की खाई व्यापक है, तथा राष्ट्रीय संसाधन वितरण और अवसर संरचना असमानता को चुनौती देती है। इसका सीधा प्रभाव घर-घर तक विकास की नीति पर पड़ता है। (संदर्भः विश्व असमानता रिपोर्ट 2026).

2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरे कार्यकाल के मध्य में हैं, परन्तु नेतृत्व के आगे के चरण पर राजनीतिक विमर्श बढ़ गया है। रायटर्स के मुताबिक अगले नेतृत्व धाराओं में परिणति अस्थिरता का संभावना है, जिससे राजनीतिक स्थिरता और नीति निरंतरता पर प्रश्न उठते हैं। रायटर्स के अनुसार अस्थिरता का खतरा केवल शीर्ष नेतृत्व तक सीमित नहीं-केंद्र-राज्य संबंधों में तनाव, स्थानीय प्रशासन में जवाबदेही, न्यायपालिका एवं मीडिया की स्वतंत्रता, और सोशल मीडिया पर बढ़ते ध्रुवीकरण इन सबसे लोकतान्त्रिक संस्थाओं की मजबूती को चुनौती मिल सकती है।

इससे निबटने के लिये लोकतांत्रिक शासन की सुदृढ़ता, पारदर्शिता, जवाबदेही, भ्रष्टाचार नियंत्रण, और न्यायपालिका की स्वतंत्रता जैसी चीज़ें केंद्रीय भूमिका निभाती हैं। इन आयामों में सुधार विश्व बैंक और अन्य वैश्विक सूचकांकों में भारत को बेहतर स्थिति में ला सकते हैं, परन्तु निरंतरता के लिए सामाजिक एवं राजनीतिक समर्थन आवश्यक है।

भू-राजनीतिक चुनौती के अंतर्गत शक्ति संतुलन और रणनीतिक स्वायत्तता की आवश्यकता है चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल और क्षेत्रीय अस्थिरता भी भारत के लिये आगामी वर्ष में चुनौती बनी रह सकती हैं जिनसे निपटने हेतु भारत को अपने कूटनीतिक प्रयास और नीति को स्पष्ट तौर पर वैश्विक पटल पर दृढ़ता से रखने की आवश्यकता है।

भारत के भू-राजनीतिक संदर्भ में प्रमुख चुनौतियाँ निम्नलिखित हैः चीन के साथ सीमा विवाद, पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद, वर्तमान में बंगलादेश के हालात और दक्षिण एशिया में शक्ति समीकरण ये सभी भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर फ़ैक्टर हैं।

बहुपक्षीय मंचों में भारत ब्रिक्स, क्वाड, जी20 जैसे मंचों पर सक्रिय है। विशेषतः-2026 से भारत बीआरआईसी अध्यक्षता संभाल रहा है, और वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों के जरिए डॉलर के प्रभुत्व को चुनौतियाँ दे रहा है।

नवभारत टाइम्स के अनुसार यह भारत को महाद्वीपीय और वैश्विक निर्णय-प्रक्रियाओं में प्रभावी साझेदार बनाता है, परन्तु इस भूमिका को संतुलित करना आसान नहीं है।

भारत की रक्षा उत्पादन क्षमता बढ़ रही है-वित्तीय और तकनीकी सुधारों के साथ, देश रक्षा उपकरणों में आत्मनिर्भरता बढ़ा रहा है। परन्तु, लगातार बढ़ती तकनीकी प्रतिस्पर्धा, हाइब्रिड युद्ध तकनीकें, साइबर सुरक्षा और सूचना युद्ध जैसे नए आयामों से भी निपटना आवश्यक है। (संदर्भः वैश्विक साइबर सुरक्षा चुनौतियाँ). वैश्विक व्यापार, निर्यात और आर्थिक मंदी वैश्विक व्यापार के संदर्भ में भारत के सामने आगामी वर्ष में भी आने वाली चुनौतियाँ हैँ - निर्यात लक्ष्य $1 ट्रिलियन तक पहुंचने में बाधाएँ, अमेरिका व अन्य देशों द्वारा लगाए गए टैरिफ़, वैश्विक मांग में कमी -ये समस्या हैं जो आर्थिक वृद्धि को प्रभावित करती हैं।

महाराष्ट्र टाइम्स के अनुसार इनसे भारत के विकास मॉडल पर दबाव पड़ता है, जो कि निर्यात-आधारित और विनिर्माण-उभार केंद्रित लक्ष्य दोनों के लिए चुनौतीपूर्ण है। 2025 में प्राकृतिक आपदाओं से वैश्विक स्तर पर लगभग 10.8 लाख करोड़ का नुकसान हुआ है, जिसमें भारत सहित कई देश शामिल हैं। नवभारत टाइम्स के अनुसार भारत जैसे कृषि-आश्रित राष्ट्रों के लिए बदलता मौसम, सूखे और बाढ़ जैसी समस्याएँ खाद्य सुरक्षा, कृषि-उत्पादकता और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती है। वैश्विक नौकरी बाजार में एआई और ऑटोमेशन का उभार संक्रमण के रूप में दिखाई दे रहा है-जाहिर है कि पारंपरिक नौकरियाँ खतरे में हैं, पर नई तकनीकी नौकरियों के लिए मांग भी बढ़ रही है। आज तक के अनुसार यह भारत के कौशल पारिस्थितिकी तंत्र सुधार, उच्च शिक्षा संबंध, और विनिर्माण तथा सेवा उन्नति पर नई चुनौतियाँ उत्पन्न करता है। 2026 में भारत की चुनौतियाँ बहु-आयामी हैं- आर्थिक, राजनीतिक, भू-राजनीतिक और वैश्विक संकट एक साथ उभर रहे हैं। इनसे निपटने के लिए आवश्यक हैः लचीली और समावेशी आर्थिक नीतियाँ, लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती, रणनीतिक स्वायत्त कूटनीति, सतत विकास और पर्यावरणीय न्याय इतना ही नहीं, भारत को वैश्विक मंच पर सहभागिता के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय नेतृत्व की भूमिका निभानी चाहिए-जो न केवल राष्ट्रीय हित को आगे बढ़ाए, बल्कि वैश्विक न्याय, स्थिरता और समृद्धि के लिये भी योगदान करे।

एआई बनाम अंडरवर्ल्ड नया भारत, नई लड़ाई

आरके जैन

भारत की आंतरिक सुरक्षा को अभेद्य कवच प्रदान करने की दिशा में मोदी सरकार ने एक ऐतिहासिक और दूरगामी पहल करते हुए 26 दिसंबर 2025 को राष्ट्रीय ऑर्गेनाइज्ड क्राइम नेटवर्क डेटाबेस (ओसीएनडी) का शुभारंभ किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा एंटी-टेरर कॉन्फ्रेंस-2025 में लॉन्च किया गया यह प्लेटफॉर्म केवल एक तकनीकी नवाचार नहीं, बल्कि संगठित अपराध और आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक युद्ध की घोषणा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संचालित यह प्रणाली अपराधियों के नेटवर्क, उनके फंडिंग चैनल और अंतरराज्यीय गठजोड़ को जड़ से खत्म करने की क्षमता रखती है। एनआईए, राज्य पुलिस और नेटग्रिड (नेशनल इंटेलिजेंस ग्रिड) के संयुक्त प्रयास से विकसित ओसीएनडी, मोदी सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति का सशक्त प्रमाण है, जो अपराधियों को यह स्पष्ट संदेश देता है कि अब भारत में छिपने की कोई जगह नहीं बची है।

संगठित अपराध की जटिल और बहुस्तरीय संरचना को समझते हुए सरकार ने यह स्वीकार किया कि केवल पारंपरिक पुलिसिंग से इस चुनौती का समाधान संभव नहीं। वर्षों से माफिया गिरोह, ड्रग नेटवर्क, साइबर अपराधी और अंतरराज्यीय सिंडिकेट सूचनाओं के बिखराव का लाभ उठाते रहे हैं। एक राज्य के पास अपराधी का अधूरा डेटा होता था, जबकि दूसरे राज्य में उसकी पूरी आपराधिक पृष्ठभूमि छिपी रह जाती थी। ओसीएनडी इस खामी को समाप्त करता है। यह सभी राज्यों की एफआईआर, चार्जशीट, खुफिया रिपोर्ट, डोसियर और बायोमेट्रिक जानकारियों को एकीकृत मंच पर लाकर रीयल-टाइम एक्सेस देता है। अधिकारियों का कहना है कि यह प्लेटफ़ॉर्म 'प्राकृतिक भाषा में खोज और तुरंत उत्तर' देने वाले एआई मॉडल जैसी कार्यप्रणाली अपनाता है, जिससे अपराध नेटवर्क को पूरी तरह उजागर किया जा सकता है।

ओसीएनडी की सबसे बड़ी ताकत इसकी उन्नत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्षमताएं हैं, जो इसे वैश्विक स्तर का सुरक्षा टूल बनाती हैं। वॉयस सैंपल मैचिंग, फिंगरप्रिंट पहचान और अन्य बायोमेट्रिक तकनीकों के जरिए संदिग्धों की पहचान अब सेकंडों में संभव होगी। नेटग्रिड से इसका समन्वय आतंक फंडिंग, ओवरग्राउंड वर्कर्स और हवाला नेटवर्क को बेनकाब करने में निर्णायक भूमिका निभाएगा। अमित शाह ने सही कहा कि कई अपराधी नेता विदेश भागकर आतंकी संगठनों से हाथ मिला लेते हैं और अपराध की कमाई से देश के खिलाफ साजिशें रचते हैं। ओसीएनडी इसी खतरनाक नेक्सस को तोड़ने का औजार है। इसके साथ लॉन्च किया गया वेपंस डेटाबेस खोए, लूटे और बरामद हथियारों की ट्रैकिंग कर अपराध की सप्लाई चेन को ध्वस्त करेगा।

एंटी-टेरर कॉन्फ्रेंस में अमित शाह द्वारा घोषित "360 डिग्री असॉल्ट" रणनीति भारत की सुरक्षा सोच में गुणात्मक बदलाव को दर्शाती है। इसमें इंटेलिजेंस शेयरिंग, अत्याधुनिक तकनीक, अंतर-एजेंसी समन्वय और सहकारी संघवाद को एकीकृत किया गया है। यह नीति अपराध को केवल नियंत्रित करने की नहीं, बल्कि उसे जड़ से समाप्त करने की मंशा को दर्शाती है। इसी क्रम में अपडेटेड एनआईए क्राइम मैनुअल भी जारी किया गया, जिससे जांच प्रक्रियाएं अधिक वैज्ञानिक, तेज और कानूनी रूप से मजबूत बनेंगी। अमित शाह ने स्पष्ट किया कि संगठित अपराध आतंकवाद की नर्सरी है, और जब तक इसे समाप्त नहीं किया जाएगा, राष्ट्रीय सुरक्षा पूर्ण नहीं हो सकती। ओसीएनडी इस समग्र रणनीति का डिजिटल फंदा है, जो अपराधियों के हर कदम को ट्रैक करेगा।

ओसीएनडी का प्रभाव केवल कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा के पूरे इकोसिस्टम को नई धार देगा। ड्रग ट्रैफिकिंग, टेरर फाइनेंसिंग, साइबर गैंग और अंतरराष्ट्रीय माफिया नेटवर्क अब इस डिजिटल निगरानी से बच नहीं पाएंगे। जहां पहले किसी नेटवर्क को समझने में महीनों लग जाते थे, वहीं अब सेकंडों में एक्शन योग्य इंटेलिजेंस उपलब्ध होगी। मोदी सरकार ने इस पहल में राज्यों को भागीदार बनाकर सहकारी संघवाद को नई मजबूती दी है। विशेषज्ञ इसे "डिजिटल ड्रैगनेट" की संज्ञा दे रहे हैं, जो न केवल मौजूदा अपराधियों को पकड़ेगा बल्कि भविष्य के खतरों का पूर्वानुमान भी लगाएगा। यह भारत को दुनिया की सबसे सशक्त और आधुनिक सुरक्षा प्रणालियों वाले देशों की कतार में खड़ा करता है।

मोदी सरकार की यह पहल स्पष्ट करती है कि भारत अब अपराध और आतंकवाद के खिलाफ रक्षात्मक नहीं, बल्कि आक्रामक रणनीति अपना चुका है। ओसीएनडी न केवल मौजूदा सिंडिकेट्स को ध्वस्त करेगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित राष्ट्र की नींव रखेगा। अमित शाह की प्रशासनिक दूरदृष्टि और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व में एनआईए ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना को साकार किया है। आने वाले समय में "360 डिग्री असॉल्ट" रणनीति इसे और अधिक प्रभावी बनाएगी। राज्य पुलिस बलों का इसे पूरी निष्ठा से अपनाना विकसित भारत के लक्ष्य को गति देगा। ओसीएनडी अपराधियों के लिए चेतावनी नहीं, बल्कि उनके पूरे नेटवर्क के अंत की घोषणा है।

जब दाग़ लग ही गया ...

डॉ टी महादेव राव

चारणभाटों की बातें उन्हें शायद उतनी भाती नहीं जितना अपने मुंह मियां मिट्ठू बनने से भाती होंगी।

उन्होंने बयान दे दिया मैं बेदाग हूं। सारे साथी अपने अपने गिरेबान झांकने लगे कि बेदाग वे भी तो होंगे जब बड़े भैया बेदाग हैं। लेकिन सबके सब गिरेबान दागदार निकले सिर्फ बड़े भैया का नहीं। एक साथी ने कहा हम तो कई कई दिन कपड़े मतलब गिरेबान नहीं बदलते जबकि भैया दिन में दस बार लिबास वही गिरेबान चेंज करते हैं तो दाग कैसे होगा? सभी ने सोचा दिल बहलाने के लिए ग़ालिब ये खयाल अच्छा है।

वे दागदार कैसे हो सकते हैं? सुबूत मिटाना, बात बात में बात बदलना, लोगों का ध्यान दूसरी तरफ करने में माहिर जो हैं। किसी ने चूं चपड की तो बस उनके पीछे अपने कुत्ते दौड़ा देना कि बेटा अब बचके कहां जाओगे। आपको अपने मुंह मियां मिट्ठू मालूम ही होगा और जानकारी यह भी होगी कि लंबे हाथ अपनी पीठ भी बेहतर ढंग से थपथपा सकते हैं, शाबाशी में।

वैसे दिया नहीं जान पाता की उसके तले में अंधेरा है, ठीक वैसे ही जैसे लाल गूंजा या रत्ती अपने कालिख या कालेपन को नजर अंदाज कर अपने को साफ सुथरा और गोरा समझता है। बिल्कुल इसी तरह सारी कौवों के बीच बैठा एक भूरा कौवा अपने आपको अगर गोरा दूध का धुला समझे तो क्या किया जा सकता है? बस आजकल यही बात हो रही है।

अवसर कोई भी हो पुराने इतिहास और कुछ खास लोगों को गरियाने में वे इन सालों में माहिर हो चुके हैं। लिबासों की तरह नाम बदलना, अपने चमचों के भजन में मगन होकर स्वयं को लगभग भगवान मान लेना उनके दागदार चरित्र के कुछ नमूने हैं। वैसे उनका पूरा जीवन काल ही कई दाग़ों का इतिहास है। कोई एक सच्ची बात उनके मुंह से नहीं निकलती। वे स्वयं को कभी विद्वान, कभी बिलकुल अनपढ़, कभी याचक और कभी हिमालय का तपस्वी तो कभी व्यापारी कहते नहीं थकते।

अलग अलग संदर्भों के लिए उनकी मजेदार व्याख्यान हैं जिनमें सचाई बिलकुल उतनी ही है जितनी आजकल के किसी नेता में ईमानदारी।

एक बार चेहरे पर काला दाग़, शायद काजल का हो, दिख गया। उन्हें जब बताया गया तो वे बगले झांकने लगे। बोले भीड़ भाड़ में लग गया होगा। लेकिन उनके आसपास एक आदमी का फटकना मुश्किल है, भीड़ कैसी होगी ? दूर एक महिला मंत्री कजरारे आंखों से मंद मंद मुस्कुरा रही थी। झटपट जेब से रूमाल निकालकर वे बेदाग भैया दाग़ पोंछने लगे।

शिवालयों से घिरा है गुमला

देवाकीधाम : श्रीकृष्ण की मां देवकी के नाम पर है मंदिर

झारखंड के गुमला जिले के चारों ओर शिवालय और शिवलिंग विराजमान हैं।गुमला एक ऐसा जिला है, जिसके हर प्रखंड, हर पंचायत और हर गांव में शिव मंदिर और शिवलिंग जरूर हैं। जिले में कई प्राचीन मंदिर भी हैं।इसका कनेक्शन रामायण और महाभारत काल से है। 7वीं व 8वीं शताब्दी के भी मंदिर और शिवलिंग गुमला जिले में हैं।जंगल और पहाड़ों पर रहने वाले गुमला के अधिकांश लोग खुद को शिव का सबसे बड़ा भक्त मानते हैं।यही वजह है कि महाशिवरात्रि में लोगों का उत्साह देखते ही बनता है।महाशिवरात्रि में शिव मंदिर और शिवलिंग पर जलार्पण के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है।गुमला के प्रमुख शिव मंदिरों में टांगीनाथ धाम, देवाकीधाम, बुढ़वा महादेव मंदिर करमटोली, वासुदेव कोना, देवगांव गुफा, पहाड़गांव, सेरका शिवलिंग के साथ-साथ अन्य कई मंदिर भी हैं। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के दिन इन शिवालयों में पूजा की तैयारी पूरी कर ली गयी है। मंदिरों और शिवालयों को विशेष रूप से सजाया गया है।शिवरात्रि पर जलार्पण के लिए झारखंड के अलग-अलग जिलों से तो लोग आते ही हैं, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और छत्तीसगढ़ से भी श्रद्धालु यहां के अलग-अलग मंदिरों में पूजा-अर्चना करने के लिए आते हैं।

देवगांव : पहाड़ की गुफा में बसते हैं स्वयं भगवान शिव

देवाकीधाम : श्रीकृष्ण की मां देवकी के नाम पर है मंदिर

गुमला जिले के घाघरा प्रखंड से 3 किमी दूर केराझारिया नदी के तट देवाकी बाबाधाम मंदिर है।जनश्रुति के अनुसार, महाभारत काल में पांडव के अज्ञातवाश के समय भगवान श्रीकृष्ण ने यहां 5 शिवलिंग की स्थापना की थी।इसमें से एक शिवलिंग देवाकीधाम में है। इसलिए इस स्थल का नाम श्रीकृष्ण की मां देवकी के नाम पर पड़ गया।पांडवों के अज्ञातवाश की समाप्ति के बाद भगवान श्रीकृष्ण ने देवाकीधाम में ही शंख बजाया था.

देवगांव : पहाड़ की गुफा में बसते हैं स्वयं भगवान शिव

पालकोट प्रखंड में देवगांव है।यहां पहाड़ की गुफा में एक मंदिर है।यह प्राचीन मंदिर है।गुमला और सिमडेगा मार्ग पर पड़ने की वजह से यहां बिहार, ओड़िशा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और झारखंड राज्य के श्रद्धालु आते हैं।पालकोट के पहाड़ पर सावन के महीने में भी भक्तों की भीड़ उमड़ती है।ओड़िशा से काफी संख्या में शिवभक्त यहां बाबा भोलेनाथ पर जलार्पण करने के लिए आते हैं।पालकोट में बाबा बूढ़ा महादेव मंदिर सहित कई प्रमुख स्थल हैं, जो श्रद्धालुओं को आकर्षित करते हैं।

टांगीनाथ : टांगीनाथ धाम में उमड़ता है श्रद्धालुओं का सैलाब

शिवालयों से घिरा है गुमला, शिवरात्रि पर जलार्पण करने बिहार, बंगाल, ओडिशा और छत्तीसगढ़ से आते हैं श्रद्धालु 10

डुमरी प्रखंड के टांगीनाथ धाम में कई राज्यों से शिवभक्त जलाभिषेक करने के लिए पहुंचते हैं।यहां कई पुरातात्विक और ऐतिहासिक धरोहर हैं।

यहां की कलाकृतियां और नक्कासी, देवकाल की कहानी बयां करती है।टांगीनाथ धाम में यत्र-तत्र सैकड़ों शिवलिंग मिल जाते हैं।यह मंदिर शाश्वत है।जमीन के ऊपर स्थित त्रिशूल के अग्र भाग में कभी जंग नहीं लगता।

वासुदेव कोना : प्राचीन मंदिर है से जुड़ी है लोगों की आस्था

रायडीह प्रखंड में वासुदेव कोना मंदिर है।यह प्राचीन मंदिर है।इस मंदिर से अंग्रेजी हुकूमत की लड़ाई का इतिहास भी जुड़ा है।यहां महाशिवरात्रि और सावन के महीने में भक्तों का रेला आता है।स्थानीय लोगों के अलावा छत्तीसगढ़ और ओड़िशा राज्य से भी श्रद्धालु यहां आते हैं।कहते हैं कि वासुदेव कोना मंदिर में दिल से मांगी गयी मुराद जरूर पूरी होती है।इसलिए यहां भक्त दूर-दूर से पूजा करने आते हैं।

सेरका शिवलिंग : हर 6 माह में बदलता है रंगट बिशुनपुर मुख्यालय से सटे सेरका गांव स्थित अति प्राचीन शिवालय लोगों की आस्था का केंद्र है।मंदिर की खासियत यह है कि यहां नागेश्वर नाथ एवं दूधेश्वर नाथ दो शिवलिंग हैं।साल में 2 बार इन शिवलिंगों का रंग खुद-ब-खुद बदल जाता है।शिवलिंग कभी लाल हो जाता है, तो कभी सफेद।इसकी वजह से इस मंदिर में लोगों की अटूट आस्था है।

छोटी इलायची बदलेगी आपकी किस्मत

अगर आपकी काबिलियत के बावजूद आपको ऑफिस में वह सम्मान या पद नहीं मिल रहा है जिसके आप हकदार हैं, तो यह उपाय करें एक हरे कपड़े में 5 छोटी इलायची बांधकर अपने तकिए के नीचे रखकर सोएं। अगले दिन सुबह उठकर इन इलायचियों को किसी सुनसान जगह या किसी मंदिर के बाहर दान कर दें। यह आपकी सोई हुई किस्मत को जगाता है और कार्यस्थल पर सकारात्मक माहौल बनाता है। इंटरव्यू के समय घबराहट होना या ऐन मौके पर जवाब भूल जाना बुध के कमजोर होने की निशानी है। जिस दिन आपका इंटरव्यू हो, सुबह स्नान के बाद 3 इलायची को दाएं हाथ में रखकर ॐ श्रीं श्रीं ह्रीं ह्रीं श्रीं नमः मंत्र का 11 बार जाप करें। इसके बाद इसे खाकर घर से निकलें। इससे आपकी वाणी में आकर्षण आता है और आत्मविश्वास बढ़ता है, जिससे आप इंटरव्यू लेने वाले को प्रभावित कर पाते हैं। यदि आपकी दुकान या ऑफिस में ग्राहक नहीं आ रहे हैं, तो वास्तु दोष एक कारण हो सकता है। अपने व्यापार स्थल के मुख्य द्वार पर या अपने कैश बॉक्स में 5 इलायची रखें। हर शुक्रवार को इन इलायचियों को बदलें और पुरानी इलायची को किसी बहते जल में प्रवाहित कर दें। कभी-कभी सहकर्मी या बॉस आपके काम का श्रेय खुद ले लेते हैं। ऐसी स्थिति से बचने के लिए हर बुधवार को किसी गरीब या ब्राह्मण को इलायची का दान करें। इसके अलावा, पक्षियों को इलायची के साथ थोड़ा दाना डालें। बुध ग्रह मजबूत होने से आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स बेहतर होती हैं और लोग आपके काम को नोटिस करने लगते हैं।

यदि आप विदेश जाकर करियर बनाना चाहते हैं और रास्ते में रुकावटें आ रही हैं एक लोटा जल में 2-3 इलायची डालकर उसे उबाल लें। फिर उस पानी को अपने नहाने के पानी में मिला लें। स्नान करते समय मन में अपनी इच्छा दोहराएं।

अदृभुत है छाया सोमेश्वर मंदिर, शिवलिंग के पीछे दिखती है इंसानी परछाई!

तेलंगाना के नालगोंडा जिले स्थित पनागल गांव में भगवान शिव को समर्पित चमत्कारी सोमेश्वर मंदिर है, जहां भक्त भगवान शिव के दर्शन के साथ-साथ गर्भगृह में मौजूद परछाई देखने के लिए आते हैं. ये परछाई भक्तों के अलावा, आतुंगों को भी आकर्षित करती हैं।

ये रहस्यमयी परछाई 1000 साल पुरानी वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण मात्र नहीं है, बल्कि मंदिर उन्नत वैज्ञानिक ज्ञान का जीता-जागता प्रमाण है।

मंदिर के गर्भगृह में भगवान शिव का शिवलिंग है. शिवलिंग के पीछे दीवार पर मनुष्य की आकृति जैसी परछाई दिखती है, जो हिलती तक नहीं है. वह सदैव एक ही अवस्था में स्थिर रहती है और उसमें किसी तरह का कोई बदलाव नहीं होता है.

खास बात ये भी है कि परछाई बनाने में सहयोग करने वाली कोई वस्तु गर्भगृह में मौजूद नहीं है. परछाई को प्रकाश और कोण से बना एक अद्भुत आर्किटेक्चरल भ्रम माना जाता है।

वैज्ञानिकों की मानें तो मंदिर के गर्भगृह के सामने कई स्तंभ हैं, जिनके जरिए पूरे दिन मंदिर के भीतर सूर्य का प्रकाश बना रहता है. वैज्ञानिकों का मत है कि ये एक नहीं, बल्कि कई संयुक्त स्तंभों की छाया से बनी आकृति है, लेकिन उसकी कोई पुष्टि नहीं है।

मंदिर के निर्माण की बात की जाए तो मंदिर का निर्माण इक्ष्वाकु वंश के कुंदुरु चोडा शासकों ने 11वीं शताब्दी में कराया था. मंदिर में भगवान शिव के साथ-साथ भगवान विष्णु और सूर्य की प्रतिमाएं भी बनाई गई हैं।

मंदिर का गोरपुरम भी अनोखे तरीके से डिजाइन किया गया है, जिसमें आठ दिशाओं के देवताओं और भगवान शिव को नटराज नृत्य शैली करते हुए अंकित किया गया है।

ये मंदिर सिर्फ आस्था का केंद्र नहीं है, बल्कि विज्ञान और आध्यात्मिकता के अनोखे मेल को दिखाता है. मंदिर को भगवान चंद्र से जोड़ा गया है. पौराणिक कथाओं की मानें तो इस स्थल पर चंद्रमा ने भगवान शिव की कठोर तपस्या की थी। तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव स्वयं प्रकट हुए थे।

साल के पहले दिन नहीं करनी चाहिए ये काम

साल का पहला दिन ना करें वाद-विवाद- सबसे पहले, नव वर्ष के पहले दिन किसी से भी लड़ाई-झगड़ा या वाद-विवाद नहीं करना चाहिए। आपसी कलह से नकारात्मक ऊर्जा फैलती है, जो पूरे वर्ष रिश्तों में तनाव ला सकती है।इस दिन शांति और प्रेम का व्यवहार करना शुभ माना गया है।

फटे पुराने या काले कपड़े ना पहनें – इसके अलावा, फटे या बहुत पुराने कपड़े पहनने से भी बचना चाहिए।नए या साफ-सुथरे कपड़े पहनना शुभ संकेत माना जाता है, क्योंकि यह नई शुरुआत और सकारात्मकता का प्रतीक होता है।साथ ही, काले रंग के कपड़े पहनने से भी परहेज करने की सलाह दी जाती है, क्योंकि काला रंग कई जगहों पर नकारात्मकता से जोड़ा जाता है। पैसे का लेन-देन ना करें – नव वर्ष के पहले दिन पैसे का लेन-देन नहीं करना चाहिए।मान्यता है कि इस दिन उधार देने या लेने से साल भर आर्थिक तंगी बनी रह सकती है।इसलिए इस दिन धन से जुड़े लेन-देन को टालना बेहतर माना जाता है।

साल का पहला दिन ना करें वाद-विवाद- सबसे पहले, नव वर्ष के पहले दिन किसी से भी लड़ाई-झगड़ा या वाद-विवाद नहीं करना चाहिए।आपसी कलह से नकारात्मक ऊर्जा फैलती है, जो पूरे वर्ष रिश्तों में तनाव ला सकती है।इस दिन शांति और प्रेम का व्यवहार करना शुभ माना गया है.

फटे पुराने या काले कपड़े ना पहनें – इसके अलावा, फटे या बहुत पुराने कपड़े पहनने से भी बचना चाहिए।नए या साफ-सुथरे कपड़े पहनना शुभ संकेत माना जाता है, क्योंकि यह नई शुरुआत और सकारात्मकता का प्रतीक होता है।साथ ही, काले रंग के कपड़े पहनने से भी परहेज करने की सलाह दी जाती है, क्योंकि काला रंग कई जगहों पर नकारात्मकता से जोड़ा जाता है।

पैसे का लेन-देन ना करें – नव वर्ष के पहले दिन पैसे का लेन-देन नहीं करना चाहिए।मान्यता है कि इस दिन उधार देने या लेने से साल भर आर्थिक तंगी बनी रह सकती है।इसलिए इस दिन धन से जुड़े लेन-देन को टालना बेहतर माना जाता है।

चांदी का कड़ा, अंगूठी और माला: किसे, कब और कैसे पहनना चाहिए

दरअसल, ज्योतिष शास्त्र में चांदी का विशेष महत्व माना गया है, क्योंकि इसका संबंध मुख्य रूप से चंद्र ग्रह से होता है. चंद्रमा को मन, भावनाओं, माता, मानसिक शांति और तरल तत्वों का कारक ग्रह माना जाता है. ऐसे में चांदी की अंगूठी, कड़ा या चेन पहनना शुभ माना जाता है. विशेष रूप से चांदी का कड़ा धारण करना ज्योतिष के अनुसार सकारात्मक प्रभाव देता है और इससे कई लाभ प्राप्त होते हैं।

अक्सर आपने देखा होगा कि बच्चों के हाथों में चांदी के कड़े पहनाए जाते हैं. चांदी का कड़ा शरीर की ऊर्जा को संतुलित करता है और उन्हें ऊर्जावान बनाए रखता है स्वास्थ्य के लिहाज से हाथ में धारण करने से यह फायदेमंद होता है जबकि धार्मिक दृष्टि से शुभ माना जाता है।

अयोध्या के ज्योतिष पंडित कल्कि राम के अनुसार, ज्योतिष शास्त्र में चांदी का संबंध चंद्रमा और शुक्र ग्रह से माना गया है, ऐसे में हाथ में चांदी का कड़ा पहनने से इन दोनों ग्रहों की अशुभ स्थिति शांत होती है और जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलते हैं. चंद्रमा का प्रभाव मन और स्वास्थ्य पर अनुकूल पड़ता है, जबकि शुक्र देवता सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्रदान करते हैं. मान्यता है कि चांदी का कड़ा धारण करने से कुंडली के कई दोष भी कम होते हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार चांदी का कड़ा धारण करने से धन की देवी माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में धन-समृद्धि बनी रहती है. सोमवार और शुक्रवार को चांदी का कड़ा पहनना विशेष रूप से शुभ माना गया है. इसके अलावा कर्क, वृश्चिक और मीन राशि के जातकों के लिए चांदी का कड़ा विशेष रूप से लाभकारी बताया जाता है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार पुरुषों को चांदी का कड़ा हमेशा दाहिने हाथ में धारण करना चाहिए, जबकि महिलाओं के लिए बाएं हाथ में चांदी का कड़ा पहनना शुभ माना गया है. इसके अलावा छोटी अंगुली में चांदी की अंगूठी और गले में चांदी की माला सोमवार के दिन धारण करना विशेष रूप से लाभकारी बताया जाता है. मान्यता है कि ऐसा करने से चंद्रमा की अशुभता शांत होती है और मानसिक संतुलन बना रहता है।

गुरु की ये 3 सीख याद रखेंगे तो असफलता कभी पास नहीं आएगी

एक राजा को कुछ दिनों से अपने कामकाज में संतुष्टि नहीं मिल रही थी। उन्होंने बहुत प्रयत्न किया कि वह अभिमान से दूर रहें, पर वह इस समस्या का हल नहीं निकाल पा रहे थे। राजपाट का मोह उन्हें सताए जा रहा था। एक दिन राजा ने राजगुरु को अपनी समस्या बताई।

उन्होंने कहा, ''राजन, यदि तुम मेरी तीन बातें याद रखोगे तो जिंदगी में कभी असफल नहीं हो सकते।''

राजा बोला, ''बताइए गुरुदेव, मैं हमेशा याद रखूंगा।'' राजगुरु ने कहा, ''पहली बात, रात को मजबूत किले में रहना। दूसरी बात, स्वादिष्ट भोजन ग्रहण करना और तीसरी, सदा मुलायम बिस्तर पर सोना।'' गुरु की ये अजीब बातें सुनकर राजा बोला, ''गुरुजी, आपकी इन बातों को अपनाया तो मेरे अंदर अभिमान और भी अधिक बढ़ जाएगा।''

इस पर राजगुरु कहने लगे, ''तुम मेरी बातों का अर्थ नहीं समझे। मैं समझाता हूं। पहली बात, सदा अपने गुरु के साथ रहकर चरित्रवान बने रहना। कभी बुरी आदत के आदी मत होना। दूसरी बात, कभी पेट भरकर मत खाना। जो भी मिले उसे प्रेमपूर्वक खाना। खूब स्वादिष्ट लगेगा और तीसरी बात कम से कम सोना। अधिक समय तक जागकर प्रजा की रक्षा करना। जब नींद आने लगे तो राजसी बिस्तर का ध्यान छोड़कर घास, पत्थर, मिट्टी जहां भी जगह मिले, वहीं गहरी नींद सो जाना।''

ऐसे में तुम्हें हर जगह लगेगा कि तुम मुलायम बिस्तर पर हो। राजन, यदि शासक की जगह त्यागी बनकर अपनी प्रजा का ख्याल रखोगे तो कभी भी अभिमान, धन और राजपाट का मोह तुम्हें नहीं छू पाएगा।

साल 2025 में हिंदी सिनेमा के हॉरर और ब्लैक मैजिक जॉनर ने एक नई दिशा पकड़ी

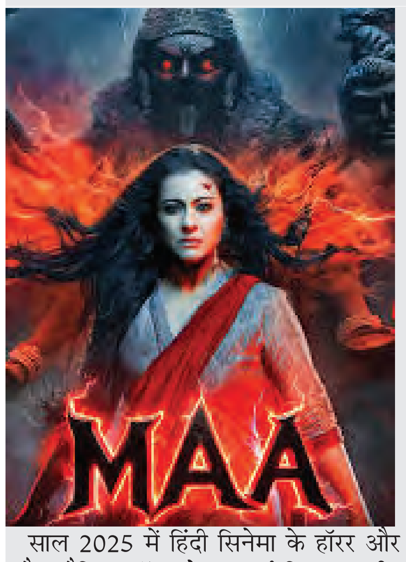

साल 2025 में हिंदी सिनेमा के हॉरर और ब्लैक मैजिक जॉनर ने एक नई दिशा पकड़ी। डर अब सिर्फ डराने और चौंकाने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि लोककथाओं, मनोवैज्ञानिक तनाव और भावनात्मक गहराई के ज़रिये दर्शकों के मन में उतरता दिखा। हालांकि आस्था, अंधविश्वास और अनदेखी शक्तियों पर आधारित इन कहानियों को खास बनाने में सबसे बड़ा योगदान उन कलाकारों का रहा, जिनकी दमदार परफॉर्मेंस ने इन कथाओं को विश्वसनीय और प्रभावशाली बनाया।

वर्ष 2025 में इस जॉनर में शानदार अभिनय करने वाले कलाकारों और उनकी फिल्मों पर। जानकी बोडीवाला – वश लेवल 2: गुजराती फिल्म वश लेवल 2 के साथ जानकी बोडीवाला, हॉरर स्पेस की सबसे सशक्त परफॉर्मर्स में उभरकर सामने आईं। 'वश 1' की सफलता को आगे बढ़ाते हुए, उन्होंने 'वश 2' में बेहद संयमित लेकिन गहराई से डर पैदा करने वाला अभिनय किया। डर, साहस और भावनात्मक नाज़ुकता के बीच संतुलन बनाकर जानकी ने ब्लैक मैजिक पर आधारित इस कहानी को न सिर्फ रोचक बल्कि पूरी तरह विश्वसनीय भी बनाया।

नुसरत भरूचा – छोरी 2:

'छोरी 2' में नुसरत भरूचा ने एक बार फिर साबित किया कि हॉरर जॉनर पर उनकी पकड़ काफी मजबूत हो चुकी है। सामाजिक अंधविश्वास और काली शक्तियों से जूझती एक मां के किरदार में उनका अभिनय बेहद सच्चा और भावनात्मक रहा। ऊँची आवाज़ या ज़रूरत से ज़्यादा ड्रामे की बजाय, नुसरत ने भीतर से उपजने वाले डर को स्क्रीन पर उतारा। 'छोरी' फ्रेंचाइज़ी के ज़रिये उन्होंने न सिर्फ काले जादू की दुनिया को टटोला, बल्कि कन्या भ्रूण हत्या और बाल विवाह जैसी गहरी सामाजिक बुराइयों को भी प्रभावी ढंग से उजागर किया।

आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना – थामा:

'थामा' ने हॉरर को कई परतों वाली कहानी के साथ पेश किया, और इसके लीड कलाकारों ने इस चुनौती को बखूबी निभाया। आयुष्मान खुराना ने जहां तर्क-वितर्क से परे शक्तियों से जूझते किरदार में गहराई और संवेदनशीलता जोड़ी, वहीं रश्मिका मंदाना ने भावनात्मक मजबूती और नाज़ुकता के साथ कहानी को संतुललित किया। इस तरह दोनों की केमिस्ट्री से फिल्म के सुपरनैचुरल एलिमेंट्स और भी असरदार बन गए।

काजोल – मां:

मां में काजोल का अभिनय 2025 के सबसे चर्चित हॉरर परफॉर्मेंस में शामिल रहा। एक मां के रूप में, जो रहस्यमयी और तांत्रिक शक्तियों से अपने बच्चे की रक्षा करती है। उनकी सशक्त स्क्रीन प्रेज़ेंस, भावनात्मक मजबूती और डर को संयम के साथ दर्शाने की शैली ने यह साबित कर दिया कि हॉरर बिना ज़रूरत से ज़्यादा शोर के भी बेहद प्रभावशाली हो सकता है।

अनिता कुलकर्णी और अमृता सुभाष – जारण:

'जारण' पूरी तरह प्रभावशाली अभिनय पर आधारित हॉरर फिल्म रही, जिसमें अनिता कुलकर्णी और अमृता सुभाष ने यादगार अभिनय किया। अंधविश्वास, तांत्रिक रस्मों और मनोवैज्ञानिक भय में उलझी महिलाओं के किरदारों को दोनों ने बारीकी से गढ़ा। अमृता की शांत, लेकिन डर पैदा करने वाली मौजूदगी और अनिता की भावनात्मक सच्चाई ने मिलकर फिल्म को एक ऐसा डरावना अनुभव बना दिया, जो क्रेडिट रोल होने के बाद भी मन में बना रहता है। ऐसे में यह कहें तो कतई गलत नहीं होगा कि वर्ष 2025 में हिंदी हॉरर और ब्लैक मैजिक सिनेमा ने सतही डर से आगे बढ़कर भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक गहराई को अपनाया। इन फिल्मों में डर को वास्तविक बनाने का काम शानदार अभिनय ने किया, ऐसा अभिनय, जो संवेदनशील होने के साथ-साथ लंबे समय तक लोगों की यादों में रहे।

सुनील शेट्टी ने बेटे अहान शेट्टी को दी जन्मदिन की बधाई, तस्वीर शेयर करते हुए लिखा 'अब आपका वक्त है'

सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी अपनी अपकमिंग फिल्म 'बॉर्डर 2' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच आज वह अपना 30वां जन्मदिन मना रहे हैं। उनके जन्मदिन पर उनके पिता सुनील शेट्टी ने उनकी एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की है। इसके साथ उन्होंने एक नोट लिखा है। उन्होंने अपने बेटे के बारे में लिखा कि उनकी तरक्की से खुशी होती है।

सुनील शेट्टी की पोस्ट में क्या है?

सुनील शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर अपने बेटे अहान शेट्टी के जन्मदिन पर उनके साथ एक तस्वीर शेयर की है। इसके साथ उन्होंने पोस्ट में लिखा है 'तुम्हें हिम्मत के साथ अपनी जिंदगी में आगे बढ़ते हुए देख कर सबसे ज्यादा खुशी मिलती है। तुम जो बन गए हो उसके लिए मुझे गर्व है। जो चीजें तुम्हारा इंतजार कर रही हैं, उसके लिए भी मुझे गर्व है। तुमसे एक बात कहना चाहता हूं। घड़ी ने अपने हाथ बदल लिए हैं। अब तुम्हारा वक्त है।'

सुनील शेट्टी की पोस्ट को कई यूजर्स ने लाइक किया है और कई सेलेब्स ने इस पर कमेंट किए हैं। अभिनेता रजत बेदी ने सुनील शेट्टी की पोस्ट पर दिल वाला इमोजी कमेंट किया है। सोनू सूद ने अहान शेट्टी को जन्मदिन की बधाई दी है। एक यूजर ने अहान शेट्टी को दुआ देते हुए लिखा है 'बॉर्डर 2 बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित होगी।'

अहान शेट्टी का वर्कफ्रंट

आपको बता दें कि अहान शेट्टी ने फिल्म 'तड़प' (2021) से बॉलीवुड में कदम रखा था। वह जल्द ही फिल्म 'बॉर्डर 2' का हिस्सा होंगे। यह फिल्म 'बॉर्डर' का सीक्वल है। इसमें अहान शेट्टी के अलावा सनी देओल, दिलजीत दोसांझ, वरुण धवन और सोनम बाजवा जैसे कलाकार होंगे।

यूजर्स को पसंद नहीं आया सुनिधि चौहान का डांस

बोले- जब आवाज इतनी अच्छी है तो यह सब ड्रामा करने की क्या जरूरत है?'

सिंगर सुनिधि चौहान 'आई एम होम इंडिया टूर' के तहत शनिवार को दिल्ली पहुंचीं। यहां उन्होंने परफॉर्म किया। परफॉर्म करने के दौरान उन्होंने गाना गाने के साथ डांस भी किया। उनके साथ स्टेज पर एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा भी डांस करती हुई नजर आईं। उनके परफॉर्मेंस के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं। कई यूजर्स को सुनिधि की परफॉर्मेंस अच्छी लगी, तो वहीं कुछ यूजर्स को उनका डांस पसंद नहीं आया। कई यूजर्स ने उनके डांस वीडियो पर कमेंट किए हैं।

सुनिधि चौहान ने सान्या मल्होत्रा के साथ किया डांस

शनिवार को सुनिधि चौहान ने दिल्ली के जवाहर लाल नेहरु स्टेडियम में परफॉर्म किया। प्रोग्राम के कई वीडियो वायरल हैं। एक वीडियो में सुनिधि, एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा के साथ डांस कर रही हैं। उनके डांस को यूजर्स ने पसंद किया है और उनकी तारीफ की है। एक दूसरे वीडियो में सुनिधि चौहान शॉर्ट ड्रेस में गाना गा रही हैं और डांस कर रही हैं। यह डांस यूजर्स को पसंद नहीं आया है। कई यूजर्स ने उनके डांस पर प्रतिक्रिया दी है।

सुनिधि चौहान के वायरल डांस वीडियो पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा है 'जब आवाज इतनी अच्छी है तो यह सब ड्रामा करने की क्या जरूरत है?' एक और यूजर ने लिखा है 'वह अच्छी सिंगर हैं लेकिन अच्छी डांसर नहीं हैं।' एक और यूजर ने सुनिधि का डांस देख कर पूछा है 'क्या वह ठीक है?' एक यूजर ने लिखा है 'हर बार शकीरा बनने के चक्कर में कचरा करती हैं।'

सुनिधि चौहान का काम

आपको बता दें कि सुनिधि चौहान बॉलीवुड की सबसे मशहूर सिंगर्स में से एक हैं। उन्होंने 5 साल की उम्र से गाना और परफॉर्म करना शुरू किया। उन्होंने फिल्म 'शस्त्र' में सबसे पहले गाना गाया। 'शीला की जवानी', 'धूम मचाले' और 'कमली' उनके मशहूर गाने हैं। वह डांस शोज में बतौर जज भी नजर आ चुकी हैं।

'बहस के बाद मुझे पीटते थे', मालती चाहर ने मां-बाप को लेकर किया बड़ा खुलासा

अभिनेत्री मालती चाहर 'बिग बॉस 19' में आने की वजह से चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने बचपन में अपने साथ आ रही दिक्कतों के बारे में बात की है। उन्होंने बताया है कि उनके माता-पिता का उनके साथ कैसा रवैया था। उनके मुताबिक उनके मां-बाप की आपस में नहीं बन रही थी जिसका नुकसान उन्हें होता था। मालती ने बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि उनके माता-पिता उन्हें पीटते थे।

मालती की जिंदगी का खराब दौर

सिद्धार्थ कानन से बातचीत में मालती चाहर ने बताया कि उनकी जिंदगी का सबसे खराब दौर तब था, जब उनके पिता ने उनसे उस वक्त संपर्क तोड़ लिया था जब वह 12वीं में थीं। उन्होंने कहा 'मेरे माता-पिता के साथ दिक्कत थी। वे अक्सर लड़ते थे। मैं घर में सबसे बड़ी बेटी थी इसलिए मुझे ज्यादा दिक्कत होती थी। मेरा भाई क्रिकेट खेलता था इसलिए वह इससे दूर था।'

मालती के साथ हुई जबरदस्ती

मालती ने आगे बताया 'मैंने अपने पिता को बताया था कि मैं मिस इंडिया ब्यूटी पेजेंट में हिस्सा लेना चाहती हूं और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में करियर बनाना चाहती हूं। हालांकि वह चाहते थे कि मैं एक आईपीएस ऑफिसर बनूं। उन्हें लगता था कि मुझे इससे दूर रखने से मैं अपनी पढ़ाई पर ध्यान दे पाऊंगी। 11वीं क्लास तक मुझे छोटे बाल रखने के लिए मजबूर किया गया। मुझे कोई आजादी नहीं मिली। इसने मुझे अंदर तक झकझोरा।'

मालती को पीटते थे माता-पिता

मालती ने आगे बताया 'हम छोटे घर में रहते थे, जब आपके माता-पिता लड़ रहे हों तो आप कहां जाएंगे? कई बार मेरी मां, मेरे पिता से बहस करने के बाद मुझे पीटती थी। कई बार मेरे पिता भी ऐसा ही करते थे। उनकी आपस में नहीं बनी इसलिए वह पिछले 13 वर्षों से अलग रह रहे हैं।'

दीपक चाहर की बहन हैं मालती चाहर

मालती चाहर भारतीय क्रिकेटर दीपक चाहर की बहन हैं। हाल ही में वह 'बिग बॉस 19' में नजर आईं। मालती 'बिग बॉस 19' के फिनाले वीक में शो से बाहर हो गईं। यह रियलिटी शो 7 दिसंबर को खत्म हुआ।

'जीवन में सफल होने के लिए दमदार दुश्मन की जरूरत'

थलापति विजय ने बताया 'जन नायकन' के बाद क्यों छोड़ रहे सिनेमा

तमिल सुपरस्टार थलापति विजय इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'जन नायकन' को लेकर चर्चाओं में हैं। यह फिल्म हिंदी में 'जन नेता' के नाम से रिलीज होगी। हाल ही में मलेशिया के कुआलालंपुर में फिल्म का भव्य ऑडियो लॉन्च इवेंट किया गया। इस कार्यक्रम में फिल्म की कास्ट और मेकर्स मौजूद रहे। इस दौरान अभिनेता ने बताया कि आखिर वो क्यों इस फिल्म के बाद सिनेमा और एक्टिंग छोड़ रहे हैं।

प्रशंसकों के लिए खड़े होने के लिए छोड़ रहा हूं सिनेमा

कार्यक्रम के दौरान बोलते हुए विजय ने कहा कि अपने प्रशंसकों के लिए खड़े होने के लिए उन्होंने सिनेमा छोड़ने का फैसला किया है। इन प्रशंसकों ने उन्हें सब कुछ दिया है, यहां तक कि एक 'कोट्टई' (किला या गढ़) भी। अभिनेता ने आगे कहा कि जब मैंने सिनेमा में कदम रखा, तो मुझे लगा कि मैं यहां एक छोटा सा रेत का घर बना रहा हूं। लेकिन आप सभी ने मेरे लिए एक महल बना दिया है। प्रशंसकों ने मुझे एक किला बनाने में मदद की। इसलिए मैंने उनके लिए खड़े होने का फैसला किया है। उन प्रशंसकों के लिए जिन्होंने मेरे लिए सब कुछ त्याग दिया, मैं सिनेमा को ही छोड़ रहा हूं।

सफल होने के लिए शक्तिशाली दुश्मनों की जरूरत

मलेशियाई प्रशंसकों को विशेष रूप से धन्यवाद देते हुए विजय ने कहा कि जीवन में सफल होने के लिए आपको शायद दोस्तों की जरूरत न हो, लेकिन एक शक्तिशाली दुश्मन की जरूरत होती है। जब कोई शक्तिशाली दुश्मन होता है, तभी आप और भी शक्तिशाली बनते हैं। इसलिए 2026 में इतिहास खुद को दोहराएगा। आइए हम जनता के लिए इसका स्वागत करने के लिए तैयार रहें। धन्यवाद मलेशिया।

9 जनवरी को रिलीज होगी फिल्म

एच विनोथ द्वारा निर्देशित 'जन नायकन' में विजय के अलावा पूजा हेगड़े, बॉबी देओल, मामिता बैजू, प्रकाश राज, गौतम मेनन, प्रियामणि और नरेन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का ऑडियो लॉन्च इवेंट 4 जनवरी 2026 को जी तमिल पर प्रसारित किया जाएगा। 'जन नायकन' 9 जनवरी 2026 को पोंगल के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसी दिन प्रभास की 'द राजा साब' और शिवकार्तिकेयन स्टारर 'परसक्ति' भी रिलीज हो रही हैं।

विजय थलापति की 'फैन गर्ल' हैं मालविका मोहनन, उन्हें बताया खास

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार और राजनेता थलापति विजय की अपकमिंग फिल्म 'जन नायगन' का ऑडियो लॉन्च होने को तैयार है, जिसे लेकर अभिनेत्री मालविका मोहनन ने अपनी खुशी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए जाहिर की। मालविका ने बताया कि वह विजय की 'फैन गर्ल' हैं। मालविका ने खुद को थलापति विजय की फैन गर्ल बताया और कहा कि वे हमेशा उनके और उनकी टीम के लिए चीयर करती रहेंगी। मालविका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया कि विजय के साथ काम करने का अनुभव शानदार रहा।

इसके लिए उन्होंने खुद को लकी भी बताया। मालविका ने पोस्ट में लिखा, इससे पहले कि मैं अपनी फिल्म के प्री-रिलीज इवेंट में बिजी हो जाऊं, मैं 'जन नायगन' के ऑडियो लॉन्च के लिए अपनी एक्साइटमेंट जाहिर करना चाहती हूं। विजय सर के साथ काम करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है और उनके जैसा दोस्त पाना इससे भी बड़ी बात है। वह हर मायने में खास इंसान हैं। मैं दुनिया भर में फैले उनके फैंस की तरह फिल्म की पूरी टीम के लिए चीयर करूंगी। मैं थलपति फैन गर्ल हूं।

मालविका विजय के साथ साल 2021 में आई फिल्म 'मास्टर' में साथ काम कर चुकी हैं, जिसमें वह विजय के साथ मुख्य भूमिका में थीं। उस फिल्म में विजय सेतुपति भी हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल थी। मालविका, विजय को 'विजय सर' कहकर सम्मान देती हैं। दोनों के बीच दोस्ती का अच्छा बॉन्ड है।

वहीं, 'जन नायगन' थलपति विजय की 69वीं फिल्म है और इसे उनकी आखिरी फिल्म माना जा रहा है, क्योंकि इसके बाद वे पूरी तरह राजनीति में सक्रिय हो जाएंगे।

फिल्म का निर्देशन एच विनोद कर रहे हैं और इसमें पूजा हेगड़े लीड एक्ट्रेस हैं। फिल्म में बॉबी देओल भी महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। जानकारी के अनुसार फिल्म 9 जनवरी 2026 को रिलीज होगी।

शनिवार को फिल्म का ग्रैंड ऑडियो लॉन्च मलेशिया के कुआलालंपुर में निर्धारित है। मालविका मोहनन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्मों में व्यस्त हैं। वह प्रभास के साथ 'द राजा साब' में नजर आएंगी, जो रिलीज को तैयार है।

अब फिल्मों को चिल्लाने की जरूरत नहीं, दर्शक बारीकियों को समझने लगे हैं: वामिका गब्बी

अभिनेत्री वामिका गब्बी का मानना है कि पिछले कुछ दशकों में भारतीय सिनेमा में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने बताया कि दर्शक अब बारीकियों को समझने लगे हैं। वामिका ने बताया कि अब कहानी कहने को वह सम्मान और जगह मिल रही है, जिसकी वह हकदार थी। 21वीं सदी की पहली तिमाही खत्म होने पर उन्होंने समकालीन सिनेमा की तारीफ करते हुए कहा, अब शांत और बारीक कहानियां भी दर्शकों तक पहुंच रही हैं, जिन्हें असर डालने के लिए जोर-जोर से चिल्लाने की जरूरत नहीं पड़ती। मेरे लिए सबसे बड़ी बात यह है कि कहानी कहने को कितनी जगह मिली है। पिछले कुछ दशकों ने शांत कहानियों, कमजोर किरदारों और ऐसी भावनाओं को जगह दी है, जिन्हें सुनाने के लिए चिल्लाना नहीं पड़ता।"

अभिनेत्री वामिका गब्बी का कहना है कि आज का भारतीय सिनेमा पहले से ज्यादा समावेशी और संवेदनशील हो गया है। वह मानती हैं कि आने वाले समय में यह और भी बेहतर होगा, क्योंकि दर्शक अब गहरी और बारीक कहानियों को सराहने लगे हैं। सिनेमा अब मनोरंजन तक सीमित नहीं है।

उन्होंने आगे बताया कहा टेक्नोलॉजी ने फिल्मों को तेजी से और ज्यादा लोगों तक पहुंचाने में मदद की, लेकिन असली बदलाव दर्शकों का भरोसा है। आज का दर्शक बारीकियों और जटिलता को समझने के लिए तैयार है। अब ऐसी परफॉर्मेंस और कहानियां जगह बना रही हैं जो धीरे-धीरे खुलती हैं और लंबे समय तक याद रहती हैं। वामिका के अनुसार, यह बदलाव सिनेमा को नई दिशा दे रहा है।

वामिका गब्बी ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करीना कपूर और शाहिद कपूर की फिल्म 'जब वी मेट' से की थी। इसके बाद पंजाबी सिनेमा में कई फिल्में कर खुद को लीडिंग अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया। वामिका तमिल, मलयालम समेत अन्य भाषाओं की फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं।

इन सेक्टर में हैं जॉब की बेहतरीन संभावनाएं

पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था मंदी के शिकंजे में आ गई. भारत की विकास दर भी निगेटिव हो गई लेकिन अब उसमें लगातार सुधार हो रहा है. जहां कई सेक्टर्स मंदी के चपेट में हैं, वहीं कुछ ऐसे सेक्टर भी हैं, जिन्होंने इस आपदा में अवसर खोज लिया. हेल्थकेयर सेक्टर, ई-कामर्स सेक्टर और आईटी सेक्टर में काफी अच्छी ग्रोथ देखने को मिल रही है. इन तीनों ही सेक्टर में जॉब्स के अवसर भी बढे हैं. आइये जानते हैं कि इन सेक्टर में क्या हैं करियर की संभावनाएं.

ई-कॉमर्स सेक्टर

कोविड और लॉकडाउन के चलते बाजार और दुकानें लंबे समय तक बंद रही. इसके चलते लोगों की निर्भरता ई-कॉमर्स

कंपनियों पर काफी बढ़ गई. इस वजह से ऑनलाइन ग्रॉसरी और ई-रिटेल शॉप्स के लिए बड़े अवसर पैदा हुए हैं. लॉकडाउन में ई-कॉमर्स को छूट मिलने के बाद इन कंपनियों ने अपनी नेटवर्क चेन को ज्यादा मजबूत करने का काम किया. मैनपावर की कमी को इन्होंने अच्छे से हैंडल किया. हालांकि शुरुआत में कुछ दिक्कतें आईं, लेकिन बाद में ई कॉमर्स कंपनियों ने इसकी रिकवरी कर ली. आज के समय में ई-कॉमर्स कंपनियों में वृद्धि ने लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग में अधिक तकनीकी-सक्षम प्लेटफार्मों को भी मजबूत किया है. इस क्षेत्र में नौकरी करने वाले नए लोग अपने वेतन में 16 फीसदी वृद्धि की उम्मीद कर सकते हैं. इस क्षेत्र में ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सैकड़ों डिलीवरी स्टार्ट-अप और हाइपरलोकल स्टार्ट-अप भी अब मैदान में उतर गए हैं जिससे इस फील्ड की जॉब्स में एकाएक बढ़ोतरी हुई है.

हेल्थकेयर सेक्टर

कोविड से जहां कई सेक्टर को बहुत नुकसान हुआ, वहीं हेल्थकेयर सेक्टर को सबसे ज्यादा फायदा हुआ. इस सेक्टर में लगातार अच्छी ग्रोथ हुई है. इसके चलते इस फील्ड में जॉब्स की भी भरमार है. एक अनुमान के मुताबिक 2021 में इस क्षेत्र में काम करने वाले नए लोग अपनी पिछली सैलरी के मुकाबले 15 से 20 प्रतिशत बढ़ोतरी की उम्मीद कर सकते हैं. फार्मा कंपनियों ने भी इस आपदा को अवसर में बदला है. कोविड के चलते लोग अपनी हेल्थ को लेकर पहले से कहीं ज्यादा सजग हो गए हैं. जरा भी सर्दी, खांसी या वायरस पर लोगों ने डॉक्टर से से कंसल्ट किया और दवाओं का सहारा लिया. दवाओं के साथ हेल्थ सप्लीमेंट, फेस मास्क, सैनिटाइजर, इम्यूनिटी बढ़ाने वाली दवाएं, हाइजीन से जुड़े प्रोडक्ट की जमकर डिमांड आई और ऑनलाइन दवाओं की सप्लाई में भी बढ़ोतरी हुई. लैब और टेस्टिंग की सुविधा में विकास होने के साथ बूस्ट भी किया है, जिससे निजी अस्पतालों को भी काफी फायदा हुआ है. इसके चलते आने वाले समय में इस फील्ड में जॉब्स की बेहतरीन संभावनाएं हैं.

आईटी सेक्टर

कोविड आने के बाद सबसे पहले और सबसे ज्यादा निगेटिव असर आईटी सेक्टर पर पड़ा. खासकर लॉकडाउन के बाद एक बार को तो यह सेक्टर पूरी तरह बंद ही हो गया था, लेकिन इससे उबरते हुए इस सेक्टर ने ऐसा रास्ता निकाला जिससे आज ये सेक्टर सबसे ज्यादा फायदे में है. तमाम आईटी कंपनियों ने डिजिटल मॉडल बेहतर तरह से जो उनकी सफलता का प्रमुख कारण बन गया. लगभग सभी आईटी कंपनियों ने वर्क फ्रॉम होम मॉडल को अच्छे से लागू किया. इसके चलते उनके बिजनेस में गिरावट नहीं आई. इससे एक तरफ तो उनके खर्चे कम हो गए तो दूसरी तरफ ऑनलाइन क्लाइंट बढ़ते रहे. लॉकडाउन में बंद पूरी दुनिया इन्फोटेक के भरोसे आ गई, जिसका इस सेक्टर जबरदस्त फायदा मिला. साइबर सिक्योरिटी की डिमांड ने भी इसमें भमिका निभाई. \

इस फील्ड में जॉब करने वाले प्रोफेशनल अपनी पिछली सैलरी के मुकाबले 15 से 25 फीसदी की बढ़त की उम्मीद कर सकते हैं. हेल्थ-टेक, एड-टेक और गेमिंग इंडस्ट्री की रिक्रूटमेंट में अचानक तेजी आई है. इसके चलते इस फील्ड में जॉब के अवसर भी काफी बढ़ गए हैं.

परीक्षा से पहले पढ़ाई के लिए टाइम टेबल बनाएं

चाहे आप स्कूल में हो याफिर कॉलेज में आपके लिए पढ़ाई करना जरूरी है और सभी स्टूडेंट्स अपने हिसाब से पढ़ाई करते भी है लेकिन फिर भी कई सारे स्टूडेंट्स की ये दिक्कत होती है की वो पढ़ाई के लिए अपना समय सही से मैनेज नहीं कर पाते और इस वजह से उन्हें पढ़ाई के लिए पर्याप्त वक़्त नहीं मिल पाता।

कुछ स्टूडेंट्स ऐसी भी होते है जो आपने आलस के कारण पढ़ाई के ऊपर ज्यादा ध्यान नहीं देते और अपना कीमती समय यूँही जाया कर देते है। ऐसे में अगर आप को सारा टाइम सही से मैनेज कर के अपनी पढ़ाई को पूरा करना है तो आप को अपना पढने का समय बनाना होगा जिससे की आप पढ़ाई के लिए अपने टाइम को सही से मैनेज कर पाएंगे और वक़्त पर अपनी सारी पढ़ाई पूरी कर पाएंगे।

अपनी दिनचर्या को सही करो

पढने का समय बनाने से पहले आपको अपनी दिनचर्या को सही करना होगा जैसे की समय पर सोना, सुबह जल्दी उठना, योगा, मैडिटेशन और एक्सरसाइज करना, स्वस्थ आहार लेना। इसके अलावा आपको पुरे दिन में जो भी ज़रूरी काम करने है उनकी लिस्ट बनाओ और उस हिसाब से अपने दिन को बिताओ। जब आप अपनी दिनचर्या को सही बनाते हो तब आप अपने समय का सही से इस्तेमाल कर पाते हो और अपने समय को सही कामों में लगा पाते हो और आप अनुशासन में रहने लगते हो।

पढ़ाई का समय निशिचत करो

स्कूल/कॉलेज और कुछ अन्य ज़रूरी कामों को छोड़कर आप को अपने दिन भर के समय में पढ़ाई के लिए कितना समय मिल पाता है ये देखो। इसके लिए आप एक क्या करना है की लिस्ट बनाओ जिसमे आप अपनी दिन भर की सभी गतिविधियों को शामिल करो और उसमे से अपने पढ़ाई के लिए एक सही समय निश्चित करो। जैसे की सुबह स्कूल/कॉलेज जाने से पहले दो से तीन घंटे और स्कूल/कॉलेज से आने के बाद दो से तीन घंटे तक आप पढ़ाई कर सकते हो।

पढने का टाइम टेबल

यहा पर मैंने दो सिचूएशन के हिसाब से पढने का टाइम टेबल बनाया है ताकि आप को पढने का टाइम टेबल बनाने का अंदाज़ा हो जाए वैसे आप अपने हिसाब से इसमें बदलाव कर सकते हो।

रेगुलर स्कूल/कॉलेज जाने वाले स्टूडेंट्स के लिए पढने का टाइम टेबल

सुबह 5 से 8 बजे तक पढ़ाई उसके बाद 8 से 10 बजे तक अपना मॉर्निंग रूटीन अपनाना जैसे की ब्रश करना, एक्सरसाइज करना, नहाना और नाश्ता करना और उसके बाद स्कूल जाने की तैयारी में लग जाओ। 10 से 5 (यहां मैंने स्कूल का एक कॉमन टाइम लिया है आप अपने हिसाब से इसमें बदल कर सकते है।) स्कूल से आने के लगभग एक से डेढ़ घंटे बाद आप पढ़ाई के लिए बैठ सकते हो और लगभग रात 7 से लेकर 8.30 तक आप पढ़ सकते हो। उसके बाद रात का भोजन कर के रात 10 से सुबह 5 बजे तक आप नींद ले सकते हो।

जो स्टूडेंट्स स्कूल/कॉलेज नहीं जा रहे है और घर में ही बोर्ड एग्जाम की या फिर किसी गवर्नमेंट एग्जाम की तैयारी कर रहे है उनके लिए पढने का टाइम टेबलः

सुबह 5 से 8 बजे तक पढ़ाई उसके बाद 8 से 10 बजे तक मॉर्निंग रूटीन अपनाया करो जैसे की ब्रश करना, एक्सरसाइज करना, नहाना और नाश्ता करना और फिर सुबह 10 से दोपहर के 1 बजे तक पढ़ाई और फिर दोपहर 1 से 2 तक भोजन, 3 से 5 तक पढ़ाई उसके बाद शाम 5 से 6 तक थोड़ा विश्राम इसमें आप अपने मनोरंजन के लिए टाइम दे सकते है, थोड़ी नींद ले सकते है, बाहर टहलने जा सकते है या फिर अपने पसंद की चीजें खा सकते है। उसके बाद रात 6 से 8 तक पढ़ाई और फिर रा त 8 से 9 तक रात का भोजन और उसके बाद 10 से सुबह 5 तक आप नींद ले सकते हो।

सब्जेक्ट के अनुसार टाइम टेबल बनाओः

पढ़ाई का सही समय निश्चित होने के बाद आपको कौनसे सब्जेक्ट की पढ़ाई कब करनी है और कौनसे सब्जेक्ट को कितना समय देना है ये निश्चित करना है और उस हिसाब से अपना पढने का टाइम टेबल बनाना है। अगर आपको कोई सब्जेक्ट थोडासा कठिन लगता है तो उस सब्जेक्ट को पढ़ने के लिए आप ज्यादा समय दे सकते हो और कोई सब्जेक्ट आप को पसंद है और आप को जल्दी समझ में आता है तो आप उसके लिए थोडा कम समय दे सकते हो।

पढ़ने का टाइम टेबल बनाते वक्त ये बात ध्यान में रखो

अगर आप सोच रहे हो की ज्यादा समय तक पढ़ाई करने से आपकी पढ़ाई अच्छी तरिके से हो पाएगी तो ये बात पूरी तरिके से गलत है क्योंकि आप चाहे दिन भर में तीन घंटे पढ़ो या दस घंटे पर आप जो पढ़ रहे हो वो अगर अच्छे से सोच समजकर नहीं पढोगे तो उस पढ़ाई का कोई फायदा नहीं है।

कहने का मतलब ये है की अपनी पढ़ाई कितीन की पर नहीं मतलब आपने कितने घंटे पढ़ाई की इससे ज्यादा पढ़ाई के क्वालीटी पर मतलब आपने जो भी पढ़ा है वो आप को कितना समझमें आया है इस पर ध्यान दो तभी आपकी पढ़ाई प्रभावी तरिके से हो पाएगी।

एक डायरी रखो

आप को अगले दिन किन किन सब्जेक्ट्स को पढ़ना है और उनमें कौन कौनसे चैप्टर्स को पढ़ना है, उस चैप्टर्स के क्या क्या महत्वपूर्ण पॉइंट्स है इन सबके बारे में रात को सोने से पहले आप डायरी में लिखकर रखें।

इसके अलावा पढ़ाई के दौरान आपको कोई शंकाये आ गयी हो या फिर पढ़ाई से संबंधित कोई महत्वपूर्ण बात हो तो आप उस डायरी में लिख सकते हो और पढ़ाई के अलावा आप अपने दिनचर्या के कुछ महत्वपूर्ण बातें उसमे शामिल कर सकते हो।

एम्स में ट्यूटर और क्लीनिकल इंस्ट्रक्टर के पदों पर भर्ती, 27 जनवरी तक करें आवेदन

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS), बठिंडा ने ट्यूटर और क्लीनिकल इंस्ट्रक्टर पदों पर भर्ती के लिए आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। यह भर्ती डायरेक्ट रिक्रूटमेंट के आधार पर की जाएगी। इच्छुक और योग्य भारतीय नागरिकों के साथ-साथ ओसीआई कार्डधारक भी इन पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं। सरकारी मेडिकल कॉलेज में शिक्षण पद पर नौकरी की तलाश कर रहे उम्मीदवारों के लिए यह एक अच्छा अवसर है। आवेदन प्रक्रिया सरल रखी गई है, जिसमें पहले ऑनलाइन फॉर्म भरना होगा और इसके बाद निर्धारित समय सीमा के भीतर हार्ड कॉपी भेजनी होगी।

भर्ती से जुड़ी मुख्य जानकारी

यह भर्ती स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय महत्व के संस्थान AIIMS Bathinda द्वारा की जा रही है। संस्थान की स्थापना प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (PMSSY) के तहत की गई है, जिसका उद्देश्य देश में उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा शिक्षा और तृतीयक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है।

ऑनलाइन आवेदन शुरू होने की तारीखः 26 दिसंबर 2025

ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथिः 27 जनवरी 2026, शाम 5 बजे तक

हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथिः 03 फरवरी 2026, शाम 5 बजे तक

पद, रिक्तियां और वेतनमान

एम्स बठिंडा ने कुल 6 पदों पर भर्ती निकाली है, जिसमें ट्यूटर और क्लीनिकल इंस्ट्रक्टर के पद शामिल हैं।

वेतनमानः लेवल-10 (7वां वेतन आयोग)

आरक्षणः UR, OBC, SC, ST और EWS श्रेणी के अनुसार

PwBD उम्मीदवारों के लिए एक पद क्षैतिज आरक्षण के तहत आरक्षित है संस्थान ने स्पष्ट किया है कि रिक्तियों की संख्या प्रशासनिक जरूरतों के अनुसार बदली जा सकती है।

योग्यता और आयु सीमा

उम्मीदवारों को ट्यूटर और क्लीनिकल इंस्ट्रक्टर पद के लिए निर्धारित शैक्षणिक योग्यता और अनुभव पूरा करना अनिवार्य है। आयु, योग्यता और अनुभव की गणना ऑफलाइन आवेदन की अंतिम तिथि के आधार पर की जाएगी अनुभव केवल निर्धारित योग्यता प्राप्त करने के बाद ही मान्य होगा

आवेदन शुल्क

सामान्य/EWS/OBC वर्गः 2360 रुपये (GST सहित)

शुल्क का भुगतान ऑनलाइन मोड में ही करना होगा

किसी अन्य माध्यम से शुल्क स्वीकार नहीं किया जाएगा

उम्मीदवारों के लिए जरूरी निर्देश

आवेदन केवल डायरेक्ट रिक्रूटमेंट के तहत स्वीकार किए जाएंगे। ऑनलाइन फॉर्म भरने के बाद हार्ड कॉपी समय पर भेजना जरूरी है। आरक्षण केंद्र सरकार के नियमों के अनुसार लागू होगा। अधूरे या देर से पहुंचे आवेदन रद्द किए जा सकते हैं।

'कामयाब' लोगों से सीखें गुण

कामयाब होने के लिए सबसे जरूरी होता है कि आप खुद को मोटिवेट रखें। सफल लोगों का चीजों को देखने और सीखने का नजरिया थोड़ा अलग होता है। आपको वे बातें बता रहे हैं जो सफल लोग सोचते तथा करते हैं और आप भी उनसे बहुत कुछ सीख सकते हैं।

परेशानियों से घबराए नहीं : सफल व्यक्ति कभी भी अपनी परेशानियों से हार मानकर काम को अधूरा नहीं छोड़ते। वे परेशानियों को चैलेंज की तरह देखते हैं और उन्हें हराकर आगे बढ़ते हैं इसलिए जीवन में वे सफल हो पाते हैं।

अकेले समय बिताना जरूरी : सफल व्यक्तियों की एक खास आदत होती है कि वे खुद के साथ समय बिताना पसंद करते हैं। इस दौरान वे तमाम नए आइडिया और चीजों पर काम करते हैं और खुद को सफलता की ओर ले जाते हैं। अक्सर लोग अकेले समय बिताना पसंद नहीं करते। कुछ लोगों को खुश रहने के लिए आस-पास लोगों की जरूरत होती है, लेकिन अगर आप सफलता पाना चाहते हैं तो आपको खुद के साथ समय बिताना आना चाहिए।

सही समय का इंतजार नहीं करतेः सफलता पाने के लिए कोई सही समय नहीं होता है। किसी भी काम के लिए तुरंत एक्शन लेते हैं इसीलिए सफल हो पाते हैं। सीखते रहना जरूरी : सफलता के लिए सबसे जरूरी है कि आप कभी सीखने की चाह को खुद में खत्म न करें। सफल व्यक्ति कभी इस भ्रम में नहीं रहते कि उन्हें सब आता है। वे हर वक्त कुछ नया सीखते रहते हैं और यही बात उन्हें सफलता की ओर ले जाती है।

एनसीईआरटी नॉन-टीचिंग पदों पर निकली भर्ती, ग्रेजुएट्स भी करें अप्लाई

सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लए नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग में जॉब पाने का अच्छा मौका है। नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग ने नॉन-टीचिंग पदों पर भर्ती 2025 का नोटिफिकेशन जारी किया है। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार नोटिफिकेशन जारी होने की तारीख से 21 दिन तक फॉर्म भर सकते हैं।

शॉर्ट नोटिस जारी

दरअसल, एनसीईआरटी ने नॉन-टीचिंग पदों पर भर्ती के लिए 17 दिसंबर 2025 को शॉर्ट नोटिस जारी किया था। नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग ने ऑफिशियल नोटिस (विज्ञापन संख्या 01/2025/नॉन-एकेडमिक) जारी कर अलग-अलग नॉन-एकेडमिक पदों के लिए आवेदन मांगे हैं। नोटिस में साफ लिखा है कि उम्मीदवार नोटिफिकेशन पब्लिश होने की तारीख से 21 दिन तक आवेदन कर सकते हैं। **यानी आवेदन प्रक्रिया 8 जनवरी 2026 तक चलेगी।**

कुल खाली पदों की संख्या173 पद

कैसे करें अप्लाई?

इस जॉब के लिए नीचे बताए गए स्टेप्स फॉलो करके ऑनलाइन एप्लीकेशन प्रोसेस पूरा कर सकते हैं-

सबसे पहले एनसीईआरटी के ऑफिशियल पोर्टल www.ncert.nic.in पर जाएं।

यहां वैकेंसी सेक्शन पर क्लिक करें।

एडवरटाइजमेंट नंबर 01/2025/नॉन-एकेडमिक के तहत नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग नॉन-टीचिंग अप्लाई ऑनलाइन लिंक ढूंढें।

रजिस्टर करने के लिए अपना लॉगिन क्रेडेंशियल बनाएं।

फॉर्म में अपनी पर्सनल डिटेल्स, एजुकेशनल क्वालिफिकेशन और संबंधित काम का अनुभव ध्यान से भरें।

अपनी फोटोग्राफ, सिग्नेचर और अन्य जरूरी सर्टिफिकेट की स्कैन की हुई कॉपी निर्धारित फॉर्मेट में अपलोड करें।

अगर लागू हो, तो ऑनलाइन पेमेंट गेटवे के जरिए फीस जमा करें।

फॉर्म सबमिट करने के बाद, अपने रिकॉर्ड के लिए कन्फर्मेशन पेज डाउनलोड करें और प्रिंट करें।

कौन कर सकता है अप्लाई?

मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से ग्रेजएशन कर चुके उम्मीदवारों से लेकर पोस्टग्रेजट्स तक एनसीईआरटी नॉन-टीचिंद पदों पर आवेदन कर सकते हैं। लेवल के आधार पर योग्यता को ध्यान में रखना होगा।

कैसे मिलेगी NCERT में नौकरी?

नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग शिक्षा मंत्रालय के तहत एक ऑटोनॉमस ऑर्गनाइजशन है, जिसका हेडक्वार्टर नई दिल्ली में है। भर्ती डायरेक्ट रिक्रूटमेंट के जरिए एक ओपन कॉम्पिटिटिव एग्जाम के माध्यम से की जाएगी, जिसके बाद स्किल टेस्ट और/या इंटरव्यू होंगे, जहां भी जरूरी होगा।

NCERT भर्ती 2026 जरूरी बातें

विभाग का नाम ने श न ल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग

पद का नाम नॉ न - टीचिंग (लेवल-2,-5, 6-8, 10-12)

कुल रिक्तियां 173

आवेदन की शुरूआत 17 दिसंबर 2025

आवेदन की लास्ट डेट 08 जनवरी 2026

योग्यता ग्रेजुएट-पोस्टग्रेजुएट

चयन प्रक्रिया लि खि त परीक्षा, स्किल टेस्ट और/या इंटरव्यू।

आधिकारिक वेबसाइट का लिंक ncert.ncert.org.in

नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग जॉब में कितनी सैलरी मिलेगी?

2025-26 के लिए नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग नॉन-टीचिंग सैलरी 7वें केंद्रीय वेतन आयोग (CPC) पे मैट्रिक्स के अनुसार तय की जाती है। सैलरी स्ट्रक्चर पद के आधार पर, लेवल 2 से लेवल 12 तक, अलग-अलग पे लेवल में बंटा हुआ है।

लेवल 2 की बेसिक सैलरी 19,900 रुपये है, वहीं लेवल-12 की बेसिक सैलरी 78,800 तक है।

आईटीआई लिमिटेड में यंग प्रोफेशनल्स की भर्ती; 12 जनवरी तक करें आवेदन

इंडियन टेलीफोन इंडस्ट्रीज (ITI) में यंग प्रोफेशनल के पदों पर भर्ती निकली है, जिसके लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है। स्नातक, बी.टेक/बीई, आईटीआई, एमबीए/पीजीडीएम, पीजी डिप्लोमा धारक उम्मीदवार ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उम्मीदवार आईटीआई की वेबसाइट itiltd.in के माध्यम से 12 जनवरी 2026 ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती के तहत कुल 215 पदों को भरा जाएगा।

इस भर्ती के लिए उम्मीदवारों को संबंधित क्षेत्र में स्नातक (UG), स्नातकोत्तर (PG) या डिप्लोमा की डिग्री आवश्यक है। योग्यता संबंधी विस्तृत जानकारी के लिए उम्मीदवार आधिकारिक अधिसूचना देख सकते हैं।

आयु सीमा की बात करें तो युवा तकनीशियन/जनरलिस्ट के लिए सामान्य ऊपरी आयु सीमा 35 वर्ष है, जबकि संस्थान के आंतरिक उम्मीदवारों के लिए यह सीमा 45 वर्ष तक बढ़ाई जा सकती है।

पोस्टिंग और आरक्षण

यदि किसी पद पर आरक्षण लागू होता है, तो श्रेणीवार रिक्तियों का निर्धारण आईटीआई लिमिटेड की नीतियों और भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार किया जाएगा। हालांकि, अधिसूचना में श्रेणीवार रिक्तियों की संख्या स्पष्ट रूप से नहीं दी गई है।

पोस्टिंग का स्थान : चयनित उम्मीदवारों को विभिन्न स्थानों पर नियुक्त किया जा सकता है, जिनमें लेह/लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, जालंधर, बीकानेर, जोधपुर, बरेली, कोलकाता, तेजपुर, भरतपुर/दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, उत्तर पूर्वी राज्य, बेंगलुरु, पलक्कड़, मनकापुर, रायबरेली, नैनी, दिल्ली, लखनऊ, चेन्नई, मुंबई, गुवाहाटी और अहमदाबाद शामिल हैं।

इतना मिलेगा वेतन : इस भर्ती में स्नातक स्तर के युवा पेशेवर के लिए मासिक वेतन 60,000 रुपये निर्धारित किया गया है। वहीं, तकनीशियन और जनरलिस्ट के लिए मासिक वेतन 35,000 रुपये और ऑपरेटर के लिए मासिक वेतन 30,000 रुपये निर्धारित किया गया है।

कैसे होगा चयन?

चयन प्रक्रिया में केवल वही उम्मीदवार आगे मूल्यांकन चरण के लिए बुलाए जाते हैं जिन्होंने प्रारंभिक योग्यता परीक्षा में उत्तीर्णता हासिल की हो। उम्मीदवारों को साक्षात्कार या कौशल परीक्षण में भाग लेने के लिए कोई टीए/डीए प्रदान नहीं किया जाता।

यंग प्रोफेशनल्स की चयन प्रक्रिया दो मुख्य चरणों में होती है। चयनित उम्मीदवारों का अनुबंध शुरू में 1 वर्ष के लिए होता है, जिसे उनके संतोषजनक प्रदर्शन के आधार पर अधिकतम 3 वर्ष तक वार्षिक रूप से बढ़ाया जा सकता है।

बजट में बड़े बदलाव के संकेत

किसानों के खाते में आ सकती है बडी रकम

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। देश के करोड़ों अन्नदाताओं के लिए आने वाला समय बेहद महत्वपूर्ण होने जा रहा है. प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, जो छोटे और सीमांत किसानों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है, उसे लेकर अब नई उम्मीदें जाग उठी हैं. जहां एक तरफ किसान अपनी अगली यानी 22वीं किस्त के इंतजार में हैं, वहीं दूसरी तरफ सबकी नजरें 1 फरवरी, 2026 को पेश होने वाले केंद्रीय बजट पर टिक गई हैं.

बजट के आंकड़े दे रहे बड़े बदलाव का संकेत

केंद्र सरकार जिस तरह से इस योजना के लिए फंड बढ़ा रही है, उससे साफ है कि कृषि क्षेत्र उसकी प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर है. अगर हम मौजूदा वित्त वर्ष (2024-25) के आंकड़ों पर गौर करें, तो सरकार ने शुरुआत में 60,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया था. लेकिन किसानों की जरूरतों और योजना की व्यापकता को देखते हुए इसे बढ़ाकर 63,500 करोड़ रुपये कर दिया गया. यह बढ़ोतरी साधारण नहीं है; यह दर्शाता है कि लाभार्थियों की संख्या बढ़ रही है और सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि किसी भी पात्र किसान का पैसा न रुके. पिछले दो सालों में बजट में करीब 2,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की वृद्धि, सरकार की मंशा को स्पष्ट करती है.

सम्मान निधि की रकम में हो सकता है इजाफा

सबसे बड़ा सवाल और चर्चा का विषय जो हर किसान की जुबान पर है, वह यह कि क्या सालाना मिलने वाली 6,000 रुपये की सहायता राशि बढ़ाई जाएगी? महंगाई और खेती की लागत में लगातार हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए लंबे समय से यह मांग की जा रही है कि सम्मान निधि की रकम में इजाफा हो. फिलहाल, यह राशि तीन किस्तों में सीधे बैंक खातों में भेजी जाती है, जिससे खाद और बीज खरीदने में तुरंत राहत मिलती है. बिचौलियों के बिना सीधे खाते में पैसा आना इस योजना की सबसे बड़ी ताकत है. अब उम्मीद जताई जा रही है कि आगामी बजट में सरकार इस राशि को बढ़ाने का ऐतिहासिक फैसला ले सकती है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को एक नई रफ्तार मिलेगी.

1 फरवरी पर टिकी हैं सबकी उम्मीदें

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जब 1 फरवरी, 2026 को बजट पेश करेंगी, तो कृषि मंत्रालय के प्रस्तावों पर पूरे देश की निगाहें होंगी. जानकारों का मानना है कि आगामी चुनावों और किसानों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए, इस बजट में कृषि क्षेत्र के लिए 'बड़ा तोहफा' छिपा हो सकता है. योजना के शुरू होने (2019) से लेकर अब तक, सरकार ने फंड वितरण में पारदर्शिता बनाए रखी है और वित्त वर्ष 2023-24 में ही 61,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए.

रतन टाटा के पांच बड़े फैसले जिन्होंने टाटा को बना दिया दुनिया का 'रतन'

नई दिल्ली,28 दिसंबर (एजेंसियां)। जब भी भारत के दिग्गज कारोबारियों की बात होती है तो उसमें रतन टाटा का नाम सबसे ऊपर आता है। उन्हें भारत में उद्योगों को बढ़ाने और वैश्विक स्तर पर टाटा ब्रांड को पहुंचाने के लिए याद किया जाता है। आज रतन टाटा की जयंती है। उनका जन्म 28 दिसंबर, 1937 में हुआ था। उन्होंने टाटा ग्रुप का 1991 से लेकर 2012 तक लगातार 21 वर्षों तक नेतृत्व किया और कई ऐसे फैसले लिए जिसने समूह को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई। आज टाटा ग्रुप देश का सबसे बड़ा औद्योगिक घराना है। इसका श्रेय काफी हद तक रतन टाटा की दूरदर्शी सोच को जाता है। टाटा ने कई ऐसे फैसले लिए जो मील का पत्थर साबित हुए। इसमें सबसे बड़ा और अहम फैसला लग्जरी कार कंपनी जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) का अधिग्रहण माना जाता है। यह टाटा मोटर्स की ओर से वर्ष 2008 में रतन टाटा के नेतृत्व में फोर्ड मोटर से 2.3 अरब डॉलर में किया गया था। इसे रतन टाटा का फोर्ड मोटर से बदला माना जाता है, क्योंकि 1999 में टाटा मोटर्स के पैसेंजर वाहन सेगमेंट को फोर्ड मोटर ने खरीदने से मना कर दिया था। इस दौरान फोर्ड के एक अधिकारी ने रतन टाटा को कहा था कि जब आपको कार बिजनेस का ज्ञान ही नहीं था, तो आपने इस सेगमेंट में क्यों एंट्री की। अगर हम इसे खरीद लेते हैं तो यह आप पर एहसान होगा। इसने रतन टाटा को गहरी चोट पहुंचाई और उन्होंने अपनी कार को बेहतर बनाने की दिशा में काम किया। इसके नौ साल बाद 2008 में जब फोर्ड मोटर वित्तीय संकट का सामना कर रही थी, जब टाटा मोटर्स की ओर से फोर्ड मोटर से जगुआर लैंड रोवर को खरीदा गया। उस समय फोर्ड ने कहा कि जेएलआर को खरीद कर आपने हमें राहत दी है। रतन टाटा को देश की सबसे अफोर्डेबल कार नैनो का जनक माना जाता है। देश में आम लोगों

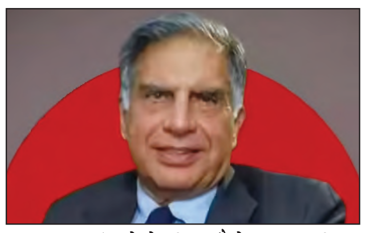

तक कार पहुंचाने के लिए नैनो का आइडिया भी रतन टाटा का ही था। रतन टाटा की ओर से नैनो को केवल एक लाख रुपए की कीमत में 2008 में लॉन्च किया गया था। हालांकि, यह कार इतनी सफल नहीं हुई। 2012 में इसकी अधिकतम 74,527 यूनिट्स की बिक्री हुई। बाद में कम बिक्री के कारण इसका उत्पादन 2018 में बंद कर दिया गया था। रतन टाटा के मार्गदर्शन में ही टाटा ग्रुप की ओर से 2022 में सरकारी एयरलाइन एयर इंडिया का अधिग्रहण किया गया था। यह अधिग्रहण 18,000 करोड़ रुपए में किया गया था। टाटा ग्रुप ने एयर इंडिया को नया जीवन दे दिया है। मौजूदा समय में एविएशन मार्केट में एयर इंडिया ग्रुप का मार्केट शेयर 27 प्रतिशत के आसपास है। देश की दूसरी सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी है। मौजूदा समय में टाटा ग्रुप की एविएशन कंपनी ने बोइंग और एयरबस जैसे एयरलाइन कंपनियों को 500 से अधिक विमानों का ऑर्डर दिया है। रतन टाटा के नेतृत्व में टाटा ग्रुप ने कंज्यूमर टेलीकॉम में प्रवेश किया। उनकी कंपनी टाटा टेलीसर्विसेज और जापानी कंपनी एनटीटी डोकोमो ने मिलकर नवंबर 2008 में टाटा डोकोमो को लॉन्च किया। अपने कम टैरिफ के कारण टाटा डोकोमो तेजी से भारतीय बाजार में लोकप्रिय हो गया। हालांकि, लगातार नुकसान के कारण एनटीटी डोकोमो इस संयुक्त उपक्रम से बाहर हो गया। फिर 2017 में कंपनी ने अपने ऑपरेशन बंद कर दिए और कारोबार का भारती एयरटेल द्वारा अधिग्रहण कर लिया गया।

चीन को मिर्ची लगना तय

ब्रिटेन की कंपनी रॉल्स रॉयस भारत को बनाएगी अपना 'घर'

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। विमानों के लिए इंजन बनाने वाली ब्रिटेन की कंपनी रॉल्स रॉयस भारत में बड़े निवेश की तैयारी में है। कंपनी का कहना है कि वह भारत को ब्रिटेन के बाहर अपना तीसरा होम मार्केट बनाने पर विचार कर रही है। यह योजना जेट इंजन, नौसैनिक प्रणोदन, थल प्रणालियों और उन्नत इंजीनियरिंग सहित कई क्षेत्रों में मौजूद अवसरों का लाभ उठाने के लिए तैयार की गई है। ब्रिटेन के अलावा रॉल्स रॉयस अमेरिका और जर्मनी को भी अपना होम मार्केट मानती है, क्योंकि इन दोनों देशों में कंपनी की मजबूत मौजूदगी है। इसमें विनिर्माण सुविधाएं भी शामिल हैं। रॉल्स रॉयस इंडिया के कार्यकारी उपाध्यक्ष साशी मुकुंदन ने कहा कि कंपनी भारत में बड़े निवेश की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी के एयरो इंजन को भारत में विकसित करना प्राथमिकता है, ताकि उन्नत मध्यम युद्धक विमान कार्यक्रम के तहत भारत में बनने वाले लड़ाकू विमानों को शक्ति दी जा सके। मुकुंदन ने यह भी बताया कि रॉल्स रॉयस भारतीय नौसेना की युद्धक क्षमता बढ़ाने के लिए इलेक्ट्रिक प्रणोदन की जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा

सकती है। उन्होंने कहा कि एएमसीए के लिए जेट इंजन के विकास में रॉल्स रॉयस की भागीदारी से भारत को नौसैनिक प्रणोदन के लिए भी इंजन बनाने में मदद मिल सकती है। उन्होंने विशिष्ट विवरण साझा किए बिना कहा कि रॉल्स रॉयस भारत में अपनी मौजूदगी बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण निवेश पर नजर रखे हुए है। उन्होंने कहा कि भारत के पास पैमाना, नीति की स्पष्टता और रक्षा तथा औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की स्पष्ट दिशा है। मुकुंदन ने कहा कि यदि सब कुछ ठीक रहा तो यह एक बड़ा निवेश होगा, इतना बड़ा कि लोगों की नजर इस पर जाएगी, लेकिन उन्होंने इसकी राशि बताने से इनकार किया। उनके अनुसार इस निवेश का असली महत्व इसके प्रभाव में है, जिससे कंपनी जिन क्षेत्रों में काम करती है वहां पूरी मूल्य श्रृंखला और पारिस्थितिकी तंत्र का विकास होगा।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारभ समय	
सुर्य	धनु	मे	धनु.....	06-20 बजे
चंद्र	मीन	मे	मकर...	08-25 बजे
मंगल	धनु	मे	कुंभ....	10-08 बजे
बुध	वृश्चिक	मे	मीन....	11-38 बजे
गुरु	मिथुन	मे	मेष.....	13-04 बजे
शुक्र	धनु	मे	वृष....	14-41 बजे
शनि	मीन	मे	मिथुन..	16-38 बजे
राहु	कुंभ	मे	कर्क...	18-51 बजे
केतु	सिंह	मे	सिंह---	21-10 बजे
			कन्या--	23-26 बजे
			तुला---	01-40 बजे
			वृश्चिक..	03-58 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 06-47
भोग्य कलि वर्ष. - 426874 सूर्यास्त. 17-45
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- 1955885126
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - पौष शुक्ल पक्ष सोमवार 29 Dec
तिथि - नवमीं 10-12 तक उपरान्त दशमीं
नक्षत्र - रेवती 07-41 तक उप अश्विनी
योग - परिघ 07-36 तक उप. शिव
करण - कौलव 10-12 तक उप तैतिल

पंचक 07-41 तक

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 08-09 09-32

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	06-47 - 08-09	शुभ	चंचल	17-40 - 19-27	शुभ
काल	08-09 - 09-32	अशुभ	रोग	19-27 - 21-04	अशुभ
शुभ	09-32 - 10-55	शुभ	काल	21-04 - 22-41	अशुभ
रोग	10-55 - 12-18	अशुभ	लाभ	22-41 - 00-19	शुभ
उत्पात	12-18 - 13-41	अशुभ	उत्पात	00-19 - 01-56	अशुभ
चंचल	13-41 - 15-04	शुभ	शुभ	01-56 - 03-33	शुभ
लाभ	15-04 - 16-27	शुभ	अमृत	03-33 - 05-10	शुभ
अमृत	16-24 - 17-45	शुभ	चंचल	05-10 - 06-42	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आज आप काल्पनिक से मूड में हैं । अलग अलग भूमिकाएं निभाने और कल्पनाओं में आपको बहुत मजा आता है । आप अपने लिए हर कहीं रोमांस ढूँढ लेते हैं । आपकी सपनों की एक दुनिया है जिसे आपको सच करने का मौका मिल सकता है । आप आज अपनी भावनाओं के वश में होकर संबंधों या करियर में कुछ असंभव सा हासिल करना चाहेंगे हालाँकि बड़े फैसले लेने के लिए यह समय ठीक नही है ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज सब कुछ आपके मनचाहे तरीके से होगा और आपको अपने प्रयासों में सफलता मिलेगी । आप पुराने नुक्सान की भरपाई भी कर लेंगे । इसके परिणामस्वरूप आप अपनी संभावनाओं के प्रति अधिक आशावादी भी हो सकते हैं ,किसी भी अवसर के बारे में गहरे से सोचे बिना जोखिम ना उठायें । असावधान रहेंगे तो किसी से मुठभेड़ हो सकती है ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज का दिन तारीफ और प्रशंसा से भरा रहेगा । आपके बेहतरीन कामों के लिए पुरस्कार भी मिल सकते हैं । आपकी सच के साथ बने रहने की खासियत से आप अपने से प्रतिस्पर्धा करने वाले कई लोगों के रोल-मॉडल बन पायेंगे । आज कोई फैसला कार्यान्वित करने से पहले एक बार फिर से सोच लें ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आप पायेंगे कि आप कितने ही अच्छे और सही सुझाव दें,कोई आपकी बात मानने को तैयार नही है । इससे आप काफी निराश अनुभव करेंगे लेकिन आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि आपके सुझाव तो बेशक अच्छे हैं , लेकिन आपका रवैया ऐसा है कि जैसे आप किसी पर कृपा कर रहे हैं । इसीलिए लोग आपकी सलाह का उल्टा कर रहें हैं ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपकी भीतरी शक्ति आपको एक साथ कई स्तरों पर सोचने की क्षमता देगी । आप किसी भी मुद्दे की तह तक जा पायेंगे ।अपने दोस्तों –साथियों का भी सही मूल्याकन कर पायेगे । जहाँ तर्कशक्ति से बात ना बने,अपने मन की आवाज सुनें । अपनी छिपी क्षमता को बाहर लाने का यह उत्तम समय है । विवादों से बचें,वे बाद में समस्या पैदा कर सकते हैं।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आप आज कल्पनात्मक रहेंगे । कार्यस्थल की ओर से किसी अन्य स्थान की यात्रा का मौका मिल सकता है । आपकी रोमांटिक प्रवृति उजागर होगी । अपने आपको थोड़ी ढील देने का दिन है ,लेकिन काम में व्यवहारिकता भी दिखानी होगी । साथियों के साथ अच्छे मूड में रहेंगे । अपनी मेल देख लें,कोई महत्वपूर्ण मेल आपकी प्रतीक्षा कर रही है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
अपने सृजनात्मक विचारों को कार्यान्वित करने का यह बहुत अच्छा समय है । अपने विचारों को बड़ा रखें तथा किसी बोद्धिक या व्यवसायिक प्रशिक्षण में हिस्सा लें, इससे आपको औरो पर बढ़त हासिल होगी । हालाँकि ऐसा करते हुए आपको कुछ वित्तीय परेशानियां आ सकती हैं।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
यह समय मजे और स्वतन्त्रता दोनों में से किसी एक को चुनने का है । अगर आप जिम्मेदार हैं तो आपको स्वतंत्रता भी मिल ही जायेगी । हालाँकि अत्यधिक परिश्रम के बाद भी आप अपनी मंजिल पर तो नही पहुंच पायेंगे लेकिन बाद में आपको इसका फल जरुर मिलेगा इसलिए परिश्रम करते रहें । वित्तीय स्थिति के लिए भी परेशान न हों,समय के साथ ठीक होती जायेगी ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
बिजनेस सम्बन्धी किसी मीटिंग में आपके मनमुताबिक मोड़ आने की सम्भावना है । आप आज शांत किन्तु दृढ हैं । आपने खूब सोच समझकर फैसले लिए हैं । कार्यस्थल पर सकारात्मक बदलाव होंगें । किसी पुराने दोस्त से मुलाकात संभव है । घर पर शांत और संतुष्ट बने रहेंगे । बोद्धिक उन्नति होगी ,प्रियजनों की और से कोई खुश कर देने वाली खबर मिलेगी ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज आप सामान्य से अधिक भावनात्मक हैं ,दूसरे इसका फायदा उठा सकते हैं । कार्यस्थल पर कार्य का दबाव रहेगा,जिससे थकान का अनुभव करेंगे । कुछ कार्य सहकर्मियों को दे दें या कल के लिए बचा रखें । काम थोडा भले ही करें लेकिन गुणवत्ता बनाये रखें । आज किसी ख़ास व्यक्ति के साथ स्वादिष्ट भोजन का लुत्फ़ उठा सकते हैं ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आपको दूसरों पर विश्वास करना होगा । यह आपका कोई करीबी या कोई दोस्त हो सकता है और वः आपकी किसी ऐसे विशेष काम में मदद करेगा जिससे आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा । लेकिन इसके लिए सबसे जरुरी यह होगा की आप उस व्यक्ति में विश्वास बनाये रखें । आपको अपनी ही तरफ से विश्वास की पहल करनी होगी ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपके पिछले कुछ समय से अपने करियर तथा निजी जीवन सम्बन्धी किये गये प्रयासों का फल मिलने का समय आ गया है । ऐसा घटनाक्रम बनेगा कि आपको कोई बड़ी सफलता हाथ लगेगी । आपको प्रयासों और परिश्रम को आपके सीनियर ध्यान से देखेंगे और वे आपके जबरदस्त समर्थक भी बन जायेंगे । आपके दुश्मन आज असहाय अनुभव करेंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

बिटकॉइन पर बड़ा दांव पड़ा उल्टा, कंपनियों के शेयरों में आई गिरावट

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। साल के आखिर में क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में आई तेज गिरावट ने उन कंपनियों को हिला दिया है, जिन्होंने बिटकॉइन पर बड़ा दांव लगाया था. इसके चलते कई कंपनियों के शेयर धड़ाम से गिरे हैं और क्रिप्टो में बबल (बुलबुला) फूटने का डर फिर से बढ़ गया है. नीचे एएफपी बता रहा है कि बिटकॉइन खरीदने वाली कंपनियों के साथ कीमत गिरने पर क्या-क्या होता है.

कंपनियां बिटकॉइन क्यों जमा करती हैं?

इस साल बिटकॉइन में जबरदस्त उछाल आया और अक्टूबर में इसकी कीमत 1.26 लाख डॉलर के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गई. कई कंपनियों ने अपने कैश रिज़र्व को अलग-अलग जगह लगाने, महंगाई से बचाव करने या ज्यादा मुनाफा ढूंढने वाले निवेशकों को आकर्षित करने के लिए बिटकॉइन खरीदना शुरू किया. कुछ कंपनियां पहले से ही क्रिप्टो से जुड़ी थीं, जैसे एक्सचेंज या माइनिंग कंपनियां, जो ताकतवर कंप्यूटरों से

बिटकॉइन कमाती हैं. वहीं, दूसरी इंडस्ट्री की कंपनियां भी इसमें कूद पड़ीं, जिससे मांग बढ़ी और कीमतें और ऊपर चली गईं.

बिटकॉइन खरीदना जोखिम भरा क्यों है?

कई कंपनियों ने कर्ज लेकर बिटकॉइन खरीदा, यह सोचकर कि इसकी कीमत आगे भी बढ़ती रहेगी. कुछ ने कन्वर्टिबल बॉन्ड का सहारा लिया, जिसमें ब्याज कम होता है, लेकिन कर्ज देने वालों को बाद में नकद की जगह शेयर लेने का विकल्प मिलता है. मुसीबत तब आती है जब कंपनी के शेयर गिरने लगते हैं जैसे बिटकॉइन की कीमत गिरने पर कंपनी का मॉडल कम आकर्षक लगने लगे. ऐसे में निवेशक नकद में पैसा वापस मांग सकते हैं और कंपनी को फंड जुटाने में मुश्किल हो जाती है.

बिटकॉइन गिरता है तो क्या होता है?

गर्मी के बाद जब बिटकॉइन गिरना शुरू हुआ और नवंबर में 90,000 डॉलर से नीचे आ गया, तो बिटकॉइन पर ज्यादा निर्भर कंपनियों को लेकर भरोसा डगमगा गया. नैटिक्सिस बैंक के टेक और डेटा एक्सपर्ट एरिक बेनोइस्ट कहते हैं, मार्केट ने तुरंत सवाल पूछना शुरू कर दिया. क्या ये कंपनियां मुश्किल में फंसेंगी? क्या ये दिवालिया हो सकती हैं? यूनिवर्सिटी ऑफ ससेक्स की फाइनेंस प्रोफेसर कैरल एलेक्जेंडर के मुताबिक, नियमों को लेकर अनिश्चितता, साइबर हमले और धोखाधड़ी का खतरा भी निवेशकों का भरोसा कम कर रहा है.

रणनीति के साथ क्या हुआ?

सॉफ्टवेयर कंपनी रणनीति बिटकॉइन रखने वाली सबसे बड़ी कॉर्पोरेट कंपनी है. इसके पास 6.71 लाख से ज्यादा बिटकॉइन हैं, यानी दुनिया में कभी बनने वाले कुल बिटकॉइन का करीब 3 फीसदी. लेकिन छह महीने में इसके शेयर की कीमत आधे से ज्यादा गिर गई और कुछ समय के लिए इसकी मार्केट वैल्यू उसके पास मौजूद बिटकॉइन की कुल कीमत से भी नीचे चली गई. इसकी बड़ी वजह कन्वर्टिबल बॉन्ड पर ज्यादा निर्भरता रही, जिससे नकद में भारी कर्ज चुकाने का खतरा बढ़ गया. निवेशकों को भरोसा दिलाने के लिए रणनीति ने नए शेयर जारी कर 1.44 अरब डॉलर का रिज़र्व बनाया, ताकि डिविडेंड और ब्याज का भुगतान किया जा सके. वहीं सेमीकंडक्टर कंपनी सीक्वांस ने अलग रास्ता अपनाया और अपने कुछ कन्वर्टिबल कर्ज को चुकाने के लिए 970 बिटकॉइन बेच दिए. एएफपी की टिप्पणी मांगने पर दोनों कंपनियों ने जवाब नहीं दिया.

जामुन, सेब, आम, अंगूर! विदेशियों को भाया देसी वाइन का स्वाद, दोगुना हो गया एक्सपोर्ट

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत में अंगूर के अलावा दूसरे फलों से बनने वाली वाइन विदेश में अपनी खास जगह बना रही है। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि भारत में वाइन बनाने वाली कंपनियां देश में धीमी बिक्री के बीच विदेशी बाजारों पर ज्यादा ध्यान दे रही हैं। ट्रेड थिंक टैंक जीटीआरआई के विश्लेषण के मुताबिक इस वित्त वर्ष के पहले सात महीनों में भारत से वाइन का निर्यात रिकॉर्ड 6.7 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। यह पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले दोगुने से भी ज्यादा है। ईटी की एक रिपोर्ट में उद्योग के जानकारों के हवाले से कहा गया है कि अब भी अंगूर से बनी वाइन का निर्यात बाजार में दबदबा है, जिसमें नासिक की सुला वाइनयार्ड्स सबसे आगे है। लेकिन गैर-अंगूर वाली भारतीय वाइन भी विदेशों में धीरे-धीरे पसंद की जा रही हैं। शुक्रवार को मुंबई से 800 केस कृपा प्राप्त करें ब्रांड की घरेलू वाइन विदेश भेजी गई। हर केस में 750 मिली की 12 बोतल होती हैं। इस प्रोजेक्ट से जुड़े दो सलाहकारों ने बताया कि नासिक की सेवन पीक्स वाइनरी में बनी यह वाइन जामुन से बनी है। पहली बार इस वाइन का निर्यात किया गया है। यह वाइन न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी के कुछ चुनिंदा रेस्टोरेंट्स में जल्द ही मिलने लगेगी। इस प्रोजेक्ट से जुड़े सलाहकारों में से एक, अजय शॉ ने कहा, हमें अमेरिका के बाजार में ऊंचे टैरिफ की वजह से अपनी निर्यात कीमत को प्रतिस्पर्धी रखना पड़ा। इसके बावजूद, यह व्यवस्था खरीदार और हमारे दोनों के लिए फायदेमंद है। मेड-इन-इंडिया लेबल वाली वाइन संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, चीन, फ्रांस और यूनाइटेड किंगडम जैसे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में लगातार अपनी जगह बना रही हैं। इस वित्त वर्ष के अप्रैल-अक्टूबर के दौरान हुई बिक्री पूरे 2024-25 के लिए अनुमानित 5.8 मिलियन डॉलर से भी आगे निकल गई है। कृपा प्राप्त करें से पहले भी गैर-अंगूर वाली भारतीय वाइन को एक्सपोर्ट किया जा चुका है। इनमें कश्मीरी सेब और अल्फोंसो आम से बनी वाइन शामिल है।

सोने में इस साल 1 लाख पर 80 हजार मुनाफा

2026 में गोल्ड, शेयर, प्रॉपर्टी में 15% तक रिटर्न की उम्मीद; कहां करें निवेश

मुंबई,28 दिसंबर (एजेंसियां)। इस साल सोने ने 1 लाख रुपए के निवेश को करीब 1.80 लाख बना दिया। यहां, 80% रिटर्न मिला। वहीं शेयर बाजार 1 लाख का निवेश करीब 1.11 लाख ही बना। इसमें 11% रिटर्न मिला। मार्केट एक्सपर्ट्स के मुताबिक 2026 में सोना, शेयर और प्रॉपर्टी में 12 से 15% तक रिटर्न मिल सकता है। यानी, 1 लाख के निवेश पर करीब 15 हजार मुनाफा हो सकता है। निवेश कैसे कर सकते हैः रेप्युटेड ज्वेलर्स से गोल्ड-सिल्वर के सिक्के या ज्वेलरी खरीद सकते हैं। लेकिन फिजिकल गोल्ड में स्टोरेज और असली-नकली की पहचान समस्या है। वहीं गोल्ड-सिल्वर ईटीएफ में निवेश के लिए डीमैट अकाउंट होना चाहिए। इसमें स्टोरेज और असली-नकली पहचान की समस्या नहीं है।

किसे निवेश करना चाहिएः गोल्ड-सिल्वर में निवेश वो लोग करें जो कम रिस्क में बेहतर रिटर्न चाहते हैं। जैसे रिटायरमेंट प्लान करने वाले, नए निवेशक या ऐसे लोग जो शेयर बाजार से डरते हैं। कितना रिटर्न मिल सकता हैः केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के मुताबिक-अगले साल तक सोना 1.60 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के पार जा सकता है। यानी, मौजूदा भाव से 12-15% का रिटर्न मिल सकता है। एक और मार्केट एक्सपर्ट अनुज गुप्ता भी सोने के 1.50 पार होने की संभावना जता रहे हैं।

गोल्ड ने बीते 5 साल में 180% से ज्यादा रिटर्न दिया

दिसंबर 2020 में सोना 47,500 रुपए प्रति 10 ग्राम के करीब था। अब सोना 1.35 लाख प्रति 10 ग्राम चल रहा है। यानी, 5 साल में सोने ने 180% से ज्यादा रिटर्न दिया है। वहीं 2025 में गोल्ड ने 80% रिटर्न दिया है। दिसंबर 2024 में गोल्ड के दाम 75,500 के करीब थे। सिल्वर से बीते 5 साल में 300% से ज्यादा रिटर्न दिया दिसंबर 2020 में चांदी 56 हजार प्रति किलो के करीब थी। अब चांदी 2.3 लाख प्रति किलो के करीब चल रही है।

क्यों देश छोड़ रहे अमीर भारतीय? संजीव सान्याल ने बता दी वजह

ऐसी बड़ी कंपनियों को डूबने देना बेहतर

नई दिल्ली,28 दिसंबर (एजेंसियां)। दिग्गज अर्थशास्त्री और इतिहासकार संजीव सान्याल ने अमीर भारतीयों के देश छोड़ने पर अपनी राय जाहिर की है। उन्होंने कहा है कि भारत से मिलियनेयर्स के जाने का मुद्दा सिर्फ 'क्वालिटी-ऑफ-लाइफ' से जुड़ा नहीं है। अलबत्ता, ये देश के खास कारोबारी वर्ग की गहरी संरचनात्मक समस्याओं को भी दर्शाता है। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य सान्याल ने एक पॉडकास्ट में कहा कि जहां एयर पलूशन जैसी जीवन की गुणवत्ता से जुड़ी कुछ चिंताओं को समझा जा सकता है। वहीं, यह भी साफ है कि हमारे कारोबारी वर्ग में पर्याप्त बदलाव नहीं आ रहा है। उन्होंने समझाया कि जब कोई कारोबारी वर्ग पीढ़ियों से एक जैसा बना रहता है तो उसमें इनोवेशन की कमी आने लगती है। ऐसे में वे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के बजाय अपने उद्योगों के लिए संरक्षण मांगने लगते हैं। सान्याल ने इस बात पर जोर दिया कि पुरानी विरासत वाले व्यवसाय अक्सर तब ठप पड़ जाते हैं जब नए प्रतिभाशाली लोगों और नए विचारों को उभरने का मौका नहीं मिलता।

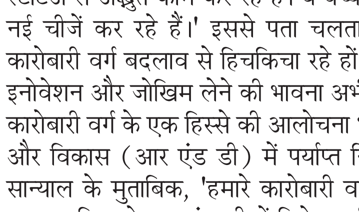

इससे देश के समग्र आर्थिक विकास में बाधा आती है। उन्होंने भारत के जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम का उदाहरण देते हुए युवा उद्यमियों की तुलना स्थापित कारोबारी परिवारों से की। सान्याल ने कहा, 'बेंगलुरु में, जहां कई तरह की समस्याएं हैं, वहां स्टार्टअप्स अद्भुत काम कर रहे हैं। वे बच्चे किसी गैरेज में बैठकर नई चीजें कर रहे हैं।' इससे पता चलता है कि भले ही पुराने कारोबारी वर्ग बदलाव से हिचकिचा रहे हों। लेकिन, युवा पीढ़ी में इनोवेशन और जोखिम लेने की भावना अभी भी जीवित है। उन्होंने कारोबारी वर्ग के एक हिस्से की आलोचना भी की कि वे अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) में पर्याप्त निवेश नहीं कर रहे हैं। सान्याल के मुताबिक, 'हमारे कारोबारी वर्ग को माफ नहीं किया जाना चाहिए जो आर एंड डी में निवेश नहीं कर रहे हैं। वे अपनी कभी-कभार की सीएसआर(कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) गतिविधियों को कुछ इस तरह इस्तेमाल कर रहे हैं जैसे कि वे अपने कारखाने के कीचड़ में घुटनों तक उतरकर शॉप फ्लोर पर काम करने की कड़ी मेहनत का विकल्प हों।' उन्होंने दिखाया कि दिखावे और असली उत्पादक काम में कितना अंतर है। सान्याल के अनुसार, इसका समाधान यह है कि भारत की आर्थिक व्यवस्था को लगातार बदलाव और विफलता के लिए खुला रखा जाए। उन्होंने कहा, 'इसका मुख्य समाधान यह है कि हम अपनी व्यवस्था को इतना खुला रखें कि यह निरंतर बदलाव को संभव बना सके।'टॉप इकोनॉमिस्ट ने इस बात पर जोर दिया कि लंबी अवधि की आर्थिक मजबूती के लिए रिन्यूवल यानी नवीनीकरण बहुत जरूरी है। सान्याल ने कहा कि वे अर्थव्यवस्था में इनसॉल्वेंसी (दिवालियापन) और बैंकक्रप्सी को अपनी भूमिका निभाने देने के प्रबल समर्थक हैं। उन्होंने कहा, 'आपको लगातार दिवालियापन और बैंकक्रप्सी की अनुमति देनी होगी। आपको इस बात के लिए पूरी तरह से सहमत होना होगा कि बड़ी कंपनियां लगातार मरती रहें।' उन्होंने बताया कि विफलता का डर अक्सर व्यवसायों को जरूरी जोखिम लेने से रोकता है।

स्वदेशी अपनाएं, बिना डॉक्टर सलाह दवा न लें : सीएम साय

दिग्विजय सिंह पर भी साधा निशाना

रायपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' के 129वें संस्करण पर प्रतिक्रिया देते हुए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्वदेशी उत्पादों के उपयोग पर जोर देते हुए देशवासियों से अपील की है कि वे रोजमर्रा की जिंदगी में अधिक से अधिक देश में निर्मित वस्तुओं का इस्तेमाल करें। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने स्वास्थ्य को लेकर भी महत्वपूर्ण संदेश दिया है कि बिना डॉक्टर की सलाह के दवाइयों का सेवन नुकसानदायक हो सकता है, इसलिए सावधानी बरतना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि 'मन की बात' ऐसा कार्यक्रम है जिसका हर महीने लोग बेसब्री से इंतजार करते हैं।

कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह के हालिया ट्वीट को लेकर पूछे गए सवाल पर मुख्यमंत्री साय ने तीखी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा कि दिग्विजय सिंह कई बार ऐसे बयान दे देते हैं जिन्हें समझना मुश्किल हो जाता है, इसी कारण उन्होंने अपनी विश्वसनीयता खो दी है। लोग अब उनके इरादों को लेकर भ्रमित रहते हैं।

'सरकार पीईएसए प्रस्ताव में छिपा रही है महत्वपूर्ण जानकारी'

बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार को घेरा

रांची, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा में विपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी ने पैंचायत एक्सटेंशन ऑफ शेड्यूल्ड एरियाज (पीईएसए) नियमों के प्रस्ताव को सार्वजनिक करने की मांग की।मरांडी, जो भाजपा झारखंड इकाई के अध्यक्ष भी हैं, ने यहाँ एक संगठनात्मक बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राज्य सरकार को तुरंत पास किए गए पीईएसए नियमों को सार्वजनिक करना चाहिए, ताकि लोगों को भ्रम और गलत जानकारी से बचाया जा सके। झारखंड कैबिनेट ने मंगलवार को पीईएसए अधिनियम के तहत नियमों को मंजूरी दी थी।

मरांडी ने कहा कि यह स्पष्ट रूप से दिखाता है कि राज्य सरकार जनता से कुछ छिपा रही है।

एक तरफ सरकार पीईएसए प्रस्ताव पास करने और इसे व्यापक रूप से स्वागत मिलने पर खुद को शाबाशी दे रही है, वहीं दूसरी तरफ यह स्पष्ट नहीं कर रही कि उस प्रस्ताव में वास्तव में क्या है।

मरांडी ने कहा कि जिस समाज के लिए यह पीईएसए नियम बनाया गया है। जिनकी परंपराएँ, रिवाज, संस्कार और शासन प्रणाली इससे संबंधित हैं। उन्हें वास्तविक स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं है। चाहे वह जनता हो या जनता के प्रतिनिधि, सभी केवल मीडिया में प्रकाशित समाचारों पर ही निर्भर हैं।

विपक्ष नेता ने यह भी कहा कि नगरपालिका चुनाव पार्टी आधारित होने चाहिए, ताकि विभिन्न पार्टियों के माध्यम से जनता की सेवा करने वाले कार्यकर्ता लोगों के प्रतिनिधि बन सकें और संविधान के ढांचे के भीतर जनता की बेहतर सेवा कर सकें। उन्होंने कहा कि गैर-पार्टी (स्वतंत्र) चुनाव शक्ति और धन के दुरुपयोग को बढ़ावा देते हैं, जो साफ-सुथरी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए अच्छा नहीं है।

इस बीच, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने भी कहा कि पीईएसए प्रस्ताव पास होने के बाद इसे सार्वजनिक न किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पीईएसए नियम सूचित क्षेत्रों में प्रचलित परंपराओं और प्रणालियों पर आधारित हैं।

ये प्राचीन पारंपरिक शासन और स्वशासन प्रणाली की रक्षा और संवर्धन करते हैं। मुंडा ने भी राज्य कैबिनेट द्वारा पास किए गए प्रस्ताव को जनता के सामने लाने की मांग की। भाजपा राज्य प्रभारी और सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने कहा कि बैठक में संगठनात्मक मामलों और आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की गई।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र में विकास की नई पहल

बीजापुर जिले के डोडीमरका में सुरक्षा कैंप स्थापित

बीजापुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। बीजापुर जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में सुरक्षा और विकास को नई दिशा देते हुए फरसेगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम डोडीमरका में बीते दिनों नवीन सुरक्षा एवं जन सुविधा कैंप की स्थापना सफलतापूर्वक की गई। माओवादियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई और क्षेत्र में शांति स्थापित करने के उद्देश्य से डीआरजी, जिला बल एवं छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल 7वीं वाहिनी 'बी' समवाय की संयुक्त टीमों द्वारा यह कैंप स्थापित किया गया।

कठिन भौगोलिक परिस्थितियों घने जंगलों एवं कड़ाके की ठंड के बावजूद सुरक्षा बलों ने अदम्य साहस, दृढ़ संकल्प और उच्च मनोबल का परिचय देते हुए इस महत्वपूर्ण कार्य को अंजाम दिया। यह उपलब्धि न केवल सुरक्षा की दृष्टि से अहम है, बल्कि इससे क्षेत्रीय विकास को भी नई गति मिलेगी।

यह कैंप भोपालपटनम् से फरसेगढ़, सेंड्रा तथा गढ़चिरौली को जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगा। आगामी समय में नेशनल पार्क क्षेत्र के सुदूर ग्रामों को सड़क एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त होगा, जिससे आवागमन, प्रशासनिक पहुंच में उल्लेखनीय सुधार होगा।

नवीन सुरक्षा कैंप की स्थापना से स्थानीय ग्रामीणों को स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, पेयजल, सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस), मोबाइल नेटवर्क, सड़क एवं पुल-पुलिया जैसी मूलभूत सुविधाएं सुलभ होंगी। इससे माओवादियों की अंतर्राज्यीय गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित होगा और क्षेत्र में स्थायी शांति व विश्वास का वातावरण बनेगा।

वर्ष 2024 से अब तक बीजापुर जिले में कुल 29 नवीन सुरक्षा कैंप स्थापित किए जा चुके हैं। इन प्रयासों के सकारात्मक परिणामस्वरूप 923 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है, 221 माओवादी मुठभेड़ों में मारे गए हैं तथा 1100 माओवादियों को गिरफ्तार किया गया है।

चोरों के हौसले बुलंद: हाईस्कूल की शिक्षिका के घर को बनाया निशाना, सोने-चांदी के जेवर ले उड़े

रायगढ़, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। रायगढ़ जिला मुख्यालय में चोरों ने हाई स्कूल की एक व्याख्याता के सुने मकान को निशाना बनाया है। चोरों ने मकान से सोने चांदी के जेवरात के अलावा 2 लाख के सामानों की चोरी की घटना को अंजाम दिया है। साथ ही किरायेदार के मकान का भी ताला तोड़कर वहां भी चोरी की गई है। पीड़िता रिपोर्ट के बाद सिटी कोतवाली पुलिस अज्ञात चोरों के खिलाफ अपराध दर्ज जांच शुरु कर दी है।

मिली जानकारी के मुताबिक, आशा भगत ने सिटी कोतवाली थाने में रिपोर्ट लिखाते हुए बताया कि वह गेरवानी हाई स्कूल में व्याख्याता के पद पर पदस्थ है, और रामभाठा जवाहर नगर में अपनी मां के साथ रहती है। आशा भगत ने बताया कि 22 दिसंबर को वह परिवार के साथ लोग अपने घर को ताला लगाकर अपने गृहग्राम जशपुर है हुई थी। उसके घर के बगल में अनिल कुजूर किराए में रहता था, वह भी अपने मकान में ताला लगाकर अपने गृह ग्राम बगीचा गया हुआ था।

आशा भगत ने बताया कि कल दोपहर 2 बजे वह अपनी मां के साथ जशपुर से रायगढ़ अपने मकान पहुंची और मुख्य गेट का दरवाजा खोलकर अंदर घुसी तो देखा कि कमरे में लगा ताला टूटा हुआ था। घर में रखा तीनों आलमारी टूटा हुआ था। अज्ञात चोरों ने उसके मकान से आलमारी में रखे सोने चांदी के जेवर तथा आलमारी मे रखी स्मार्ट वॉच, इयरफोन को मिलाकर कुल 2 लाख की चोरी की घटना को अंजाम दिया है। साथ ही अज्ञात चोरों ने आशा भगत के किराएदार के मकान में लगा ताला तोड़कर वहां भी चोरी की गई है, उनके रायगढ़ आने के बाद ही उनके मकान से क्या चोरी हुई है, इसका पता चल सकता है। आशा भगत की रिपोर्ट के बाद सिटी कोतवाली पुलिस अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धारा 331(4), 305 बीएनएस के तहत अपराध दर्ज करते हुए आरोपियों की पतासाजी की जा रही है।

मां के संघर्ष को मिला सम्मान

एलेक्स मुंडा की पढ़ाई की हेमंत सोरेन सरकार ने ली जिम्मेदारी

रांची, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। संघर्षों का सामना करते हुए जिंदगी जीने का नाम हैं नूतन टोप्पो। जिनके बिखरते सपनों को पूरा करने का संकल्प झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उठाया है। एक हादसे में पति को खोने के बाद, रांची के कांके सुकुरहुटू की रहने वाली नूतन टोप्पो की जैसे पूरी दुनिया ही उजड़ गई। परिवार पालने के लिए नूतन टोप्पो ने पेट्रोल पंप पर काम करना शुरू कर दिया।

झारखंड में अगले दो दिन पड़ेगी कड़ाके की ठंड

आया आईएमडी का अलर्ट

रांची, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। अगले दो दिन कड़ाके की ठंड झारखंड में पड़ने वाली है. उसके बाद थोड़ी राहत लोगों को मिलेगी. नववर्ष पर खुशनुमा मौसम रहेगा. अगले दो से तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री बढ़ोतरी का अनुमान विभाग की ओर से व्यक्त किया गया है.

झारखंड के लोगों को अगले दो दिन ठंड से राहत नहीं मिलेगी. दो दिन बाद कड़ाके की ठंड से थोड़ी राहत मिल सकती है. मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अगले दो से तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है. हालांकि सुबह में कहीं-कहीं हल्का कोहरा छाये रहने और कनकनी रहने की संभावना है. दिन में मौसम शुष्क रहेगा. नववर्ष के पहले दिन यानी एक जनवरी 2026 को मौसम खुशनुमा रहने की उम्मीद है.

रांची का न्यूनतम तापमान 7.9 डिग्री सेल्सियस

राजधानी रांची का न्यूनतम तापमान 7.9 डिग्री सेल्सियस रहा. पिछले 24 घंटे में इसमें 0.9 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई. वहीं ग्रामीण क्षेत्र कांके का न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस रहा. इस बीच गुमला का न्यूनतम तापमान 3.6 डिग्री, खूंटी का 4.7 डिग्री, लोहरदगा का 5.2 डिग्री, लातेहार का 8.0 डिग्री, मेदिनीनगर का 5.5 डिग्री, बोकारो का 8.5 डिग्री, चाईबासा का 8.8 डिग्री और जमशेदपुर का न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री सेल्सियस रहा. रांची की विजिबिलिटी 800 मीटर और देवघर की विजिबिलिटी 700 मीटर रही. राज्य के 23 जिलों का पारा 10 डिग्री या इससे नीचे रहा. केवल कोडरमा का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया.

कड़ाके की ठंड व कोहरा से लोग परेशान

झारखंड के कई जिलों में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है. शीतलहरी व घने कोहरे से लोग परेशान हैं. सुबह आठ बजे तक घना कोहरा छाया रहता है, जिसके कारण लोगों को परेशानी हो रही है. स्कूली बच्चों को ट्यूशन पढ़ने व घर लौटने के दौरान कोहरा का सामना करना पड़ता है. दिनभर पछुआ हवा चलने से कनकनी बढ़ी हुई है. लोग अलाव ताप कर ठंड से बचाव कर रहे हैं.

लोग घरों से बाहर निकलने में कतरा रहे हैं

सुबह और शाम लोग घरों से बाहर निकलने में कतराने लगे हैं. वहीं, शाम ढलते ही चौक-चौराहों पर सन्नाटा पसर जा रहा है. ठंड से बचने के लिए लोग अलाव का सहारा ले रहे हैं. दुकानदार भी जल्द ही अपनी दुकानें बंद कर दे रहे हैं. हालांकि, इन दिनों आसमान स्वच्छ रहने से सूरज की पर्याप्त गर्मी लोगों को राहत दे रही है.

उन्नाव रेप पीड़ित और कुलदीप सेंगर समर्थकों में झड़प

दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे थे

पीड़िता बोली- गवाहों की सुरक्षा हटाई गई

उन्नाव, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। उन्नाव रेप केस में पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सेंगर की सजा सस्पेंड होने के विरोध में चल रहे जंतर-मंतर पर प्रदर्शन में हंगामा होगा। कुलदीप सेंगर के समर्थन में पुरुष आयोग नाम के संगठन के लोग रविवार को जंतर-मंतर पहुंचे और नारेबाजी करने लगे।

उनके हाथ में आई सपोर्ट कुलदीप सेंगर का बैनर था। पीड़ित के पक्ष में प्रदर्शन कर रहीं योगिता भयाना ने विरोध किया तो दोनों पक्षों में जमकर नारेबाजी और झड़प हो गई। वहीं, प्रदर्शन में शामिल रेप पीड़ित ने कहा कि हमारे पारिवारिक सदस्यों और गवाहों की सुरक्षा हटा दी गई है। उधर, योगिता भयाना ने कहा- हम चाहते हैं कि कुलदीप सिंह सेंगर के मामले में जो सुनवाई हुई है, उसे खारिज किया जाए। ये बच्ची यहां आना चाहती थी, इसलिए हम उसके समर्थन में यहां आए हैं। इस बच्ची की कानूनी लड़ाई अच्छे से लड़ी नहीं गई है।

पीड़ित ने कहा- मुझे सुप्रीम कोर्ट पर पूरा भरोसा है

इस पर पीड़ित ने कहा- मुझे सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा है कि वह इंसाफ देगा। मैं हर महिला की आवाज उठा रही हूं। अगर सीबीआई ने यह पहले किया होता, तो मुझे इंसाफ मिल गया होता। उसकी (कुलदीप सेंगर की) जमानत खारिज हो जाती, क्योंकि उसने मेरा रेप किया था। मेरे पिता को मार दिया गया। मेरे परिवार के सदस्यों को मार दिया गया। मेरे परिवार के सदस्यों और गवाहों की सुरक्षा हटा दी गई। मेरे पति को नौकरी से निकाल दिया गया। मेरे बच्चे घर पर सुरक्षित नहीं हैं।

सुप्रीम कोर्ट उन्नाव रेप केस में दोषी पूर्व विधायक कुलदीप सेंगर की सजा सस्पेंड करने के खिलाफ 29 दिसंबर को सुनवाई करेगा। केंद्रीय जांच ब्यूरो की याचिका सुनवाई के लिए लिस्ट की गई है। इसमें दिल्ली दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई है।

आंध्र प्रदेश सीएम चंद्रबाबू नायडू ने रामलला के दर्शन किए

बोले- रामराज्य किसी भी सरकार के लिए बेंचमार्क

अयोध्या, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू रविवार सुबह 11 बजे अयोध्या एयरपोर्ट पहुंचे। यहां पर प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही और जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने अधिकारियों के साथ स्वागत किया। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा- रामराज्य किसी भी सरकार के लिए बेंचमार्क है। 'स्पिरिचुअल वैल्यूज़ बनाने में राम मंदिर बहुत ज़रूरी रोल निभाएगा। एयरपोर्ट से सीएम चंद्रबाबू नायडू सीधे राम मंदिर पहुंचे और रामलला के दर्शन किए।

कालका माता मंदिर के पुजारी पर एफआईआर

पत्नी की मौत के बाद विजयनगर पुलिस की कार्रवाई

इंदौर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। विजय नगर स्थित कालका माता मंदिर के पुजारी के खिलाफ पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में आखिरकार शनिवार रात पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली। यह कार्रवाई मृतका के मायके पक्ष के बयान दर्ज होने के बाद की गई है।

विजयनगर पुलिस ने 21 वर्षीय तमन्ना यादव की मौत के मामले में उसके पति राहुल यादव, निवासी रसोमा लैबोरेटरी के पास, कालका माता मंदिर के पुजारी, के खिलाफ प्रताड़ना और आत्महत्या के लिए उकसाने की धाराओं में केस दर्ज किया है। तमन्ना की मौत 15 नवंबर 2025 को हुई थी।

जांच में सामने आया कि तमन्ना को उसके पति राहुल लसूडिया क्षेत्र स्थित विवेक मेमोरियल अस्पताल लेकर पहुंचा था, जहां उसने तबीयत बिगड़ने की जानकारी दी थी। हालांकि, मौत के बाद जब पोस्टमॉर्टम कराया गया तो शरीर में जहर की पुष्टि हुई।

पुलिस जांच में यह भी पता चला कि तमन्ना और राहुल की शादी 2 दिसंबर 2024 को पारिवारिक सहमति से हुई थी, लेकिन शादी के बाद दोनों के बीच लगातार विवाद होता रहता था। आरोप है कि राहुल आए दिन किसी न किसी बात को लेकर तमन्ना को प्रताड़ित करता था, जिससे परेशान होकर उसने जहर खा लिया। यह भी सामने आया है कि राहुल ने तमन्ना द्वारा जहर खाने की जानकारी पुलिस से छिपाई थी।

शुरुआत में मामला लसूडिया पुलिस के पास पहुंचा था, लेकिन बाद में घटनास्थल विजयनगर क्षेत्र का होने पर केस विजयनगर पुलिस को स्थानांतरित किया गया। राहुल विजयनगर चौराहे पर स्थित काली माता मंदिर में पुजारी का कार्य करता है और उसका परिवार भी इसी मंदिर से जुड़ा हुआ है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

पीसीएस अफसर पिता ने दो मासूमों का किया अंतिम संस्कार

पत्नी की हालत गंभीर, कहा- बच्चों के लिए स्कूल ड्रेस खरीदना था, कफन उठा रहा हूं

छपरा, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। छपरा में धुंए से दम घुटने से अपने दोनों बच्चों को खोने वाले पिता विजय कुमार सिंह की पत्नी भी क्रिटिकल बनी हुई है। उनका शुगर लेबल बढ़ गया है और बीपी काफी लो हो गया है। विजय कुमार सिंह कहते हैं कि,'अभी तीन दिन पहले ही उन्हें नानी के यहां छोड़कर गया था। जब जाने लगा तो बेटा बोला कि पापा मुझे चिप्स खानी है। मैंने कहा था कि अब आऊंगा तो चिप्स लेकर आऊंगा, लेकिन मैं अपने बच्चे को चिप्स भी नहीं खिला सका।'

वह रोते हुए कहते हैं, 'मेरा सबकुछ उजड़ गया। बच्चे ही नहीं रहे तो हम जिंदा रहकर क्या करेंगे। मैं तो दोनों बच्चों के स्कूल में एडमिशन की तैयारी कर रहा था। आज ड्रेस की जगह कफन उठा रहा हूं...।'

विजय कुमार सिंह वाराणसी के जिला सहकारी पदाधिकारी हैं। विजय सिंह के ससुराल छपरा में 3 बच्चों सहित 4 लोगों की मौत अंगीठी के धुंए से दम घुटने से हुई है।

इनकी छोटी बहन अंजली दो होश आया था, लेकिन फिर से बेहोश हो गई है। अंजली के स्वास्थ्य में थोड़ा सुधार आ रहा है। वहीं अमित अभी भी बेहोश है। अमृता के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। वह होश में आ गई है। मृतका कमलावती देवी का अंतिम संस्कार छपरा के सेमारिया घाट पर किया जा रहा है। वहां उनके बड़े बेटे मंटू सिंह मौजूद है। वहीं मुखाग्नि दी जा रही है। जबकि तीनों बच्चों का अंतिम संस्कार कल शाम में ही हो गया था।

छपरा में अंगीठी जलाकर सोए एक परिवार में धुंए से दम घुटने से 3 बच्चे और उनकी नानी की मौत हो गई। जबकि, 3 लोगों की स्थिति गंभीर बनी है। इन चारों का पटना के रुबन हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। इनकी छोटी बहन अंजली को रविवार की सुबह होश आया था, लेकिन फिर से बेहोश हो गई है। अंजली के स्वास्थ्य में थोड़ा सुधार आया है। वहीं अमित को वेंटिलेटर पर खा गया है। अमृता के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। वह होश में आ गई है।

बसंत पंचमी पर भोजशाला को लेकर बड़ा ऐलान

23 जनवरी को अखंड पूजा

परिसर खाली न करने का संकल्प

धार, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। धार में बसंत पंचमी पर्व को लेकर महाराजा भोज स्मृति बसंतोत्सव समिति ने रविवार को महत्वपूर्ण घोषणा की है। समिति ने 23 जनवरी 2026 को बसंत पंचमी के अवसर पर भोजशाला में अखंड पूजा-अर्चना करने और परिसर खाली न करने का संकल्प लिया है। इस दिन शुक्रवार होने के कारण यह मुद्दा चर्चा का केंद्र बना हुआ है।

समिति ने अपने कार्यालय का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर समिति ने बसंतोत्सव कार्यक्रमों की रूपरेखा और अपने दृढ़ संकल्प की जानकारी दी। कार्यालय का उद्घाटन जूना अखाड़ा, संगेश्वर धाम के राष्ट्रीय सचिव रामेश्वर गिरी महाराज ने किया।

समिति के संरक्षक अशोक जैन ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि 23 जनवरी 2026, शुक्रवार को बसंत पंचमी पर भोजशाला में सूर्यास्त से सूर्योदय तक अखंड पूजा-अर्चना हर हाल में की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि इसके लिए संघर्ष का रास्ता भी अपनाना पड़ा, तो समिति पीछे नहीं हटेगी।

जैन ने आगे कहा कि उस दिन भोजशाला को किसी भी स्थिति में खाली नहीं किया जाएगा। उन्होंने याद दिलाया कि पहले भी भोजशाला खाली नहीं की गई थी और इस बार भी ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। समिति का अनुमान है कि इस आयोजन में हजारों की संख्या में हिंदू समाज के लोग शामिल होंगे।

दरअसल, इस बार बसंत पंचमी का पर्व शुक्रवार को पड़ रहा है। शुक्रवार के दिन मुस्लिम समाज द्वारा जुम्मे की नमाज अदा की जाती है, जबकि इसी दिन बसंत पंचमी भी है। इसी कारण समिति अपने निर्णय और संकल्प पर पूरी तरह अडिग है।

पुरातत्व विभाग द्वारा भोजशाला में प्रति मंगलवार को हिंदू समाज को पूजा-अर्चना की अनुमति दी गई है, जबकि शुक्रवार को मुस्लिम समाज को नमाज अदा करने की अनुमति है। 23 जनवरी 2026 को शुक्रवार के दिन बसंत पंचमी होने से यह विषय एक बार फिर चर्चा का केंद्र बना हुआ है।

तीन माओवादियों ने डीजीपी के सामने किया सरेंडर

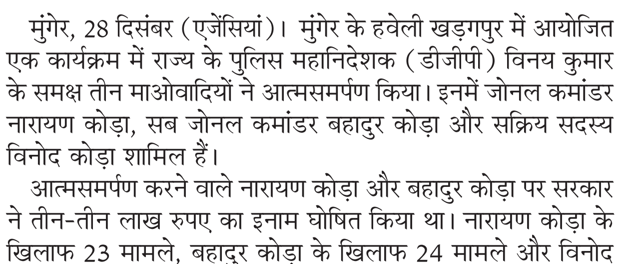

मुंगेर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंगेर के हवेली खड़गपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) विनय कुमार के समक्ष तीन माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया। इनमें जोनल कमांडर नारायण कोड़ा, सब जोनल कमांडर बहादुर कोड़ा और सक्रिय सदस्य विनोद कोड़ा शामिल हैं।

आत्मसमर्पण करने वाले नारायण कोड़ा और बहादुर कोड़ा पर सरकार ने तीन-तीन लाख रुपए का इनाम घोषित किया था। नारायण कोड़ा के खिलाफ 23 मामले, बहादुर कोड़ा के खिलाफ 24 मामले और विनोद कोड़ा के खिलाफ तीन मामले विभिन्न थानों में दर्ज हैं। तीनों ने पुलिस के समक्ष हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया।

बहादुर कोड़ा हवेली खड़गपुर प्रखंड के बघेल का रहने वाला

नारायण कोड़ा धरहरा प्रखंड की अजीमगंज पंचायत के पैसरा का निवासी है, जबकि बहादुर कोड़ा हवेली खड़गपुर प्रखंड के बघेल का रहने वाला है। विनोद कोड़ा लखीसराय जिले के कजरा थाना क्षेत्र स्थित शीतला कोड़ासी से है।

सरकार की पुनर्वास नीति के तहत, इन माओवादियों को 9.10 लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, उन्हें 36 महीने तक प्रति माह 10-10 हजार रुपए, हथियार जमा करने के लिए 11,1509 रुपए, पांच-पांच डिसमिल जमीन, जन वितरण प्रणाली की दुकान, रोजगार, वृद्धावस्था पेंशन और सुरक्षा के लिए शस्त्र लाइसेंस जैसी सुविधाएं मिलेंगी। बच्चों की शादी, गाय या बकरी पालन, चापाकल और शौचालय जैसी अन्य सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी।

'ईरान पर युद्ध थोप रहे यूएस, इस्राइल और यूरोप', राष्ट्रपति पेजेश्कियन की धमकी- अब निर्णायक लड़ाई लड़ेंगे

तेहरान, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने दावा किया है कि अमेरिका, इस्राइल और यूरोप उनके देश के खिलाफ युद्ध छेड़ रहे हैं। ईरानी राष्ट्रपति का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब सोमवार को इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करने वाले हैं। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की आधिकारिक वेबसाइट को दिए एक साक्षात्कार में राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने कहा, 'मेरी राय है कि हम अमेरिका, इस्राइल और यूरोप के साथ एक पूर्ण युद्ध में हैं। वे नहीं चाहते कि हमारा देश अपने पैरों पर खड़ा हो सके।' राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने कहा, 'हमारी सैन्य ताकतें पूरी मजबूती से अपना काम कर रही हैं और अब हथियारों और संख्याबल के लिहाज से हम पहले के मुकाबले ज्यादा मजबूत हैं।'

ट्रंप से मुलाकात से पहले जेलेंस्की ने नाटो और यूरोपीय संघ के नेताओं से की बातचीत

रूस को लेकर सामने आया बड़ा बयान

रूस, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात करने से पहले कनाडा पहुंचे। जेलेंस्की ने फ्लोरिडा में ट्रंप के साथ होने वाली आगामी वार्ता से पहले नाटो और यूरोपीय संघ के नेताओं के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बात की। फोन पर हुई बातचीत के दौरान जेलेंस्की ने इस बात पर जोर दिया कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन को युद्ध के वास्तविक और न्यायपूर्ण अंत में हेरफेर करने और उससे बचने से रोकने के लिए मजबूत सैन्य और राजनयिक रुख अपनाना आवश्यक है। जेलेंस्की ने विश्व नेताओं को उनके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद देते हुए यूक्रेन के लिए निरंतर और एकजुट समर्थन का आग्रह किया।

मजबूत रुख अपनाने की जरूरत

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में जेलेंस्की ने लिखा, 'पुतिन को युद्ध के वास्तविक और न्यायसंगत अंत से बचने और उसमें हेरफेर करने से रोकने के लिए मोर्चे पर और कूटनीति में दोनों जगह मजबूत रुख अपनाने की जरूरत है। दुनिया के पास सुरक्षा और शांति सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त शक्ति है।' इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वैश्विक नेताओं के साथ हुई बातचीत में यूक्रेन के राजनयिक प्रयासों और आगे बढ़ने की प्रमुख प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित किया गया।

ट्रंप की बैठक के बाद भी चर्चा जारी

जेलेंस्की ने कहा, 'बातचीत के दौरान हमने राजनयिक मोर्चे पर हुई प्रगति पर चर्चा की। हमने मिलकर सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं पर विचार-विमर्श किया। यूक्रेन सभी प्रकार के समर्थन की सराहना करता है। कल ट्रंप के साथ बैठक के बाद हम अपनी चर्चा जारी रखेंगे।'

यूरोपीय संघ के ये नेता हुए शामिल

जेलेंस्की ने नेताओं को उनके समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। इस वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कॉल में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन, फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब, जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़, इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी, डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन, पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क, नीदरलैंड के प्रधानमंत्री डिक शूफ़, नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोरे, स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन, यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन, नाटो के महासचिव मार्क रुट्टे और ब्रिटेन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जोनाथन पॉवेल शामिल रहे।

परिवार के साथ मसूरी घूमने आए थे इंदौर के पर्यटक, अचानक तबीयत बिगड़ने से हुई मौत

मसूरी, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के इंदौर से मसूरी घूमने आए एक पर्यटक की होटल में तबीयत बिगड़ गई। परिजन उन्हें उप जिला चिकित्सालय लेकर गए लेकिन चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि सिविल हॉस्पिटल मसूरी से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति को मृत अवस्था में सिविल हॉस्पिटल लाया गया है। पुलिस हॉस्पिटल पहुंची तो पता चला कि देवेंद्र बावेल (56) पुत्र बवरलाल बावेल निवासी लीट्स एन्क्लेव, पुलिस लाइन के पीछे, इंदौर मध्य प्रदेश की मौत हुई है।

कौन हैं 30 साल की बैरिस्टर जाइमा?

बांग्लादेश चुनाव में बड़ा महिला चेहरा, 3 करोड़ युवा वोटर को लुभाने का बीएनपी प्लान

ढाका, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में शेख हसीना और खालिदा जिया के बाद एक और ताकतवर महिला राजनेता की एंट्री हो सकती है। बांग्लादेश में पूर्व पीएम खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान की 17 साल बाद बांग्लादेश वापसी के बाद ये चर्चा तेज हो गई है। उनकी बेटी जाइमा रहमान पॉलिटिक्स में एंट्री कर सकती हैं। तारिक रहमान की जाइमा और पत्नी जुबैदा के साथ फोटो काफी वायरल हो रही है। चुनावी रुझान बता रहे हैं कि रहमान की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभर सकती है और सरकार बना सकती है। जाइमा बीएनपी की बैठकों में हिस्सा ले रही हैं और राजनीतिक कार्यक्रमों में उनके साथ नजर आ रही हैं। बांग्लादेश में बड़ी संख्या में युवा और महिला वोटरों की संख्या को देखते हुए जाइमा की राजनीतिक मौजूदगी बीएनपी को फायदा पहुंचा सकती है। खासकर जिन छात्र संगठनों के मोर्चे ने शेख हसीना का तख्तापलट किया था, और जमात ए इस्लामी को सत्ता से बाहर रखने के लिए ज्यादा से ज्यादा युवाओं को पार्टी से जोड़ा जाए।

पेशे से बैरिस्टर हैं जाइमा रहमान

30 साल की जाइमा रहमान की साफ सुथरी छवि उनके पक्ष में जाती है। पेशे से बैरिस्टर रहमान ने ढाका कैंटोनमेंट एरिया में काफी वक्त बिताया, फिर बाद में पिता के साथ लंदन चली गईं। जाइमा के पास लंदन की क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी से लॉ डिग्री है। जबकि बांग्लादेश में वो इंटरनेशनल स्कूल ऑफ ढाका से पढ़ी थीं। बांग्लादेश में 12 फरवरी के चुनाव में जमात ए इस्लामी और एनसीपी भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर तारिक रहमान को घेर सकती है। ऐसे में जाइमा आगे आकर कमान संभाल सकती हैं।

फेसबुक पोस्ट ने दिया इशारा

जाइमा ने एक फेसबुक पोस्ट भी की है, जिससे उनकी राजनीति में आने की अटकलें तेज हैं। उन्होंने लिखा, मैं कभी भी अपनी जड़ों को नहीं भूली। मैं बांग्लादेश के पुनर्निर्माण में अहम भूमिका निभाना चाहती हूं। ऐसे में माना जा रहा है कि वो सक्रिय राजनीति में प्रवेश करें।

चुनाव आयोग के कार्यालय भी गईं

जाइमा पिता रहमान के साथ बांग्लादेश चुनाव आयोग के कार्यालय भी गईं और खुद को भी वोटर के तौर पर पंजीकृत कराया। अवामी लीग की सरकार के दौरान 2021 में भी जाइमा चर्चा में आई थीं। तब अवामी लीग नेता मुराद हसन ने जाइमा पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी और उन्हें इस्तीफा देना पड़ा था।

विदेश से भी पार्टी बैठकों में शामिल

जाइमा ने विदेश में रहते हुए भी पार्टी की कई वर्चुअल बैठकों में हिस्सा लिया है। बीएनपी के प्रवासी वोटरों के साथ भी उन्होंने संवाद किया। ऐसे में अघोषित तौर पर ही सही उनकी राजनीतिक पारी का आगाज हो गया है।

तिब्बत की पहचान मिटाने में जुटा चीन

रिपोर्ट में प्रार्थना ध्वज जलाने से धार्मिक प्रतीक हटाने तक कई खुलासे

कोलंबो, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) तिब्बत में तिब्बती पहचान को मिटाने की कोशिशें लगातार तेज कर रही है। भाषा, धर्म और संस्कृति को निशाना बनाते हुए जबरन कदम उठाए जा रहे हैं। एक ताजा रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चीनी प्रशासन तिब्बती धार्मिक प्रतीकों को हटाकर उनकी जगह चीनी राष्ट्रवादी प्रतीक थोप रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, सैटेलाइट तस्वीरों से सामने आया है कि तिब्बत की पहाड़ियों पर पत्थरों में उकेरे गए पवित्र बौद्ध मंत्र 'ओम मणि पद्मे हम' को हटाकर वहां चीनी झंडा लगाया गया है। यही नहीं, तिब्बती खानाबदोशों को पारंपरिक मणि प्रार्थना ध्वज हटाने के लिए मजबूर किया गया और उनकी जगह चीनी झंडे लगाने को कहा गया। इसके साथ ही लोगों को राजनीतिक 'री-एजुकेशन' यानी वैचारिक प्रशिक्षण सत्रों में भी शामिल किया गया। श्रीलंका के प्रमुख मीडिया संस्थान सीलोन वायर न्यूज की रिपोर्ट में कहा गया है कि तिब्बत में सांस्कृतिक दमन हाल के वर्षों में और खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। हाल ही में चीनी अधिकारियों ने आग लगने के खतरे का हवाला देते हुए पारंपरिक प्रार्थना ध्वज जला दिए। स्थानीय लोगों ने इसे तिब्बती धार्मिक परंपराओं को मिटाने की बीजिंग की मुहिम का नया और गंभीर कदम बताया है।

रिपोर्ट में बताया गया कि पिछले कुछ वर्षों में कई बार मणि प्रार्थना ध्वज और प्रार्थना चक्रों को हटाया गया या तोड़ा गया। ये कार्रवाइयां बिना किसी ठोस या तार्किक कारण के की गईं। इसी दौरान जब तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा का 90वां जन्मदिन मनाया जा रहा था, तब चीनी प्रशासन ने तिब्बत में आवाजाही और धार्मिक गतिविधियों पर कड़ी पाबंदियां लगा दीं। रिपोर्ट के अनुसार, जो लोग बीजिंग के तथाकथित 'री-एजुकेशन प्रोग्राम' का हिस्सा बनने से इनकार करते हैं, उन्हें झूठे आरोपों में हिरासत, लंबी कैद और सामाजिक बहिष्कार का सामना करना पड़ता है।

'ऑपरेशन सिंदूर के समय बंकरों में छिपी थी पाक सेना' जरदारी का कबूलनामा; फिर हुई पाकिस्तान की किरकिरी

इस्लामाबाद, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। आतंकियों के पनाहगार पाकिस्तान को हमेशा से ही अपनी बुजदिल हरकतों के चलते वैश्विक मंच पर शर्मसार होना पड़ता है। ऐसे में एक बार फिर ऐसी स्थिति तब आई जब 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान अपनी ताकत का झूठा बखान करने वाला नापाक पड़ोसी पाकिस्तान की सेना और उसके हालात को लेकर नया और चौंकाने वाला खुलासा हुआ। ये खुलासा किसी और ने नहीं खुद पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने किया है। पाकिस्तानी राष्ट्रपति जरदारी ने बताया कि कैसे ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी सेना बंकर में छिपी हुई थी। एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करने के दौरान जरदारी ने यह स्वीकार किया कि तनाव के हालात में पाकिस्तान की सेना बंकरों में छिपी हुई थी और उन्हें खुद भी बंकर में रहने की सलाह दी गई थी। पहलगाम आतंकी हमला, जब गई थी 26 निर्दोष लोगों की जान

आर्थिक तंगी से जूझ रहा पाकिस्तान

बता दें कि राष्ट्रपति जरदारी का यह बयान पाकिस्तान की कमजोर स्थिति को उजागर करता है। गंभीर आर्थिक संकट, बढ़ती महंगाई और कर्ज में डूबे पाकिस्तान के पास न तो मजबूत अर्थव्यवस्था है और न ही लंबी सैन्य तैयारी की क्षमता। ऐसे में पाकिस्तानी सेना के बंकरों में छिपने की बात यह दिखाती है कि पाकिस्तान अंदर से असुरक्षित और दबाव में है।

पहलगाम हमले के जवाब में भारत का एक्शनः 'ऑपरेशन सिंदूर'

पहलगाम हमले के जवाब में भारत ने 6-7 मई की दरमियानी रात को भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए थे। इस दौरान 9 ठिकानों को निशाना बनाया गया, जिनमें लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के मुख्यालय और ट्रेनिंग सेंटर शामिल थे। इन जगहों से भारत के खिलाफ आतंकी हमलों की साजिश रची जाती थी।

'बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की जाए'

ढाका में हिंदू मजदूर की हत्या की अमेरिका ने की निंदा

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हुई हिंसा के दौरान दो हिंदू युवकों की बेरहमी से हत्या कर दी गई। बांग्लादेश में हाल ही में हुई धार्मिक हिंसा की अमेरिकी विदेश विभाग ने कड़ी निंदा की है। वहीं, एक प्रभावशाली अमेरिकी सांसद ने बांग्लादेश में एक हिंदू कपड़ा मजदूर दीपू चंद्र दास की लिंचिंग को भयानक बताया और धार्मिक नफरत की बिना शर्त निंदा करने का आग्रह किया।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने दास की हत्या और बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमलों की श्रृंखला के बारे में एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका धार्मिक स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति, शांतिपूर्ण सभा और संघ की स्वतंत्रता का समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका सभी रूपों में धार्मिक हिंसा की बिना शर्त निंदा करता है और हम बांग्लादेशी अंतरिम सरकार द्वारा बांग्लादेश में सभी समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों का स्वागत करते हैं।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों को बनाया जा रहा है निशाना

गौरतलब है कि भालुका के एक कपड़ा मजदूर दीपू चंद्र दास की 18 दिसंबर को जान चली गई। उन पर भीड़ ने हमला किया, पीट-पीटकर मार डाला गया और ईशनिंदा के आरोपों के बाद उनके शरीर को आग लगा दी गई। इस हत्या ने देश में राजनीतिक उथल-पुथल के बाद बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से हिंदुओं की स्थिति पर जांच को तेज कर दिया है।

गैरसैंण मार्ग पर हादसा, खाई में गिरने से बाल-बाल बची हरियाणा के यात्रियों की कार

चमोली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। चमोली में सिमली गैरसैंण मोटर मार्ग पर हादसा हो गया। एक कार गहरी खाई में गिरने से बाल बाल बची। कार पत्थरों पर अटक गई। गनीमत रही कि सभी यात्री सुरक्षित हैं। जानकारी के अनुसार, हरियाणा नंबर की कार फरीदाबाद से ओली गई थी और वापस जाते समय आदिबद्री के पास सड़क से नीचे चली गई। किस्मत से कार वायर क्रिएट की दीवार पर लगे पत्थर पर अटक गई। बाद में कर्णप्रयाग से क्रेन से उसे निकला गया कार में चार यात्री थे जो सभी सुरक्षित बच गए।

बालेन शाह बने नेपाल में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार, आम चुनाव के लिए आरएसपी के साथ हुआ समझौता

काठमांडू, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। काठमांडू महानगरपालिका के मेयर बलेंद्र शाह, जिन्हें लोकप्रिय रूप से बालेन के नाम से जाना जाता है, को रविवार को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार नामित किया गया, क्योंकि उन्होंने और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने 5 मार्च को होने वाले नेपाल चुनावों में संयुक्त रूप से चुनाव लड़ने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। 35 वर्षीय बालेन को संसदीय दल का नेता और प्रधानमंत्री पद का चेहरा नामित किया गया। वहींस रबी लामिछाने भंग हो चुकी प्रतिनिधि सभा में चौथी सबसे बड़ी पार्टी, आरएसपी के अध्यक्ष के रूप में बने रहेंगे। समझौते के अनुसार बालेन और उनका समूह चुनाव आयोग की ओर से दिए गए आरएसपी के चुनाव चिन्ह 'घंटी' पर चुनाव लड़ेगा। बालेन की ओर से अपनी टीम का आरएसपी में विलय करने पर सहमति जताने के बाद पार्टी का नाम, झंडा और चुनाव चिन्ह अपरिवर्तित रहेंगे।

गठबंधन में कुलमान घिसिंग की पार्टी भी हो सकती है शामिल

इस समझौते के बाद, बड़ी संख्या में जनरेशन जेड के समर्थकों के आरएसपी में शामिल होने की उम्मीद है। ऊर्जा और जल संसाधन मंत्री कुलमान घिसिंग के नेतृत्व वाली एक अन्य नवगठित उज्यालो नेपाल पार्टी (यूएनपी), जिसने एकता और सहयोग पर बालेन के साथ कई दौर की बातचीत की है, ने अभी तक गठबंधन में शामिल होने के बारे में कोई निर्णय नहीं सुनाया है।

'व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं के बजाय देश की जरूरतों का ध्यान'

समझौते के बाद लामिछाने ने कहा कि आम सहमति में व्यक्तिगत नेताओं की महत्वाकांक्षाओं के बजाय देश की जरूरतों को ध्यान में रखा जाना चाहिए। उन्होंने रविवार सुबह फेसबुक पोस्ट में ये बातें साझा कीं। समझौते में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने भ्रष्टाचार और कुशासन के खिलाफ युवा पीढ़ी की ओर से शुरू किए गए आंदोलन की जिम्मेदारी ली है। आंदोलन के दौरान घायल हुए लोगों सहित जेनरेशन जेड के प्रदर्शनकारियों की उठाई गई मांगों को पूरा करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। पर्यवेक्षकों का मानना है कि यह समझौता उन उभरती हुई युवा नेतृत्व वाली राजनीतिक ताकतों को एकजुट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिन्होंने सितंबर आंदोलन का नेतृत्व किया था, जिसके कारण केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार गिर गई थी।

डॉक्टरों की हड़ताल जारी, मरीज बेहाल

शिमला, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (आईजीएमसी) में मारपीट मामले के बाद सीनियर रेजिडेंट डॉ. राघव नरुला को बर्खास्त करने के विरोध में हिमाचल में डॉक्टर दूसरे दिन भी हड़ताल पर रहे। मेडिकल कॉलेजों में रेजिडेंट डॉक्टरों के साथ हिमाचल मेडिकल ऑफिसर एसोसिएशन (एमओएच) भी हड़ताल पर है, जबकि सेमडिकोट समर्थन कर रही है। इसके चलते शनिवार को प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों, जोनल अस्पतालों और सीएचसी एवं पीएचसी में भी स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हुईं। कई जगह ओपीडी में मरीजों की जांच नहीं हो सकी, कई ऑपरेशन नहीं हुए।

मेलोनी के देश में बैठकर हमास को कर रहे थे फंडिंग, पुलिस ने 9 लोगों का किया बुरा हाल

रोम, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। इटली की आतंकवाद निरोधक पुलिस ने 3 चैरिटी संगठनों से जुड़े 9 लोगों को हमास के लिए फंडिंग उगाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इन पर आरोप है कि उन्होंने लाखों यूरो की रकम फिलिस्तीनी उग्रवादी संगठन हमास को भेजी। आतंकवाद विरोधी अभियोजकों ने शनिवार को एक बयान में बताया कि आरोपियों पर करीब 7 मिलियन यूरो यानी कि करीब 74 करोड़ रुपये की रकम गाजा, फिलिस्तीनी क्षेत्रों या इजरायल में स्थित उन संगठनों को भेजने का शक है, जो हमास के स्वामित्व में हैं, उसके नियंत्रण में हैं या उससे जुड़े हुए हैं। बता दें कि इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को उनके आतंकवाद विरोधी रुख के लिए जाना जाता है।

'जांच में ईयू के अन्य देशों का भी सहयोग मिला'

बयान में बताया गया कि गिरफ्तार लोगों में मोहम्मद हन्नून भी शामिल है, जो इटली में फिलिस्तीनी एसोसिएशन का अध्यक्ष है। अभियोजकों ने उसे 'इटली में हमास संगठन की सेल का प्रमुख' बताया है। बता दें यूरोपीय संघ ने हमास को अपनी आतंकवादी सूची में शामिल कर रखा है। इटली के अभियोजकों के मुताबिक, इस जांच में अन्य यूरोपीय संघ के देशों का भी सहयोग मिला। अवैध रकम को 'ट्रायंगुलेशन ऑपरेशंस' के जरिए भेजा गया, यानी बैंक ट्रांसफर या विदेशी संगठनों के माध्यम से। यह पैसा गाजा के उन संगठनों तक पहुंचाया गया, जिन्हें इजरायल ने हमास से जुड़े होने के कारण अवैध घोषित कर रखा है।

गिरफ्तारियों के बाद मेलोनी ने किया पोस्ट

आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद मेलोनी ने एक एक्स पोस्ट में कहा, 'मुझे इस महत्वपूर्ण ऑपरेशन की सफलता पर खुशी है, जिसके कारण हमास को 7 मिलियन यूरो से ज्यादा की फंडिंग करने के आरोप में 9 व्यक्तियों की गिरफ्तारी संभव हो सकी। ये गिरफ्तारियां उन तथाकथित चैरिटेबल एसोसिएशनों के माध्यम से की गईं, जो वास्तव में आतंकी गतिविधियों की फंडिंग कर रही थीं। इनमें इटली में फिलिस्तीनियों की एसोसिएशन का अध्यक्ष मोहम्मद महमूद अहमद हन्नून भी शामिल है, जिसे जांचकर्ताओं ने 'हमास की विदेशी शाखा का सदस्य' तथा 'इटली में हमास संगठन की सेल का नेता' बताया है। इस कार्रवाई ने आतंकवाद के वित्तीय नेटवर्क को गंभीर झटका दिया है।'

पहले भी हमास के मददगारों पर हुआ है एक्शन

इटली के गृह मंत्री माटेओ पियांटेदोसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि इस कार्रवाई ने 'उन व्यवहारों और गतिविधियों पर से पर्दा उठाया है, जो फिलिस्तीनी आबादी के पक्ष में पहल का दिखावा करके आतंकवादी संगठनों को समर्थन और भागीदारी छिपा रही थीं।' आरोपियों या संबंधित संगठनों की ओर से इस मामले पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं आई है। जनवरी 2025 में यूरोपीय परिषद ने हमास और फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद को फंडिंग देने वाले 12 व्यक्तियों और 3 संस्थाओं के खिलाफ मौजूदा प्रतिबंधों को आगे बढ़ाने का फैसला किया था।

अवैध खनन पर सीएम भजनलाल का ऐलान

20 जिलों में 15 जनवरी तक चलेगा विशेष अभियान

जयपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिए अरावली पर्वतमाला वाले 20 जिलों में विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि वन एवं पर्यावरण, खान, राजस्व, पुलिस सहित संबंधित विभाग संयुक्त रूप से समन्वय कर कड़ी कार्रवाई करें। अरावली के स्वरूप के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने पर्वतमाला क्षेत्र में सघन पौधारोपण को गंभीरता से लेने को भी कहा है। साथ ही अरावली पर्वतमाला को हरा-भरा बनाने के लिए 250 करोड़ रुपए की हरित अरावली विकास परियोजना बनाई गई है।

29 दिसंबर से 15 जनवरी तक चलेगा अभियान

सीएम भजनलाल ने मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित वन एवं पर्यावरण और खान विभाग की समीक्षा बैठक ली। सीएम भजनलाल ने स्पष्ट कर दिया कि अवैध खनन गतिविधियों पर सख्ती से कार्रवाई के परिणाम दिखाई देने चाहिए। अभियान 29 दिसंबर से 15 जनवरी तक चलेगा।

किसी भी प्रकार के नए खनन की अनुमति नहीं

सीएम भजनलाल ने दोहराया कि अरावली क्षेत्र में किसी भी प्रकार के नए खनन की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस संबंध में केन्द्र सरकार की ओर से भी निर्देश जारी किए गए हैं। ये निर्देश पूरे अरावली भू-भाग पर समान रूप से लागू होंगे।

तत्काल एसआइटी की बैठक आयोजित करने के निर्देश

इसके बाद प्रमुख खान सचिव टी. रविकांत ने अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। जिला कलक्टर की अध्यक्षता में तत्काल एसआइटी की बैठक आयोजित कराने को कहा गया है। अभियान की नियमित मॉनिटरिंग मुख्यालय उदयपुर और खुद प्रमुख सचिव करेंगे।

250 करोड़ रुपए अरावली होगा हरा-भरा

अरावली पर्वतमाला को हरा-भरा बनाने के लिए 250 करोड़ रुपए की हरित अरावली विकास परियोजना बनाई गई है। परियोजना के तहत अरावली वाले जिलों में 32 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सघन पौधारोपण करवाया जा रहा है। सीएम भजनलाल ने कहा राज्य सरकार ने खनन लीज जारी करने में सुप्रीम कोर्ट और सीइसी की ओर से जारी गाइडलाइन की पालना सुनिश्चित की है।

चौमूं विवाद: 34 के खिलाफ नामजद प्राथमिकी

15 से अधिक गिरफ्तार, पुलिस और एसटीएफ तैनात, इंटरनेट सेवा बहाल

जयपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर से सटे चौमूं क्षेत्र में मस्जिद के बाहर पत्थर हटाने को लेकर हुई विवादित घटना ने स्थानीय माहौल को कुछ समय के लिए तनावपूर्ण बना दिया। इस मामले में पुलिस ने 34 नामजद लोगों समेत अन्य अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। वहीं प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि विवाद के दौरान आरोपी राजकार्य में बाधा डालने, हत्या के प्रयास और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने जैसे गंभीर अपराधों में शामिल थे। पुलिस के मुताबिक, घटनास्थल पर विवाद तब शुरू हुआ जब कुछ लोगों ने मस्जिद के बाहर रखे पत्थर हटाने का प्रयास किया। इसके विरोध में मौके पर मौजूद अन्य व्यक्तियों के साथ हाथापाई और हंगामा हुआ। इस घटना के बाद स्थानीय प्रशासन ने तुरंत पुलिस बल को सक्रिय किया और स्थिति पर काबू पाने के लिए क्षेत्र में भारी सुरक्षा व्यवस्था तैनात की गई।

विवाद की जड़ 40-45 साल पुरानी है। मस्जिद के बाहर सड़क किनारे बड़े पत्थर पड़े होने से ट्रैफिक जाम और दुर्घटनाओं की समस्या बनी रहती थी। विगत गुरुवार को पुलिस और मस्जिद समिति के प्रतिनिधियों के बीच बैठक में पत्थर हटाने पर सहमति बनी थी। सहमति के बाद पत्थर हटाए गए, लेकिन रात में रेलिंग लगाने का काम शुरू होने पर विवाद भड़क उठा। रात करीब 3-4 बजे उपद्रवियों ने पुलिस पर पत्थर बरसाए, कई पुलिस वाहनों को नुकसान पहुंचा। कुछ घरों से भी पत्थर फेंके गए। जिसमें आधा दर्जन से अधिक पुलिसकर्मी घायल भी हो गए थे। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए स्थिति को काबू में किया। पुलिस ने 11 महिलाओं सहित 110 से अधिक उपद्रवियों को हिरासत में लिया था। पूछताछ के बाद अधिकांश को छोड़ दिया गया था।

हालांकि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस की जांच जारी थी। इसी के आधार पर 34 नामजद लोगों समेत अन्य अज्ञात के विरूद्ध प्राथमिकी भी दर्ज की गई। पुलिस घर-घर सर्च ऑपरेशन चला रही है और अब तक पुलिस ने 15 से अधिक लोगों को गिरफ्तार भी किया है।

चौमूं में इंटरनेट सेवा बहाल

चौमूं मस्जिद के बाहर रेलिंग लगाने को लेकर हुए विवाद के बाद इलाके में हालात धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हैं। विवाद के दौरान इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई थी ताकि अफवाह और भड़काऊ पोस्ट का प्रसार रोका जा सके। अब प्रशासन ने इंटरनेट प्रतिबंध हटा दिया है और सेवाएं बहाल कर दी गई है। इंटरनेट चालू होते ही सोशल मीडिया पर घटना से जुड़े कई वीडियो वायरल होने लगे हैं, जिन्हें लेकर प्रशासन सतर्क है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों और भड़काऊ पोस्ट से प्रभावित न हों। प्रशासन ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सोशल मीडिया पर निगरानी रखें और किसी भी तरह की भड़काऊ सामग्री फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। एहतियात के तौर पर चौमूं में प्रशासन अलर्ट मोड में है। स्थानीय पुलिस और अधिकारियों की निगरानी के चलते फिलहाल क्षेत्र में स्थिति शांत और सामान्य बनी हुई है।

एसपी के लेकर एसटीएफ की दो कंपनी चौमूं में तैनात

पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज करने के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए सक्रिय कार्रवाई जारी है। पुलिस ने इस कार्य में पूरी गंभीरता दिखाई है और आरोपी व्यक्तियों की पहचान के लिए इलाके में लगातार छापेमारी और गश्त बढ़ा दी है। फिलहाल पुलिस की सतर्कता और कार्रवाई के कारण क्षेत्र में माहौल शांत बना हुआ है। इस मामले में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं। चौमूं क्षेत्र में 1 एपी, 3 एएसपी, 9 एसीपी, 10 एसएचओ और एसटीएफ की 2 कंपनियां तैनात की गई है। स्थानीय पुलिस ने जनता से भी अपील की है कि वे अफवाहों और सोशल मीडिया पर फैल रही झूठी खबरों से प्रभावित न हों और कानून-व्यवस्था में सहयोग करें।

चौमूं में फिलहाल सामान्य है माहौल

जयपुर से सटे चौमूं में भी पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए स्थिति को नियंत्रण में कर लिया है। फिलहाल पुलिस की भारी मौजूदगी के चलते स्थिति शांत और नियंत्रण में है। पुलिस अधिकारी भी लगातार स्थिति की निगरानी कर रहे हैं और सभी संभावित झगड़ों और हिंसक गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं। राज्य सरकार और जिला प्रशासन ने भी मामले की गंभीरता को देखते हुए आदेश दिए हैं कि सभी आरोपी जल्द से जल्द गिरफ्तार किए जाएं और कानून के अनुसार उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। सार्वजनिक संपत्ति और धार्मिक स्थलों के आस-पास किसी भी प्रकार के विवाद को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। फिलहाल चौमूं क्षेत्र में माहौल सामान्य है और लोग अपने-अपने दैनिक कार्य में लगे हुए हैं।

फैक्ट्रियों का दूषित पानी 70 गांवों की फसलें-नस्लें कर रहा बर्बाद

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर गठित समिति ने लिया जायजा

पाली/बालोतरा, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। जोजरी, बांडी और लूणी नदियों में बढ़ते औद्योगिक प्रदूषण की जांच और नदियों के पुनरुद्धार के लिए सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित उच्च स्तरीय इकोसिस्टम ओवरसाइट कमेटी ने नेहड़ा बांध का अवलोकन किया। यहां उपस्थित किसानों ने समिति को बताया कि फैक्ट्रियों से निकलने वाला रासायनिक और रंगीन पानी बांडी नदी में छोड़े जाने से नेहड़ा बांध पूरी तरह दूषित हो चुका है। इसका सीधा असर रोहट क्षेत्र के 60-70 गांवों की खेती, पशुधन और मानव स्वास्थ्य पर पड़ रहा है।

किसानों का कहना है कि दूषित पानी से सिंचाई करने पर फसलें नष्ट हो रही हैं। पशु बांझ हो रहे हैं और ग्रामीण हार्ट, किडनी व कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। यह समस्या करीब 40 वर्षों से बनी हुई है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

कमेटी के अध्यक्ष सेवानिवृत्त जस्टिस संगीत लोढ़ा को किसानों ने बताया कि फैक्ट्रियों का अनट्रीटेड पानी चोरी-छिपे नालों और टैंकरों के माध्यम से बांडी नदी में छोड़ा जा रहा है। हाल ही में मंडिया रोड क्षेत्र में अवैध पाइपलाइन पकड़ी गई, लेकिन जिम्मेदारों पर मुकदमा दर्ज नहीं किया गया।

किसानों ने सिंचाई विभाग की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। किसानों का यह भी आरोप है कि गुजरात से भी रासायनिक पानी के टैंकर बांडी नदी में खाली किए जाते हैं।

निरीक्षण के दौरान कमेटी ने नेहड़ा बांध और बांडी नदी से पानी के सैंपल लिए, विभिन्न स्थलों का जायजा लिया और हर जगह रंगीन पानी बहता पाया। जस्टिस लोढ़ा समिति ने बालोतरा, समदड़ी, अजीत, रामपुरा, भानावास, गोदों का वाड़ा, पाली के नेहड़ा बांध, मंडिया पुलिया सहित विभिन्न स्थानों पर लूणी नदी में बह रहे रासायनिक पानी को देखा और इससे हो रहे नुकसान की जानकारी ली।

जस्टिस लोढ़ा ने हालात पर गंभीर नाराजगी जताई और तथ्यात्मक रिपोर्ट तैयार करने का भरोसा दिलाया। अवलोकन के बाद समिति सदस्य जोधपुर रवाना हो गए। पाली के पास बना नेहड़ा बांध मूल रूप से बरसाती पानी के संग्रह और खेती के लिए जल उपलब्ध कराने की योजना के तहत बनाया गया था। लेकिन आज वह रासायनिक पानी का यार्ड बन गया है। दूसरी ओर जोधपुर की औद्योगिक इकाइयों का प्रदूषित पानी कल्याणपुर तक पहुंच चुका है, जबकि बालोतरा क्षेत्र का प्रदूषित पानी लूणी नदी के रास्ते गुड़ामालानी तक फैल चुका है। इससे खेती के साथ-साथ पशु, पक्षी और वन्यजीव भी प्रभावित होकर काल का ग्रास बन रहे हैं।

उन्नाव मामले में आरोपी को राहत पर फूटा गुस्सा

महिला कांग्रेस का जोरदार मार्च

जयपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। उन्नाव मामले में आरोपी कुलदीप सिंह को जमानत दिए जाने के फैसले के विरोध में राजस्थान महिला कांग्रेस सड़कों पर उतर आई। इस फैसले को महिलाओं के साथ अन्याय बताते हुए महिला कांग्रेस ने जयपुर में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन की शुरुआत राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) मुख्यालय से हुई, जहां से महिला कांग्रेस का दल मार्च करते हुए शहीद स्मारक की ओर रवाना हुआ। मार्च के दौरान बड़ी संख्या में महिला कांग्रेस की कार्यकर्ता मौजूद रहीं। हाथों में तख्तियां और बैनर लिए कार्यकर्ता "महिलाओं को न्याय दो", "महिला अपराधों पर सख्त कार्रवाई करो" जैसे नारे लगाती नजर आईं। पूरे रास्ते प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी कर अपना विरोध दर्ज कराया, जिससे इलाके में कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित हुआ।

राजस्थान महिला कांग्रेस अध्यक्ष सारिका सिंह स्वयं इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करती नजर आईं। उन्होंने कहा कि उन्नाव जैसे गंभीर मामले में आरोपी को जमानत दिया जाना न्याय प्रणाली पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे फैसलों से अपराधियों का मनोबल बढ़ता है और पीड़ित महिलाओं को न्याय मिलने में बाधा आती है। सारिका सिंह ने कहा कि देश में लगातार महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद कई मामलों में आरोपियों को राहत मिलना चिंताजनक है। उन्होंने मांग की कि महिलाओं से जुड़े अपराधों में त्वरित सुनवाई हो और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए, ताकि समाज में एक मजबूत संदेश जाए।

महिला सुरक्षा पर सरकार को घेरा

महिला कांग्रेस नेताओं ने यह भी कहा कि सरकार महिला सुरक्षा को लेकर केवल दावे कर रही है, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और ही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब आरोपी खुलेआम जमानत पर बाहर आ जाते हैं, तो पीड़ित महिलाओं और उनके परिवारों की सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा। प्रदर्शन के दौरान महिला कांग्रेस ने केंद्र और राज्य सरकार से महिला अपराधों को लेकर सख्त कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन की मांग की। साथ ही यह भी कहा गया कि ऐसे मामलों में राजनीतिक दबाव से ऊपर उठकर न्याय किया जाना चाहिए।

न्याय नहीं मिला तो आंदोलन तेज

शहीद स्मारक पहुंचकर महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एक बार फिर नारेबाजी की और चेतावनी दी कि यदि महिला सुरक्षा और न्याय से जुड़े मुद्दों पर ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो महिला कांग्रेस आंदोलन को और तेज करेगी। प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा और पुलिस बल मौके पर तैनात रहा। महिला कांग्रेस का यह प्रदर्शन महिला

पैंथर के बाद अब जंगली सूअर का शिकार, एक गिरफ्तार, 5 फरार

डूंगरपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। डूंगरपुर के आसपुर वन क्षेत्र के माल गांव में जंगली सूअर के शिकार का मामला सामने आया है। वन विभाग की टीम ने घेराबंदी कर एक शिकारी को गिरफ्तार किया, जबकि उसके पांच साथी फरार हो गए। आरोपी की पहचान झल्लारा निवासी लोगर पुत्र उदा मीणा के रूप में हुई है, जो एक पेशेवर शिकारी है।

मौके से एक मादा जंगली सूअर का शव और बाइक बरामद की गई। शिकारी ने मादा सूअर के पेट में गोली मारकर शिकार किया, ताकि सिर सुरक्षित रहे और उसका उपयोग सजावट के लिए किया जा सके। आरोपी को कोर्ट ने 15 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

आधुनिक हथियार से सजावट के लिए शिकार

शिकार की प्रकृति ने वन विभाग को चौंका दिया है। क्षेत्रीय वन अधिकारी सोनम मीणा ने बताया कि क्षेत्र में लेपर्ड और जंगली सूअर के शिकार में एक सी समानता है। बाहरी लोग यहां के लोकल शिकारी के साथ मिलकर जंगली जानवरों का शिकार कर रहे हैं। क्षेत्रीय वन अधिकारी के अनुसार, बाहरी गैंग स्थानीय शिकारियों की मदद से इन घटनाओं को अंजाम दे रही है। विस्तृत जांच की जा रही हैं।

पुलिस-नाकों से बचने के लिए भीतरी रास्तों का इस्तेमाल

पूछताछ में सामने आया है कि शिकारी मुख्य मार्गों और पुलिस थानों से बचने के लिए अंदरुनी मार्ग का इस्तेमाल कर रहे हैं। शिकारी सलूम्बर, प्रतापगढ़ और उदयपुर से शाम को निकलते हैं। वे आसपुर से सागवाडा, सीमलवाडा, डूंगरपुर क्षेत्र के जंगल में रात के अंधेरे में शिकार करते है।

जहां से वापसी के लिए ये शिकारी अंदरूनी गांवों के रुट का उपयोग करते है। इसमें यह सागवाडा और सीमलवाडा मुख्य मार्ग और पुलिस थाने को छोड़कर भीतरी रुट से होते हुए माल गांव से नांदगी सागोर के रास्ते धरियावाद होकर प्रतापगढ़ जिले में प्रवेश कर जाते है। इससे पूंजपुर पुलिस चौकी, आसपुर थाना, निठाउवा वन नाका, आसपुर वन नाका की जांच से बच जाते है।

पैंथर का भी हुआ था शिकार

साबला वन क्षेत्र में पिछले कुछ समय में वन्य जीवों के शिकार का यह दूसरा बड़ा मामला सामने आया है। पैंथर के शिकार के मामले में पुलिस के हाथ अब तक खाली है।

जम्मूतवी–साबरमती एक्सप्रेस में नकदी के साथ पकड़ा गया यात्री, 42.60 लाख बरामद

सिरोही, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। आबूरोड रेलवे पुलिस ने जम्मूतवी–साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन के जनरल कोच से यात्रा कर रहे एक यात्री के पास से 42.60 लाख रुपये की नकद राशि जब्त कर उसे गिरफ्तार किया है। मामले में अग्रिम कार्रवाई के लिए आयकर विभाग जोधपुर और अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रेलवे न्यायालय, जोधपुर महानगर को सूचना दे दी गई है। आबूरोड रेलवे पुलिस थाना प्रभारी मनोज कुमार चौहान ने बताया कि अजमेर में ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती के 814वें सालाना उर्स एवं आगामी नववर्ष को देखते हुए आबूरोड रेलवे पुलिस द्वारा ट्रेनों में विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में आबूरोड रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-2 पर रुकी जम्मूतवी–साबरमती एक्सप्रेस के जनरल कोच की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान मुंडवा मारवाड़ थाना क्षेत्र, जिला नागौर निवासी मुकेश सोनी पुत्र रामेश्वर सोनी संदिग्ध अवस्था में पाया गया। पुलिस ने उसके पीठू बैग की तलाशी ली, जिसमें 42 लाख 60 हजार रुपये नकद मिले।

पुलिस द्वारा नकदी के संबंध में आवश्यक दस्तावेज मांगे गए, लेकिन आरोपी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। इसके बाद नकदी व बैग को जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। मामले की सूचना अग्रिम कार्रवाई के लिए आयकर विभाग जोधपुर एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रेलवे न्यायालय, जोधपुर महानगर को दी गई है।

पूर्व डीजी ने पिस्टल लहराई! प्रसादी कार्यक्रम में मौजूद लोगों से हुई धक्का-मुक्की, डर के मारे ड्राइवर गाड़ी छोड़कर भागा

जयपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में खातीपुरा तिराहे पर पौषबड़ा प्रसादी कार्यक्रम के दौरान लगे भारी जाम ने उस समय तूल पकड़ लिया, जब पूर्व डीजी (आईपीएस) नवदीप सिंह और स्थानीय लोगों के बीच कहासुनी हो गई।

बता दें कि देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों में धक्का-मुक्की हो गई। कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि पूर्व डीजी नवदीप सिंह ने पिस्टल दिखाई, जिससे भीड़ भड़क गई और उनके चालक के साथ मारपीट की गई। कार्यक्रम में भाजपा नेता लालचंद कटारिया और विधायक गोपाल शर्मा भी मौजूद थे।

हालांकि, नवदीप सिंह ने पिस्टल दिखाने के आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उनका कहना है कि उनके पास केवल एक बैग था, कोई हथियार नहीं। नवदीप सिंह के अनुसार, वे किसी काम से घर से निकले थे और पौषबड़ा कार्यक्रम के कारण खातीपुरा तिराहे पर भारी भीड़ व जाम लगा हुआ था।

उन्होंने वहां मौजूद लोगों से वाहनों को साइड में लगाने का आग्रह किया। इसी बात को लेकर कुछ लोगों से बहस हो गई। धक्का-मुक्की के दौरान उनके गले से सोने की चेन टूट गई। चेन तो मिल गई, लेकिन उसमें लगा पन्ना गायब था।

हालात बिगड़ते देख उन्होंने एडिशनल पुलिस कमिश्नर योगेश दाधीच को फोन कर सूचना दी। कुछ ही देर में वैशाली नगर से पीसीआर मौके पर पहुंच गई। पूर्व डीजीपी का आरोप है कि इस दौरान उनके चालक के साथ मारपीट की गई और गाड़ी की चाबी भी छीन ली गई। भय के चलते चालक मौके से चला गया। बाद में घर से डुप्लीकेट चाबी मंगवानी पड़ी।

75 साल हुए आजादी को, फिर भी कच्चा रास्ता

सचिन पायलट की विधानसभा के देवगंज गांव में फूटा लोगों का गुस्सा

टोंक, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। टोंक जिले की सचिन पायलट विधानसभा क्षेत्र में स्थित एक गांव ऐसा भी है, जो आज़ादी के 75 साल बाद भी महज़ दो किलोमीटर लंबी पक्की सड़क बनने का इंतज़ार कर रहा है। यह वही गांव है, जिसके एक निवासी रामस्वरूप जाट ने हाल ही में पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर को खुले सभागार में जमकर खरी-खोटी सुनाकर प्रशासन और सरकार का ध्यान खींचा था। हम बात कर रहे हैं टोंक विधानसभा क्षेत्र के देवगंज गांव की, जो मंडावरा ग्राम पंचायत के अंतर्गत आता है। गांव के ग्रामीणों का आरोप है कि आज़ादी के बाद से अब तक उन्होंने पंचायत राज चुनाव से लेकर विधानसभा और लोकसभा चुनावों तक लगातार भारतीय जनता पार्टी को एकतरफा वोट दिया, लेकिन इसके बावजूद गांव की मूलभूत समस्या पक्की सड़क आज तक हल नहीं हो पाई। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में करीब 400 से अधिक मतदाता हैं, जिनमें कई लोग सरकारी सेवाओं में कार्यरत हैं, लेकिन गांव तक पहुंचने वाली सड़क न तो डामरीकरण से बनी है और न ही सीमेंट की। बरसात के दिनों में हालात और बदतर हो जाते हैं। कीचड़ और गड्ढों के कारण गांव का संपर्क लगभग कट जाता है। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क नहीं होने का असर अब सामाजिक जीवन पर भी साफ दिखने लगा है।

मरुधरा में शीतलहर, 7 शहर 5^0 से नीचे, खेतों में ओस बनी बर्फ

जयपुर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रदेश के जयपुर संभाग में चल रही शीतलहर के कारण अब हाड़कंपाने वाली सर्दी के तेवर तीखे हो गए हैं। बीती रात राजस्थान के 7 शहरों में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री से नीचे दर्ज हो गया। रात में ओस की बूंदें खेत खलिहानों में बर्फ की परत की शक्ल में तब्दील नजर आई। मौसम विभाग ने 28 और 29 दिसंबर को प्रदेश 5 शहरों में शीतलहर चलने की आशंका को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है।

7 शहरों में सर्दी ने छुड़ाई धूजणी

राजस्थान के 7 शहरों में बीती रात हाड़कंपाने वाली ठंड का दौर रहा। सर्द मौसम के कारण रात के तापमान में पारा 5 डिग्री सेल्सियस से भी कम रहने पर लोग सर्दी से ठिठुरते रहे। सुबह सूर्योदय के बाद भी सर्दी के तेवर तीखे बने रहे। बीती रात सीकर में 3.5 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रहा जबकि फतेहपुर कस्बे में रात का तापमान 2.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

कस्बे के कृषि अनुसंधान केंद्र पर आज न्यूनतम तापमान 1.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। करौली 2.1, दौसा 3.9, लूणकरणसर 4.6 और पाली 3.6 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान के साथ सबसे सर्द रहे।

इन 7 जिलों में दो दिन सर्दी का येलो अलर्ट

मौसम केंद्र जयपुर से जारी सूचना के अनुसार 29 और 30 दिसंबर को अलवर, झुंझुनूं, सीकर, चूरू, डीडवाना—कुचामन में शीतलहर चलने की आशंका को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। दो दिन प्रदेशवासियों को सर्दी से बचाव को लेकर विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है।

खेत खलिहानों में जमी ओस की बूंदें

बीती रात सीकर के फतेहपुर समेत कई इलाकों में पारे में गिरावट होने पर मौसम सर्द रहा। तेज गति से हवा चलने से हाड़कंपाने वाली सर्दी लोगों को महसूस हुई वहीं खेत खलिहानों में जमी ओर की बूंदें बर्फ की चादर जैसी नजर आई। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में पारे में और ज्यादा गिरावट होने की संभावना जताई है।

दो घंटे में पांच लूट, एक ही पैटर्न, सड़कों पर बेखौफ बदमाशों का तांडव

सीकर, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के सीकर शहर में अपराधियों ने पुलिस की सक्रियता को चुनौती देते हुए लूट की वारदातों की झड़ी लगा दी। महज करीब दो घंटे के भीतर शहर के अलग-अलग इलाकों में एक ही पैटर्न पर पांच लूट की घटनाएं सामने आईं। सभी वारदातें लगभग दो किलोमीटर के दायरे में हुईं, जहां बदमाश मोबाइल फोन और नकदी लूटकर फरार हो गए। लगातार हुई इन घटनाओं से शहर में दहशत का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार, लूट की इन वारदातों को अंजाम देने के लिए बदमाश स्कूटी और बाइक से आए थे। उन्होंने पुलिस लाइन और जयपुर रोड क्षेत्र सहित पांच अलग-अलग स्थानों को निशाना बनाया। हर जगह एक जैसा तरीका अपनाया गया, जिससे पुलिस को शक हुआ कि सभी वारदातें एक ही गिरोह द्वारा की गई हैं। इसी दौरान जब बदमाश सीकर के इंडस्ट्रियल एरिया में एक और वारदात को अंजाम देने पहुंचे, तो उन्होंने एक युवक का पीछा किया। आरोप है कि बदमाशों ने युवक का गला दबाया और उससे मोबाइल फोन लूटकर मौके से फरार हो गए। इसके बाद वे स्कूटी पर बैठकर वहां से निकल गए। यह पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

कांग्रेस शासन में पलामूरु फिर बना पलायन का जिला : केटीआर

नागरकर्नूल में नवनिर्वाचित सरपंचों का सम्मान समारोह

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के. तारक रामाराव (केटीआर) ने कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस शासन में पलामूरु जिला एक बार फिर पलायन का जिला बन गया है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने जिस पलामूरु को हरित-समृद्ध बनाया था, कांग्रेस सरकार ने उसे दो वर्षों में ही पीछे धकेल दिया। रविवार को नागरकर्नूल जिले में पंचायत चुनावों में जीत हासिल करने वाले सरपंचों और उप-सरपंचों के सम्मान समारोह में केटीआर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर आयोजित आत्मीय सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार दो वर्षों में 10 प्रतिशत काम भी पूरा नहीं कर पाई, जबकि बीआरएस शासन में पलामूरु परियोजना का 90 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका था। केटीआर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने टेंडर रद्द कर पलामूरु-रंगारेड्डी परियोजना को ठप कर दिया, जिससे जिले को सूखे की ओर धकेला गया। उन्होंने कहा कि जल आवंटन के मुद्दे पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी समझौता कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि तेलंगाना के जल अधिकारों और किसानों के हितों की रक्षा के लिए केसीआर एक बार फिर आंदोलन को तैयार हैं और शीघ्र ही पलामूरु आएंगे। किसानों के मुद्दे पर केटीआर ने कहा कि रैतु बंधु की जगह रावण राज आ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि आज किसान यूरिया की बोरियों के लिए कतारों में खड़े होकर अपमान झेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीआरएस शासन के दौरान किसानों को जरूरत के अनुसार यूरिया उपलब्ध कराया जाता था, लेकिन वर्तमान सरकार को किसानों से कोई सरोकार नहीं है। केटीआर ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को किसानों से नहीं, बल्कि कमीशनों से प्रेम है। उन्होंने सवाल उठाया कि दो वर्षों में कांग्रेस सरकार ने कौन-सी बड़ी योजना लागू की है। उन्होंने महालक्ष्मी योजना सहित चुनावी वादों के अमल पर सरकार को घेरा। ग्रामीण विकास का जिक्र करते हुए केटीआर ने कहा कि बीआरएस सरकार ने गांवों में वैकुंठधाम, डंपयार्ड, सड़कें और बुनियादी सुविधाएं विकसित कीं और देश में मिले पंचायत पुरस्कारों में 30 प्रतिशत पुरस्कार तेलंगाना को मिले। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के आने के बाद विकास ठप हो गया है, गांवों में स्ट्रीट लाइट्स और डीजल तक उपलब्ध नहीं है। मुख्यमंत्री द्वारा की जा रही व्यक्तिगत टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए केटीआर ने कहा कि शिक्षा और आत्मनिर्भरता पर उन्हें गर्व है और निजी जीवन पर की जा रही टिप्पणियां दुर्भाग्यपूर्ण हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पंचायत चुनावों में दबाव की राजनीति अपनाई गई। केटीआर ने पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि हर चुनाव में कांग्रेस को हराना ही लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिला परिषद और नगर निकाय चुनाव सेमीफाइनल हैं, जबकि विधानसभा चुनाव फाइनल होंगे। उन्होंने सभी से केवल कार के चुनाव चिन्ह पर वोट डालने की अपील की। उन्होंने नवनिर्वाचित सरपंचों को बधाई देते हुए कहा कि वे भयमुक्त होकर काम करें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि संविधान उनकी रक्षा करेगा और सत्ताधारी दल की धमकियों से डरने की जरूरत नहीं है की वापसी तय है। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर हैदराबाद की कीमती जमीनों पर नजर रखने और कथित तौर पर नई नीतियों के जरिए बड़े पैमाने पर घोटालों की योजना बनाने का भी आरोप लगाया। कार्यक्रम में बीआरएस नेता, नवनिर्वाचित सरपंच, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बतुकम्मा यंग फिल्म मेकर्स चैलेंज 2025 : पुरस्कार वितरण समारोह आज रवींद्र भारती में

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना फिल्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एफडीसी) के तत्वावधान में आयोजित 'बतुकम्मा यंग फिल्म मेकर्स चैलेंज 2025' का पुरस्कार वितरण समारोह सोमवार 29 दिसंबर को सुबह 10 बजे रवींद्र भारती मुख्य ऑडिटोरियम में होगा। यह जानकारी एफडीसी के चेयरमैन दिल राजू ने दी। उन्होंने बताया कि यह प्रतियोगिता, तेलंगाना सरकार द्वारा जनकल्याण और विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु आयोजित की गई है। बतुकम्मा उत्सव के अवसर पर प्रतियोगियों ने शॉर्ट फिल्म और गीतों के माध्यम से सरकार की योजनाओं को दर्शकों तक पहुंचाया। दिल राजू ने सभी प्रतिभागियों और आम जनता से आग्रह किया कि वे इस पुरस्कार वितरण समारोह में उपस्थित रहें। उन्होंने कहा कि चयनित सर्वश्रेष्ठ फिल्मों को मुख्य अतिथियों द्वारा नकद पुरस्कार और प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे।

वैकुंठ एकादशी महोत्सव

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रतिवर्षानुसार होने वाला वैकुंठ एकादशी महोत्सव, जनरल बाजार स्थित विठ्ठलेश्वर मंदिर में 30 दिसंबर को मनाया जाएगा। इस अवसर पर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम होंगे। विशेषकर प्रातःकाल 5.30 बजे उत्तर द्वार (वैकुंठ द्वार) पूजन के साथ भगवान के चरण दर्शन होंगे।

यह जनकारी मंदिर के ईओ जी. सत्यानारायण, एन. रमेश, मंदिर के न्यासी श्रीनिवास पटाले और मंदिर के मुख्य पुजारी पंढरीनाथ नरसीकर ने दी है। भक्तों को सुबह 9 बजे से चरण दर्शन लेने का आग्रह किया गया है।

श्री खेतारामजी महाराज के नाम जागरण 4 को

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अमीरपेट स्थित गुजराती पाटीदार समाज भवन में राजपुरोहित जाणुंदा परिवार के तत्वावधान में ब्रह्मर्षि श्रीश्री 1008 श्री खेतारामजी महाराज के नाम जागरण रविवार 4 जनवरी सायं 5.15 बजे से भव्यरूप से आयोजित किया जाएगा।

प्रेस विज्ञप्ति में आयोजक विजयसिंह राजपुरोहित ने बताया कि ब्रह्मर्षि खेतारामजी महाराज का जागरण भव्य रूप आयोजित किया जाएगा। जिसमें मुकेश राजपुरोहित, हेमेन्द्र राजपुरोहित, दीपक राजपुरोहित, शोभा राजपुरोहित, राम राजपुरोहित, विशाल श्रीमाली अपनी मधुर आवाज में भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि विधायक छगनसिंह राजपुरोहित, युवा नेता थानसिंह राजपुरोहित, समाज सेवी बाबुसिंह राजपुरोहित व समाज के गणमान्यों का आयोजकों द्वारा विशेष सम्मान किया जाएगा।

पधारे समाज बन्धुओं के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था रात्रि 8 बजे से कार्यक्रम स्थल पर की जाएगी। मंच का संचालन विशाल श्रीमाली करेंगे। साउंड की व्यवस्था आईजी साउंड पी.एम.एल. सीरवी द्वारा की जाएगी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विजयसिंह-उषा राजपुरोहित, महावीरसिंह, कृष्णासिंह जाणुंदा राजपुरोहित परिवार व समाज बन्धु उपस्थित रहेंगे। आयोजक विजयसिंह राजपुरोहित ने समाज बन्धुओं व भक्तों से निवेदन किया है समय पर सपरिवार पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे।

निर्माणाधीन पुलिया में गिरने से तीन युवकों की मौत

संगारेड्डी, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निजामपेट मंडल मुख्यालय के पास निर्माणाधीन पुलिया में मोटरसाइकिल गिरने से रविवार तड़के एनएच-161बी पर हुई सड़क दुर्घटना में तीन युवकों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान अवुति नरसिंहुलु (27), जिन्ना महेश (24) और जिन्ना महेश (23) के रूप में हुई है। तीनों आपस में करीबी रिश्तेदार थे।

पुलिस के अनुसार, तड़के सुबह मोटरसाइकिल से सवारी के दौरान वाहन फिसलकर निर्माणाधीन पुलिया में गिर गया, जिससे यह हादसा हुआ। घटनास्थल पर पर्याप्त रोशनी और चेतावनी बोर्डों की कमी को दुर्घटना का कारण माना जा रहा है।

पुलिस ने मामला दर्ज कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए नारायणखेड़ के सरकारी अस्पताल भेज दिया है।

विधानसभा सत्र में ऑटो वेलफेयर बोर्ड की घोषणा करे सरकार

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ऑटो संयुक्त संघर्ष समिति (ऑटो जेएसी) ने राज्य सरकार से आगामी विधानसभा सत्र में ऑटो रिक्शा वेलफेयर बोर्ड की स्थापना करने की मांग की है। रविवार को शहर में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए ऑटो जेएसी नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने उनकी मांगें पूरी नहीं की तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। ऑटो जेएसी नेताओं ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने हैदराबाद में ही करीब 45 हजार ऑटो परमिट जारी कर ऑटो चालकों के मुंह से रोजी-रोटी छीन ली है। उन्होंने कहा कि भारी संख्या में परमिट जारी किए जाने से भ्रष्टाचार और ब्रोकर आधारित रैकेट को बढ़ावा मिला है। नेताओं ने मांग की कि इस व्यवस्था को तुरंत सुधारा जाए और केवल पात्र लोगों को ही परमिट जारी किए जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगें नहीं मानी गईं तो आरटीओ कार्यालयों का घेराव किया जाएगा। इस अवसर पर ऑटो जेएसी के राज्य अध्यक्ष मांडा रविकुमार, राज्य उपाध्यक्ष एस.के. दस्तगीर और राज्य महासचिव बुगुदला सैलू ने कहा कि राज्य सरकार ने दो वर्ष पूर्व ऑटो चालकों को आजीविका सुरक्षा देने का वादा किया था, लेकिन अब तक उस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए मुफ्त आरटीसी बस यात्रा योजना शुरू होने के बाद महिलाओं ने ऑटो का उपयोग कम कर दिया है, जिससे ऑटो चालकों की आय पर गंभीर असर पड़ा है और वे कर्ज के बोझ तले दबते जा रहे हैं। नेताओं ने दावा किया कि अब तक 100 से अधिक ऑटो चालकों ने आत्महत्या कर ली है और इसके लिए उन्होंने कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराया। ऑटो जेएसी नेताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि आगामी विधानसभा सत्र में ऑटो वेलफेयर बोर्ड की स्थापना और 12,000 रुपये की सहायता की घोषणा नहीं की गई, तो सरकार को उनके तीव्र आंदोलन का सामना करना पड़ेगा।

इंडिया विमेंस ने 30 रन से चौथा टी-20 जीता

: शेफाली-मंधाना ने 162 रन की पार्टनरशिप की, श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में 4-0 से आगे हुए

तिरुवनंतपुरम, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। इंडिया विमेंस ने रविवार को अपना सबसे बड़ा टी-20 स्कोर बनाकर श्रीलंका को हरा दिया। टीम ने चौथे मैच में 30 रन से जीत हासिल की। तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड स्टेडियम में श्रीलंका ने बॉलिंग चुनी। भारत ने 221 रन बना दिए, टीम से शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने 162 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की।

बड़े टारगेट के सामने श्रीलंका से कप्तान चमारी अटापट्टू ने फिफ्टी लगाई, लेकिन टीम 191 रन ही बना सकी। यह टी-20 में श्रीलंका का भी बेस्ट स्कोर रहा। भारत से गेंदबाजी में वैष्णवी शर्मा और अरुंधति रेड्डी ने 2-2 विकेट लिए। चौथा मुकाबला जीतकर भारत ने सीरीज में 4-0 की अजेय बढ़त भी बना ली। पांचवां मुकाबला 30 दिसंबर को तिरुवनंतपुरम में ही खेला जाएगा।

ओपनर स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा की फिफ्टी की बदौलत भारत ने 2 विकेट पर 221 रन बनाए। शेफाली ने सीरीज में लगातार तीसरी फिफ्टी लगाई। वे 79 रन बनाकर आउट हुईं। मंधाना ने 35 गेंदों में फिफ्टी पूरी की और 80 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। इस पारी के साथ मंधाना ने अपने 10 हजार इंटरनेशनल रन भी पूरे किए। वे यह उपलब्धि हासिल करने वाली चौथी महिला क्रिकेटर बन गईं।

मिडिल ऑर्डर में ऋचा घोष ने 16 गेंदों पर 40 रन नाबाद बनाए। कप्तान हरमनप्रीत कौर 10 गेंदों पर 16 रन बनाकर नाबाद रहीं। भारतीय टीम ने पहले 3 टी-20 जीतकर सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली है। टीम ने 2 मुकाबले 8 विकेट और एक मुकाबला 7 विकेट के अंतर से जीता।

बेस्ट स्कोर बनाकर भी हारी श्रीलंका :

222 रन के टारगेट के सामने श्रीलंका विमेंस ने तेज शुरुआत की, टीम ने 5 ही ओवर में 58 रन बना लिए। हसिनी परेरा फिर 20 गेंद पर 33 रन बनाकर आउट हो गईं, उनके बाद कप्तान चमारी अटापट्टू ने फिफ्टी लगा दी। उन्होंने इमेशा दुलानी के साथ टीम को 100 रन के पार पहुंचा दिया। अटापट्टू 52 और दुलानी 29 रन बनाकर आउट हुईं।

129 रन पर 2 विकेट गिरने के बाद भी श्रीलंका ने तेजी से बैटिंग की। टीम ने 6 विकेट खोकर 191 रन बना दिए। लोअर ऑर्डर में निलाक्षी डी सिल्वा ने 23 रन बनाए। भारत से श्री चरणी ने भी 1 विकेट लिया, वहीं एक बैटर रन आउट हुईं।

तेलंगाना विधानसभा सत्र से पहले भाजपा अध्यक्ष ने विधायकों और सांसदों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य विधानसभा सत्र सोमवार से शुरू होने के मद्देनज़र, रविवार को भाजपा के राज्य कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने की, जिसमें पार्टी के विधायक (एमएलए) और राज्य परिषद सदस्य (एमएलसी) शामिल हुए। बैठक में भाजपा विधान दल नेता आलेटी महेश्वर रेड्डी, विधायक वेंकटरमण रेड्डी और राकेश रेड्डी, राज्य परिषद सदस्य अंजी रेड्डी, ए.वी.एन. रेड्डी और मल्का कोमुरैया, केंद्रीय जल संसाधन मंत्रालय के पूर्व सलाहकार और महाराष्ट्र सरकार के सलाहकार वेदिरे श्रीराम समेत अन्य उपस्थित रहे। जिन विधायकों को व्यक्तिगत कारणों से बैठक में शामिल नहीं हो सके, उन्हें पार्टी अध्यक्ष ने फोन के माध्यम से बैठक के उद्देश्यों और चर्चा किए गए मुद्दों से अवगत कराया। बैठक में यह निर्देश दिया गया कि विधानसभा और राज्य परिषद सत्रों में पार्टी को जनता के हितों की मजबूत आवाज उठानी है, राज्य सरकार से सार्वजनिक मुद्दों पर स्पष्ट जवाब प्राप्त करने के लिए प्रभावी ढंग से प्रश्न पूछने हैं और सदन में समन्वित ढंग से कार्य करना है। पार्टी नेतृत्व ने यह संकल्प व्यक्त किया कि कांग्रेस सरकार के असक्षम शासन के खिलाफ सदन में मजबूत आवाज उठाई जाएगी, जनता की आजीविका और हितों को विधानसभा का केंद्र बिंदु बनाया जाएगा, और कांग्रेस सरकार की विफलताओं को जनता के सामने उजागर किया जाएगा। बैठक में विधायकों और एमएलसी को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वे सत्र में प्रभावी ढंग से भाग लें और जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाएं।

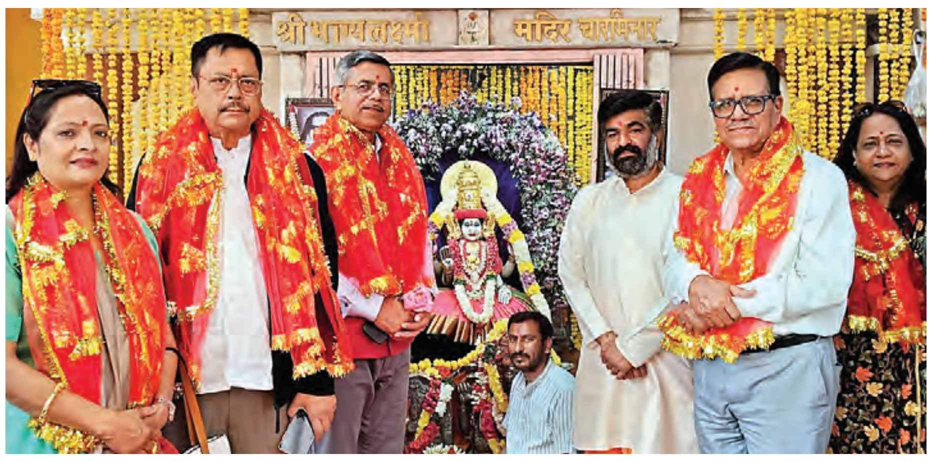

तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह अपने परिवार के सदस्यों के साथ माँ भाग्यलक्ष्मी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

बकरी की बेरहमी से हत्या के मामले में एक व्यक्ति पर एफआईआर

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने के बाद पोथाराम गांव में सार्वजनिक रूप से बकरी की बेरहमी से हत्या किए जाने के आरोप में हुस्नाबाद पुलिस स्टेशन में एक व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। वीडियो में एक व्यक्ति को बकरी की गर्दन काटते और फाड़ते हुए देखा गया, जिससे व्यापक आक्रोश फैल गया। यह कार्रवाई पीपल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा) इंडिया द्वारा हैदराबाद स्थित स्ट्रे एनिमल फाउंडेशन ऑफ इंडिया (एसएएफआई) के समन्वय से की गई शिकायत के आधार पर की गई। एसएएफआई के अडुलपुरम गौतम की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 325 के तहत मामला दर्ज किया है, जिसमें पांच साल तक की कैद का प्रावधान है। इसके अलावा पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 और तेलंगाना पशु एवं पक्षी बलिदान निषेध अधिनियम, 1950 के उल्लंघन के आरोप भी लगाए गए हैं। पेटा इंडिया की पशु क्रूरता प्रतिक्रिया समन्वयक इशानी राठी ने कहा कि सार्वजनिक पशु बलि समाज को हिंसा के प्रति असंवेदनशील बनाती है और पुरातन मान्यताओं को बढ़ावा देती है।

उन्होंने त्वरित कार्रवाई के लिए हुस्नाबाद पुलिस की सराहना की। पेटा की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार पशुओं का वध केवल लाइसेंस प्राप्त और मानक सुविधाओं में ही किया जाना चाहिए।

जेसी बोस ग्रांट के लिए प्रस्ताव आमंत्रित

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ), डीएसटी, केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने जेसी बोस ग्रांट नामक नई योजना के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं। यह योजना पूर्व की जेसी बोस फेलोशिप का पुनर्गठित स्वरूप है। यह अनुदान देश के सक्रिय और वरिष्ठ वैज्ञानिकों तथा इंजीनियरों को उनके उत्कृष्ट शोध कार्य और योगदान के लिए प्रदान किया जाएगा। आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के पास प्रकाशन, शोध परिणाम, पेटेंट, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, पुरस्कार और अनुदान जैसे संकेतकों के माध्यम से उत्कृष्ट प्रदर्शन का रिकॉर्ड होना आवश्यक है। चयन प्रक्रिया वर्ष में एक बार विशेष रूप से गठित खोज-सह-चयन समिति द्वारा की जाएगी।

इस योजना के तहत मानव संसाधन, उपभोग्य सामग्री, यात्रा, आकस्मिक खर्च और अन्य आवर्ती व्ययों के साथ-साथ उपकरण जैसे गैर-आवर्ती खर्चों के लिए प्रतिवर्ष 25 लाख रुपये तक का अनुसंधान अनुदान दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, कार्यान्वयन संस्था को ओवरहेड्स के रूप में प्रतिवर्ष 1 लाख रुपये भी प्रदान किए जाएंगे। यह अनुदान पांच वर्षों के लिए मान्य होगा और इसे अधिकतम 68 वर्ष की आयु तक प्राप्त किया जा सकता है। यदि अनुदान अवधि के दौरान मुख्य शोधकर्ता सेवानिवृत्त होते हैं और मेजबान संस्थान उन्हें बनाए रखने के लिए सहमत होता है, तो अनुदान जारी रह सकता है। इच्छुक वैज्ञानिक 1 जनवरी से 1 फरवरी के बीच आवेदन कर सकते हैं।

तेलंगाना सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट का दूसरा चरण शुरू नहीं

पेद्दापल्ली, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट के दूसरे चरण का निर्माण कार्य सभी आवश्यक स्वीकृतियां मिलने के बावजूद अब तक शुरू नहीं हो सका है। 4,000 मेगावाट की इस परियोजना को क्रियान्वित कर रही राष्ट्रीय तापीय विद्युत निगम ने राज्य सरकार के साथ बिजली खरीद समझौता न होने के कारण काम शुरू नहीं किया है। परियोजना से उत्पादित बिजली का 85 प्रतिशत हिस्सा तेलंगाना को मिलना है, इसलिए निर्माण से पहले राज्य सरकार और एनटीपीसी के बीच औपचारिक बिजली खरीद समझौता आवश्यक है। हालांकि राज्य सरकार ने अब तक इस समझौते में रुचि नहीं दिखाई है, जिससे परियोजना में देरी हो रही है।

आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम के तहत तेलंगाना को यह तापीय परियोजना स्वीकृत की गई थी और इसका पहला चरण, जिसमें दो 800 मेगावाट इकाइयों से 1,600 मेगावाट बिजली उत्पादन शामिल है, पहले ही पूरा हो चुका है। दूसरे चरण में शेष 2,400 मेगावाट बिजली तीन 800 मेगावाट इकाइयों के माध्यम से विकसित की जानी है, जिसके लिए भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड को निर्माण अनुबंध दिया गया है।

परियोजना को पर्यावरण मंजूरी और 29,485 करोड़ रुपये की लागत की स्वीकृति भी मिल चुकी है, लेकिन बिजली खरीद समझौते के अभाव में निर्माण कार्य अटका हुआ है। आठ महीने पहले केंद्रीय विद्युत मंत्रालय ने इस संबंध में राज्य सरकार से लिखित जवाब मांगा था, लेकिन अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

दक्षिण मध्य रेलवे ने 2025 में दर्ज किए कई उपलब्धियां

नई ट्रेनें और बुनियादी ढांचा परियोजनाएं पूरी कीं

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने वर्ष 2025 में अपने सभी क्षेत्रों में निरंतर प्रगति दर्ज की है। इस दौरान रेलवे ने अवसंरचना विकास, नई ट्रेनों की शुरुआत, स्टेशनों के आधुनिकीकरण, यात्रियों की सुविधाओं में सुधार, कर्मचारियों कल्याण, माल लोडिंग, राजस्व वृद्धि और सुरक्षा सुनिश्चित करने जैसे कई महत्वपूर्ण मील के पत्थर पार किए। दक्षिण मध्य रेलवे की प्रमुख उपलब्धियां और पहलें में तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में तीन प्रमुख टर्मिनलों पर भीड़ कम करने और यात्रियों को आसान यात्रा उपलब्ध कराने के लिए चारलपल्ली सैटेलाइट टर्मिनल का विकास किया गया, जिसे जनवरी 2025 में प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटित किया गया। फरवरी 2025 में रेलवे चिकित्सकों के लिए पहली वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। मार्च 2025 में लल्लागुड़ा सेंट्रल हॉस्पिटल में 64-स्लाइस सीटी स्कैन मशीन स्थापित की गई। मई 2025 में बेगमपेट, करीमनगर और वारंगल रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास अमृत स्टेशनों के रूप में किया गया। जून 2025 में काचिगुड़ा हेरिटेज स्टेशन का आर्किटेक्चरल ब्यूटीफिकेशन और लल्लागुड़ा हॉस्पिटल में कार्डियक कैथलैब की सुविधा शुरू की गई। जुलाई 2025 में नई दैनिक ट्रेन काचीगुड़ा- भगत की कोठी शुरू की गई। जुलाई 2025 में पेद्दापल्ली जंक्शन पर बायपास लाइन चालू की गई। अगस्त 2025 में सीएसएमटी-जलना वंदे भारत एक्सप्रेस का नांदेड तक विस्तार किया गया। दिसंबर 2025 में नई साप्ताहिक ट्रेन तिरुपति-साईंनगर शिरडी और एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-विजयवाड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस का नरसापुर तक विस्तार हुआ। इसी क्रम में भारी अवसंरचना और राजस्व उपलब्धियों में जनवरी से नवंबर 2025 तक फ्रेट लोडिंग 136.2 मिलियन टन, फ्रेट राजस्व 12,841 करोड़ रुपये, यात्री राजस्व 5,525 करोड़ रुपये और सकल आरंभिक राजस्व 19,314 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। 3 नई गति शक्ति कार्गो टर्मिनल्स चालू किए गए। 68 मैनड लेवल क्रॉसिंग हटाए गए, 22 रोड ओवर ब्रिज और 60 रोड अंडर ब्रिज बनाए गए। 199 किमी नई ट्रैक लाइनें डाली गईं, 184 किमी ट्रैक विद्युतीकरण किया गया। स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग 529 किमी पर सफलतापूर्वक लागू की गई। दक्षिण मध्य रेलवे ने 2025 में यात्री सुविधाओं, रेलवे स्टेशनों की सुंदरता और संचालन क्षमता में नए मानक स्थापित किए हैं और आगे भी यात्रियों और कर्मचारियों के लिए सेवाओं में सुधार जारी रहेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

4 प्रमुख धर्मस्थल...

संस्थान के सीईओ गोरक्ष गाडिलकर ने बताया कि पिछले साल 31 दिसंबर और 1 जनवरी को करीब 5 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए थे, इस बार ज्यादा श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। पिछले साल दर्शन के लिए औसतन 6 घंटे इंतजार करना पड़ा था। इस बार 5 घंटे में दर्शन होंगे। साईं बाबा के मुख दर्शन के लिए बाहर एक सोने की खिड़की बनाई है। पिछले साल वीआईपी दर्शन के कारण सामान्य श्रद्धालु परेशान हुए थे, इसलिए इस बार वीआईपी दर्शन बंद रखे गए हैं।

वैष्णो देवी : होटल में ही डॉक्यूमेंट्स की जांच के बाद मिलेगा कार्ड :

नए साल के लिए माता वैष्णो देवी मंदिर में जीरो टॉलरेंस भीड़ प्रबंधन स्कीम लागू की गई है। इसके तहत 31 दिसंबर और 1 जनवरी के लिए कुछ सख्त नियम रखे हैं। पुलिस कटरा पहुंचने वाले सभी श्रद्धालुओं के दस्तावेजों की जांच होटल में ही कर रही है। पहचान के सही डॉक्यूमेंट्स होने पर ही रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन कार्ड मिलेगा। श्राइन बोर्ड ने 10 घंटे का सख्त स्टार्ट विंडो पीरियड तय किया है। यानी कार्ड मिलने के 10 घंटे के भीतर यात्रा शुरू करनी होगी और 24 घंटे में नीचे लौटकर आना होगा। पहले यह 12 घंटे थी और लौटने की कोई सीमा नहीं थी। अधिकारियों के मुताबिक इस बार 70 हजार से एक लाख श्रद्धालु पहुंचने का अनुमान है।

अयोध्या : सभी पास पर रोक, आधे घंटे में दर्शन की व्यवस्था :

रामनगरी अयोध्या नए साल से 10 दिन पहले से ही लगभग फुल है। रोज एक लाख श्रद्धालु रामलला के दर्शन को पहुंच रहे हैं। 31 दिसंबर और 1 जनवरी को करीब 2 लाख श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है।

श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा ने बताया कि नए साल पर दर्शन और आरती व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं है। रोज दो घंटे के एक स्लॉट में 400 पास जारी होते हैं, जो एक जनवरी तक फुल हैं। शहर में 150 बड़े होटल हैं, जो 3 जनवरी तक एडवांस में फुल हैं। 807 धर्मशालाएं बुक हो चुकी हैं। यहां ठंड ज्यादा है, इसलिए रास्तों में गैस हीटर लगाए गए हैं।

झुग्गी वाले करोड़पति...

इसके बाद रामलाल पर धोखाधड़ी का एक और मामला दर्ज हुआ। रेवाड़ी के एक रिटायर्ड अधिकारी ने शिकायत दी थी कि विजिलेंस केस में राहत दिलाने के नाम पर उससे 6 करोड़ रुपये ठग लिए गए। कारोबारी अतुल्य शर्मा और फिर रिटायर्ड अधिकारी के मामले सामने आने के बाद ईडी ने रामलाल और उसके परिवार के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की थी।

रामलाल का नाम कई आपराधिक मामलों में भी सामने आया। उस पर रेप और हत्या जैसे गंभीर आरोप लगे, हालांकि बाद में वह मामलों में बरी हो गया। वर्ष 2014 में सेक्टर-49 में एक मॉडल युवती की गोली मारकर हत्या के मामले में रामलाल, उसकी बेटी और दो शूटर गिरफ्तार हुए थे, लेकिन सबूतों के अभाव में सभी को बरी कर दिया गया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaartha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आईपीएल में बांग्लादेशी क्रिकेटर्स पर संतों का सख्त अल्टीमेटम

बांग्लादेशियों का साथ देने वाले भी कहलाएंगे जिहादी, हत्यारों संग नहीं होने देंगे मैच

हरिद्वार, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं पर अत्याचार को लेकर पूरे भारत में आक्रोश देखने को मिल रहा है. वही दो हिंदुओं के साथ बर्बर हत्या के बाद मध्य प्रदेश की सड़कों पर भी प्रदर्शन देखने को मिल रहा है. लोगों ने बांग्लादेश सरकार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है. इतना ही नहीं प्रदर्शनकारियों की तरफ से कहा गया है कि बांग्लादेश लगातार हिंदुओं को निशाना बना रहा है. इसके खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ा रुख अपनाया जाना चाहिए. इसको लेकर उज्जैन में संत समाज ने भी खुलकर विरोध किया है.

बता दें कि उज्जैन में साधु-संतों की तरफ से बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर कहा कि आईपीएल में बांग्लादेशी क्रिकेटरों को खेलने से रोका जाए. उन्होंने चेतावनी दी है, कि जरूरत पड़ी तो पिच उखाड़ दी जाएगी. वहीं संतों का कहना है कि जैसे पहले पाकिस्तान टीम के विरोध में शिवसैनिकों ने पिच खोदी थी, वैसी ही अब नागा साधु बांग्लादेशी खिलाड़ियों के खिलाफ मैदान में उतरेंगे. उनका कहना है कि यह विरोध सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं बल्कि निर्णायक होगा.

बांग्लादेश पर एक्शन की मांग

ऋणमुक्तेश्वर मंदिर के गादीपति महावीर नाथ, रामादल अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रामेश्वर दास और महंत विशाल दास समेत कई संतों ने एक स्वर में बांग्लादेश पर कड़े एक्शन की मांग की. संतों का कहना है कि एक छोटा सा देश भारत को आंख दिखा रहा है. इसको लेकर हम IPL में उसके खिलाड़ियों पर करोड़ों खर्च करें, यह हमें स्वीकार्य नहीं है. उन्होंने साफ कहा कि बांग्लादेशी क्रिकेटरों का बहिष्कार किया जाएगा और भारत में उन्हें खेलने नहीं दिया जाएगा.

संतों की पीएम से भी अपील

रामादल अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रामेश्वर दास का कहना है कि भारत में क्रिकेट प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, फिर बांग्लादेशी खिलाड़ियों को मौका देने की क्या जरूरत है. उन्होंने प्रधानमंत्री से भी इस मामले में सख्त कदम उठाने की अपील की. वहीं महंत विशाल दास ने और कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि जो लोग बांग्लादेशी खिलाड़ियों को खिलाएंगे, उन पर देशद्रोह का मामला दर्ज होना चाहिए. उन्होंने बांग्लादेश के साथ किसी भी तरह के मैच खेलने का भी विरोध किया.

बांग्लेदेश के खिलाफ विरोध

अखिल भारतीय संत समिति के बैनर तले संतों ने ऐलान किया कि बांग्लादेशी क्रिकेटरों के खिलाफ सड़कों पर उतरकर विरोध किया जाएगा और मैच नहीं होने दिए जाएंगे. संतों ने कहा कि जरूरत पड़ी तो नागा साधु खुद पिच उखाड़कर फेंक देंगे. इस बीच जानकारी सामने आई है कि आईपीएल 2026 में बांग्लादेश के दिग्गज क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान खेल सकते हैं, जिन्हें केकेआर ने 9.2 करोड़ रुपये में खरीदा है. इसे लेकर विरोध और तेज होने के आसार हैं.

लौरा ने महिला टी-20 की फास्टेस्ट फिफ्टी की बराबरी की

सुपर स्मैश में 15 गेंद में 50 रन पूरे किए; 6 चौके, 4 छक्के जमाए

एलेक्जेंड्रा, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड में चल रही महिला सुपर स्मैश में ऑस्ट्रेलिया की विस्फोटक बल्लेबाज लौरा हैरिस ने इतिहास रच दिया। उन्होंने सिर्फ 15 गेंदों में अर्धशतक जड़कर महिला टी-20 क्रिकेट के सबसे तेज फिफ्टी के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। इससे पहले यह रिकॉर्ड इंग्लैंड की वारविकशर खिलाड़ी मैरी केली के नाम था।

रविवार को एलेक्जेंड्रा के मोलिन्यू पार्क में खेले गए मुकाबले में ओटागो को जीत के लिए 146 रन का लक्ष्य मिला था। टीम ने 6 ओवर में 46 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। ऐसे समय में लौरा हैरिस क्रीज पर उतरीं और आक्रामक बल्लेबाजी से मैच का रुख बदल दिया।

हैरिस ने महज17 गेंदों में 52 रन बनाए। उनकी पारी में 6 चौके और 4 छक्के शामिल रहे। उनकी इस तूफानी बल्लेबाजी की बदौलत ओटागो ने लक्ष्य को 15वें ओवर में ही हासिल कर लिया।

हैरिस गैबी सुलिवन की गेंद पर डीप में कैच आउट हुईं, लेकिन तब तक जीत लगभग तय हो चुकी थी।

टी-20 क्रिकेट में 6 बार 20 से कम गेंदों में अर्धशतक जड़ा

लौरा हैरिस ने अपने टी-20 करियर में अब तक 6 बार 20 गेंदों से कम में अर्धशतक पूरे किए हैं। इनमें एक 15 गेंदों में, एक 17 गेंदों में, तीन 18 गेंदों में और एक 19 गेंदों में आई फिफ्टी शामिल है। महिला क्रिकेट में किसी अन्य बल्लेबाज ने यह कारनामा एक से ज्यादा बार नहीं किया है।

इस साल की शुरुआत में हैरिस ने इंग्लैंड में वारविकशायर की ओर से खेलते हुए 17 गेंदों में अर्धशतक लगाया था।

हालांकि हाल ही में खत्म हुए विमेंस बिग बैश लीग का सीजन हैरिस के लिए निराशाजनक रहा। सिडनी थंडर की ओर से उन्होंने 10 मैचों में 8 पारियों में सिर्फ 69 रन बनाए। इसके बावजूद उनका स्ट्राइक रेट 197.14 रहा, जो पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा था। थंडर टीम अंक तालिका में दूसरे आखिरी स्थान पर रही।

ओटागो को मिला बोनस पॉइंट

हैरिस की पारी के दम पर ओटागो महिला सुपर स्मैश में बोनस पॉइंट हासिल करने वाली पहली टीम बन गई। नए नियम के तहत जीत के 4 अंकों के अलावा बोनस पॉइंट तब मिलता है, जब टीम 150 रन बनाए या विपक्षी टीम के मुकाबले 1.25 गुना तेज रन रेट से लक्ष्य हासिल करे।

इस मैच में कैंटरबरी का रन रेट 7.25 था, जबकि ओटागो ने 9.84 की रन गति से लक्ष्य हासिल किया।

नीरज-हिमानी की शादी का वीआईपी रिसेप्शन

मोदी आशीर्वाद देने पहुंचे, भगवान श्रीराम की मूर्ति दी; 150 स्पेशल गेस्ट को न्योता दिया था

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली स्थित द लीला पैलेस होटल में गोल्डन बॉय नीरज चोपड़ा और उनकी पत्नी हिमानी मोर की वीआईपी ग्रैंड रिसेप्शन पार्टी आयोजित की गई। बेहद सीमित और चुनिंदा मेहमानों की मौजूदगी में संपन्न यह समारोह पूरी तरह प्रोटोकॉल और सुरक्षा व्यवस्था के तहत आयोजित हुआ।

पीएम मोदी ने दिया आर्शीर्वाद

इस खास मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद देने पहुंचे। पीएम मोदी के आगमन से पहले होटल परिसर में सुरक्षा बढ़ाई गई। मोदी ने न केवल नीरज और हिमानी को शुभकामनाएं दीं, बल्कि उन्हें भगवान श्रीराम की प्रतिमा भेंट कर वैवाहिक जीवन के लिए मंगलकामनाएं भी दीं।

150 वीआईपी को दिया था न्यौता

रिसेप्शन पार्टी में देश के कई बड़े मेहमानों को आमंत्रित किया गया था। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद सहित कई गणमान्य लोगों को नीरज चोपड़ा ने व्यक्तिगत रूप से न्योता दिया था। हालांकि व्यस्तताओं के चलते ये नेता समारोह में शामिल नहीं हो सके। पार्टी में कुल लगभग 150 वीआईपी मेहमानों को आमंत्रित किया गया था।

गौरतलब है कि नीरज चोपड़ा और हिमानी मोर ने 19 जनवरी 2025 को हिमाचल प्रदेश के सोलन स्थित एक निजी रिसॉर्ट में बेहद सादे और निजी समारोह में सात फेरे लिए थे। खेल जगत में व्यस्त शेड्यूल के कारण दोनों ने शादी के तुरंत बाद रिसेप्शन आयोजित नहीं किया था। अब समय मिलने पर राजधानी दिल्ली में यह भव्य लेकिन सीमित दायरे वाली रिसेप्शन पार्टी दी गई।

दिल्ली में तीसरी रिसेप्शन पार्टी

हरियाणा के स्टार जैवलिन थ्रोअर और ओलिंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने अपनी शादी का तीसरा रिसेप्शन दिल्ली में आयोजित किया। यह आयोजन राजधानी के लीला पैलेस होटल में रखा गया, जहां सुरक्षा और प्रोटोकॉल के तहत बेहद सीमित और चुनिंदा मेहमानों को ही आमंत्रित किया गया था।

इससे पहले नीरज चोपड़ा और हिमानी मोर की ओर से 25 दिसंबर को हरियाणा के करनाल स्थित द ईडन और जन्नत हॉल में दो अलग-अलग पारिवारिक कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। इन आयोजनों में परिवार के सदस्य, रिश्तेदार और करीबी मित्र शामिल हुए थे, जहां पारंपरिक अंदाज में विवाह के बाद की रस्में निभाई गईं। दिल्ली में आयोजित यह रिसेप्शन पार्टी शाम करीब 7 बजे शुरू हुई और रात लगभग साढ़े 11 बजे तक चली। कार्यक्रम को पूरी तरह निजी और विशिष्ट बनाए रखने के लिए केवल 150 चुनिंदा मेहमानों को ही न्योता दिया गया था। समारोह में दोनों परिवारों की ओर से करीब 30 महिलाएं विशेष रूप से शामिल रहीं, जिन्होंने पारंपरिक वेशभूषा में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

एंकर ने सुनाई शानदार कविता

इससे पहले हरियाणा के हिसार की रहने वाली जानी-मानी एंकर अल्पना सुहासिनी ने हरियाणा के कार्यक्रम का संचालन किया। मंच से उन्होंने नीरज चोपड़ा और उनकी धर्मपत्नी हिमानी मोर को समर्पित एक भावपूर्ण कविता सुनाई, जिसने समारोह में मौजूद सभी मेहमानों को भावुक कर दिया। कविता को उपस्थित अतिथियों से भरपूर सराहना मिली, वहीं इसकी पंक्तियों ने पूरे आयोजन के माहौल को और अधिक आत्मीय, यादगार और खास बना दिया।

नोदिरबेक से हारे गुकेश, कार्लसन से आधा अंक पीछे

नौ राउंड के बाद आर्टेमिएव और नीमैन शीर्ष पर

दोहा, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। फिडे विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप के दूसरे दिन चार राउंड खेले गए, नौ राउंड पूरे होने के बाद क्लासिकल विश्व चैंपियन डी गुकेश और भारत के नंबर-1 अर्जुन एरिगेसी फिलहाल मजबूत स्थिति में हैं। गुकेश और एरिगेसी 6.5 अंकों के साथ 12 अन्य खिलाड़ियों समेत संयुक्त सातवें स्थान पर हैं। शीर्ष पर रूस के व्लादिस्लाव आर्टेमिएव और अमेरिका के हंस नीमैन 7.5 अंकों के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं।

आर्टेमिएव ने विश्व नंबर-1 और पांच बार के रैपिड चैंपियन मैग्नस कार्लसन (7 अंक) को हराकर बड़ा उलटफेर किया। कार्लसन अब चार अन्य खिलाड़ियों के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर खिसक गए। आर्टेमिएव ने दिन के पहले राउंड में एरिगेसी को भी मात दी थी। गुकेश ने छठे राउंड में नीदरलैंड के अनीश गिरी और सातवें में एलेक्सेय साराना से ड्रॉ लिया। फिर आठवें में स्पेन के डेविड एंटोन को मात दी, लेकिन नौवें राउंड में उज्बेकिस्तान के पूर्व चैंपियन नोदिरवेक अब्दुसत्तोरोव से हार गए और फिसल गए।

गत विजेता हंपी शीर्ष पर

महिला वर्ग में सात राउंड के बाद गत चैंपियन कोनेरु हंपी 6 अंक हासिल कर शीर्ष पर पहुंच गई हैं। चीन की झू जीनर के भी इतने ही अंक हैं। भारत की अन्य खिलाड़ी हरिका द्रोणावल्ली और इस साल की विश्वकप विजेता दिव्या देशमुख 5.5 अंकों के साथ 12 खिलाड़ियों के समूह में संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं। आर. वैशाली दूसरी हार के बाद 4.5 अंकों के साथ संयुक्त 22वें स्थान पर फिसल गई।

भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने की मिली सजा

पाकिस्तान के कबड्डी खिलाड़ी पर लगा प्रतिबंध

कराची, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के एक अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी उबैदुल्लाह राजपूत को एक निजी टूर्नामेंट में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने की सजा मिली है। उबैदुल्लाह पर राष्ट्रीय महासंघ ने अनिश्चितकाल के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। पाकिस्तान कबड्डी महासंघ (पीकेएफ) ने आपातकालीन बैठक बुलाई और उबैदुल्लाह पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया।

बिना एनओसी लिए खेलने के पाए गए दोषी

उबैदुल्लाह पर महासंघ या अन्य संबंधित अधिकारियों से अनिवार्य अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) लिए बिना टूर्नामेंट में खेलने के लिए विदेश यात्रा करने का दोषी पाया गया। पीकेएफ के सचिव राणा सरवर ने कहा कि उबैदुल्लाह को अनुशासनात्मक समिति के समक्ष अपील करने का अधिकार है। सरवर ने कहा कि महासंघ ने इस तथ्य पर गंभीरता से ध्यान दिया कि राजपूत न केवल बिना एनओसी के विदेश यात्रा पर गए, बल्कि उन्होंने भारत की एक टीम का प्रतिनिधित्व किया, उसकी जर्सी पहनी और एक अवसर पर मैच जीतने के बाद भारतीय ध्वज को अपने कंधों पर लपेटा।

सरवर ने कहा कि उबैदुल्लाह ने दावा किया है कि यह पूरी तरह से गलतफहमी थी और उन्हें यह नहीं बताया गया था कि इस निजी टूर्नामेंट में वह जिस टीम के लिए खेलेंगे वह भारतीय टीम होगी। लेकिन फिर भी वह एनओसी नियमों का उल्लंघन करने के दोषी हैं। जीसीसी कप के दौरान भारतीय जर्सी पहने और भारतीय ध्वज लहराते हुए उबैदुल्लाह के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थी जिसके बाद वह मुश्किल में फंस गए।

उबैदुल्लाह ने मांगी थी माफी

सरवर ने कहा कि अन्य खिलाड़ियों पर भी एनओसी लिए बिना इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिबंध और जुर्माना लगाया गया है। उबैदुल्लाह ने इससे पहले माफी मांगते हुए कहा था कि उन्हें बहरीन में खेली गई प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था और वह एक निजी टीम का हिस्सा थे। उन्होंने कहा, मुझे बाद में पता चला कि उन्होंने टीम का नाम भारतीय टीम रखा था। मैंने आयोजकों से कहा कि वे भारत और पाकिस्तान के नाम का इस्तेमाल न करें। अतीत में निजी प्रतियोगिताओं में भारतीय और पाकिस्तानी खिलाड़ी एक साथ निजी टीम के लिए खेले हैं, लेकिन उन टीमों के नाम भारत या पाकिस्तान की टीम नहीं था। मुझे गलत जानकारी दी गई थी।

वंदना कटारिया को किस कारण संन्यास लेने पर होना पड़ा था मजबूर? अब वापसी करने की जताई इच्छा

नई दिल्ली, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय महिला हॉकी टीम की अनुभवी स्ट्राइकर रहीं वंदना कटारिया ने इस साल अप्रैल में अंतरराष्ट्रीय हॉकी से विदा ली थी। हालांकि, उन्होंने अब अपने संन्यास के फैसले पर चुप्पी तोड़ी है। कटारिया का कहना है कि वह खुद को उपेक्षित महसूस कर रही थीं जिस कारण उन्होंने संन्यास का फैसला लिया था। वंदना ने साथ ही कहा कि अगर टीम प्रबंधन चाहे तो वह दोबारा वापसी करने के लिए तैयार हैं।

दो बार की ओलंपियन 33 वर्ष की कटारिया ने 15 साल के करियर को समाप्त करने का फैसला लिया था। उन्होंने भारत के लिए सर्वाधिक 320 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलकर 158 गोल किए हैं। वंदना ने न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले से कहा, जब मुझे लगा कि टीम प्रबंधन को मुझसे कोई अपेक्षा नहीं है तो मैं मानसिक दबाव में आ गई। मैं फिट थी और खेलने में सक्षम भी लेकिन जब मुझे उपेक्षित महसूस होने लगा तो फिर खेलने के कोई मायने नहीं थे।

उन्होंने कहा, मेरा मनोबल गिर गया था। हम आत्मविश्वास के साथ अभ्यास करते हैं लेकिन कई बार नतीजे नहीं मिलते। मैं यह नहीं कहती कि युवा खिलाड़ी अच्छे नहीं हैं, वे शानदार हैं। उन्हें रूटीन के बारे में पता है लेकिन मुझे एक मैच खेलकर अगले दो मैचों में बाहर रहना बहुत खराब लग रहा था। अगर किसी खिलाड़ी को जानबूझकर दबाव में रखा जाएगा तो वह क्या करेगा। मैं लंबे समय से संन्यास के बारे में सोच रही थी और मानसिक रूप से भी इससे परेशान हो गई थी।

महिला हॉकी लीग में श्राची बंगाल टाइगर्स की कप्तानी कर रहीं कटारिया ने कहा, मुझे पता है कि मैं अभी भी खेल सकती हूं और मेरी जरूरत हुई तो मैं तैयार हूं। कोच आते जाते रहते हैं लेकिन टीम को छोड़ना कठिन था जिसके साथ जीवन का अधिकांश हिस्सा बताया है। संन्यास के बाद भी मैंने रूटीन नहीं बदला है और किसी भी रूप में हॉकी की सेवा के लिए तैयार हूं।

50 मीटर राइफल 3पी में तिलोत्तमा सेन का शानदार प्रदर्शन, जीता स्वर्ण पदक

भोपाल, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। बंगलूरू की युवा निशानेबाज तिलोत्तमा सेन ने राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। 17 साल की यह निशानेबाज देश के लिए पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय खिलाड़ी थी। तिलोत्तमा ने 466.9 के स्कोर से शीर्ष स्थान हासिल किया।

केरल की विदार्सा के विनोद ने 462.9 अंक से रजत जबकि रेलवे की आयोनिका पॉल ने 451.8 अंक के स्कोर से कांस्य पदक प्राप्त किया। तिलोत्तमा ने क्वालिफिकेशन दौर में 591 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया था जबकि विदार्सा 589 अंक से दूसरे स्थान पर रहीं। वहीं तिलोत्तमा की कर्नाटक की साथी अनुष्का ठाकुर 588 अंक से तीसरे स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंची।

फाइनल में अनुष्का बहुत कम अंतर से पदक से चूक गईं, वह 441.2 के साथ चौथे स्थान पर रहीं। आयुषी पोद्दार पांचवें और आशी चौकसे छठे स्थान पर रहीं। जूनियर महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में सेना की रितुपर्णा देशमुख ने 458.6 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता। हरियाणा की निश्चल ने कड़ी चुनौती दी लेकिन सिर्फ 0.5 अंक पीछे रहकर 458.1 अंक से दूसरे स्थान पर रहीं। कर्नाटक की अनुष्का ठोकुर ने 447.6 अंक से कांस्य पदक जीता।

सीनियर महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन टीम स्पर्धा में राजस्थान ने 1751 अंक के कुल स्कोर से स्वर्ण पदक हासिल किया। मध्य प्रदेश ने 1750 अंक से रजत जबकि हरियाणा ने इसी स्कोर से कांस्य पदक जीता।

बाबर आजम पाकिस्तान की टीम से बाहर, क्या पैसा कमाना बना वजह?

इस्लामाबाद, 28 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अगले महीने खेली जाने वाली श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है. ये सीरीज आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 को देखते हुए पाकिस्तान के लिए काफी अहम है. लेकिन पाकिस्तान के कई स्टार खिलाड़ी इस सीरीज के लिए टीम का हिस्सा नहीं होंगे. कप्तानी की जिम्मेदारी सलमान अली आगा के कंधों पर होगी, वहीं अनुभवी ऑलराउंडर शादाब खान की टीम में वापसी हुई है.

पाकिस्तान टीम से बाहर हुए बाबर-रिजवान

बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान, शाहीन शाह अफरीदी और हारिस रऊफ जैसे स्टार खिलाड़ी श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए स्क्वॉड में नहीं चुने गए हैं. दरअसल, ये सभी खिलाड़ी इस समय ऑस्ट्रेलिया की घरेलू लीग बिग बैश में व्यस्त हैं, जिसके चलते वह इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर रहने वाले हैं. बाबर इस लीग के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ियों में से एक भी हैं. बता दें, सीरीज के तीनों टी20 मैच दांबुला में खेले जाएंगे. पहला मैच 7 जनवरी, दूसरा 9 जनवरी और तीसरा मैच 11 जनवरी को होगा. श्रीलंका की पिचें स्पिन गेंदबाजों को मदद करती हैं, इसलिए पाकिस्तान की नई टीम को यहां अपनी रणनीति को अच्छी तरह लागू करना होगा. वहीं, टी20 वर्ल्ड कप फरवरी के पहले हफ्ते से शुरू होगा, जहां पाकिस्तान ग्रुप बी में भारत, नामीबिया, नीदरलैंड्स और अमेरिका के साथ रखा गया है.

इस सीरीज के लिए पाकिस्तान टीम में अनकैप्ड विकेटकीपर-बल्लेबाज ख्वाजा नफे को जगह मिली है, वह पहली पार नेशनल टीम का हिस्सा बने हैं. नफे घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे, और अब उन्हें बड़ा मौका मिला है. ऐसे में यह दौरा पाकिस्तान के युवा खिलाड़ियों के लिए खुद को साबित करने का सुनहरा अवसर है. बिग बैश में खेल रहे सीनियर्स की गैरमौजूदगी में नई पीढ़ी पर बड़ी जिम्मेदारी होगी.

श्रीलंका सीरीज के लिए पाकिस्तान की टीम

सलमान अली आगा (कप्तान), अब्दुल समद, अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमान, ख्वाजा नफे, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, मोहम्मद वसीम जूनियर, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सैम अयूब, शादाब खान, उस्मान खान, उस्मान तारिक.

विधानसभा में केसीआर के 10 वर्षों के कुशासन को उजागर करेंगे : कोमटिरेड्डी

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन तथा सिनेमैटोग्राफी मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि लोकतंत्र और समावेशी विकास पर आधारित कांग्रेस पार्टी की विचारधारा आज भी देश का मार्गदर्शन कर रही है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे कांग्रेस के मूल्यों को जमीनी स्तर तक पहुंचाएं। रविवार को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस समारोह के तहत मंत्री ने वलिगोंडा मंडल मुख्यालय स्थित राजीव गांधी चौरास्ता पर कांग्रेस ध्वज फहराया। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि कांग्रेस बलिदान, स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्र निर्माण की पार्टी है। उन्होंने उन नेताओं के योगदान को याद किया जिन्होंने भारत को आज़ादी दिलाई और लोकतांत्रिक शासन की मजबूत नींव रखी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा जनकल्याण और सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्ध रही है। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप शासन कर रही है और अपनी नीतियों के केंद्र में कल्याण को रख रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी इंदिरा गांधी और राजीव गांधी जैसे नेताओं के आदर्शों की भावना के साथ काम करती रहेगी, जिन्होंने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिए। विपक्ष पर निशाना साधते हुए मंत्री ने कहा कि वैचारिक मजबूती से रहित क्षेत्रीय पार्टियां समय के साथ बिखर जाती हैं। उन्होंने टिप्पणी की कि बीआरएस नेताओं के बयानों को ज्यादा महत्व देने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की आलोचना करते हुए कहा कि वे जनता के मुद्दों को संबोधित करने में विफल रहे और नेता प्रतिपक्ष के रूप में वेतन लेने के बावजूद विधानसभा में उपस्थित नहीं हो रहे हैं। कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर को चुनौती दी कि वे कांग्रेस सरकार से जवाबदेही मांगने से पहले कालेश्वरम परियोजना के खातों पर स्पष्टीकरण दें। उन्होंने कहा, हम अपने खातों को पूरी पारदर्शिता के साथ प्रस्तुत करने को तैयार हैं, लेकिन जिन्होंने पहले शासन किया, उन्हें जनता को जवाब देना होगा। मंत्री ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) का नाम बदलने या उसके स्वरूप को कमजोर करने के किसी भी प्रयास के खिलाफ चेतावनी दी और कहा कि यह एक संवैधानिक रूप से समर्थित योजना है। उन्होंने घोषणा की कि यदि नाम बदलने का प्रस्ताव आगे बढ़ाया गया तो कांग्रेस 5 जनवरी से आंदोलन शुरू करेगी। कार्यक्रम में वरिष्ठ पार्टी नेता, स्थानीय जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता और समर्थक बड़ी संख्या में शामिल हुए और स्थापना दिवस समारोह में भाग लिया।

जीएचएमसी का तीन सौ वार्डों में मेगा स्वच्छता अभियान आज से शुरू होगा

परिसीमन के बाद पहला बड़ा स्वच्छता प्रयास

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहरी स्वच्छता स्तर को बेहतर बनाने और लंबे समय से जमा कचरे को हटाने के उद्देश्य से ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन (जीएचएमसी) अपने अब तक के सबसे बड़े स्वच्छता अभियान की शुरूआत करने जा रहा है। सोमवार, 29 दिसंबर से शुरू होने वाला यह विशेष अभियान 31 जनवरी 2026 तक प्रतिदिन 300 वार्डों में चलाया जाएगा। जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन के निर्देश पर शुरू किए जा रहे इस अभियान को वार्डों के हालिया परिसीमन के बाद पहला बड़ा स्वच्छता प्रयास माना जा रहा है। इसका उद्देश्य पुराने कचरे को हटाना और स्वच्छता में जनभागीदारी बढ़ाना है। हाल ही में जारी परिपत्र के अनुसार, इस अभियान के तहत विभिन्न प्रकार की शहरी कचरा समस्याओं से निपटने के लिए चरणबद्ध कार्ययोजना बनाई गई है।

सोमवार को फुट ओवरब्रिज की सफाई से शुरूआत होगी, इसके बाद फ्लाईओवर, सड़कों के किनारे, डिवाइडर, सेंट्रल मीडियन और कर्ब की सफाई की जाएगी। अगले चरणों में झीलों और नालों, फुटपाथों और पार्कों, निर्माण एवं विध्वंस (सीएंडडी) कचरे, ट्रांसफार्मरों और बिजली के खंभों के पास जमा कचरे की सफाई की जाएगी। इस अभियान की प्रमुख विशेषताओं में गार्बेज वल्नरेबल पॉइंट्स (जीवीपी) का उन्मूलन, हरित कचरे की निकासी और पुराने कचरे को हटाना शामिल है। जीवीपी को दीवार चित्रकारी, रंगोली और पौधारोपण के माध्यम से आकर्षक सेल्फी प्वाइंट में बदलने पर विशेष जोर दिया जाएगा। जनसहभागिता इस पहल का मुख्य आधार है। स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए नागरिकों की भागीदारी से जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। इनमें बच्चों, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों के साथ शपथ कार्यक्रम, ई-कचरा संग्रह और गेटेड कम्युनिटीज़ व आवासीय कॉलोनियों में पुन: उपयोग योग्य वस्तुओं के संग्रह अभियान शामिल हैं। स्कूलों को कचरे के पृथक्करण वाले डिब्बे रखने और स्थल पर ही खाद बनाने (कम्पोस्टिंग) के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। खुले में पेशाब, कचरा फैलाने और अवैध डंपिंग के खिलाफ स्पॉट फाइन अभियान चलाया जाएगा। लावारिस कबाड़ वाहनों और जर्जर सार्वजनिक शौचालयों को हटाकर सार्वजनिक स्थानों को बेहतर बनाया जाएगा। सार्वजनिक शौचालयों के आसपास सफाई और पौधारोपण से सौंदर्य और उपयोगिता बढ़ाई जाएगी। आयुक्त कर्णन ने जोनल आयुक्तों, उप आयुक्तों और कचरा प्रबंधन एजेंसियों को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए हैं। नगर ठोस कचरा (एमएसडब्ल्यू) और सीएंडडी कचरे के लिए वाहन, पर्याप्त जनशक्ति, बॉबकैट और जेसीबी मशीनों के साथ काम करेंगे। निगरानी अधिकारी प्रतिदिन निगरानी कर गूगल शीट्स के माध्यम से रिपोर्ट अपडेट करेंगे और 100 प्रतिशत वार्ड क्लियरेंस सुनिश्चित करेंगे। शहरी सामुदायिक विकास (यूसीडी) विंग के परियोजना अधिकारी जीवीपी स्थलों पर संसाधन व्यक्तियों को भेजेंगे, जो जियो-कोऑर्डिनेट्स और तस्वीरें लेकर जवाबदेही सुनिश्चित करेंगे। यह अभियान न केवल तात्कालिक स्वच्छता जरूरतों को पूरा करता है, बल्कि टिकाऊ स्वच्छता प्रथाओं को भी बढ़ावा देता है और राष्ट्रीय स्वच्छता लक्ष्यों के अनुरूप है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे सक्रिय भागीदारी कर हैदराबाद को शहरी स्वच्छता का आदर्श शहर बनाएं।

वैकुंठ द्वार दर्शन के लिए व्यापक तैयारियां : टीटीडी अतिरिक्त ईओ

तिरुमला, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी के अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी च. वेंकैया चौधरी ने बताया कि तिरुमला मंदिर में 30 दिसंबर से 8 जनवरी तक आयोजित होने वाले वैकुंठ द्वार दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की संभावित भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। उन्होंने विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर तिरुमला में शिला तोरणम से दर्शन क्यू लाइन तक की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों को कई आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त ईओ ने स्वयं क्यू लाइनों में पेयजल नलों की कार्यप्रणाली, भोजन वितरण की व्यवस्था और शौचालय सुविधाओं का अवलोकन किया तथा श्रद्धालुओं से बातचीत कर उनकी प्रतिक्रिया भी प्राप्त की। बाद में मीडिया से बात करते हुए अतिरिक्त ईओ ने कहा कि वैकुंठ द्वार दर्शन के लिए अधिकांश व्यवस्थाएं पहले ही पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं से प्राप्त सुझावों के आधार पर क्यू लाइनों में कई बदलाव किए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि क्यू लाइनों में बैठने की व्यवस्था की गई है, पर्याप्त पेयजल सुविधा उपलब्ध कराई गई है तथा क्यू लाइनों के पास अतिरिक्त शौचालयों की व्यवस्था की गई है। तिरुमला श्रीवारी मंदिर में वैकुंठ द्वार दर्शन के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए, तिरुपति स्थित भूदेवी कॉम्प्लेक्स में श्रद्धालुओं को दिए जाने वाले एसएसडी टोकन 28 दिसंबर से 7 जनवरी तक रद्द कर दिए गए हैं। श्रद्धालुओं से अनुरोध है कि वे इस बात का संज्ञान लें और टीटीडी के साथ सहयोग करें। तिरुमला मंदिर में वैकुंठ द्वार दर्शन 30 दिसंबर 2025 से 8 जनवरी 2026 तक आयोजित किया जाएगा। पहले तीन दिनों अर्थात 30 दिसंबर, 31 दिसंबर और 1 जनवरी को वैकुंठ द्वार दर्शन केवल उन्हीं श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध होगा जिन्होंने ई-डिप (ई-डिप) के माध्यम से टोकन प्राप्त किए हैं। जिन श्रद्धालुओं ने टोकन प्राप्त किए हैं, वे केवल उन्हें आवंटित तिथि और समय स्लॉट के अनुसार ही तिरुमला में दर्शन प्रवेश स्थलों पर पहुंचे।

जिन श्रद्धालुओं के पास टोकन नहीं हैं, उनसे अनुरोध है कि वे 2 जनवरी से 8 जनवरी के बीच अपनी यात्रा की योजना बनाएं और टीटीडी जनसंपर्क विभाग, एसवीबीसी तथा सोशल मीडिया के माध्यम से समय-समय पर जारी की जाने वाली भीड़ संबंधी जानकारी के आधार पर सर्वदर्शन क्यू लाइन के माध्यम से वैकुंठ द्वार दर्शन का लाभ उठाएं।

जीएचएमसी ने 60 इंजीनियरों का तबादला किया

ठोस कचरा प्रबंधन को मजबूत करने के लिए उठा कदम

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक फेरबदल के तहत जीएचएमसी ने 60 उप कार्यकारी अभियंताओं (डिप्टी एक्जीक्यूटिव इंजीनियर्स) का तत्काल प्रभाव से ठोस कचरा प्रबंधन (एसडब्ल्यूएम) विंग में तबादला और पदस्थापन किया है। ये आदेश आयुक्त आर.वी. कर्णन द्वारा राज्य सरकार के उस निर्णय के बाद जारी किए गए हैं, जिसके तहत रंगा रेड्डी, मेडचल-मल्काजगिरी और संगारेड्डी जिलों में आउटर रिंग रोड से सटे 27 शहरी स्थानीय निकायों को जीएचएमसी में शामिल किया गया है। इस विस्तार के बाद निगम को 12 जोनों और 60 सर्किलों में पुनर्गठित किया गया है। प्रशासनिक आधार पर किए गए इन तबादलों का उद्देश्य नए नगर क्षेत्र में कचरा प्रबंधन व्यवस्था को सुदृढ़ करना है। अभियंताओं को मलकाजगिरी, उप्पल, एल.बी. नगर, शमशाबाद, राजेंद्रनगर, चारमीनार, गोलकोंडा, खैरताबाद, सिकंदराबाद, सेरिलिंगमपल्ली, कुकटपल्ली और कुतुबुल्लापुर जोनों के अंतर्गत विभिन्न सर्किलों में तैनात किया गया है। संबंधित अधिकारियों को तुरंत अपने नए पदभार ग्रहण करने और अनुपालन की सूचना देने के निर्देश दिए गए हैं। संबंधित अधीक्षण अभियंताओं और कार्यकारी अभियंताओं को इस प्रक्रिया को सुचारु रूप से पूरा कराने के लिए कहा गया है। यह पुनर्गठन तेजी से विस्तारित हो रहे ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र में ठोस कचरा प्रबंधन सेवाओं की दक्षता बढ़ाने और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने में सहायक होगा।

सड़क हादसे में बस चालक पर गैर-जमानती केस, पुलिस कार्रवाई पर विवाद

कुमराम भीम आसिफाबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत और एक अन्य के घायल होने के मामले में टीजीआरटीसी बस चालक के खिलाफ गैर-जमानती मामला दर्ज किए जाने को लेकर रेब्बेना पुलिस की कड़ी आलोचना हो रही है। यह मामला अब विवाद का रूप लेता जा रहा है और चालक समुदाय पुलिस के खिलाफ आंदोलन की तैयारी कर रहा है।

बताया गया है कि 23 दिसंबर की तड़के रेब्बेना मंडल के देवुलगुडा गांव में एनएच-363 पर एक जीप खड़ी बस से टकरा गई। इस हादसे में बेलमपल्ली निवासी 25 वर्षीय चालक कामेरा विजय की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। विजय रेलवे ठेकेदार के यहां काम करता था और उसके परिवार में पत्नी व एक बेटा है।

मृतक के परिजनों ने बस चालक को जिम्मेदार ठहराते हुए अगले दिन राष्ट्रीय राजमार्ग पर करीब एक घंटे तक यातायात बाधित किया और कार्रवाई की मांग की। पुलिस के आश्वासन के बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ। रेब्बेना इंस्पेक्टर संजय ने बताया कि बस चालक ने निजी कारणों से बस को लापरवाहीपूर्वक राजमार्ग पर खड़ा किया था, जिससे यह दुर्घटना हुई। घायल व्यक्ति की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने मृतक के पिता पोशम की शिकायत पर बस चालक धरवत रामा राव के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 के तहत गैर-जमानती मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

हालांकि, चालक समुदाय ने आरोप लगाया कि हाल के वर्षों में पहली बार किसी बस चालक पर इस तरह की कठोर धारा लगाई गई है और पुलिस ने अति उत्साह दिखाया है। उन्होंने पूरे जिले में ड्यूटी बहिष्कार की चेतावनी दी है और मामले की समीक्षा के लिए पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाई है। इस बीच, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस मामले में धारा 106 (आई) के तहत केस दर्ज किया जाना चाहिए था, जिसमें थाने से ही जमानत का प्रावधान है, और गैर-जमानती मामला दर्ज करना उचित नहीं था।

केटी रामाराव ने रतन टाटा को श्रद्धांजलि दी

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने रविवार को दिवंगत उद्योगपति रतन टाटा की जयंती पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनकी करुणा तथा राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान को याद किया।

एक्स पर जारी एक पोस्ट में रामाराव ने कहा कि रतन टाटा की विरासत केवल बोर्डरूम तक सीमित नहीं रही, बल्कि उन्होंने अनगिनत लोगों के जीवन को छुआ और जरूरतमंदों के चेहरों पर मुस्कान बिखेरी।

उन्होंने कहा कि रतन टाटा सहानुभूति, शांत नेतृत्व, राष्ट्र के प्रति गहरे प्रेम और सामाजिक भलाई के प्रति प्रतिबद्धता के प्रतीक थे। रामाराव ने कहा कि रतन टाटा ने यह सिखाया कि सफलता का सही माप धन या शक्ति नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन को बेहतर बनाने की क्षमता है। उन्होंने अपने संदेश में कहा, हम आपको बहुत याद करते हैं, सर।

श्रद्धालु चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे : नायुडू

पैदल आने वाले श्रद्धालुओं के लिए प्राथमिक उपचार केंद्र का उद्घाटन

तिरुमला, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पैदल मार्ग से आने वाले श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने रविवार को अलीपिरी पैदल मार्ग पर स्थित सातवें मील पर एक प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) केंद्र का उद्घाटन किया। इस केंद्र का उद्घाटन टीटीडी के अध्यक्ष बी.आर. नायुडू ने कार्यकारी अधिकारी अनिल कुमार सिंघल तथा अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी च. वेंकैया चौधरी के साथ किया। इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए टीटीडी अध्यक्ष ने बताया कि यह प्राथमिक उपचार केंद्र पैदल मार्ग से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सातवें मील पर स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि आपात स्थिति में श्रद्धालु इस केंद्र पर चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि श्रीवारी मेट्टू पैदल मार्ग पर भी पहले से ही एक प्राथमिक उपचार केंद्र स्थापित किया जा चुका है। समारोह को संबोधित करते हुए अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि तिरुमला में चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के तहत अलीपिरी पैदल मार्ग पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त यह प्राथमिक उपचार केंद्र स्थापित किया गया है, जो श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन लगभग 20,000 से 30,000 श्रद्धालु इस मार्ग से पैदल यात्रा करते हैं। किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या होने पर श्रद्धालु इस केंद्र से तत्काल चिकित्सा सहायता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह प्राथमिक उपचार केंद्र डाउन घाट रोड के पास स्थित होने के कारण वाहन से आने-जाने वाले लोग भी आसानी से यहां चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।

श्रद्धालुओं से अनुरोध किया गया कि वे इस केंद्र पर उपलब्ध चिकित्सा सेवाओं का अधिक से अधिक उपयोग करें तथा सुविधाओं के संबंध में अपने सुझाव और प्रतिक्रिया भी साझा करें। कार्यक्रम में टीटीडी बोर्ड सदस्य ज्योतुला नेहरू, टीटीडी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.बी. कुसुमा कुमारी, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ.एस. कुसुमा कुमारी, वीजीओ राम कुमार, अश्विनी अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. वेंकट सुब्बा रेड्डी, सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

काटेदान में प्लास्टिक यूनिट में आग, कोई हताहत नहीं

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके काटेदान के टाटा नगर में स्थित एक प्लास्टिक पृथक्करण और पेलेट निर्माण इकाई में रविवार तड़के आग लग गई। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों के अनुसार, रविवार सुबह स्थानीय निवासियों ने यूनिट से धुआं उठता देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मैलार्देवपल्ली पुलिस ने दमकल विभाग को अलर्ट किया। इसके बाद आसपास के दमकल स्टेशनों से दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने करीब दो घंटे से अधिक समय तक कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है और मामले की जांच की जा रही है।

सड़क हादसे में दंपति की मौत

जगितियाल, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गोल्लापल्ली मंडल मुख्यालय में रविवार सुबह हुई सड़क दुर्घटना में एक दंपति की मौत हो गई। यह हादसा सुबह करीब 4.30 बजे नल्लागुट्टा के पास हुआ, जब एक कार ने विपरीत दिशा से आ रही मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। मृतकों की पहचान गोल्लापल्ली मंडल के अब्बापुर गांव निवासी रेड्डापाका लिंगैया और उनकी पत्नी लाचाव्वा के रूप में हुई है। दोनों मोटरसाइकिल से जगतियाल की ओर जा रहे थे। हादसे में लाचाव्वा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल लिंगैया को स्थानीय लोगों ने तुरंत जगतियाल अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान उनकी भी मृत्यु हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तेलंगाना के बड़े औद्योगिक हादसे में सिगाची इंडस्ट्रीज के सीईओ गिरफ्तार

संगारेड्डी, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में छह महीने पहले हुए सबसे बड़े औद्योगिक हादसे के लगभग छह महीने बाद, जिसमें लगभग 54 लोगों की मौत हुई और कई अन्य घायल हुए, बीडीएल-भानूर पुलिस ने सिगाची इंडस्ट्रीज लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमित राज सिन्हा को गिरफ्तार कर लिया। उन्हें इस मामले में आरोपी नंबर 2 के रूप में नामित किया गया है। यह विस्फोट 30 जून को हुआ था। मृतकों के परिजनों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर पुलिस ने कंपनी प्रबंधन के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया था। इस गिरफ्तारी के पीछे उच्च न्यायालय द्वारा सेवानिवृत्त वैज्ञानिकों के एक समूह की जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश भी प्रभावी रहा।

केटी रामाराव ने पी जनार्दन रेड्डी को पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने रविवार को दिग्गज नेता और पूर्व मंत्री पी जनार्दन रेड्डी की 18वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने खैरताबाद जंक्शन पर स्थित जनार्दन रेड्डी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें एक दूरदर्शी और निडर जन नेता बताया, जिन्होंने लगभग पांच दशकों तक हैदराबाद की राजनीति को दिशा दी। इस अवसर पर केटी रामाराव ने कहा कि जनार्दन रेड्डी उन विरले नेताओं में से थे, जिन्होंने जनता के हित में अपनी ही कांग्रेस सरकार से सवाल करने का साहस दिखाया। उन्होंने कृष्णा नदी का पानी हैदराबाद तक लाने के लिए किए गए उनके संघर्ष को ऐतिहासिक बताया।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में हैदराबाद में हुए विकास और कल्याणकारी कार्यों को देखकर जनार्दन रेड्डी को गर्व होता। केटी रामाराव ने कहा कि बीआरएस सरकार ने शहर के विकास और बुनियादी ढांचे को लेकर जनार्दन रेड्डी के सपनों को साकार किया है। उन्होंने युवाओं और भावी नेताओं से जनार्दन रेड्डी की जनसेवा की भावना से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने जनार्दन रेड्डी के पुत्र और पूर्व विधायक विष्णुवर्धन रेड्डी की भी सराहना की, जो अपने पिता के आदर्शों को आगे बढ़ा रहे हैं। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री सीएच मल्लारेड्डी, वी श्रीनिवास गौड़, विधायक मुथा गोपाल और बंडारू लक्ष्मा रेड्डी, एमएलसी दासोजू श्रवण, मगंती सुनीता गोपीनाथ, नगरसेवक और अन्य पार्टी नेताओं ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

टीटीडी मंदिरों में वैकुंठ द्वार दर्शन की तैयारियां

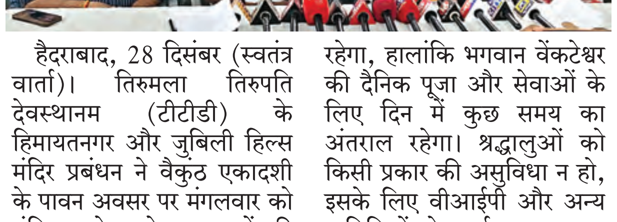

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के हिमायतनगर और जुबिली हिल्स मंदिर प्रबंधन ने वैकुंठ एकादशी के पावन अवसर पर मंगलवार को मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की हैं। टीटीडी हिमायतनगर स्थानीय सलाहकार समिति (एलएसी) के अध्यक्ष एन. शंकर गौड़ ने रविवार को हिमायतनगर स्थित टीटीडी कल्याण मंडपम में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि श्रद्धालुओं के लिए मंगलवार तड़के 1 बजे से सर्वदर्शन की व्यवस्था की गई है। दर्शन रात 10 बजे तक जारी रहेगा, हालांकि भगवान वेंकटेश्वर की दैनिक पूजा और सेवाओं के लिए दिन में कुछ समय का अंतराल रहेगा। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए वीआईपी और अन्य अतिथियों के दर्शन का समय मंगलवार तड़के 1 बजे से सुबह 6 बजे तक निर्धारित किया गया है। इससे दिन में आने वाले सर्वदर्शन श्रद्धालुओं को परेशानी नहीं होगी।

शंकर गौड़ ने कहा, मंगलवार तड़के 1 बजे से भगवान के दर्शन प्रारंभ होंगे और रात 10 बजे तक एकांतम, तोमाला सेवा, शुद्धि सहित सभी सेवाएं निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संपन्न की जाएंगी। मंदिर प्रबंधन के अनुसार, पिछले वर्ष वैकुंठ एकादशी के अवसर पर लगभग 25,000 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए थे। संभावित भीड़ को देखते हुए इस वर्ष भी सुचारु दर्शन सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए जा रहे हैं। टीटीडी के सहायक कार्यकारी अधिकारी (एईओ) रमेश ने बताया कि पर्याप्त पेयजल और अन्नप्रसाद की व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे अपने वाहन ट्रैफिक पुलिस द्वारा चिन्हित स्थानों पर पार्क करें और मंदिर प्रबंधन का सहयोग करें। बैठक में मंदिर के मुख्य अर्चक और एईओ रमेश उपस्थित थे। टीटीडी अधिकारियों ने श्रद्धालुओं से शांतिपूर्ण वैकुंठ एकादशी दर्शन के लिए ट्रैफिक और सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करने का अनुरोध किया।

बीआरएस नेता ने मुख्यमंत्री पर सिंचाई परियोजना की उपेक्षा का आरोप लगाया

हैदराबाद, 28 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता क्यामा मल्लेश ने रविवार को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर तेलंगाना के हितों के साथ विश्वासघात करने और पालमुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। मल्लेश ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने अपने 10 साल के कार्यकाल में सिंचाई को प्राथमिकता दी और लगभग 65 लाख एकड़ भूमि की सिंचाई के लिए कई परियोजनाएं पूरी कीं। उन्होंने बताया कि पालमुरु-रंगारेड्डी परियोजना का लगभग 90 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका था, लेकिन रेवंत रेड्डी ने अपने ही जिले के लोगों को निराश किया और शेष 10 प्रतिशत कार्य दो साल बाद भी पूरा नहीं हुआ। बीआरएस नेता ने पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ मुख्यमंत्री की टिप्पणियों की कड़ी आलोचना की और चेतावनी दी कि चंद्रशेखर राव का अपमान होने पर कार्यकर्ता चुप नहीं बैठेंगे। उन्होंने कहा कि जनता के गुस्से के कारण कांग्रेस एमपीटीसी और जेडपीटीसी चुनाव कराने से डर रही है और जब तक सभी चुनावी वादे पूरे नहीं होते, बीआरएस सरकार उन्हें घेरती रहेगी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.